



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 15, 1980/फाल्गुन 25, 1901

No 11]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 15, 1980/PHALGUNA 25, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1980

का०आ० 563.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 72-मऊगंज निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री काशीनाथ, ग्राम-पतियारी, पो० बरहुटा, रीवा, जिला रीवा (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, समयक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्याख्यान नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री काशीनाथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स० 72/77]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 11th February, 1980

S.O. 563.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kashi Nath, Village—Patiyari, P.O.—Barhata, Rewa, District—Rewa, Madhya Pradesh, a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 72-Mauganj constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and

the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kashi Nath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/72/77]

का० आ० 564.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 72-मऊगंज निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री औसरी, ग्राम पकरा, पो० पन्नी, जिला रीवा, रीवा, मध्य प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री औसरी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स० 72/77]

S.O. 564.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Auseri, Village—Pakra, P.O.—Panni, District—Rewa, Kewla, Madhya Pradesh a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 72-Mauganj constituency, has failed to lodge any account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Auseri to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/72/77]

का०आ० 565.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 175-सिवाना निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जैसा राम, खालसा की बास, सिवाना (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, समयक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री जैसा राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० राज०-वि०स०/175/77(41)]

S.O. 565.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jesa Ram, Khalsa-Ki-Vas, Siwana (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in June, 1977 from 175-Siwana constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jesa Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ/LA/175/77(41)]

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1980

का० आ० 566.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 11-सूरनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अमर चन्द, श्री विजय नगर, जिला—श्री गंगानगर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, समयक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अमर चन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० राज०-वि०स०/11/77(38)]

New Delhi, the 13th February, 1980

S.O. 566.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Amar Chand, Sri Bijonagar, District—Sri Ganganagar, (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in June, 1977 from 11-Suratgarh constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Amar Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/11/77(38)]

क्रा० आ० 567.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 71-कुम्हेर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अरुन सिंह, रोजविला कोठी, भरतपुर (राजस्थान), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, समयक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अरुन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० राज०-वि०स०/71/77(39)]

S.O. 567.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Arun Singh, Rojwila Kothi, Bharatpur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in June, 1977 from 71-Kumher constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Arun Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ/LA/71/77(39)]

क्रा० आ० 566.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 71-कुम्हेर निर्वाचन क्षेत्र से, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती त्रिवेनी देवी, ग्राम पोस्ट लुधवाई, भरतपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, समयक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमती त्रिवेनी देवी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० राज०-वि०स०/71/77(40)]

S.O. 568.—Whereas the Election Commission is satisfied that Smt. Triveni Devi, Village and Post Ludhawai, Bharatpur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in June, 1977 from 71-Kumher constituency, has failed to lodge an account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Smt. Triveni Devi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ/LA/71/77(40)]

नई दिल्ली 22 फरवरी, 1980

क्रा० आ० 569.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 19-गिर्द निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हर्षसिंह, ग्राम नीरावली, पो०आ०—मोतीझील बरगना, परगना—गिर्द, जिला—खालियर (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, समयक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान

हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री हट्टेसिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/19/77]

New Delhi, the 22nd February, 1980

S.O. 569.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hathe Singh, Gram Nirawali, P. O. Moti Jheel Barua, Pargana Gird, District—Gwalior (Madhya Pradesh)—a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 19-Gird constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hathe Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/19/77]

क्र० प्र० 570.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 47-मलेहरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री किशोरी लाल, ग्राम व पोस्ट धक्सावाहा, जिला-छत्तरपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, समयक् सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री किशोरी लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/47/77]

S.O. 570.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kishori Lal, Village and P.O.—Wakaswaha, District—Chaatarpur (Madhya Pradesh), a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 47-Malehra constituency,

has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kishori Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/47/77]

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1980

क्र० प्र० 571.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 66-रीवा निर्वाचन क्षेत्र, से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जयशंकर प्रसाद द्वारा श्री सुशील कुमार तिवारी, पण्डन टोला, रीवा जिला-रीवा (मध्य प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, समयक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री जयशंकर प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स०/66/77]

आदेश से,

क्र० ना० नगर, अवर सचिव

New Delhi, the 26th February, 1980

S.O. 571.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jai Shankar Prasad, C/o Shri Sushil Kumar Tiwari, Advocate, Pandan Tola, Rewa, District—Rewa (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 66-Rewa constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jai Shankar Prasad to be disqualified for being chosen

as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP/LA/66/77]

By order,

O. N. NAGAR, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1980

का० आ० 572.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 86-हरदोई निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मथुरी उर्फ मथुरी लाल, ग्राम अन्जनपुरा पुरवा मजूरा मोना, पोस्ट अग्ररी, जिला हरदोई (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अर्पण निवेदन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मथुरी उर्फ मथुरी लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/86/77(66)]

ORDERS

New Delhi, the 13th February, 1980

S.O. 572.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mathuri alias Mathuri Lal, Anjanwapurwa, R/O Mona, Post Andharra, District Hardoi (UP), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 86-Hardoi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mathuri alias Mathuri Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/86/77(66)]

का० आ० 573.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 273-सोराव निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम लखन, ग्राम देवगालपुर, पोस्ट छाता फूलपुर, जिला इलाहाबाद लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अर्पण निवेदन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राम लखन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/273/77(69)]

S.O. 573.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Lakhan, Village Deogalpuri, P.O. Chhata Phulpur, Allahabad a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in 1977 from 273-Soraon constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Lakhan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/273/77(69)]

का० आ० 574.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 274-नवागंज निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शिव शंकर, ग्राम तथा पोस्ट अयरासपुर, जिला इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अर्पण निवेदन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री शिव शंकर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. उ०प्र०-वि०स०/274/77(70)]

S.O. 574.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sheo Shankar Village and Post Office Athrampur, Allahabad a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in 1977 from 274-Nawabganj constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sheo Shankar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/274/77(70)]

का० प्रा० 575.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 358-आगरा पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री दुर्गा प्रसाद देशमुख, 47/218 गढ़ी मदौरिया, लोहामन्डी, आगरा, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री दुर्गा प्रसाद देशमुख को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. उ०प्र०-वि०स०/358/77(71)]

S.O. 575.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Durga Prasad Deshmukh, 47/218, Garhi Madauria, Lohamandi, Agra, U.P., a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 358-Agra East constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the

Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri D. P. Deshmukh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/358/77(71)]

का० प्रा० 576.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 358-आगरा पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मोहन लाल अग्रवाल 3/180 रोशन मोहल्ला, आगरा, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मोहन लाल अग्रवाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. उ०प्र०-वि०स०/358/77(72)]

S.O. 576.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohan Lal Aggarwal, 3/180 Roshan Mohalla, Agra, Uttar Pradesh a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 358-Agra East constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohan Lal Aggarwal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/358/77(72)]

का० प्रा० 577.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार लोक सभा/विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 79-पंडौल निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अली हसन शेख ग्राम उदयपुर बिहुआर, पो० बिहुआर, जिला मधुबनी, बिहार

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अली हसन शेख को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/79/77(134)]

S.O. 577.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ali Hassan Seikh, Village Udaypur, Bihuar, P.O. Behuar, District Madhubani, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 79, Pandaul constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ali Hassan Seikh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/79/77(134)]

का० प्रा० 578.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 79-पंडौल निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पचकौरी पासवान, ग्राम विक्रमपुर बलिया, पो० बलिया, जिला मधुबनी, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री पचकरी पासवान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान

सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/79/77(135)]

S.O. 578.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pachkauri Paswan, Village Vikrampur Balia, Post Balia, Dist. Madhubani, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 79 Pandaul constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pachkauri Paswan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/79/77(135)]

आ० का० 579.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 79-पंडौल निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विन्देश्वर मिश्र, ग्राम पो० सागरपुर, जिला मधुबनी, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री विन्देश्वर मिश्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/79/77(136)]

S.O. 579.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bindeshwar Mishra, Village and Post Office—Sagar-pur, Dist. Madhubani, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 79-Pandaul constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri

Bendeshwar Mishra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/79/77(136)]

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1980

का० आ० 580.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 367-सादाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अमर नाथ, म० नं० 137, सादाबाद, जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अमर नाथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/367/77(73)]

New Delhi, the 14th February, 1980

S.O. 580.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Amar Nath, House No. 137, Sadabad, Distt. Mathura (UP), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in 1977 from 367-Sadabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Amar Nath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/367/77(73)]

का० आ० 581.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 367-सादाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती शीला देवी, ग्राम अमयापुर, पो० मई, जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रही है ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमती शीला देवी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/367/77(74)]

S.O. 581.—Whereas the Election Commission is satisfied that Smt. Sheela Devi, Village Abhayapur, Post Mal, Distt. Mathura (UP), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in 1977 from 367-Sadabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Sheela Devi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament, or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/367/77(74)]

का० आ० 582 :—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 367-सादाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नवीन प्रकाश शुक्ला, ग्राम व पो० सहपऊँ, जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री नवीन प्रकाश शुक्ला को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/367/77(75)]

S.O. 582.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Navin Prakash Shukla, Village and Post Office Sahpau, Distt. Mathura (UP), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in 1977 from 367-Sadabad constituency, has failed to lodge and account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Navin Prakash Shukla to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/367/77(75)]

क्र० आ० 583 .—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 367-सादाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हरनारायण, सादाबाद, जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री हरनारायण को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/367/77(76)]

S.O. 583.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Har Narayan, Sadabad, Distt. Mathura (UP), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in 1977 from 367-Sadabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Har Narayan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/367/77(76)]

क्र० आ० 584 .—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान 1243 GI/79-2

सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 367-सादाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हरी ओम, ग्राम ब पो० महरारा, जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री हरी ओम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/367/77(77)]

S.O. 584.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hari Om, Village and Post Office Mehrrara, Distt. Mathura (UP), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in 1977 from 367-Sadabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hari Om to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/367/77(77)]

क्र० आ० 585 .—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 379-खुर्जा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गोकुल सिंह, ग्राम रामबास, पोस्ट बादशापुर पचगाई, जिला बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस सफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गोकुल सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा

विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करना है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/379/77(78)]

S.O. 585.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gokal Singh, Village Rambas, P. O. Badshapur, Panchgani Distt. Bulandshahr, U.P., a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in 1977 from 379-Khurja constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gokal Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/379/77(79)]

क्र० आ० 586 :—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 382-स्याना निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विजय सिंह, महीउद्दीनपुर, बूकलाना, पोस्ट खास, जिला बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री विजय सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स० 382/77(79)]

S.O. 586.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vijay Singh, Mai Uddinpur, Buklana, P. O. Khas, Distt. Bulandshahr, U.P., a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in 1977 from 382-Siana constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri

Vijay Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/382/77(79)]

क्र० आ० 587 :—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 10-रक्षौल निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रमेश्वर दयाल सिंह, ग्राम रक्षौल, मेन रोड, रक्षौल, जिला पूर्व चम्पारण, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री प्रमेश्वर दयाल सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/10/77(137)]

S.O. 587.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Prameshwar Dayal Singh, Vill.-Raxaul, Main Road, Raxaul, Dist.-East Champaran, Bihar, a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 10-Raxaul constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Prameshwar Dayal Singh, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/10/77 (137)]

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1980

क्र० आ० 588 :—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 295-चाईवासा (अ० ज०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सोमा लुबिड़, ग्राम गुन्डी पोसी, डाकघर पुराना पानी, बाया झोंक पानी, जिला सिंहभूम, बिहार लोक प्रतिनिधित्व

अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सोमा तुबिड़ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेद की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-वि०स० 295/77(144)]

New Delhi, the 15th February, 1980

S.O. 588.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Soma Tubid, Village-Gundipoai, P. O. Purrugga Pani, Via-Thinkpani, Singhbhum, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 295-Challeasa (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder.

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Soma Tubid to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/295/77 (144)]

का० आ० 589.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 295-चाईबासा (अ० ज०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शिवदयाल मुन्डी, ग्राम बड़लगिया पो० बरकेला, जिला सिंहभूम, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री शिवदयाल मुन्डी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-वि०स०/295/77(145)]

S.O. 589.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shiv Dayal Sudi, Village-Barlagia, P O. Barrkila, Distt. Singhbhum, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 295-Chaibasa (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shiv Dayal Sudi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/295/77 (145)]

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1980

का०आ० 590 :—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 300-खरसवा (अ०ज० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गुलाबसिंह मुण्डा, ग्राम तिलोपदा, डाकघर गालुडीह कुचाई, जिला सिंहभूम, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गुलाब सिंह मुण्डा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-वि०स०/300/77(146)]

New Delhi, the 18th February, 1980

S.O. 590.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gulab Singh Munda, Village Tilopesda, Post-Galudih Kuchai Distt. Singhbhum Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 300-Kharsawan (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gulab Singh Munda to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/300/77 (146)]

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1980

का० आ० 591 :—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 288-घाटशिला (अ०ज०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री यादुनाथ बास्के, ग्राम रंगमटिया, पो० मुसाबनी माईन्स, जिला सिंहभूम लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री यादुनाथ बास्के को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-वि०स०/288/77(147)]

New Delhi, the 19th February, 1980

S.O. 591.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jadu Nath Baske, Village-Rangamatia, P. O. Musabari Mines, Dist. Singhbhum a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 288-Ghatshila (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jadu Nath Baske, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/288/77 (147)]

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1980

का० आ० 592:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून 1977 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 71-नकाशिपारा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मृत्युंजय डे, गांव खीदीरपुर, पो० बेथूअड़ाहरी, जिला नादिया, पश्चिमी बंगाल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पक् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री मृत्युंजय डे को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[संख्या प० बं०-वि०स०/71/77]

New Delhi, the 21st February, 1980

S.O. 592.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mrityunjoy De, village Khidirpur, P.O. Bethuadahari, Dist. Nadia, West Bengal, a contesting candidate for general election to the West Bengal Legislative Assembly from 71-Nakashipara assembly constituency, held in June, 1977, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mrityunjoy De, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/71/77]

का० आ० 593:—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 238-औरंगाबाद निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गुरु प्रेम विकास सिन्हा, ग्राम एवं पत्तालय रजौई, जिला औरंगाबाद, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री गुरु प्रेम विकास सिन्हा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-वि०स०/238/77(155)]

आवेश से

के० गणेशन सच्चि

S.O. 593.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Guru Prem Vikas Sinha, Village and Post Office Rajoi, District-Aurangabad, Bihar a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 238-Aurangabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Guru Prem Vikas Sinha to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/238/77 (155)]

By order,
K. GANESAN, Secy.

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1980

का० आ० 594.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 (1950 का 43) की धारा 13-क की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग आसाम सरकार के परामर्श से श्री के० एस० राव के स्थान पर श्री बी० बरुआ, आई० ए० एस०, सदस्य, आसाम-मेघालय संयुक्त काडर को उनके कार्य-भार सम्भालने की तारीख से अगले आदेशों तक आसाम राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नामनिर्देशित करता है।

[सं० 154/आसाम/80]

आदेश से,

बी० नागसुब्रमण्यन, सचिव

New Delhi, the 27th February, 1980

S.O. 594.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Assam hereby nominates Shri B. Barua, IAS, a member of Assam-Meghalaya joint cadre, as the Chief Electoral Officer for the State of Assam with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri K. S. Rao.

[No. 154/AS/80]

By orders,

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 फरवरी, 1980

का० आ० 595.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालय को, जिसके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

क्षेत्रीय निदेशक, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति का कार्यालय,

चंडीगढ़

[संख्या 12017/3/78-हिन्दी]

कैलाश चन्द्र कनकन, उप सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 29th February, 1980

S.O. 595.—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for the Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following office of the Ministry of Home Affairs, the staff whereof have acquired working knowledge of Hindi :—

Office of the Zonal Director, Scheduled Castes and Scheduled Tribes, Chandigarh.

[No. 12017/3/78-Hindi]

K. C. KANKAN, Dy. Secy.

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1980

का० आ० 596.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, तेजपुर के न्यायालय में श्री मुरारी लाल अग्रवाल तथा अन्यो के विरुद्ध दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के नियमित मामला संख्या 2/63-सी० आई० ए० (1) और श्री मानिक चन्द वैद्य तथा अन्यो के विरुद्ध नियमित मामला संख्या 2/63-सी० आई० ए०-1 में अभियोजन करने के लिए श्री हिराम्बा शर्मा, अधिवक्ता, तेजपुर को विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 225/56/79-ए०वी०डी०-II]

टी० के० सुब्रमणियन, अव्वर सचिव

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 1st March, 1980

S.O. 596.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri Heramba Sarmah, Advocate, Tezpur, as a Special Public Prosecutor for the purposes of conducting the Delhi Special Police Establishment Regular case No. 2/63-CIA(I) against Shri Murari Lal Agarwal and others and Regular Case No. 3/63-CIA(I) against Shri Manik Chand Baid and others in the Court of the Chief Judicial Magistrate, Tezpur.

[No. 225/56/79-AVD-II]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1980

का० आ० 597.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक तथा अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के सम्बन्ध में भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, अभिदायी भविष्य निधि नियम (भारत), 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम अभिदायी भविष्य निधि (भारत) संशोधन नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अभिदायी भविष्य निधि नियम (भारत), 1962 में, नियम 17 के उपनियम (1) में, परन्तुकों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु नियम 17 के उपनियम (1) के खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए प्रत्याहृत की जाने वाली अधिकतम राशि, भवन निर्माण प्रयोजनों की बाबत अग्रिम के अनुदान के लिए निर्माण और आवास मंत्रालय की स्कीम के नियम 2(क) और 3(ख) के अधीन समय-समय पर विहित अधिकतम सीमा से, किसी भी दशा में, अधिक नहीं होगी :

परन्तु यह और कि किसी ऐसे अभिदाता के मामले में जिसने भवन निर्माण प्रयोजनों की बाबत अग्रिम के अनुदान के लिए निर्माण और आवास मंत्रालय की स्कीम के अधीन कोई अग्रिम लिया है, या जिसे किसी अन्य सरकारी स्रोत से इस बारे में कोई सहायता दी गई है, इस उपनियम के अधीन प्रत्याहृत की गई राशि और पूर्वोक्त स्कीम के अधीन लिए गए अग्रिम की राशि या किसी अन्य सरकारी स्रोत से ली गई सहायता की राशि मिलकर पूर्वोक्त स्कीम के नियम 2(क) और 3(ख) के अधीन समय-समय पर विहित की गई अधिकतम राशि से अधिक नहीं होगी।”

[सं० एफ 10(10)/पेन/79-सी० पी० एफ०]

New Delhi, the 3rd March, 1980

S.O. 597.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in respect of the persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Contributory Provident Fund (India) Amendment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. In the Contributory Provident Fund Rules (India) 1962, in sub-rule (1) of rule 17 for the provisos, the following shall be substituted, namely :—

“Provided that in no case the maximum amount of withdrawal for purposes specified in clause (B) of sub-rule (1) of rule 17 shall exceed the maximum limit prescribed from time to time under rules 2(a) and 3(b) of the Scheme of the Ministry of Works and Housing for the grant of advances for house-building purposes :

Provided further that in the case of a subscriber who has availed himself of an advance under the Scheme of the Ministry of Works and Housing for the grant of advances for house-building purposes, or has been allowed any assistance in this regard from any other Government source, the sum withdrawn under this sub-rule together with the amount of advance taken under the aforesaid Scheme or the assistance taken from any other Government source shall not exceed the maximum limit prescribed from time to time under rules 2(a) and 3(b) of the aforesaid Scheme.”

[No. F. 10(10)-Pen/79-CPF]

का० आ० 598.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक तथा अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के सम्बन्ध में भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियम, 1960 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) संशोधन नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. साधारण विषय निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियम, 1960 में, नियम 16 के उपनियम (1) में, परन्तुकों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु नियम 15 के उपनियम (1) के खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए प्रत्याहृत की जाने वाली अधिकतम राशि, भवन निर्माण प्रयोजनों की बाबत अग्रिम के अनुदान के लिए निर्माण और आवास मंत्रालय की स्कीम के नियम 2(क) और 3(ख) के अधीन समय-समय पर विहित अधिकतम सीमा से, किसी भी दशा में, अधिक नहीं होगी :

परन्तु यह और कि किसी ऐसे अभिदाता के मामले में, जिसने भवन निर्माण प्रयोजनों की बाबत अग्रिम के अनुदान के लिए निर्माण और आवास मंत्रालय की स्कीम के अधीन कोई अग्रिम लिया है, या जिसे किसी अन्य सरकारी स्रोत से इस बारे में कोई सहायता दी गई है, इस उपनियम के अधीन प्रत्याहृत की गई राशि और पूर्वोक्त स्कीम के अधीन लिए गए अग्रिम की राशि या किसी अन्य सरकारी स्रोत से ली गई सहायता की राशि मिलकर पूर्वोक्त स्कीम के नियम 2(क) और 3(ख) के अधीन समय-समय पर विहित की गई अधिकतम राशि से अधिक नहीं होगी।”

[सं० एफ० 10(10)/पेन/79-जी० पी० एफ०]

S.O. 598.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in respect of the persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely :—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Amendment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, in sub-rule (1) of rule 16, for the provisos, the following shall be substituted, namely :—

“Provided that in no case the maximum amount of withdrawal for purposes specified in clause (B) of sub-rule (1) of rule 15 shall exceed the maximum limit prescribed from time to time under rules 2(a) and

3(b) of the Scheme of the Ministry of Works and Housing for the grant of advances for house-building purposes :

Provided further that in the case of a subscriber, who has availed himself of an advance under the Scheme of the Ministry of Works and Housing for the grant of advances for house-building purposes, or has been allowed any assistance in this regard from any other Government source, the sum withdrawn under this sub-rule together with the amount of advance taken under the aforesaid Scheme or the assistance taken from any other Government source shall not exceed the maximum limit prescribed from time to time under rules 2(a) and 3(b) of the aforesaid Scheme."

[No. F. 10(10)-Pen/79-GPF]

का० आ० 599.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारतीय संपरीक्षा और लेखा विभाग में कार्य करने वाले व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक और महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

(1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) (संशोधन) नियम, 1980 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 में, नियम 6, नियम 60, नियम 65 का उपनियम (3), नियम 74 का उपनियम (3), और प्ररूप 6 का लोप किया जाएगा ।

[सं० 11(6)-ईवी(ए)/पेंशन/76]

हजारा सिंह, अवर सचिव

S.O. 599.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 read with clause (5) of article 148 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor-General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, here-

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1979

(आव-कर)

का० आ० 601.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 126 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं० 1(का० सं० 56/233/63-आई टी), तारीख 18-5-1964 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित परिवर्धन करता है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची में, क्रम संख्यांक 92 के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :—

अनुसूची

क्रम संख्यांक	व्यक्ति	आ० आ०	सं० आ० वि०	सं० आ० प्र०	आ० आ०
1	2	3	4	5	6
93.	1/9/79 को या इसके पश्चात् स्वेच्छया कांछल की पूर्ण आय विवरणियों के सभी ऐसे मामले जो निपटाए नहीं गए हैं और उसके पश्चात् या तो आन्तरिक या बाह्य सर्वेक्षण द्वारा या/अन्यथा, ग्रहमवाबाद और गांधीनगर जिलों के,	आ० आ० सर्वेक्षण आर्ब-क, ग्रहमवाबाद	सं० आ० नि० सर्वेक्षण, ग्रहमवाबाद	सं० आ० प्र०, ए० आ० आई०, ग्रहमवाबाद	आ० आ० गुजरात-II, ग्रहमवाबाद

by makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely :—

(1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, rule 6, rule 60, sub-rule (3) of rule 65, sub-rule (3) of rule 74 and Form 6 shall be omitted.

[No. 11(6)-EV(A)/(Pen)/76]

HAZARA SINGH, Under Secy.

बिजल मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1980

का० आ० 600.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री आर० एस० द्विवेदी को श्रावस्ती ग्रामीण बैंक, बह्राइच का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 4 मार्च, 1980 से प्रारम्भ होकर 3 मार्च, 1983 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री आर० एस० द्विवेदी अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे ।

[संख्या एक० 1-18/79-आर०आर०बी०]

दिनेश चन्द्र, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 3rd March, 1980

S.O. 600.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri R. S. Dwivedi, as the Chairman of the Sravasthi Gramin Bank, Bahraich and specifies the period commencing on the 4th March, 1980 and ending with the 3rd March, 1983 as the period for which the said Shri R. S. Dwivedi shall hold office as such Chairman.

[No. F. 1-18/79-RRB]

DINESH CHANDRA, Director

1	2	3	4	5	6
	जिनमें आयकर आयुक्त गुजरात I और गुजरात II अहमदाबाद की अधिका- रिता में के अहमदाबाद नगर निगम के प्रादेशिक क्षेत्र भी हैं, पता लगे सभी नए मामले जिनमें कम्पनी, ब्यास, बेतनभोगी व्यक्ति (उनसे भिन्न जिनके मामलों में टी० डी० एस० की कटौती की जाती है) शुद्ध प्रतिदाय के मामले और ऐसे मामले सम्मिलित नहीं हैं, जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अधीन समनुदेशित किए गए हैं।				
1/9/79 को या इसके पश्चात् स्वेच्छया फाहल की गई आय विवरणियों के सभी ऐसे मामले जो निपटाए नहीं गए हैं और उसके पश्चात् या तो आन्तरिक या बाह्य सर्वेक्षण द्वारा या अथवा गांधी नगर जिले के, जिनमें आयकर आयुक्त गुजरात III की अधिकारिता में के अहमदाबाद नगर निगम के प्रादे- शिक क्षेत्र भी सम्मिलित हैं, पता लगे सभी नए मामले जिनमें कम्पनी, ब्यास, बेतनभोगी व्यक्ति (उनसे भिन्न जिनके मामलों में टी० डी० एस० की कटौती की जाती है) और शुद्ध प्रतिदाय के मामले और ऐसे मामले सम्मिलित नहीं हैं जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अधीन समनुदेशित किए गए हैं।	अ० आ० सर्वेक्षण, स० आ० नि० स० आ० अ० आ० आ० बाई-ख, सर्वेक्षण, ए० आर० आई, गुजरात III, अहमदाबाद अहमदाबाद अहमदाबाद अहमदाबाद				

यह अधिसूचना 10-12-1979 से प्रभावी होगी।

[सं० 3086/फा० सं० 187/36/79-आई०टी० (ए०आई०)]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 10th December, 1979

INCOME TAX

S.O. 601.—In exercise of the powers conferred by section 126 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all the powers enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following addition to the Schedule annexed to its notification No. 1 (F.No.55/233/63-IT), dated 18-5-1964 as amended from time to time.

In the said Schedule after S.No.92 the following shall be added :

SCHEDULE

S.No.	Persons	I.T.O.	I.A.C.	A.A.C.	C.I.T.
1	2	3	4	5	6
93.	All new cases of undisposed Returns of Income filed Voluntarily on or after 1-9-79 and all new cases thereafter either discovered by external or internal survey or otherwise of Ahmedabad and Gandhinagar district including territorial areas covered by Ahmedabad Municipal Corporation in the Jurisdictional area of Commissioners of Income-tax, Gujarat-I & Gujarat-II, Ahmedabad, other than companies, Trust, Salaried persons (other than in whose cases TDS is deducted) pure refund cases and cases assigned U/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.	I.T.O. Survey Ward-A, Ahmedabad	I.A.C. Survey, Ahmedabad	A.A.C. A.R.I., Ahmedabad	C.I.T. Guj-II, Ahmedabad
	All new cases of undisposed returns of Income filed Voluntarily on or after 1-9-79 and new cases thereafter either discovered by external or internal survey or otherwise of Ahmedabad and Gandhinagar District including territorial areas covered by Ahmedabad Municipal Corporation in the Jurisdictional area of commissioners of Income-tax Gujarat-III, Ahmedabad other than Companies Trusts, Salaried persons (other than in whose cases T.D.S. is deducted) and pure refund cases and cases assigned U/s. 127 of the Income-tax Act, 1961.	I.T.O. Survey, Ward-B, Ahmedabad	I.A.C. Survey, Ahmedabad	A.A.C. A.R.I., Ahmedabad	C.I.T. Guj-III, Ahmedabad

This notification will have effect from 10-12-1979.

[No. 3086/F. No. 187/36/79-IT(AI)]

क्रा० आ० 602.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं० 679 [फा० सं० 187/2/74-आई टी (ए आई)], तारीख 20-7-1974 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है :—

क्रम संख्यांक 10क के सामने स्तंभ (1), (2) और (3) के अधीन विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी :—

क्रम संख्या	आयकर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
1	2	3	4
10क	गुजरात II	अहमदाबाद	सर्किल I, अहमदाबाद सर्किल II, अहमदाबाद सर्किल III, अहमदाबाद गोधरा सर्किल हिम्मत नगर सर्किल मोदासा सर्किल सर्वेक्षण सर्किल, अहमदाबाद

यह अधिसूचना 10-12-79 से प्रभावी होगी।

[सं० 3087/फा० सं० 187/36/79-आई टी (ए आई)]
बी० एम० सिंह, अवर सचिव

S.O. 602.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its notification No. 679 [F.No. 187/2/74-IT(AD)], dated 20-7-1974 as amended from time to time.

Existing entries under columns (1) (2) & (3) against serial No. 10A shall be substituted by the following entries :—

S.No.	Commissioner of Income-tax	Head Quarters	Jurisdiction
1	2	3	4
10A	Gujarat-II	Ahmedabad	Circle I, Ahmedabad Circle II, Ahmedabad Circle-III, Ahmedabad Godhra Circle Himmatnagar Circle Modasa Circle Survey Circle, Ahmedabad

This notification shall take effect from 10-12-79.

[No. 3087 /F. No. 187/36/79-IT(AD)]
B. M. SINGH, Under Secy.

उपान्तरण करते हुए, आयकर आयुक्त (अपील), चण्डीगढ़ की अधिकारिता में की बाबत निम्नलिखित परिवर्तन करता है :—

तारीख 31 दिसम्बर, 1979 की उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 3 के नीचे मद 6 "सहायक निरीक्षण आयुक्त (निर्धारण), पटियाला" जोड़ी जाएगी,।

यह अधिसूचना 28-1-1980 से प्रभावी होगी।

[सं० 3146 /फा० सं० 261/4/79-आई० टी० जे०]

New Delhi, the 22nd January, 1980

S.O. 603.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of notification No. 3117 (F. No. 261/4/79-ITJ, dated the 31st December 1979 for the jurisdiction of the Commissioner of Income-tax (Appeals), Chandigarh, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following change :—

Under Column 3 of the Schedule appended to the said notification dated 31st December, 1979, Item 6. "Inspecting Assistant Commissioner (Assessment), Patiala" will be added.

2. This notification will take effect from 28-1-1980.

[No. 3146/F. No. 261/4/79-ITJ]

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1980

क्रा० आ० 603.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं० 3117 (फा० सं० 261/4/79-आई०टी०जे०), तारीख 31 दिसम्बर, 1979 में भागतः 1243 GI/79—3.

क्रा० आ० 604.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं० 3118 (फा० सं० 261/11/79-आई०टी०जे०), तारीख 31 दिसम्बर, 1979 में भागतः

उपान्तरण करते हुए, आयकर आयुक्त (अपील), जलन्धर की अधिकारिता में निम्नलिखित परिवर्तन करता है :—

तारीख 31 दिसम्बर, 1979 की उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 3 के नीचे, मद 2 “सहायक निरीक्षण आयुक्त (निर्धारण), पटियाला” निकाल दी जाएगी। नई मद 2 “सहायक निरीक्षण आयुक्त (निर्धारण) लुधियाना” जोड़ दी जाएगी।

यह अधिसूचना 28-1-1980 से प्रभावी होगी।

[सं० 3147/फा० सं० 261/11/78-आई०टी०जे०]

S.O. 604.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of notification No. 3118 (F. No. 261/11/79-ITJ), dated 31st December, 1979 for the jurisdiction of the Commissioner of Income-tax (Appeals), Jullundur, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following change :—

Under Column 3 of the Schedule appended to the said notification, dated 31st December, 1979, Item 2 “IAC (Assessment), Patiala” will be deleted. The new Item 2, “Inspecting Asstt. Commissioner (Assessment), Ludhiana” will be added.

2. This notification will take effect from 28-1-1980.

[No. 3147/F. No. 261/11/78-ITJ]

कां आ० 605.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं० 2984 (261/2/78-आई०टी०जे०), तारीख 31-8-79 में, भागतः उपान्तरण करते हुए, निदेश देता है कि निम्नलिखित सर्किल, को उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में स्तम्भ 2 के नीचे आय-कर आयुक्त (अपील)-V, कलकत्ता के सामने मद 5 के रूप में जोड़ा जाएगा।

मद सं० 5 सर्वेक्षण सर्किल-I

यह अधिसूचना 28-1-1980 से प्रभावी होगी।

[सं० 3148/फा० सं० 261/2/79-आई०टी०जे०]

S.O. 605.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 121A of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of notification No. 2984 (261/2/78-ITJ), dated 31-8-79, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the following Circle shall be added under column 2 as item 5 against CIT (Appeals)-V, Calcutta in the Schedule appended to the said notification.

Item No. 5 Survey Circle-I.

This notification shall take effect from 28-1-1980.

[No. 3148/F. No. 261/2/79-ITJ]

कां आ० 606.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर संशोधित रूप में अपनी अधिसूचना सं० 2941 (फा० सं० 261/10/79-आई०टी०जे०),

तारीख 19-7-79 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है :—

अनुसूची में, नीचे स्तम्भ 1 में उल्लिखित प्रविष्टि के सामने, स्तम्भ 2 में उल्लिखित प्रविष्टि की जाएगी :—

स्तम्भ 1	स्तम्भ 2
रेंज VII, कलकत्ता	1. जिला -IV (1) 2. जिला-IV (2) 3. विशेष सर्किल II 4. सर्वेक्षण सर्किल, I

यह आदेश 28-1-1980 से प्रभावी होगा।

[सं० 3149/फा० सं० 261/10/79-आई०टी०जे०]

हरजीत सिंह, अवर सचिव

S.O. 606.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), and of all other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its notification No. 2941 (F. No. 261/10/79-ITJ), dated 19-7-79 as amended from time to time :—

In the Schedule, the entries in col. 2 shall be substituted against the Range mentioned in Col. 1 below :—

Column 1	Column 2
Range : VII, Calcutta	1. Dist. IV(1) 2. Dist. IV(2) 3. Special Circle-II 4. Survey Circle-I

This Order shall take effect from 28-1-1980.

[No. 3149/F. 261/10/79-ITJ]

HARJIT SINGH, Under Secy.

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1980

आय-कर

कां आ० 607.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड की अधिसूचना सं० 3148 (फा० सं० 261/2/79-आई०टी०जे०) तारीख 22-1-1980 में, आय-कर आयुक्त (अपील) V, कलकत्ता की अधिकारिता के लिए,

मद सं० 5 सर्वेक्षण सर्किल-1

के स्थान पर

मद सं० 4 सर्वेक्षण सर्किल-1

पढ़ें

और

अधिसूचना सं० 2984 (फा० सं० 261/2/78-आई०टी०जे०), तारीख 31-8-79 के आंशिक उपान्तरण के स्थान पर

अधिसूचना सं० 2938 (फा० सं० 261/2/79 आई०टी०जे०) तारीख 16-7-79 के आंशिक उपान्तरण, पढ़ें

[सं० 3186/फा० सं० 261/2/79 आई०टी०जे०]

एस० के० भटनागर, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 13th February, 1980

Income-Tax

S.O. 607.—In the Notification of the Central Board of Direct Taxes No. 3148 (F. No. 261/2/79-ITJ) dated the 22-1-80 for the Jurisdiction of Commissioner of Income-tax (Appeals), v, Calcutta.

For Item No. 5 Survey Circle-I.

Read Item No. 4 Survey Circle-I.

AND

For Partial Modification of Notification No. 2984 (F. No. 261/2/78-ITJ) dated 31-8-79.

Read Partial Modification of Notification No. 2938 (F. No. 261/2/79-ITJ) dated 16-7-79.

[No. 3186 (F. No. 261/2/79-ITJ)]

S. K. BHATNAGAR, Under Secy.

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

आय-कर आयुक्त, पुणे I और II

पुणे, 22 फरवरी, 1980

आय-कर

कां.आ. 608.—वर्ग क(i) उन सभी व्यक्तियों और हिन्दू अविभक्त परिवारों के नाम जिनका वित्तीय वर्ष 1978-79 में रु० 2 लाख से अधिक की आय के लिए कर-निर्धारण किया गया है:—

1. हैसियत के लिए—व्यक्ति, हि०अ०प०—हिन्दू अविभक्त परिवार के लिए
2. निर्धारण वर्ष के लिए
3. विवरणित आय के लिए
4. निर्धारित आय के लिए
5. देय कर के लिए
6. अदा किए गये कर के लिए
1. श्री एस० आर० साबले, 105 भवानी पेठ, पुणे-411002
 1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 2,22,639
 4. रु० 2,32,010 5. रु० 1,24,028 6. रु० 1,24,028
2. श्री सी० एस० किलोस्कर, लकाकी, पुणे-411016
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 2,72,120
 4. रु० 2,81,430 5. रु० 70,743 6. रु० 70,743
3. श्री जी० आर० साबले, 105 भवानी पेठ, पुणे-411002
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 3,14,210
 4. रु० 3,14,450 5. रु० 1,70,012 6. रु० 1,70,012
4. श्री एच० एम० बाधिरे, 105 भवानी पेठ, पुणे-411002
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 4,17,380
 4. रु० 4,17,580 5. रु० 2,17,567 6. रु० 2,17,567

5. श्रीमती जेरबानू के० ईरानी, 3 महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001

1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 2,54,600 4. रु० 2,56,610 5. रु० 1,53,141 6. रु० 1,52,040

6. श्री नासिर के० ईरानी, 2422 ईस्ट स्ट्रीट, पुणे-411001

1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 3,09,400 4. रु० 3,10,200 5. रु० 1,77,158 6. रु० 1,76,600

7. श्री एफ० के० ईरानी, 2422 ईस्ट स्ट्रीट, पुणे-411001

1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 3,79,430 4. रु० 3,90,910 5. रु० 2,17,543 6. रु० 2,17,543

8. श्री मोहन दयाल पटेल, भोसरी, पुणे-411026

1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 5,96,750 4. रु० 6,61,750 5. रु० 4,13,845 6. रु० 4,11,720

9. श्री उस्मान हाजी अली तलब, 15, मांजरी बुकुले तालुका हवेली

1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 4,43,150 4. रु० 4,60,010 5. रु० 2,80,682 6. रु० 2,80,682

10. श्री के० बी० ग्रेन्ट, 40 ससून रोड, पुणे-411001

1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 2,34,620 4. रु० 2,74,710 5. रु० 1,65,880 6. रु० 1,65,880

वर्ग क(ii) उन सभी फर्मों, व्यक्तियों के संगम या कम्पनियों के नाम जिनका वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान रु० 10 लाख से अधिक की आय के लिए निर्धारण किया गया है।

1. हैसियत के लिए—प०फ०—पंजीकृत फर्म के लिए, लि०कं०—कम्पनी के लिए, सं०—सहकारी समिति के लिए।

2. निर्धारण वर्ष के लिए

3. विवरणित-आय के लिए

4. निर्धारित आय के लिए

5. देय कर के लिए

6. अदा किए गये कर के लिए

1. किशोर पम्पस प्रा० लिमिटेड कम्पनी, ए०बी०एच० ब्लाक, पिम्परी, पुणे

1. कम्पनी 2. 1977-78 3. रु० 13,68,280 4. रु० 13,69,080 5. रु० 8,22,520 6. रु० 8,22,520

2. घाटगे पाटील ट्रांसपोर्ट प्रा० लिमिटेड, कोल्हापुर
1. कम्पनी 2. 1978-79 3. ₹० 14,66,122
4. ₹० 14,71,320 5. ₹० 9,25,029 6. ₹० 9,25,029
3. दी सांगली बैंक लिमिटेड, सांगली
1. कम्पनी 2. 1977-78 3. ₹० 28,81,760
4. ₹० 28,80,100 5. ₹० 16,63,257 6. ₹० 16,63,257
4. मैसर्स किलोस्कर ब्रदर्स, लिमिटेड, उद्योग भवन, तिलक रोड, पुणे-411030
1. कम्पनी 2. 1976-77 3. ₹० 75,47,490
4. ₹० 85,61,080 5. ₹० 49,43,504
6. ₹० 49,53,504
5. मैसर्स जे एन भार्गव प्रा० लिमिटेड पिंपरी पुणे
1. कम्पनी 2. 1977-78 3. ₹० 32,35,473
4. ₹० 31,64,820 5. ₹० 18,86,909 6. ₹० 18,86,909

बर्ग 'ब'

नीचे उन निर्धारितियों के नाम और व्योरे दिये जा रहे हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान कम से कम ₹० 5000/- का जुर्माना एसी स्थिति में लगाया गया जब कि या तो अपील या अधिकरण में अपील करने का समय समाप्त हो गया था और या अपील बाधित नहीं की गयी थी अथवा बाधित की गयी अपील रद्द कर दी गयी थी।

क्र. सं.	निर्धारितों का नाम व पता	वित्तीय	निर्धारण	जुर्माने की राशि
1	2	3	4	5
				₹०
1.	वी युनाइटेड एजन्सीज प्रा० लि० कोल्हापुर	कंपनी	1975-76	7,224
2.	श्री एन० के० भट, साबंत बाड़ी	व्यक्ति	1971-72	17,000
3.	—वही—	—वही—	1975-76	8,588
4.	मैसर्स आस्वाब होटल, गोखले रोड, ठाणे	पं० फ०	1973-74	7,760
5.	मैसर्स कन्हैयालाल ताराचंद एण्ड कं० पालघर	—वही—	1974-75	5,060
6.	श्री लक्ष्मीप्रसाद महादेव शुक्ल, पालघर	व्यक्ति	1975-76	8,920

बर्ग 'ग'

नीचे उन व्यक्तियों के नाम दिये जा रहे हैं जिन्होंने वित्तीय वर्ष 1978-79 के लिए कर भुगतान करने में चूक की है और इन मामलों में कर चूक की राशि ₹० 1 लाख या उससे अधिक की है। इस चूक की अवधि दो वर्ष या अधिक की है।

क्र. सं.	निर्धारितों का नाम और पता	वित्तीय	निर्धारण वर्ष	कर में चूक की राशि
1	2	3	4	5
				₹०
1.	मैसर्स मुलिया इलेक्ट्रिक सप्लाय कं० 766/2, शिवाजीनगर, पुणे-5 आफिशियल लिक्विडेटर, बैंक ऑफ इंडिया बिल्डिंग 5वीं मंजिल, एम० जी० रोड, बम्बई-400001	कंपनी	1967-68 1968-69 1969-70 1970-71 1972-73	89,543 10,195 13,227 6,428 160

1	2	3	4	5
				रु०
2. श्री० जगन्नाथ सोनू पारकर, 262, देवगढ़, जि० रत्नागिरी	व्यक्ति	1962-63		5,29,678
3. मैसर्स पाठक बदर्से, मेरठ	पं० क०	1969-70		22,33,905
		1971-72		857
		1973-74		827
		1974-75		978
4. श्री अनार्दन गणपत साखरकर मुरम्ब	व्यक्ति	1962-63		2,09,993
		से		
		1972-73		
		तक		
5. श्री एम० आर० दामदानी 23, कारवान रोड, हांग कांग	व्यक्ति	1966-67		34,237
		1967-68		1,27,187
		1968-69		17,462
		1969-70		18,782
6. श्री अर्जुन बाला माधवी, करोडी ता० भिवडी	व्यक्ति	1955-56		803
		1956-57		22,675
		1957-58		41,740
		1961-62		26,853
		1962-63		43,430
		1963-64		30,924
		1964-65		40,486
		1965-66		25,284
		1966-67		71
		1973-74		456
7. श्री कामजी गोविंद करसन, कल्याण	व्यक्ति	1949-50		16,433
		1952-53		19,946
		1953-54		34,820
		1954-55		19,161
		1955-56		680
		1956-57		28,750
		1957-58		20,387
		1958-59		27,677
		1959-60		19,401
		1960-61		10,158
8. श्री कानजी गोविंद करसन, कल्याण	हि० प्र०प०	1959-60		5,125
		1960-61		5,408

धनकर आयुक्त, पुणे I और II

धन-कर

वर्ग 'ड'

श्री केन्द्र सरकार का विचार है कि यह लोकहित की दृष्टि से आवश्यक एवं समीचीन है कि उन निर्धारितियों के नाम और अन्य विवरण प्रकाशित किए दिये जाएं, जिनका निर्धारण वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान रु० 10 लाख से अधिक शुद्ध धन के लिए धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन किया गया है, अतः धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 42ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस सम्बन्ध में इसे समर्थ बनाने वाली धन्य सभी शक्तियों के प्रयोग में एतद्वारा उपरोक्त निर्धारितियों के नाम और धन्य विवरण नीचे दिये गये अनुसार प्रकाशित किये जाते हैं।

1. हैसियत के लिए—व्यक्ति, हि०प्र०प०—व्यक्तियों का संगम

2. निर्धारण वर्ष के लिए

3. विवरणित शुद्ध धन के लिए

4. निर्धारित शुद्ध धन के लिए

5. देय कर के लिए

6. अदा किये गये कर के लिए

1. श्री सी० एस० पूनावाला, 283 महारमा गांधी रोड, पुणे-411001

1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 23,42,000

4. रु० 22,94,400 5. रु० 54,052 6. रु० 54,052

2. श्री शेड एस० पूनावाला, 283 महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 12,36,600
 4. रु० 12,77,800 5. रु० 20,695 6. रु० 20,695
3. श्रीमती आर० सी० डेडी, 4 प्रिन्स आफ वेल्स ड्राइव्ह, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,50,750
 4. रु० 10,36,100 5. रु० 14,650 6. रु० 14,650
4. श्री डेडी सी० डेडी, 4 प्रिन्स आफ वेल्स ड्राइव्ह, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 13,61,900
 4. रु० 13,39,700 5. रु० 22,250 6. रु० 22,250
5. कुमारी पी० सी० डेडी, 4 प्रिन्स आफ वेल्स ड्राइव्ह, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,17,900
 4. रु० 10,04,000 5. रु० 13,850 6. रु० 13,850
6. श्री के० ए० ईरानी, 3 महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1976-77 3. रु० 11,45,900
 4. रु० 11,65,000 5. रु० 26,595 6. रु० 26,595
7. श्री के० ए० ईरानी, 3 महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 11,89,500
 4. रु० 11,87,200 5. रु० 18,205 6. रु० 18,205
8. श्री के० ए० ईरानी, 3 महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 12,37,100
 4. रु० 12,86,100 5. रु० 20,902 6. रु० 20,902
9. श्री एन० ए० ईरानी, 2422, इस्ट स्ट्रीट, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,71,400
 4. रु० 10,56,300 5. रु० 15,150 6. रु० 15,150
10. श्री एफ० के० ईरानी, 2422 इस्ट स्ट्रीट, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 12,70,200
 4. रु० 12,50,200 5. रु० 20,000 6. रु० 20,000
11. श्रीमती डायना डी० अंकलेसरिया, 4 महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1976-77 3. रु० 13,89,900
 4. रु० 13,77,000 5. रु० 36,700 6. रु० 36,700
12. श्रीमती डायना डी० अंकलेसरिया, 4 महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 12,22,400
 4. रु० 12,16,800 5. रु० 18,699 6. रु० 18,699
13. श्रीमती डायना डी० अंकलेसरिया, 4 महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 14,06,500
 4. रु० 13,98,700 5. रु० 23,129 6. रु० 23,129
14. कुमारी शेरू फ़ैमरोज, 4, महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1975-76 3. रु० 15,13,300
 4. रु० 14,94,000 5. रु० 38,203 6. रु० 38,625
15. कुमारी शेरू फ़ैमरोज, 4, महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1976-77 3. रु० 20,58,100
 4. रु० 20,22,500 5. रु० 75,645 6. रु० 75,645
16. कुमारी शेरू फ़ैमरोज, 4, महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 18,20,000
 4. रु० 18,04,200 5. रु० 35,845 6. रु० 35,845
17. कुमारी शेरू फ़ैमरोज, 4, महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 21,10,900
 4. रु० 20,90,300 5. रु० 45,324 6. रु० 45,324
18. कुमारी डायना डी० रस्तागर, 4, प्रिन्स आफ वेल्स ड्राइव्ह, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 11,31,700
 4. रु० 11,15,100 5. रु० 16,626 6. रु० 16,626
19. श्री दिनशा एस० अंकलेसरिया, पुणे
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 14,69,900
 4. रु० 14,45,000 5. रु० 24,880 6. रु० 24,880
20. श्री एस० एन० अंकलेसरिया, 12, मोलेदिना रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 14,58,400
 4. रु० 14,37,700 5. रु० 24,693 6. रु० 24,693
21. श्री एफ० ए० ईरानी, 3 महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
 1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 14,04,300
 4. रु० 13,97,500 5. रु० 23,698 6. रु० 23,698

22. श्री जी० एन० कल्याणी, 240 एक गनिवार पेठ, कराड़
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,59,700
4. रु० 10,81,200 5. रु० 15,779 6. रु० 15,779
23. मास्टर एस० एन० कल्याणी, 240 एक गनिवार पेठ, कराड़
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,57,800
4. रु० 10,62,600 5. रु० 15,316 6. रु० 15,316
24. श्रीमती सुमन सी० किलोस्कर, 'लकाकी' पुणे-411016
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,48,000
4. रु० 10,48,000 5. रु० 14,951 6. रु० 14,951
25. श्रीमती एस० एस० पद्मराजे कदम बांडे, कोल्हापुर
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,72,000
4. रु० 10,61,000 5. रु० 15,290 6. रु० 15,290
26. श्री पी० डी० कुलकर्णी, इचलकरंजी
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 14,56,400
4. रु० 14,56,400 5. रु० 25,162 6. रु० 25,162
27. श्रीमती एस० एस० युवराजी यज्ञसेनी राजे, कोल्हापुर
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,66,707
4. रु० 10,73,700 5. रु० 12,035 6. रु० 12,035
28. श्रीमती एम० एस० विजयादेवी घाटगे, कोल्हापुर
1. व्यक्ति 2. 1974-75 3. रु० 15,91,910
4. रु० 16,62,130 5. रु० 42,970 6. रु० 42,970
29. श्री फतेसिंह गणपतराव जगताप, 3. गणेशखिड रोड, पुणे-411005
1. हि० अ० प० 2. 1974-75 3. रु० 8,90,777
4. रु० 10,06,438 5. रु० 14,832 6. रु० 14,832
30. श्री कृष्णराव गणपतराव जगताप, 3. गणेशखिड रोड, पुणे-411005
1. हि० अ० प० 2. 1974-75 3. 10,00,000
4. रु० 11,37,096 5. रु० 18,555 6. रु० 18,555
31. श्री कृष्णराव गणपतराव जगताप, 3. गणेशखिड रोड, पुणे-411005
1. हि० अ० प० 2. 1975-76 3. रु० 8,89,486
4. रु० 11,36,984 5. रु० 24,500 6. रु० 24,500
32. श्री विश्वासराव गणपतराव जगताप, 3. गणेशखिड रोड, पुणे-411005
1. हि० अ० प० 2. 1974-75 3. रु० 8,88,907
4. रु० 10,10,458 5. रु० 14,910 6. रु० 8,510

33. स्व० श्रीसंत वार्डे एम० मुकने, जव्हार
1. व्यक्ति 2. 1974-75 3. रु० 12,51,210
4. रु० 14,18,000 5. रु० 23,015 6. रु० 23,015
34. स्व० श्रीमंत वार्डे एम० मुकने, जव्हार
1. व्यक्ति 2. 1975-76 3. रु० 13,78,100
4. 13, 85,800 5. रु० 30,762 6. रु० 30,762
35. स्व० श्रीमंत वार्डे एम० मुकने, जव्हार
1. व्यक्ति 2. 1976-77 3. रु० 17,68,700
4. रु० 18,21,000 5. रु० 65,520 6. रु० 65,520
36. स्वा० श्रीमंत वार्डे एम० मुकने, जव्हार
1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 17,23,400
4. रु० 17,51,000 5. रु० 36,523 6. रु० 36,523
37. स्व० श्रीमंत वार्डे एम० मुकने, जव्हार
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 18,05,400
4. रु० 18,14,970 5. रु० 37,185 6. रु० 37,185

[सं० प्रकाशन/वकाया/घनकर/79-80]

Commissioner of Income-tax

Pune-I & II

(Department of Revenue & Banking)

Pune, the 22nd February, 1980

INCOME TAX

S. O. 608.—CATEGORY 'A' (I) Names of all individuals and Hindu Undivided Families who have been assessed on an income more than Rs. 2 lakhs during the financial year 1978-79

(i) For Status—'I' for individual 'H' for H.U.F.

(ii) For Assessment Year

(iii) For Income returned

(iv) For Income assessed

(v) For tax payable, and

(vi) For tax paid.

1. Shri S. R. Sable, 105 Bhavanipeth, Pune 411 002
(i) I, (ii) 1977-78 (iii) Rs. 2,22,639 (iv) Rs. 2,32,010/-
(v) Rs. 1,24,028/- (vi) Rs. 1,24,028/-
2. Shri C. S. Kirloskar, Lakaki, Pune 411 016.
(i) I (ii) 1978-79 (iii) Rs. 2,72,120/- (iv) Rs. 2,81,430/-
(v) Rs. 70,743/- (vi) Rs. 70,743/-
3. Shri G. R. Sable, 105 Bhavanipeth, Pune 411 002
(i) I (ii) 1978-79 (iii) Rs. 3,14,210/- (iv) Rs. 3,14,450/-
(v) Rs. 1,70,012/- (vi) Rs. 1,70,012/-
4. Shri H. M. Waghire, 105 Bhavanipeth, Pune 411 002
(i) I (ii) 1978-79 (iii) Rs. 4,17,380/- (iv) Rs. 4,17,580/-
(v) Rs. 2,17,567/- (vi) Rs. 2,17,567/-

5. Mrs. Jerbanoo K. Irani, 3 Mahatma Gandhi Rd., Pune-411 001
(i) I (ii) 1978-79 (iii) Rs. 2,54,600/- (iv) Rs. 2,56,610/-
(v) Rs. 1,53,141/- (vi) Rs. 1,52,040/-.
6. Shri Nasir K. Irani, 2422 East Street, Pune 411 001.
(i) I (ii) 1978-79 (iii) Rs. 3,09,400/- (iv) Rs. 3,10,200/-
(v) Rs. 1,77,158/- (vi) Rs. 1,76,600/-.
7. Shri F. K. Irani, 2422 East Street, Pune 411 001.
(i) I (ii) 1978-79 (iii) Rs. 3,79,430/- (iv) Rs. 3,90,910/-
(v) Rs. 2,17,543/- (vi) Rs. 2,17,543/-.
8. Shri Mohan Dayal Patel, Bhosari, Pune 411 026.
(i) I (ii) 1977-78 (iii) Rs. 5,96,750/- (iv) Rs. 6,61,750/-
(v) Rs. 4,13,845/- (vi) Rs. 4,11,720/-.
9. Shri Osman Haji Ali Talab, 15, Majri Bk. Taluka Haveli
(i) I (ii) 1977-78 (iii) Rs. 47,43,150/- (iv) Rs. 4,60,010/-
(v) Rs. 2,80,682/- (vi) Rs. 2,80,682/-.
10. Shri K. B. Grant, 40 Sasoon Rd., Pune 411 001.
(i) I (ii) 1978-79 (iii) Rs. 2,34,620/- (iv) Rs. 2,74,710/-
(v) Rs. 1,65,880/- (vi) Rs. 1,65,880/-.

CATEGORY 'A' (II) Names of all firms, Association of persons or Companies who have been assessed on an income of more than Rs. 10 lakhs during the financial year 1978-79.

(i) for Status—'RF' for Registered Firm 'LTD Co., for Company.

'A' for Co-operative Society.

(ii) for assessment year
(iii) for Income returned
(iv) for Income assessed
(v) For Tax payable
(vi) for tax paid.

1. Kishor Pumps Pvt. Ltd. Co. A. B. H. Block, Pimpuri, Pune.
(i) Co. (ii) 1977-78 (iii) Rs. 13,68,280/- (iv) Rs. 13,69,080/-
(v) Rs. 8,22,520/- (vi) Rs. 8,22,520/-.
2. Ghate Patil Transport Pvt. Ltd., Kolhapur.
(i) Co. (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,66,122/- (iv) Rs. 14,71,320/-
(v) Rs. 9,25,029/- (vi) Rs. 9,25,029/-.
3. The Sangli Bank Ltd., Sangli.
(i) Co. (ii) 1977-78 (iii) Rs. 28,81,760/- (iv) Rs. 28,80,100/-
(v) Rs. 16,63,257/- (vi) Rs. 16,63,257/-.
4. M/s. Kirloskar Bros. Ltd., Udyog Bhavan, Tilak Road, Pune-30.
(i) Co. (ii) 1976-77 (iii) Rs. 75,47,490/- (iv) Rs. 85,61,080/-
(v) Rs. 49,43,504/- (vi) Rs. 49,53,504/-.
5. M/s. J. N. Marshall Pvt. Ltd., Pimpri, Pune.
(i) Co. (ii) 1977-78 (iii) Rs. 32,35,473/- (iv) Rs. 31,64,820/-
(v) Rs. 18,86,909/- (vi) Rs. 18,86,909/-.
6. M/s. Padamji Pulp & Paper Mills Ltd. Thorgaon, Pune.
(i) Co. (ii) 1977-78 (iii) Rs. 1,09,57,720/- (iv) Rs. 1,10,45,380/-
(v) Rs. 60,74,959/- (vi) Rs. 60,27,000/-.
7. Asbestos Cemet Ltd., New Delhi.
(i) Ltd. Co. (ii) 1977-78 (iii) Rs. 1,09,66,900/- (iv) Rs. 1,15,81,470/- (v) Rs. 63,65,897/- (vi) Rs. 63,65,897/-.
8. Asbestos Cemet Ltd., New Delhi.
(i) Ltd. Co. (ii) 1978-79 (iii) Rs. 1,35,86,780/- (iv) Rs. 1,65,89,540/- (v) Rs. 95,37,904/- (vi) Rs. 95,37,904/-.
9. Asbestos Cemet Ltd. as Agent to Turner & Newell, New Delhi.
(i) Ltd. Co. (ii) 1978-79 (iii) Rs. 46,52,230/- (iv) Rs. 46,52,230/- (vi) Rs. 11,68,179/- (vi) Rs. 11,68,179/-.

CATEGORY 'B' Names and particulars relating to assesses on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during a financial year 1978-79 provided the time for presenting an appeal to the Appellate Tribunal was expired without an appeal having been presented the appeal if presented has been disposed off.

Sr. No.	Name and address of the assessee	Status	Asstt. year	Amount of penalty Rs.
1.	The United Agencies P. Co. Ltd., Kolhapur.		1975-76	7,224
2.	Shri N. K. Bhat, Sawant-wadi.	Indl.	1971-72	17,000
3.	Shri N. K. Bhat, Sawant-wadi	-do-	1975-76	8,585
4.	M/s. Aswad Hotel, Gokhale R.F. Road, Thane.		1973-74	7,760
5.	M/s. Kanyalal Tarachand & Co., Palghar.	R.F.	1974-75	5,060
6.	Shri Laxmiprasad Mahadeo Shukla, Palghar.	Indl.	1975-76	8,920

CATEGORY 'C' Names of Persons in default of tax in cases where the amount of tax in default exceeded Rs. 1 lakh or more for a period of two years and above for the financial year 1978-79.

Sr. No.	Name & address of the assessee	Status	Asstt. year	Amount of tax in default Rs.
1.	M/s. Dhulla Electric Supoly Co., 766/2, Shivaji Nagar, Pune-5		1967-68 1668-69 1969-70	89,543 10,195 13,277
	Official Liquidator Bank of India Bldg., 5th floor, M. G. Road, BOMBAY-400 001.		1970-71 1972-73	6,428 100
2.	Shri Jagannath Sonu Parkar, 262, Deogad, Distt. Ratnagiri.	Indl.	1962-63	5,29,676
3.	M/s. Pathak Bros., Meerut	R.F.	1969-70 1971-72 1973-74 1974-75	22,33,903 857 827 978
4.	Shri Janardhan Ganpat Sakharkar, Murud	Indl.	1962-63 to 1972-73	2,09,993
5.	Shri M. R. Daswani, 23, Cawwin Road, Hong Kong	Indl.	1966-67 1967-68 1968-69 1969-70	34,237 1,27,187 17,462 18,782

1	2	3	4	5	6
				Rs.	
6.	Shri Arjun Bala Mithavi, Kashedi, Tal. Bhiwandi	Indl.	1955-56 1956-57 1957-58 1961-62 1962-63 1963-64 1964-65 1965-66 1966-67 1973-74	803 22,675 41,740 26,853 43,430 30,924 40,486 25,284 71 456	6. Shri K. A. Irani, 3 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'T' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 11,45,900/- (iv) Rs. 11,65,000/- (v) Rs. 26,595/- (vi) Rs. 26,595/-.
7.	Shri Kanji Govind Karsan, Kalyan,	Indl.	1949-50 1952-53 1953-54 1954-55 1955-56 1956-57 1957-58 1958-59 1959-60 1960-61	16,433 19,946 34,820 19,161 690 28,750 20,397 27,677 19,401 10,158	7. Shri K. A. Irani, 3 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'T' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 11,89,500/- (iv) Rs. 11,87,200/- (v) Rs. 18,205/- (vi) Rs. 18,205/-.
8.	Shri Kanji Govind Karsan, Kalyan,	HUF	1959-60 1960-61	5,125 5,408	8. Shri K. A. Irani, 3 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001 (i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 12,37,100/- (iv) Rs. 12,86,100/- (v) Rs. 20,902/- (vi) Rs. 20,902/-.
					9. Shri N. A. Irani, 2422, East Street, Pune-411001 (i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,71,400/- (iv) Rs. 10,56,300/- (v) Rs. 15,150/- (vi) Rs. 15,150/-.
					10. Shri F. K. Irani, 2422, East Street, Pune-411001 (i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 12,70,200/- (iv) Rs. 12,50,200/- (v) Rs. 20,000/- (vi) Rs. 20,000/-.
					11. Mrs. Diana D. Anklesaria, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'T' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 13,39,900/- (iv) Rs. 13,77,000/- (v) Rs. 36,700/- (vi) Rs. 36,700/-.
					12. Mrs. Diana D. Anklesaria, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'T' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 12,22,400/- (iv) Rs. 12,16,800/- (v) Rs. 18,699/- (vi) Rs. 18,699/-.
					13. Mrs. Diana D. Anklesaria, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,06,500/- (iv) Rs. 13,98,700/- (v) Rs. 23,129/- (vi) Rs. 23,129/-.
					14. Miss Sheroo Framroz, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'T' (ii) 1975-76 (iii) Rs. 15,13,300/- (iv) Rs. 14,94,000/- (v) Rs. 38,203/- (vi) Rs. 38,625/-.
					15. Miss Sheroo Framroz, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'T' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 20,58,100/- (iv) Rs. 20,22,500/- (v) Rs. 75,645/- (vi) Rs. 75,645/-.
					16. Miss Sheroo Framroz, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'T' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 18,20,000/- (iv) Rs. 18,04,200/- (v) Rs. 35,845/- (vi) Rs. 35,845/-.
					17. Miss Sheroo Framroz, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 21,10,900/- (iv) Rs. 20,90,300/- (v) Rs. 45,324/- (vi) Rs. 45,324/-.
					18. Miss Diana D. Ratnagar, 4 Prince of Wales Drive, Pune-411001. (i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 11,31,700/- (iv) Rs. 11,15,100/- (v) Rs. 16,626/- (vi) Rs. 16,626/-.
					19. Shri Dinshaw S. Anklesaria, Pune (i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,69,900/- (iv) Rs. 14,45,000/- (v) Rs. 24,880/- (vi) Rs. 24,880/-.
					20. Shri S. N. Anklesaria, 12 Moledina Road, Pune-411001 (i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,58,400/- (iv) Rs. 14,37,700/- (v) Rs. 24,693/- (vi) Rs. 24,693/-.
					21. Shri F. A. Irani, 3 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001 (i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,04,300/- (iv) Rs. 13,97,500/- (v) Rs. 23,698/- (vi) Rs. 23,698/-.
					22. Shri G. N. Kalyani, 24 of Shaniwar Peth, Karad (i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,59,700/- (iv) Rs. 10,81,200/- (v) Rs. 15,779/- (vi) Rs. 15,779/-.
					23. Master S.N. Kalyani 24 of Shaniwar Peth, Karad (i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,57,800/- (iv) Rs. 10,62,600/- (v) Rs. 15,316/- (vi) Rs. 15,316/-.

(Commissioner of Wealth Tax, Pune-I & II)

WEALTH TAX

CATEGORY 'E'

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars of the assessee who have been assessed under the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) on a net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the Financial Year 1978-79 in exercise of the powers conferred by Section 42-A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) and of all other powers enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assessee aforesaid are hereby published as under:—

- (i) Stands for the status—'I' for individual, 'H' for HUF, 'A' for A.O.P.
- (ii) for assessment year
- (iii) for net wealth returned
- (iv) for net wealth assessed
- (v) for tax payable, and
- (vi) for tax paid.

1. Shri C. S. Poonawala, 283 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001.
(i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 23,42,000/- (iv) Rs. 22,94,400/-
(v) Rs. 54,052/- (vi) Rs. 54,052/-.
2. Shri Z. A. Poonawala, 283 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001.
(i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 12,36,600/- (iv) Rs. 12,77,800/-
(v) Rs. 20,695/- (vi) Rs. 20,695/-.
3. Smt. R. C. Daddy, 4 Prince of Wales Drive, Pune-411001.
(i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,50,750/- (iv) Rs. 10,36,100/-
(v) Rs. 14,650/- (vi) Rs. 14,650/-.
4. Shri Daddy C. Daddy, 4 Prince of Wales Drive, Pune-411001.
(i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 13,61,900/- (iv) Rs. 13,39,700/-
(v) Rs. 22,250/- (vi) Rs. 22,250/-.
5. Miss P. C. Daddy, 4 Prince of Wales Drive, Pune-411001.
(i) 'T' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,17,900/- (iv) Rs. 10,04,000/-
(v) Rs. 13,850/- (vi) Rs. 13,850/-.

24. Smt. Suman C. Kirloskar, 'Lakaki' Pune-411016
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,48,000/- (iv) Rs. 10,48,000/-
(v) Rs. 14,951/- (vi) Rs. 14,951/-.
25. Smt. S. S. Padmaraje Kadambande, Kolhapur
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,72,000/- (iv) Rs. 10,61,000/-
(v) Rs. 15,290/- (vi) Rs. 15,290/-.
26. Shri P. D. Kulkarani, Ichalkaranji
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,56,400/- (iv) Rs. 14,56,400/-
(v) Rs. 25,162/- (vi) Rs. 25,162/-.
27. Smt. S. S. Yuvrajni Yadneseniraje, Kolhapur
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,66,707/- (iv) Rs. 10,73,700/-
(v) Rs. 12,035/- (vi) Rs. 12,035/-.
28. Smt. S. S. Vijayadevi Ghadge, Kolhapur
(i) 'I' (ii) 1974-75 (iii) Rs. 15,91,910/- (iv) Rs. 16,62,130/-
(v) Rs. 42,970/- (vi) Rs. 42,970/-.
29. Shri Fatesingh Ganpatrao Jagtap, 3 Ganeshkhind Road, Pune-411005
(i) 'H' (ii) 1974-75 (iii) Rs. 8,90,777/- (iv) Rs. 10,06,438/-
(v) Rs. 14,832/- (vi) Rs. 14,832/-.
30. Shri Krishnarao Ganpatrao Jagtap, 3 Ganeshkhind Road, Pune-411005
(i) 'H' (ii) 1974-75 (iii) Rs. 10,00,000/- (iv) Rs. 11,37,096/-
(v) Rs. 18,555/- (vi) Rs. 18,555/-.
31. Shri Krishnarao Ganpatrao Jagtap, 3 Ganeshkhind Road, Pune-411005.
(i) 'H' (ii) 1975-76 (iii) Rs. 8,89,486/- (iv) Rs. 11,36,984/-
(v) Rs. 24,500/- (vi) Rs. 24,500/-.
32. Shri Vishwasrao Ganpatrao Jagtap, 3 Ganeshkhind Road, Pune-411005
(i) 'H' (ii) 1974-75 (iii) Rs. 8,88,907/- (iv) Rs. 10,10,458/-
(v) Rs. 14,910/- (vi) Rs. 8,510/-.
33. Late Shrimant Y. M. Mukne, Jawhar
(i) 'I' (ii) 1974-75 (iii) Rs. 12,51,210/- (iv) Rs. 14,18,000/-
(v) Rs. 23,015/- (vi) Rs. 23,015/-.
34. Late Shrimant Y. M. Mukne, Jawhar
(i) 'I' (ii) 1975-76 (iii) Rs. 13,78,100/- (iv) Rs. 13,85,800/-
(v) Rs. 30,762/- (vi) Rs. 30,762/-.
35. Late Shrimant Y. M. Mukne, Jawhar
(i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 17,68,700/- (iv) Rs. 18,21,000/-
(v) Rs. 65,520/- (vi) Rs. 65,520/-.
36. Late Shrimant Y. M. Mukne, Jawhar
(i) 'I' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 17,23,400/- (iv) Rs. 17,51,000/-
(v) Rs. 36,523/- (vi) Rs. 36,523/-.
37. Late Shrimant Y. M. Mukne, Jawhar
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 18,05,400/- (iv) Rs. 18,14,970/-
(v) Rs. 37,185/- (vi) Rs. 37,185/-.

[No. Pub./Arr/WT/79-80]

का० आ 609.—वर्ग क (1) उन सभी व्यक्तियों और हिन्दू अविभक्त परिवारों के नाम जिनका वित्तीय वर्ष 1978-79 में रु० ० लाख से अधिक की आय के लिये कर-निर्धारण किया गया है।

1. हैसियत के लिये—व्यक्ति, हि० अ० प० हिन्दू अविभक्त परिवार के लिये

2. निर्धारण वर्ष के लिये
3. विवरणित आय के लिये
4. निर्धारित आय के लिये
5. देय कर के लिये
6. अदा किए गये कर के लिये

1. श्री एम० आर० सावले, 105 भवानी पेठ, पुणे-411002
1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 2,22,639
4. रु० 2,32,010 5. रु० 1,24,028 6. रु० 1,24,028
2. श्री सी० एस० किलोस्कर, लक्ष्मी, पुणे-411016
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 2,72,120
4. रु० 2,81,430 5. रु० 7,743 6. रु० 70,743
3. श्री जी० आर० सावले, 105 भवानी पेठ, पुणे-411002
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 3,14,210
4. रु० 3,14,450 5. रु० 1,70,012 6. रु० 1,70,012
4. श्री एच० एम० वाघिरे, 105 भवानी पेठ, पुणे-411002
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 4,17,380
4. रु० 4,17,580 5. रु० 2,17,567 6. रु० 2,17,567
5. श्रीमती जेरबानू के० ईरानी, 3 महात्मा गांधी रोड, पुणे-411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 2,54,800
4. रु० 2,56,610 5. रु० 1,53,141 6. रु० 1,52,040
6. श्री नासिर के० ईरानी, 2422 ईस्ट स्ट्रीट, पुणे-411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 3,09,400
4. रु० 10,200 5. रु० 1,77,158 6. रु० 1,76,600
7. श्री एफ० के० ईरानी, 2422 ईस्ट स्ट्रीट, पुणे-411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 3,79,430
4. रु० 3,90,910 5. रु० 2,17,543 6. रु० 2,17,543
8. श्री मोहन दयाल पटेल, भोसरी, पुणे-411026
1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 5,96,750
4. रु० 6,61,750 5. रु० 4,13,845 6. रु० 4,11,720
9. श्री उस्मान हाजी अली तबल, 15, मांजरी तालुका-हवेली
1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 4,43,150
4. रु० 4,60,010 5. रु० 2,80,682
6. रु० 2,80,682
10. श्री के० बी० ग्रेंट, 40 समूत रोड, पुणे-411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 2,34,620 4. रु० 2,74,710 5. रु० 1,65,880 6. रु० 1,65,880

वर्ग क (II) उन सभी फर्मों, व्यक्तियों के संगम या कंपनियों के नाम जिनका वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान रु० 10 लाख से अधिक की आय के लिये निर्धारण किया गया है।

1. हैसियत के लिये—पं० फ०—पंजीकृत फर्म के लिये, लि० कं०—कंपनी के लिए, सं० सहकारी समिति के लिये।

2. निर्धारण—वर्ष के लिए
 3. विवरणित—प्राय के लिए
 4. निर्धारित—प्राय के लिए
 5. देय कर के लिए
 6. अदा किये गये कर के लिए
1. किशोर पंप्त प्रा० लिमिटेड कंपनी, ए० बी० एच० ब्लाक, पिंपरी, पुणे
 1. कंपनी 2. 1977-78 3. रु० 13,68,280
 4. रु० 13,69,080 5. रु० 8,22,520
 6. रु० 8,22,520
2. घाटगे पेट्रोल ट्रान्सपोर्ट प्रा० लिमिटेड, कोल्हापुर
 1. कंपनी 2. 1978-79 3. रु० 14,66,122
 4. रु० 14,71,320 5. रु० 9,25,029
 6. रु० 9,25,029
3. दी सांगली बैंक लिमिटेड, सांगली
 1. कंपनी 2. 1977-78 3. रु० 28,81,760
 4. रु० 28,80,100 5. रु० 16,63,257
 6. रु० 16,63,257
4. मेमर्स किनोस्कोप ब्रदर्स, लिमिटेड, उद्योग भवन, तिलक रोड, पुणे-411030
 1. कंपनी 2. 1976-77 3. रु० 75,47,490
4. रु० 85,61,080 5. रु० 49,43,504
 6. रु० 49,53,504
5. मेमर्स जे० एन० मार्शल प्रा० लिमिटेड, पिंपरी, पुणे
 1. कंपनी 2. 1977-78 3. रु० 32,35,473
 4. रु० 31,64,820 5. रु० 18,86,909
 6. रु० 18,86,909
6. मेसर्स पदमजा पल्प अण्ड मॉलम लिमिटेड, थारगांव, पुणे
 1. कंपनी 2. 1977-78 3. रु० 1,09,57,720
 4. रु० 1,10,45,380 5. रु० 60,74,959
 6. रु० 60,27,000
7. एस्बेस्टोस सीमेंट लि०, नई दिल्ली
 1. लि० कं० 2. 1977-78 3. रु० 1,09,66,900
 4. रु० 1,15,81,470 5. रु० 63,65,897
 6. रु० 63,65,897
8. एस्बेस्टोस सीमेंट लि०, नई दिल्ली
 1. लि० कं० 2. 1978-79 3. रु० 1,35,86,780
 4. रु० 1,65,89,540 5. रु० 95,37,904
 6. रु० 95,37,904]
9. एस्बेस्टोस सीमेंट लि०, टर्नर और नेवेल, नई दिल्ली के एजेंट के रूप में
 1. लि० कं० 2. 1978-79 3. रु० 46,52,230
 4. रु० 46,52,230 5. रु० 11,68,179
 6. रु० 11,68,179

वर्ग 'ख'

नीचे उन निर्धारितियों के नाम और व्यौर दिए जा रहे हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान कम से कम रु० 5000/- का शुल्क देना ऐसी स्थिति में लगाया गया जब कि या तो अपीलीय अधिकरण में अपील करने का समय समाप्त हो गया था और या अपील दाखिल नहीं की गयी थी अथवा दाखिल की गयी अपील रद्द कर दी गयी थी ।

क्र० सं०	निर्धारितों का नाम व पता	हैसियत	निर्धारण	शुल्क की राशि
1	2	3	4	5
1.	दी युनाइटेड एजन्सीज प्रा० लि० कोल्हापुर	कंपनी	1975-76	7,224
2.	श्री एन० कं० भट, सायनवाडी	व्यक्ति	1974-75	17,000
3.	—वही—	—वही—	1975-76	8,585
4.	मैसर्स आम्बाद होटल, गोखले रोड, ठाणे	पं० फ०	1973-74	7,760
5.	मैसर्स कन्हैयालाल ताराचंद एण्ड कं० पालघर	पं० फ०	1974-75	5,060
6.	श्री लक्ष्मीप्रसाद महादेव शुक्ल, पालघर	व्यक्ति	1975-76	8,920

वर्ग 'ग'

नीचे उन व्यक्तियों के नाम दिये जा रहे हैं जिन्होंने वित्तीय वर्ष 1978-79 के लिए कर अदा करने में नूतन को दे और इन मामलों में कर चुक की राशि रु० 1 लाख या उससे अधिक की है । इस चुक की अधि वो वर्ष या अधिक की है ।

क्रम सं०	निर्धारितों का नाम और पता	हैसियत	निर्धारण वर्ष	कर में चुक की राशि
1	2	3	4	5
1.	मैसर्स धूलिया इलेक्ट्रिक सप्लाय कं० 266/2, गिवाजीनगर, पुणे-5, ओफिशियल लिक्विडेटर बैंक आफ इंडिया बिल्डिंग, 5थी मंजिल, एम० जी० रोड, बम्बई-400001	कंपनी	1967-68 1968-69 1969-70 1970-71 1972-73	89,543 10,195 13,227 6,428 100

1	2	3	4	5
2.	श्री जगन्नाथ सोनू पारकर, 262, देवगढ़, जि० रत्नागिरी	व्यक्ति	1962-63	5,29,676
3.	मैसर्स पाठक भद्रर्स, मेरठ	पं० फ०	1969-70 1971-72 1973-74 1974-75	22,33,905 857 827 978
4.	श्री जनार्दन गणपत सारवरकर, मुरड	व्यक्ति	1962-63 से 1972-73 तक	2,09,993
5.	श्री एम० आर० दासवानी, 23, कारवान रोड, होंग कोंग	व्यक्ति	1966-67 1967-68 1968-69 1969-70	34,237 1,27,187 17,462 18,782
6.	श्री अर्जुन बाला माधवी, कजेडी ता० भिवंडी	व्यक्ति	1955-56 1956-57 1957-58 1961-62 1962-63 1963-64 1964-65 1965-66 1966-67 1973-74	803 22,675 41,740 26,853 43,430 30,924 40,486 25,284 71 456
7.	श्री कानजी गोविंद करसन, कल्याण	व्यक्ति	1949-50 1952-53 1953-54 1954-55 1955-56 1956-57 1957-58 1958-59 1959-60 1960-61	16,433 19,946 34,820 19,161 690 28,750 20,397 27,677 19,401 10,158
8.	श्री कानजी गोविंद करसन, कल्याण	हि० अ० प०	1959-60 1960-61	5,125 5,408

धनकर आयुक्त, पुणे I और II

धनकर

वर्ग 'ड'

चूंकि केन्द्र सरकार का विचार है कि यह लाकहित की दृष्टि से आवश्यक एवं समीचीन है कि उन निर्धारितियों के नाम और अन्य विवरण प्रकाशित कर दिये जाएं, जिनका निर्धारण वित्तीय वर्ष 1978-79 के दौरान रु० 10 लाख से अधिक शुद्ध धन के लिए धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन किया गया है, अतः धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) की धारा 42-ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में इसे समर्थ बनानेवाली अन्य सभी शक्तियों के प्रयोग में एतद्द्वारा उपरोक्त निर्धारितियों के नाम और अन्य विवरण नीचे दिये गए अनुसार प्रकाशित किये जाते हैं।

1. हेतिसूचक के लिए—व्यक्ति, हि० अ० प०, व्यक्तियों का संगम

2. निर्धारण वर्ष के लिए

3. विवरणित शुद्ध धन के लिए

4. निर्धारित शुद्ध धन के लिए

5. देयकर के लिए

6. अदा किये गये कर के लिए

1. श्री० सी० एस० पूनावाला, 283 महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001.

1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 23,42,000

4. रु० 22,94,400 5. रु० 54,052

6. रु० 54,052

2. श्री शेड० एस० पूनावाला, 283 महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001

1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 12,36,600

4. रु० 12,77,800 5. रु० 20,695
6. रु० 20,695
3. श्रीमती आर० सी० डैडी, 4 प्रिन्स ऑफ वेल्स ड्राइव्ह, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,50,750
4. रु० 10,36,100 5. रु० 14,650
6. रु० 14,650
4. श्री डैडी सी डैडी, 4 प्रिन्स ऑफ वेल्स ड्राइव्ह, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 13,61,900
4. रु० 13,39,700 5. रु० 22,250
6. रु० 22,250
5. कुमार पी० सी० डैडी, 4 प्रिन्स ऑफ वेल्स ड्राइव्ह, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,17,900
4. रु० 10,04,000 5. रु० 13,850
6. रु० 13,850
6. श्री के० ए० इरानी, 3 महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1976-77 3. रु० 11,45,900
4. रु० 11,65,000 5. रु० 20,555
26,595
7. श्री के० ए० इरानी, 3 महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 11,89,500
4. रु० 11,87,200 5. रु० 18,205
6. रु० 18,205
8. श्री के० ए० इरानी, 3 महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 12,37,100
4. रु० 12,86,100 5. रु० 20,902 6. रु० 20,902
9. श्री एन० ए० इरानी, 2422, इस्ट स्ट्रीट, पुणे 411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,71,400
4. रु० 10,56,300 5. रु० 15,150
6. रु० 15,150
10. श्री एफ० के० इरानी, 2422 इस्ट स्ट्रीट, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 12,70,200
4. रु० 12,50,200 5. रु० 20,000
6. रु० 20,000
11. श्रीमती डायना डी० अंकलेसरिया, 4 महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001.
1. व्यक्ति 2. 1976-77 3. रु० 13,89,900
4. रु० 13,77,000 5. रु० 36,700
6. रु० 36,700
12. श्रीमती डायना डी० अंकलेसरिया, 4 महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001.
1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 12,22,400
4. रु० 12,16,800 5. रु० 18,699
6. रु० 18,699
13. श्रीमती डायना डी० अंकलेसरिया, 4 महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 14,06,500
4. रु० 13,98,700 5. रु० 23,129
6. रु० 23,129
14. कुमारी शेरु फ़ैमरोज, 4, महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1975-76 3. रु० 15,13,300
4. रु० 14,94,000 5. रु० 38,203
6. रु० 38,625
15. कुमारी शेरु फ़ैमरोज, 4, महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1976-77 3. रु० 20,58,100
4. रु० 20,22,500 5. रु० 75,645
6. रु० 75,645
16. कुमारी शेरु फ़ैमरोज, 4, महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 18,20,000
4. रु० 18,04,200 5. रु० 35,845
6. रु० 35,845
17. कुमारी शेरु फ़ैमरोज, 4 महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 21,10,900
4. रु० 20,90,300 5. रु० 45,324
6. रु० 45,324
18. कुमारी डायना डी० रत्तागर, 4, प्रिन्स ऑफ वेल्स ड्राइव्ह, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 11,31,700
4. रु० 11,15,100 5. रु० 16,626
6. रु० 16,626
19. श्री दिनशा एम० अंकलेसरिया, पुणे
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 14,68,900
4. रु० 14,45,000 5. रु० 24,880
6. रु० 24,880
20. श्री एम० एन० अंकलेसरिया, 12 मोलेदिना रोड, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 14,58,400

4. रु० 14,37,700 5. रु० 24,693
6. रु० 24,693
21. श्री एफ० ए० इरानी, 3 महात्मा गांधी रोड, पुणे—411001
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 14,04,300
4. रु० 13,97,500 5. रु० 23,698
6. रु० 23,698
22. श्री जी० एन० कल्याणी, 240 एफ शनिवार पेठ, कराड
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,59,700
4. रु० 10,81,200 5. रु० 15,779
6. रु० 15,779
23. मास्टर एम० एन० कल्याणी, 240 एफ शनिवार पेठ, कराड
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,57,800
4. रु० 10,62,600 5. रु० 15,316
6. रु० 15,316
24. श्रीमती सुमन सी० किलोस्कर 'लकाकी' पुणे—411016
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,48,000
4. रु० 10,48,000 5. रु० 14,951
5. रु० 14,951
25. श्रीमती एम० एम० पद्मराजे कदम बांदे, कोल्हापुर
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,72,000
4. रु० 10,61,000 5. रु० 15,290
6. रु० 15,290
26. श्री पी० डी० कुलकर्णी हवनकरंजी
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 14,56,400
4. रु० 14,56,400 5. रु० 25,162
6. रु० 25,162
27. श्रीमती एम० एम० युवराजी यशमेनी राजे, कोल्हापुर
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 10,66,707
4. रु० 10,73,700 5. रु० 12,035
6. रु० 12,035
28. श्रीमती एम० एम० विजयादेवी घाटगे, कोल्हापुर
1. व्यक्ति 2. 1974-75 3. रु० 15,91,910
4. रु० 16,62,130 5. रु० 42,970
6. रु० 42,970
29. श्री फतेसिंह गणपतराव जगताप, 3 गणेशखिड रोड, पुणे—411005
1. हि० अ० प० 2 1974-75 3. रु० 8,90,777
4. रु० 10,06,438 5. रु० 14,832
6. रु० 14,832
30. श्री कृष्णराव गणपतराव जगताप, 3 गणेशखिड रोड, पुणे—411005
1. हि० अ० प० 2. 1974-75 3. 10,00,000
4. रु० 11,37,096 5. रु० 18,555
6. रु० 18,555
31. श्री कृष्णराव गणपतराव जगताप, 3 गणेशखिड रोड, पुणे—411005
1. हि० अ० प० 2. 1975-76 3. रु० 8,89,486
4. रु० 11,36,984 5. रु० 24,500
6. रु० 24,500
32. श्री विश्वासराव गणपतराव जगताप, 3 गणेशखिड रोड, पुणे—411005
1. हि० अ० प० 2. 1974-75 3. रु० 8,88,907
4. रु० 10,10,458 5. रु० 14,910
6. रु० 8,510
33. स्व० श्रीमंत वाई० एम० मुकने, जव्हार
1. व्यक्ति 2. 1974-75 3. रु० 12,51,210
4. रु० 14,18,000 5. रु० 23,015
6. रु० 23,015
34. स्व० श्रीमंत वाई० एम० मुकने, जव्हार
1. व्यक्ति 2. 1975-76 3. रु० 13,78,100
4. रु० 13,85,800 5. रु० 30,762
6. रु० 30,762
35. स्व० श्रीमंत वाई० एम० मुकने, जव्हार
1. व्यक्ति 2. 1976-77 3. रु० 17,68,700
4. रु० 18,21,000 5. रु० 65,520
6. रु० 65,520
36. स्व० श्रीमंत वाई० एम० मुकने, जव्हार
1. व्यक्ति 2. 1977-78 3. रु० 17,23,400
4. रु० 17,51,000 5. रु० 36,523
6. रु० 36,523
37. स्व० श्रीमंत वाई० एम० मुकने, जव्हार
1. व्यक्ति 2. 1978-79 3. रु० 18,05,400
4. रु० 18,14,970 5. रु० 37,185
6. रु० 37,185

[सं० प्रकाशन/बकाया/अनकर/79-80]

पी० एस० भास्करन, आयकर आयुक्त

S.O. 609.—CATEGORY 'A' (I) Names of all individuals and Hindu Undivided Families who have been assessed on an income more than Rs. 2 lakhs during the financial year 1978-79.

(i) For Status—'I' for Individual

'H' for H.U.F.

(ii) For Assessment Year

(iii) For Income returned

(iv) For Income assessed

(v) For tax payable, and

(vi) For tax paid.

- Shri S.R. Sable, 105 Bhavanipeth, Pune-411002.
(i) 'I' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 2,22,639 (iv) Rs. 2,32,010/-
(v) Rs. 1,24,028/- (vi) Rs. 1,24,028/-.
- Shri C.S. Kirloskar, Lakaki, Pune-411016.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 2,72,120/- (iv) Rs. 2,81,430/-
(v) Rs. 70,743/- (vi) Rs. 70,743/-.
- Shri G.R. Sable, 105 Bhavanipeth, Pune-411002.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 3,14,210/- (iv) Rs. 3,14,450/-
(v) Rs. 1,70,012/- (vi) Rs. 1,70,012/-.
- Shri H.M. Waghire, 105 Bhavanipeth, Pune-411002.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 4,17,380/- (iv) Rs. 4,17,580/-
(v) Rs. 2,17,567/- (vi) Rs. 2,17,567/-.
- Mrs. Jerbanoo K. Irani, 3 Mahatma Gandhi Rd., Pune-411001.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 2,54,600/- (iv) Rs. 2,56,610/-
(v) Rs. 1,53,141/- (vi) Rs. 1,52,040/-.
- Shri Nasir K. Irani, 2422 East Street, Pune-411001.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 3,09,400/- (iv) Rs. 3,10,200/-
(v) Rs. 1,77,158/- (vi) Rs. 1,76,600/-.
- Shri F.K. Irani, 2422 East Street, Pune-411001.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 3,79,430/- (iv) Rs. 3,90,910/-
(v) Rs. 2,17,543/- (vi) Rs. 2,17,543/-.
- Shri Mohan Dayal Patel, Bhosari, Pune-411026.
(i) 'I' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 5,96,750/- (iv) Rs. 6,61,750/-
(v) Rs. 4,13,845/- (vi) Rs. 4,11,720/-.
- Shri Osman Haji Ali Talab, 15, Majri Bk. Taluka Haveli.
(i) 'I' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 4,43,150/- (iv) Rs. 4,60,010/-
(v) Rs. 2,80,682/- (vi) Rs. 2,80,682/-.
- Shri K.B. Grant, 40 Sasoon Rd., Pune-411001.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 2,34,620/- (iv) Rs. 2,74,710/-
(v) Rs. 1,65,880/- (vi) Rs. 1,65,880/-.

CATEGORY 'A' (II)—Names of all firms, Association of persons or Companies who have been assessed on an income of more than Rs. 10 lakhs during the financial year 1978-79.

(i) for Status—'RF' for Registered Firm

'LTD Co.' for Company.

'A' for Co-operative Society.

(ii) for assessment year

(iii) for Income returned

(iv) for Income assessed

(v) for Tax payable

(vi) for tax paid.

- Kishor Pumps Pvt. Ltd. Co. A.B.H. Block, Pimpri, Pune.
(i) Co. (ii) 1977-78 (iii) Rs. 13,68,280/- (iv) Rs. 13,69,080/-
(v) Rs. 8,22,520/- (vi) Rs. 8,22,520/-.
- Ghatge Patil Transport Pvt. Ltd., Kolhapur.
(i) Co. (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,66,122/- (iv) Rs. 14,71,320/-
(v) Rs. 9,25,029/- (vi) Rs. 9,25,029/-.

3. The Sangli Bank Ltd. Sangli.

(i) Co. (ii) 1977-78 (iii) Rs. 28,81,760/- (iv) Rs. 28,80,100/-
(v) Rs. 16,63,257/- (vi) Rs. 16,63,257/-.

4. M/s. Kirloskar Bros. Ltd. Udyog Bhavan, Tilak Road, Pune-30.

(i) Co. (ii) 1976-77 (iii) Rs. 75,47,490/- (iv) Rs. 85,61,080/-
(v) Rs. 49,43,504 (vi) Rs. 49,53,504/-

5. M/s. J.N. Marshall Pvt. Ltd., Pimpri, Pune.

(i) Co. (ii) 1977-78 (iii) Rs. 32,35,473/- (iv) Rs. 31,64,820/-
(v) Rs. 18,86,909/- (vi) Rs. 18,86,909/-.

6. M/s. Padamji Pulp & Paper Mills Ltd. Thorgaon, Pune.

(i) Co. (ii) 1977-78 (iii) Rs. 1,09,57,720/- (iv) Rs. 1,10,45,380/-
(v) Rs. 60,74,959/- (vi) Rs. 60,27,000/-.

7. Asbestos Cement Ltd., New Delhi.

(i) Ltd. Co. (ii) 1977-78 (iii) Rs. 1,09,66,900/- (iv) Rs. 1,15,81,470/- (v) Rs. 63,65,897/- (vi) Rs. 63,65,897/-.

8. Asbestos Cement Ltd. New Delhi.

(i) Ltd. Co. (ii) 1978-79 (iii) Rs. 1,35,86,780/- (iv) Rs. 1,65,89,540/- (v) Rs. 95,37,904/- (vi) Rs. 95,37,904/-.

9. Asbestos Cement Ltd. as Agent to Turner & Newell, New Delhi.

(i) Ltd. Co. (ii) 1978-79 (iii) Rs. 46,52,230/- (iv) Rs. 46,52,230/- (v) Rs. 11,68,179/- (vi) Rs. 11,68,179/-.

CATEGORY 'B'—Names and particulars relating to assesses on whom a penalty of not less than Rs. 5000/- was imposed during a financial year 1978-79 provided the time for presenting an appeal to the Appellate Tribunal was expired without an appeal having been presented the appeal if presented has been disposed off.

Sr. No.	Name and address of the assessee	Status	Asstt. year	Amount of penalty Rs.
1.	The United Agencies P. Ltd. Kolhapur	Co.	1975-76	7,224/-
2.	Shri N.K. Bhat, Sawantwadi	Indl.	1971-72	17,000/-
3.	Shri N.K. Bhat, Sawantwadi	-do-	1975-76	8,585/-
4.	M/s. Aswad Hotel, Gokhale Road, Thane	R.F.	1973-74	7,760/-
5.	M/s. Kanyalal Tara-chand & Co. Palghar	R.F.	1974-75	5,060/-
6.	Shri Laxmiprasad Mahadeo Shukla, Palghar	Indl.	1975-76	8,920/-

CATEGORY 'C'—Names of Persons in default of tax in cases where the amount of tax in default exceeded Rs. 1 lakh or more for a period of two years and above for the financial year 1978-79.

Sr. No.	Name & address of the assessee	Status	Asstt. year	Amount of tax in default Rs.
1.	M/s. Dhulia Electric Suplpy Co.,	Company	1967-68 1968-69	89,543 10,195

1.	2.	3.	4.	5.	
				Rs.	
	766/2, Shivajinagar, Pune 5. Official Liquidator Bank of India Bldg., 5th floor, M.G. Road, Bombay-400001.		1969-70 1970-71 1972-73	13,227 6,428 100	1. Shri C.S. Poonawala, 283 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1973-79 (iii) Rs. 23,42,000/- (iv) Rs. 22,94,400/- (v) Rs. 54,052/- (vi) Rs. 54,052/-.
2.	Shri Jagannath Sonu Parkar, 262, Deogad, Dist. Ratnagiri.	Indl.	1962-63	5,29,676	2. Shri Z.A. Poonawala, 283 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1973-79 (iii) Rs. 12,36,600/- (iv) Rs. 12,77,800/- (v) Rs. 20,695/- (vi) Rs. 20,695/-.
3.	M/s. Patbak Bros., Meerut.	R.F.	1969-70 1971-72 1973-74 1974-75	22,33,905 857 827 978	3. Smt. R.C. Daddy, 4 Prince of Wales Drive, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1973-79 (iii) Rs. 10,50,750/- (iv) Rs. 10,36,100/- (v) Rs. 14,650/- (vi) Rs. 14,650/-.
4.	Shri Janardhan Ganpat Sakharkar, Murud.	Indl.	1962-63 to 1972-73	2,09,993	4. Shri Daddy C. Daddy, 4 Prince of Wales Drive, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1973-79 (iii) Rs. 13,61,900/- (iv) Rs. 13,39,700/- (v) Rs. 22,250/- (vi) Rs. 22,250/-.
5.	Shri M.R. Daswani. 23, Carwan Road, Hong Kong	Indl.	1966-67 1967-68 1968-69 1969-70	34,237 1,27,187 17,462 18,782	5. Miss P.C. Daddy, 4 Prince of Wales Drive, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1973-79 (iii) Rs. 10,17,900/- (iv) Rs. 10,04,000/- (v) Rs. 13,850/- (vi) Rs. 13,850/-.
6.	Shri Arjun Bala Madhavi, Kashedi, Tal. Bhiwandi.	Indl.	1955-56 1956-57 1957-58 1961-62 1962-63 1963-64 1964-65 1965-66 1966-67 1973-74	803 22,675 41,740 26,853 43,430 30,924 40,486 25,284 71 456	6. Shri K.A. Irani, 3 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 11,45,900/- (iv) Rs. 11,65,000/- (v) Rs. 26,595/- (vi) Rs. 26,595/-.
7.	Shri Kanji Govind Karsan, Kalyan.	Indl.	1949-50 1952-53 1953-54 1954-55 1955-56 1956-57 1957-58 1958-59 1959-60 1960-61	16,433 19,946 34,820 19,161 690 28,750 20,397 27,677 19,401 10,158	7. Shri K.A. Irani, 3 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 11,89,500/- (iv) Rs. 11,87,200/- (v) Rs. 18,205/- (vi) Rs. 18,205/-.
8.	Shri Kanji Govind Karsan, Kalyan.	Indl.	1959-60 1960-61	5,125 5,408	8. Shri K.A. Irani, 3 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 12,37,100/- (iv) Rs. 12,86,100/- (v) Rs. 20,902/- (vi) Rs. 20,902/-.
					9. Shri N.A. Irani, 2422 East Street, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,71,400/- (iv) Rs. 10,56,300/- (v) Rs. 15,150/- (vi) Rs. 15,150/-.
					10. Shri F.R. Irani, 2422, East Street, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 12,70,200/- (iv) Rs. 12,50,200/- (v) Rs. 20,000/- (vi) Rs. 20,000/-.
					11. Mrs. Diana D. Anklesaria, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 13,89,900/- (iv) Rs. 13,77,000/- (v) Rs. 36,700/- (vi) Rs. 36,700/-.
					12. Mrs. Diana D. Anklesaria, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 12,22,400/- (iv) Rs. 12,16,800/- (v) Rs. 18,699/- (vi) Rs. 18,699/-.
					13. Mrs. Diana D. Anklesaria, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,06,500/- (iv) Rs. 13,98,700/- (v) Rs. 23,129/- (vi) Rs. 23,129/-.
					14. Miss Sheroo Framroz, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1975-76 (iii) Rs. 15,13,300/- (iv) Rs. 14,94,000/- (v) Rs. 38,203/- (vi) Rs. 38,625/-.
					15. Miss Sheroo Framroz, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 20,58,100/- (iv) Rs. 20,22,500/- (v) Rs. 75,645/- (vi) Rs. 75,645/-.
					16. Miss Sheroo Framroz, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001. (i) 'I' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 18,20,000/- (iv) Rs. 18,04,200/- (v) Rs. 35,845/- (vi) Rs. 35,845/-.

Commissioner of Wealth Tax, Pune-I & II WEALTH TAX

CATEGORY 'E'—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars of the assessee who have been assessed under the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) on a net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the Financial Year 1978-79, in exercise of the powers conferred by Section 42-A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) and of all other powers enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assessee aforesaid are hereby published as under:—

(i) Stands for the status 'I' for individual, 'H' for Hindu

'A' for A.O.P.

(ii) for assessment year

(iii) for net wealth returned

(iv) for net wealth assessed

(v) for tax payable, and

(vi) for tax paid,

17. Miss Sheroo Framroz, 4 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001.
(i) 'I' (ii) 1973-79 (iii) Rs. 21,10,900/- (iv) Rs. 20,90,300/-
(v) Rs. 45,324/- (vi) Rs. 45,324/-.
18. Miss Diana D. Ratanagar, 4 Prince of Wales Drive, Pune-411001.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 11,31,700/- (iv) Rs. 11,15,100/-
(v) Rs. 16,626/- (vi) Rs. 16,626/-.
19. Shri Dinshaw S. Anklesaria, Pune.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,69,900/- (iv) Rs. 14,45,000/-
(v) Rs. 24,880/- (vi) Rs. 24,880/-.
20. Shri S.N. Anklesaria, 12 Moledina Road, Pune-411001.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,58,400/- (iv) Rs. 14,37,700/-
(v) Rs. 24,693/- (vi) Rs. 24,693/-.
21. Shri F.A. Irani, 3 Mahatma Gandhi Road, Pune-411001.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,04,300/- (iv) Rs. 13,97,500/-
(v) Rs. 23,698/- (vi) Rs. 23,698/-.
22. Shri G.N. Kalyani, 240-F Shaniwar Peth, Karad.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,59,700/- (iv) Rs. 10,81,200/-
(v) Rs. 15,779/- (vi) Rs. 15,779/-.
23. Master S.N. Kalyani, 240-F Shaniwar Peth, Karad.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,57,800/- (iv) Rs. 10,62,600/-
(v) Rs. 15,316/- (vi) Rs. 15,316/-.
24. Smt. Suman C. Kirloskar, 'Lakaki' Pune-411016.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,48,000/- (iv) Rs. 10,48,000/-
(v) Rs. 14,951/- (vi) Rs. 14,951/-.
25. Smt. S.S. Padmaraje Kadambande, Kolhapur.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,72,000/- (iv) Rs. 10,61,000/-
(v) Rs. 15,290/- (vi) Rs. 15,290/-.
26. Shri P.D. Kulkarni, Ichalkaranji.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 14,56,400/- (iv) Rs. 14,56,400/-
(v) Rs. 25,162/- (vi) Rs. 25,162/-.
27. Smt. S.S. Yuvradni Yadneseniraje, Kolhapur.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 10,66,707/- (iv) Rs. 10,73,700/-
(v) Rs. 12,035/- (vi) Rs. 12,035/-.
28. Smt. S.S. Vijayadevi Ghadge, Kolhapur.
(i) 'I' (ii) 1974-75 (iii) Rs. 15,91,910/- (iv) Rs. 16,62,130/-
(v) Rs. 42,970/- (vi) Rs. 42,970/-.
29. Shri Fatesingh Ganpatrao Jagtap, 3 Ganeshkhind Road, Pune-411005.
(i) 'H' (ii) 1974-75 (iii) Rs. 8,90,777/- (iv) Rs. 10,06,438/-
(v) Rs. 14,832/- (vi) Rs. 14,832/-.
30. Shri Krishnarao Ganpatrao Jagtap, 3 Ganeshkhind Road, Pune-411005.
(i) 'H' (ii) 1974-75 (iii) Rs. 10,00,000/- (iv) Rs. 11,37,096/-
(v) Rs. 18,555/- (vi) Rs. 18,555/-.
31. Shri Krishnarao Ganpatrao Jagtap, 3 Ganeshkhind Road, Pune-411005.
(i) 'H' (ii) 1975-76 (iii) Rs. 8,89,486/- (iv) Rs. 11,36,984/-
(v) Rs. 24,500/- (vi) Rs. 24,500/-.
32. Shri Vishwasrao Ganpatrao Jagtap, 3 Ganeshkhind Road, Pune-411005.
(i) 'H' (ii) 1974-75 (iii) Rs. 8,88,907/- (iv) Rs. 10,10,458/-
(v) Rs. 14,910/- (vi) Rs. 8,510/-.
33. Late Shrimant Y.M. Mukne, Jawhar.
(i) 'I' (ii) 1974-75 (iii) Rs. 12,51,210/- (iv) Rs. 14,18,000/-
(v) Rs. 23,015/- (vi) Rs. 23,015/-.

34. Late Shrimant Y.M. Mukne, Jawhar.
(i) 'I' (ii) 1975-76 (iii) Rs. 13,78,100/- (iv) Rs. 13,85,800/-
(v) Rs. 30,762/- (vi) Rs. 30,762/-.
35. Late Shrimant Y.M. Mukne, Jawhar.
(i) 'I' (ii) 1976-77 (iii) Rs. 17,68,700/- (iv) Rs. 18,21,000/-
(v) Rs. 65,520/- (vi) Rs. 65,520/-.
36. Late Shrimant Y.M. Mukne, Jawhar.
(i) 'I' (ii) 1977-78 (iii) Rs. 17,23,400/- (iv) Rs. 17,51,000/-
(v) Rs. 36,523/- (vi) Rs. 36,523/-.
37. Late Shrimant Y.M. Mukne, Jawhar.
(i) 'I' (ii) 1978-79 (iii) Rs. 18,05,400/- (iv) Rs. 18,14,970/-
(v) Rs. 37,185/- (vi) Rs. 37,185/-.

[No. Pub./Arr/WT/79-80]

P. S. Bhaskaran, Commissioner of Income-Tax

समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क का कार्यालय

मद्रास, 3 अक्टूबर, 1979

का० आ० 610.—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 नियम 5 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मद्रास, इस अधिसूचना के द्वारा उक्त नियमावली के पूर्व उद्धृत नियम 14 के अन्तर्गत, उस मंडल कार्यालय के सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क को, जिसके अन्तर्गत ऐसे कारखाने स्थित हैं जहाँ से माल-बन्ध पत्र के अधीन निर्यात किए जाने के लिए आशयित है, व्यापारी निर्यातकों को बन्ध पत्र के अधीन माल के निर्यात करने की अनुमति प्रदान करने से सम्बन्धित समाहर्ता की शक्तियां प्रत्यायोजित करता हूँ।

2. शक्तियों के इस प्रत्यायोजन से ऐसे व्यापारी निर्यातकों द्वारा (I) जो कि विविध समाहर्तालयों में स्थित कई ऐसे कारखानों में निर्मित उत्पाद शुल्क माल का बन्ध पत्र के अन्तर्गत निर्यात करने का इरादा रखते हैं, निर्यात पतन (पत्तनों) के तटवर्ती (मेरी-टाइम) समाहर्ताओं से, और (II) जो एक या एक से अधिक समाहर्तालयों में स्थित एक या एक से अधिक पत्तनों से बन्ध पत्र के अधीन निर्यात करने का इरादा रखते हों, अधिकार केन्द्रीय समाहर्ता अथवा तटवर्ती (मेरी-टाइम) समाहर्ता से अनुमति लेने की मौजूदा कार्यप्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

[सी० सं० IV/16/518/79]

बी० आर० रेड्डी, समाहर्ता

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Madras, the 3rd October, 1979

S.O. 610.—In exercise of the powers conferred on me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I, the Collector of Central Excise, Madras hereby delegate the powers of Collector under Rule 14 ibid to the Assistant Collector of Central Excise, of the Division in which the factory from which the goods are intended to be exported under bond is located, to permit merchant exporters to export goods under bond.

2. This delegation of powers is without prejudice to the already existing procedure of obtaining permission by merchant exporters (i) who intend to export under bond-excisable goods manufactured in a number of factories situated in different Collectorates from the Maritime Collector(s) of the Port(s) of export; and (ii) who intend to export from more than one port situated in one or more Collectorates either from the jurisdictional Collector or from the Maritime Collector.

[C. No. IV/16/518/79]

B. R. REDDY, Collector

नागरिक पूर्ति तथा वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

गुडि पत्र

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1980

का० आ० 611.—भारत के राजपत्र भाग-II, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 22 सितम्बर, 1979 में प्रकाशित भारत सरकार के वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय, के आदेश सं० का० आ० 3242, तारीख 22 सितम्बर, 1979 के पृष्ठ 2663 पर, तीसरे स्तम्भ में मद सं० (1) में,—

“200 गेज या 47 ग्रा० से

300 गेज या 70.5/मी² $\pm 20\%$ से नीचे तक

के स्थान पर

200 गेज या 47 ग्रा०/मी²

से 300 गेज या 70.5 ग्रा० मी² से नीचे

$\pm 20\%$ पढ़िये।

[सं० 6(18)/73-नि० नि० तथा नि० उ०]

सी० बी० कुक्रेती, संयुक्त निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 15th March, 1980

S.O. 611.—In the order of the Government of India in the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation No. S.O. 3242 dated the 22nd September, 1979 published in the Gazette of India, Part II Section 3 Sub-section (ii) dated the 22nd September, 1979 in the third column item No. (i) at page 2663 :—

for “From 200 gauge or 47 gms. to below 300 gauge or 70.5/m² $\pm 20\%$.”

read “From 200 gauge or 47 gms./m² to below 300 gauge or 70.5 gms./m² $\pm 20\%$.”

[No. 6(18)/73-EI & EP]

C. B. KUKRETI, Joint Director

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1980-02-22

का० आ० 612.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) नियम और विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम (2) और विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन मानकों के अपोरे दिए गए हैं, 1977-07-31 को निर्धारित किए गए

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए गए भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 10 (भाग 5)—1976 प्लाईवुड की जाय वेटियों की विशिष्ट ; भाग 5 समुच्चयन और भराई (बौधा पुनरीक्षण)।	IS : 10-1970 प्लाईवुड की जाय की वेटियों की विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	1976-09-30 को स्थापित
2.	IS : 263—1977 बोरिक ग्रम की विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 263—1964 बोरिक ग्रम की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)।	”
3.	IS : 1150—1976 हमारती लकड़ी की प्रजातियों के संक्षेपीकृत प्रतीक और व्यापारिक नाम (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1150—1966 हमारती लकड़ी की प्रजातियों के संक्षेपीकृत प्रतीक और व्यापारिक नाम (पहला पुनरीक्षण)।	”
4.	IS : 1383—1977 खुरंग और फिनिसकृत बम्बाई सामग्रियों में प्रकाशन कति को ज्ञान करने की पद्धतियां	IS : 1383—1960 खुरंग और फिनिसकृत बम्बाई सामग्रियों में प्रकाशन कति को ज्ञान करने की पद्धतियां।	”

(1)	(2)	(3)	(4)
5. IS : 1445—1977 1000 बोल्ड तक सांकेतिक बोल्डता वाली शिरोपरि पावर लाइनों के लिए पारिसेन रोधकों की विनिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1445—1966 1000 बोल्ड तक सांकेतिक बोल्डता वाली शिरोपरि पावर लाइनों के लिए पारिसेन रोधकों की विनिष्टि (पुनरीक्षण)	1977-05-31 को स्थापित	
6. IS : 1506—1977 कापर धाक्सीक्लोराइड धूलन चूर्ण की विनिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1506—1967 कापर धाक्सीक्लोराइड धूलन चूर्ण की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1970-05-31 को भा० मा० संस्था (मुहर धाकन योजना) के लिए स्थापित । IS : 1506—1977 1977-11-01 से लागू होगा ।	
7. IS : 1507—1977 कापर धाक्सीक्लोराइड जल विमर्जनीय साम्र चूर्ण की विनिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1507—1966 कापर धाक्सीक्लोराइड जल विमर्जनीय साम्र चूर्ण की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1977-05-31 को स्थापित । भा० मा० संस्था (प्रमाणन मुहर धाकन योजना) के लिए IS : 1507—1977 1977-12-01 से लागू होगा ।	
8. IS : 1571—1976 मिट्टी के तेल वाले उद्भयन टरबाइन ईंधनों की विनिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 1571—1967 मिट्टी के तेल वाले उद्भयन टरबाइन ईंधनों की विनिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	
9. IS : 1607—1977 परीक्षण छलाई की पद्धतियों (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 1607—1960 शुष्क छलाई की पद्धतियाँ	—	
10. IS : 1972—1977 औद्योगिक कार्यों के लिए ताबों की पट्टी, बद्धर पत्ती की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1972—1961 औद्योगिक कार्यों के लिए ताबों की पट्टी, बद्धर पत्ती की विनिष्टि	1977-05-31 को स्थापित ।	
11. IS : 2108—1977 ब्लैकहार्ट धातवर्धन लोहे की इसी वस्तुओं की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	IS : 2108—1962 ब्लैकहार्ट धातवर्धन लोहे की इसी वस्तुओं की विनिष्टि	1977-06-30 को स्थापित । भा० मा० संस्था (प्रमाणन मुहर धाकन योजना) के कार्यों के लिए : IS : 2108—1962 1977-10-31 तक IS : 2108—1977 के साथ लागू रहेगा ।	
12. IS : 2123—1977 बाइलों (गोल्की) के डस्कनों की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2123—1962 बाइलों (गोल्की) के डस्कनों की विनिष्टि ।	—	
13. IS : 2916—(भाग 8)—1976 बोलिब्रों में प्रयुक्त क्वार्ट्ज क्रिस्टल यूनिटों की विनिष्टि भाग-8 टाइप ए ए०-07	—	—	
14. IS : 2916 (भाग 9)—1976 बोलिब्रों में प्रयुक्त क्वार्ट्ज क्रिस्टल यूनिटों की विनिष्टि भाग 9 टाइप एए०-07	—	—	
15. IS : 3400 (भाग 20)—1977 बस्फमीकृत रबड़ की परीक्षण पद्धतियाँ भाग 20, धोजोन प्रतिरोधिता	—	—	
16. IS : 4218 (भाग 4)—1976 घाई० एस० धो० मीटरी बुड़ियाँ भाग 4 कूट देने की प्रणाली	IS : 4218 (भाग 4)—1967 घाई० एस० धो० मीटरी बुड़ियाँ भाग 4 कूट देने की प्रणाली ।	1977-02-28 को स्थापित	
17. IS : 4588—1977 प्राकृतिक कण्ठे रबड़ की विनिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 4588—1975 प्राकृतिक कण्ठे रबड़ की विनिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1977-04-30 को स्थापित । भा० मा० संस्था (प्रमाणन मुहर धाकन योजना) के लिए : IS : 4588—1975 1977-12-31 तक IS : 4588—1977 के साथ लागू रहेगा ।	
18. IS : 5612 (भाग 2)—1977 वमकन उपयोग के लिए होज पट्टियों और होज क्लैम्पों की विनिष्टि भाग 2 होज पट्टियाँ (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5612—1969 वमकन उपयोग के लिए होज पट्टियों और होज क्लैम्पों की विनिष्टि	—	
19. IS : 6175 (भाग 2)—1977 घाई० एस० धो० मीटरी बुड़ियों के लिए हाथ के टैपो और छोटे मर्बान टैपो की विनिष्टि भाग 2 एस० 3 से एस० 10 तक	IS : 6175—1971 घाई० एस० धो० मीटरी बुड़ियों के लिए हाथ के टैपो और छोटे मर्बान टैपो की विनिष्टि ।	—	

1	2	3	4
20. IS : 6175 (भाग 3)—1977 आई० एस० ओ० मीटर के चुड़ियों के लिए हाथ के टेपों और छोटे मशीन टेपों की विशिष्टि। भाग 3 मोटी चुड़ी अंतर के लिए एम० 3 से एम० 68 तक और महीन चुड़ी अंतर के लिए एम० 3 से एम० 100 तक (पहला पुनरीक्षण)।	IS : 6175—1971 आई एस ओ मीटर के लिए हाथ के टेपों और छोटे मशीन टेपों की विशिष्टि।		
21. IS : 6506—1977 घटक नीला खाद्य श्रेणी के एक० सी० एक० की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।	IS : 6406—1971 घटक नीला खाद्य श्रेणी के एक० सी० की विशिष्टि	1977-06-30 को स्थापित	
22. IS : 7881 (भाग 2)—1976 इमारती लोहे के सामान सम्बन्धी शब्दावली भाग 2 सिटकलियां (सैब)	—	—	—
23. I : 8342—1977 कस कथंन वाले केदारनाथ शाल नमूने के वाहनों के फोर्सों की विशिष्टि	—	1977-05-31 को स्थापित	
24. IS : 8343—1977 बायाप्सी परीक्षा के पी ठरसन नमूने के फोर्सों की विशिष्टि	—	1977-04-30 को स्थापित	
25. IS : 8350—1977 गोलाम धपवा ग्रथिल प्रकाश्टी लोहे की डली वस्तुओं के बिना छूट वाले मापों सम्बन्धी विश्लेषण	—	—	—
26. IS : 8353—1977 समतल शकुच्चानत धंसे हुए मिश्र चोर्टों की विशिष्टि	—	—	—
27. IS : 8382—1977 चिकित्सीय गैस सिलिंडरों के साथ प्रयुक्त पूर्ण नियोजित, रेगुलेटरों की विशिष्टि	—	—	—
28. IS : 8385—1977 तेल प्रथीय एलीमेंटों की सामग्री की उपयुक्तता की परीक्षण पद्धति	—	—	—
29. IS : 8387—1977 कंधा सांटर के उपयोग द्वारा ऊनी रेशों की सम्बाई (बाई और होवर) शात करने की परीक्षण पद्धति।	—	—	—
30. IS : 8390—1977 धार० काम्य की विशिष्टि	—	—	—
31. IS : 8392—1977 टंस्टन पूर्ण की विशिष्टि	—	—	—
32. IS : 8395 (भाग 2)—1977 स्वचलित वाहनों में वायरिंग के लिए प्रयुक्त केबल सिरों की विशिष्टि भाग 2 गोली और ट्यूबनुमा कनेक्टर	—	—	—
33. IS : 8404 (भाग 1)—1977 विद्यालयों के खेल मैदानों में गड़े साज सामान की विशिष्टि भाग 1 सामान्य विशेषताएं	—	—	—
34. IS : 8412—1977 हस्तात संरचनाओं के खाद्ययुक्त शंकुचनित टोपीदार काबलों की विशिष्टि	—	—	—
35. IS : 8417—1977 स्नेहन सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली।	—	—	—
36. IS : 8431—1977 ट्रेसिंग कागज की विशिष्टि	—	—	—
37. IS : 8435—1977 प्लास्टिक पर धात्विक लेपों की मोटाई की मापन पद्धतियां	—	—	—
38. IS : 8436—1977 विद्युत् लेपित प्लास्टिक के मूल्यांकन के लिए मापन पद्धति परीक्षण पद्धति।	—	—	—
39. IS : 8437—1977 मानव शरीर में से बिजली गुजरने के प्रभावों सम्बन्धी संदर्शिका	—	—	—
40. IS : 8442—1977 घाग बुझाने के लिए लड़े सम्भवत जल नियामक (मामीटर) की कार्यपरक प्रवेक्षण।	—	—	—

1	2	3	4
41. IS : 8447—1977 घरेलू उपयोग के लिए हस्तचालित बोल्टिंग रेग्युलेटरों की विशिष्टि	—	—	
42. IS : 8448—1977 घरेलू उपयोग के लिए स्वचाल साइन बोल्टिंग करेक्टर (स्टेप नुमा) की विशिष्टि	—	—	
43. IS : 8451—1977 उच्च दाब गैस सिलिंडरों के दृश्य निरीक्षण की रीति संहिता	—	—	
44. IS : 8452—1977 एसीटिलीम जलिन्यों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली	—	—	
45. IS : 8462—1977 ऊर्ध्व सुवाह्य दाब वाले स्टेरीलाइजर की विशिष्टि	—	—	

इन भारतीय मानकों की प्रतियां बिक्री के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और इसके शाखा कार्यालय प्रहमबाबा, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना और बिलेन्धम में स्थित कार्यालयों से खरीदी जा सकती हैं।

[सं० सी० एम० डी०/13:2]

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1980-02-22

S.O. 612.—In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1977-07-31 :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
1	2	3	4
1.	IS : 10 (Pt V)—1976 Specification for plywood tea-chests Pt V assembly and packing (fourth revision)	IS : 10—1970 Specification for plywood tea-chests (third revision)	Established on 1976-09-30
2.	IS : 263—1977 Specification for boric acid (third revision)	IS : 263—1964 Specification for boric acid (second revision)	—
3.	IS : 1150—1976 Trade names and abbreviated symbols for timber species (second revision)	IS : 1150—1966 Trade names and abbreviated symbols for timber species (first revision)	—
4.	IS : 1383—1977 Methods for determination of scouring loss in grey and finished cotton textile materials (first revision)	IS : 1383—1960 Method for determination of scouring loss in grey and finished cotton textile materials	—
5.	IS : 1445—1977 Specification for porcelain insulators for overhead power lines with a nominal voltage up to and including 1000 V (second revision)	IS : 1445—1966 Specification for porcelain insulators for overhead power lines (below 1000 volts) (revised)	Established on 1977-05-31
6.	*IS : 1506—1977 Specification for Copper oxychloride dusting powders (second revision)	IS : 1506—1967 Specification for copper oxychloride dusting powder (first revision)	Established on 1977-05-31 *For purposes of ISI (Certification Marks) Scheme; IS : 1506—1977 shall come into force with effect from 1977-12-01

1	2	3	4
7. *IS : 1507—1977 Specification for copper oxychloride water dispersible powder concentrates (second revision)	IS : 1507—1966 Specification for copper oxychloride water dispersible powder concentrates (first revision)	Established on 1977-05-31 *For purposes of ISI (Certification Marks) Scheme; IS : 1507—1977 shall come into force with effect from 1977-12-01	
8. IS : 1571—1976 Specification for aviation turbine fuels, kerosine type (third revision)	IS : 1571—1967 Specification for aviation turbine fuel, kerosine type (second revision)	—	
9. IS : 1607—1977 Methods for test sieving (first revision)	IS : 1607—1960 Methods for dry sieving	—	
10. IS : 1972—1977 Specification for copper plate sheet and strip for industrial purposes (first revision)	IS : 1972—1961 Specification for copper plate, sheet and strip for industrial purposes	Established on 1977-05-31	
11. IS : 2108—1977 Specification for blackheart malleable iron castings (first revision)	*IS : 2108—1962 Specification for blackheart malleable iron castings	Established on 1977-06-30 *For purposes of ISI (Certification Marks) scheme; IS : 2108—1962 shall run concurrently with IS : 2108—1977 upto 1977-10-31	
12. IS : 2123—1977 Specification for vial (goldie) seals (first revision)	IS : 2123—1962 Specification for vial (goldie) seals	—	
13. IS : 2916 (Pt VIII)—1976 Specification for quartz crystal units used in oscillators Pt VIII type AA-07	—	—	
14. IS : 2916 (Pt IX)—1976 Specification for quartz crystal units used in oscillators Pt IX type AA-08	—	—	
15. IS : 3400 (Pt XX)—1977 Methods of test for vulcanized rubber Pt XX resistance to ozone	—	—	
16. IS : 4218 (Pt IV)—1976 ISO metric screws threads Pt IV tolerancing system (first revision)	IS : 4218 (Pt IV)—1967 ISO metric screw threads : Pt IV tolerancing system	Established on 1977-02-28	
17. IS : 4588—1977 Specification for rubber, raw, natural (second revision)	*IS : 4588—1975 Specification for rubber, raw natural (first revision)	Established on 1977-04-30 *For purposes of ISI (Certification Marks) scheme; IS : 4588—1975 shall run concurrently with IS : 4588—1977 upto 1977-12-31	
18. IS : 5612 (Pt II)—1977 Specification for hose-clamps and hose-bandages for fire brigade use Pt II Hose-bandages (first revision)	IS : 5612—1969 Specification for hose-clamps and hose-bandages for fire brigade use	—	
19. IS : 6175 (Pt II)—1977 Specification for hand taps and short machine taps for ISO metric screw threads Pt II from M 3 to M 10 (first revision)	IS : 6175—1971 Specification for hand taps and short machine taps for ISO metric screw threads	—	
20. IS : 6175 (Pt III)—1977 Specification for hand taps and short machine taps for ISO metric screw threads Pt III M 3 to M68 with coarse pitches and from M3 to M100 with fine pitches (first revision)	—do—	—	
21. IS : 6406—1977 Specification for Brilliant blue FCF, food grade (first revision)	IS : 6406—1971 Specification for brilliant blue, FCF, food grade	Established on 1977-06-30	
22. IS : 7881 (Pt II)—1976 Glossary of terms relating to builders hardware Pt II latches	—	—	

1	2	3	4
23. IS : 8342—1977 Specification for forceps, midwifery, modified Kedarnath Das's pattern, with axis traction	—	Established on 1977-05-31	
24. IS : 8343—1977 Specification for forceps, biopsy, Peterson's pattern	—	Established on 1977-04-30	
25. IS : 8350—1977 Deviations for untoleranced dimensions of spheroidal or nodular graphite iron castings	—	—	
26. IS : 8353—1977 Specification for flat countersunk nib bolts	—	—	
27. IS : 8382—1977 Specification for pressure regulators, pre-set used with medical gas cylinders	—	—	
28. IS : 8385—1977 Method of test for material compatibility of oil hydraulic filter elements	—	—	
29. IS : 8387—1977 Method of test for wool fibre length (barbe and hauteur) using a comb sorter	—	—	
30. IS : 8390—1977 Specification for arc combs	—	—	
31. IS : 8392—1977 Specification for tungsten powder	—	—	
32. IS : 8395 (Pt II)—1977 Specification for cable terminations for automobile Wiring Pt II Bullet and tube type connectors	—	—	
33. IS : 8404 (Pt I)—1977 Specification for fixed playground equipment for schools Pt I General requirements	—	—	
34. IS : 8412—1977 Specification for slotted countersunk head bolts for steel structures	—	—	
35. IS : 8417—1977 Glossary of lubrication terms	—	—	
36. IS : 8431—1977 Specification for tracing paper	—	—	
37. IS : 8435—1977 Method for measurement of thickness of metallic coatings on plastics	—	—	
38. IS : 8436—1977 Method for thermal cycling test for evaluation of electroplated plastics	—	—	
39. IS : 8437—1977 Guide on effects of current passing through the human body	—	—	
40. IS : 8442—1977 Functional requirements for stand post type water monitor for fire fighting	—	—	
41. IS : 8447—1977 Specification for manually operated voltage regulators for domestic use	—	—	
42. IS : 8448—1977 Specification for automatic line voltage correctors (step type) for domestic use	—	—	
43. IS : 8451—1977 Code of practice for visual inspection of high pressure gas cylinders	—	—	
44. IS : 8452—1977 Glossary of terms used in acetylene generators	—	—	
45. IS : 8462—1977 Specification for sterilizer, portable, vertical, pressure type	—	—	








Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-2 and also its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras Patna and Trivandrum.

नई दिल्ली, 1980-02-25

क्र० जा० 613.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) कानून 1955 कानून (4) के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिपूषित किया जाता है कि जिन मानक विज्ञान के डिजाइन और उनके शाब्दिक विवरण तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिये गये हैं वह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) अधिनियम, 1952 और इसके अधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त ये मानक विज्ञान उनके प्रागे दी गई तिथियों से लागू होंगे।

अनुसूची








क्रम संख्या	मानक विज्ञान का डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	मानक विज्ञान के डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		सामान्य कार्यों के लिए अग्रभाग के बर्गीकार शाकल, केवल ब्लेड	IS : 274 (भाग 1) — 1966 शाकलों की विशिष्ट भाग 1 सामान्य कार्यों के लिए शॉवल (द्वयरा पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" अक्षर हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और आपेक्षिक अनुपातों में तैयार किया गया है। और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर "केवल ब्लेड" शब्द और उसके नीचे की ओर भारतीय मानक की पद संख्या और उसके भाग लिखे गये हैं।	1970-10-16
2.		कैलिग्राफ क्लोराइड	IS : 1314 — 1967 कैलिग्राफ स्कोराइड की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)।	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" अक्षर होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और आपेक्षिक अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी गई है।	1979-08-01
3.		उपयुक्त जल विसर्जनीय साफ़ चूर्ण	IS : 2862 — 1964 डायजिनीन जल विसर्जनीय साफ़ चूर्ण की विशिष्ट	"	1978-12-01
4.		लेटर प्रेस की स्याही, कार्बो पुस्तक की छपाई की	IS : 3040 — 1975 लेटर प्रेस की स्याही कार्बो, पुस्तक की छपाई की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	"	1978-11-01
5.		लोहाचूना (कार्बनडायोक्साइड प्रवर्धक)	IS : 5321 — 1969 सोडा चूना (कार्बन डायोक्साइड प्रवर्धक) की विशिष्ट	"	1979-12-16
6.		पाइरेथ्रम से बने पायसनीय लार्वा नाशी तेल	IS : 6014 — 1978 पाइरेथ्रम से बने पायसनीय लार्वा नाशी तेल की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	"	1979-08-16
7.		साइकिल के मडगाइ	IS : 6218 — 1971 साइकिल के मडगाइ की विशिष्ट।	"	1978-10-01

New Delhi, the 1980-02-25

S.O. 613.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :


SCHEDULE

S. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		Square nose general purpose shovel, blade only	IS : 274 (Part I)—1966 Specification for shovels : Part I General purpose shovels (second revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the words 'BLADE ONLY' being superscribed on the top side and the number of the Indian Standard with its parts being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.	1979-10-16
2.		Calcium Chloride	IS : 1314—1967 Specification for calcium chloride (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1979-08-01
3.		Diazinon water dispersible powder concentrates	IS : 2862—1964 Specification for diazinon water dispersible powder concentrates	-do-	1979-12-01
4.		Letterpress ink, black, book-printing	IS : 5046—1975 Specification for letter press ink, black, book-printing (first revision)	-do-	1979-11-01
5.		Soda lime (as carbon dioxide adsorbent)	IS : 5321—1969 Specification for soda lime (as carbon dioxide adsorbent)	-do-	1979-12-16
6.		Emulsifiable larvicidal oil, pyrethrum based	IS : 6014—1978 Specification for emulsifiable larvicidal oil, pyrethrum based (first revision)	-do-	1979-08-16
7.		Bicycle mudguards	IS : 6218—1971 Specification for bicycle mudguards	-do-	1979-10-01

का० प्रा० 614.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) के विनियम, 1955 के विनियम (4) के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिस मानक चिह्न की डिजाइन उसके शब्दिक विवरण तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दी गई है वह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित की गई है :

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त ये मानक चिह्न 1980-01-01 से लागू होंगे।

अनुसूची


क्रम सं०	मानक चिह्न का डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शब्दिक विवरण	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		त्वचा पाउडर	IS : 3959--1978 त्वचा पाउडरों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्मर (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी गई है।	

[सं० सी० एम० डी०/13 : 9]

S. O. 614.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1980-01-01.

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		Skin powders	IS : 3959-1978 Specification for skin powders. (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters, 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

का० प्रा० 615:—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि त्वचा पाउडरों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दी गई व्योरे के अनुसार निर्धारित की गई है और यह फीस 1980-01-01 से लागू होंगी।

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	त्वचा पाउडर	IS : 3978--1959 त्वचा पाउडरों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 कि० ग्रा०	1. 20 पैसे प्रति इकाई पहली 10000 इकाईयों के लिए; 2. 10 पैसे प्रति इकाई 10001वीं से 20000 इकाईयों तक; 3. 2 पैसे प्रति इकाई 20001वीं और आगे के लिए।

[सं० सी० एम० डी०/13 : 10]

S.O. 615—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee per unit for skin powders details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1980-01-01.

SCHEDULE

Sl No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Skin powders	IS : 3959-1978 Specification for skin powders (first revision)	One kg	(i) 20 Paise per unit for the first 10 000 units; (ii) 10 Paise per unit for the 10001st to 20,000 units and (iii) 2 Paise per unit for the 20001st unit and above

[No. CMD/13 : 10]

क्रा० प्रा० 616:--भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दिये गये ब्योरे के अनुसार निर्धारित की गई है और यह फीस आगे दिखाई गई तिथियों से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सामान्य कार्यों के लिए बगानार भ्रमराग के शीबल, केवल ब्लेड	IS : 274 (भाग 1)--1966 शीबलों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य कार्यों के शीबल (दूसरा पुनरीक्षण)	एक खण्ड	1. पहली 20,000 इकाइयों के लिए 5 पैसे प्रति इकाई के अनुसार; 2. 20001 से 40000 तक की इकाइयों के लिए 3 पैसे प्रति इकाई के अनुसार; 3. 40001 और इससे अधिक इकाइयों के लिए 1 पैसा प्रति इकाई के अनुसार।	1979-10-16
2.	कैल्शियम क्लोराइड	IS : 1314--1967 कैल्शियम क्लोराइड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण);	एक मीटरी टन	1. 500 इकाइयों के लिए रु० 5.00 प्रति इकाई के अनुसार 2. 501 से 1000 तक की इकाइयों के लिए 2.50 रु० प्रति इकाई के अनुसार। 3. 1001 और उससे अधिक इकाइयों के लिए 1.25 रु० प्रति इकाई के अनुसार।	1979-08-01
3.	डायजिनीन जल विसर्जनीय सान्द्र चूर्ण।	IS : 2862--1964 डायजिनीन जल विसर्जनीय सान्द्र चूर्ण की विशिष्टि	एक मीटरी टन	रु० 10.00	1979-12-01
4.	लेटर प्रेस की स्वाही काली, पुस्तक छपाई की स्वाही काली, पुस्तक छपाई की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5046--1975 लेटर प्रेस की स्वाही काली, पुस्तक छपाई की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक कि० ग्रा०	10 पैसे	1979-11-01
5.	सोडा चूना (कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषक के रूप में)	IS : 5321--1969 सोडा चूना की विशिष्टि (कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषक के रूप में)	एक मीटरी टन	रु० 20.00	1979-12-16
6.	पायसनीय पारोथ्रम से बने साबुन-नाशी तेल	IS : 6014--1978 पारोथ्रम से बने पायसनीय साबुन-नाशी तेल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण);	100 लीटर	रु० 1.00	1979-08-16
7.	साइकिल के मज्जाई	IS : 618--1971 साइकिल के मज्जाई की विशिष्टि।	1 जोड़ा मज्जाई	1/2 पैसा	1979-10-01

[सं० सी०एम०डी०/13 : 10]

S.O. 616.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fees per unit for various products details of which are given in Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each.

SCHEDULE

Sl. Product/Class of Product No.	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. Square nose general purpose shovel, blade only	IS: 274 (Part I)—1966 Specification for shovels : Part I General purpose shovels (second revision).	One Piece	(i) 5 Paise per unit for the first 20000 units (ii) 3 Paise per unit for the 20001st to 40000 units and (iii) One Paise per unit for the 40001st unit and above.	1979-10-16
2. Calcium chloride	IS : 1314—1967 Specification for calcium chloride (first revision).	One Tonne	(i) Rs. 5.00 per unit for the first 500 units (ii) Rs. 2.50 per unit for the 501st to 1000 units and (iii) Rs. 1.25 per unit for the 1001st unit and above.	1979-08-01
3. Diazinon water dispersible powder concentrates	IS: 2862—1964 Specification for diazinon water dispersible powder concentrates.	One Tonne	Rs. 10.00	1979-12-01
4. Letter press ink, black, book-printing	IS: 5046—1975 Specification for letter press ink, black, bookprinting (first revision)	One kg.	10 Paise	1979-11-01
5. Soda lime (as carbon dioxide adsorbent)	IS: 5321—1969 Specification for soda lime (as carbon dioxide adsorbent)	One Tonne	Rs. 20.00	1979-12-16
6. Emulsifiable larvicidal oil, pyrethrum based	IS: 6014—1978 Specification for emulsifiable larvicidal oil, pyrethrum based (first revision)	100 Litres	Re. 1.00	1979-08-16
7. Bicycle mudguards	IS: 6218—1971 Specification for bicycle mudguards	One Pair mudguard	½ Paise	1979-10-01

[No. CMD/13 : 10]

क्र० प्र० 617.—समय-समय संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) के विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-6994 जिसका व्योम नीचे अनुसूची में दिया गया है, फर्म की लाइसेंस लागू रखने की अनिवार्यता के कारण दिनांक 1979-11-01 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और विभाजक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	सम्बन्धित भारतीय मानक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	सीएम/एल-6994 1978-05-02	त्रि सलकिया इंडस्ट्रियल वर्क्स 195/1 ग्रैंड ट्रंक रोड (उत्तर) घुमुरी हावड़ा-711107 (पश्चिम बंगाल)	बालू ढके लोहे के बरमाती पानी के पाइप और फिटिंग (लेपरहित) साइज पाइप 100 मिमी तक, मोड़ 76 मिमी तक और 100 मिमी तक सभी मानक साइज	IS 1230—1968 बरमाती लोहे के बरमाती पानी के पाइप और फिटिंग (पहला पुनरीक्षण)

[सं० सीएमबी/55: 6994]

New Delhi, the 1980-02-25

S. O. 617:—In pursuance of sub regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-6994 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1979-11-01 as the firm do not want to operate the licence.

SCHEDULE

Sl. Licence No. and Date No.	Name & Address of the the Licensee	Article/Process Covered by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standards
(1)	(2)	(3)	(4)
1. CM/L-6994 1978-05-02	The Salkia Industrial Works, 195/I, G. G. Trunk Road (North), Ghosury, Howrah- 711107 (W. Bengal).	Sand cast iron rain water pipes and fittings (uncoated) Size : Pipe upto 100 mm bend upto 75 mm sheet upto 100 mm all nominal size.	IS : 1230-1968 Specification for cast iron rain water pipes and fittings (first revision).

[CMD/55 : 6994]

नई दिल्ली, 1980-02-26

कां.प्र. 618:—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम और विनियम, 1955 के नियम 3 के उपविनियम (2) और विनियम 3 उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन मानकों के च्योर किए गए हैं, 1977-09-30 को निर्धारित किए गए हैं :

अनुसूची

क्रम सं०	निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए गए भारतीय मानक की पद- संख्या और शीर्षक	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 10 (भाग IV)—1976 प्लाईवुड की चाय की पेटियों की विशिष्ट भाग IV धातु फिटिंग (चौथा पुनरीक्षण)	IS : 10—1970 प्लाईवुड की चाय की पेटियों की विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	1976-09-30 को निर्धारित
2.	IS : 20—1977 बर्तनों के निर्माण के लिए बलवाँ एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम की विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 20—1959 बर्तनों के लिए बलवाँ एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	—
3.	IS : 738—1977 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए पिटवाँ एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम से बनी नलियों की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 738—1966 पिटवाँ एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम से बनी नलियों (सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए) की विशिष्ट (पुनरीक्षित)	—
4.	IS : 739—1977 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए पिटवाँ एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम के नारों की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 739—1966 पिटवाँ एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम के नारों (सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए) की विशिष्ट (पुनरीक्षित)	—
5.	IS : 740—1977 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए पिटवाँ एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम रिवेट स्टॉक की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 740—1966 पिटवाँ एलुमिनियम और मिश्र एलुमिनियम रिवेट स्टॉक (सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए) की विशिष्ट (पुनरीक्षित)	—
6.	IS : 1327—1977 टीन पट्टी पर चढ़ी टीन की मात्रा ज्ञात करने की पद्धति (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1327—1966 टीन पट्टी पर चढ़ी टीन का भार ज्ञात करने की पद्धति (पुनरीक्षित)	—

(1)	(2)	(3)	(4)
7.	IS : 1462—1977 श्रृंगार प्रसाधन उद्योग के लिए टैल्क की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1462—1967 श्रृंगार प्रसाधन उद्योग के लिए टैल्क की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	--
8.	IS : 1784--1977 इमों के जूड़ीदार ढक्कनों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1784--1967 इमों के जूड़ीदार ढक्कनों की विशिष्टि	1977-08-31 को निर्धारित
9.	IS : 2298--1977 घाग बुझाने के लिए एक नली वाले रकाबदार पर्पों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2298--1961 घाग बुझाने के लिए एक नली वाले रकाबदार पर्पों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	--
10.	IS : 2360--1977 सादी बुनाई की बाई गर्दन वाली बस्टेड जमियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2360--1970 सादी बुनाई की गर्दन वाली जमियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	--
11.	IS : 3459--1977 तार की छोटी रस्सियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3459--1956 तार की छोटी रस्सियों की विशिष्टि	---
12.	IS : 3575--1977 बिटुमन इमों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3575--1965 बिटुमन इमों की विशिष्टि	---
13.	IS : 4410 (भाग XIV/अनुभाग I)--1977 नदी घाटी योजनाओं सम्बन्धी शब्दावली भाग XIV मृदा संरक्षण और भूमि उद्धार अनुभाग I मृदा संरक्षण	--	--
14.	IS : 4410 (भाग XIV/अनुभाग II)--1977 नदी घाटी योजनाओं सम्बन्धी शब्दावली भाग XIV मृदा संरक्षण और भूमि उद्धार अनुभाग II भूमि उद्धार	--	--
15.	IS : 5545-1977 स्वचाल वाहनों की कुहरा बलियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5545--1969 स्वचाल वाहनों की कुहरा बलियों की विशिष्टि	--
16.	IS : 5612 (भाग 1)--1977 दमकलों में उपयोग के लिए होज क्लैम्पों और होज पट्टियों की विशिष्टि भाग I होज क्लैम्प (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5612--1969 दमकलों में उपयोग के लिए होज क्लैम्पों और होज पट्टियों की विशिष्टि	---
17.	IS : 5887 (भाग 5)--1976 खाद्य सामग्रियों के विष/शुद्धीकरण के लिए उत्तरदायी जीवाणु का पता लगाने की पद्धति भाग 5 बाह्यश्विरो कोलेरी और बाह्यश्विरो पराहीमोलाइटिक्स की पृथक्करण, पहचान और गणना (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5887--1970 खाद्य विषकारी और खाद्यवाही बीमारियों वाले बैक्टीरिया को पता लगाने की पद्धति	--
18.	IS : 7524 (भाग II)--1977 चक्षु रक्षकों की परीक्षण पद्धति भाग II विशेष परीक्षण	--	--
19.	IS : 8214 (भाग IV)--1976 जलयान सम्बन्धी जलयानिकीय शब्दावली भाग समुद्री अनुकरण	--	1977-06-30 को निर्धारित
20.	IS : 8270 (भाग III)--1977 विद्युत प्रौद्योगिकी के आरेख, चार्ट और सारणी तैयार करने की निर्देशिका भाग III आरेखों की सामान्य प्रवृत्तियाँ	--	---
21.	IS : 8278--1977 मापविज्ञान शब्दावली	--	---

(1)	(2)	(3)	(4)
22.	IS : 8398--1977 3-नाइट्रोसुईन की विशिष्टि	—	—
23.	IS : 8399—1976 1,3-डाईनाइट्रोबेंजीन की विशिष्टि	--	--
24.	IS 8405--1976 गोल बूझियों वाले बेस्लन शाइयों की विशिष्टि		--
25.	IS : 8421--1977 ब्रवचालित धुनियों की विशिष्टि	--	---
26.	IS : 8438--1977 1100 बोल्ट तक की बोल्टता के लिए केबलों के डले सीधे टाल के थार-पार जोड़ों की विशिष्टि	--	--
27.	IS : 8441--1977 इलेक्ट्रॉन नलियों के आकस्मिक एक्स विकिरण की पद्धतियाँ	--	--
28.	IS : 8445—1977 कार्बोण्डाइम (एस बी सी) तकनीकी की विशिष्टि	--	--
29.	IS : 8449--1977 पुनः प्रयोज्य धातु के एरा-सोल धारकों की विशिष्टि	--	—
30.	IS : 8453--1977 अनाजों के राशि भण्डारण के लिए पॉलीइथिलीन लगी मिट्टी की कोठियों के निर्माण की रीति संहिता	--	--
31.	IS : 8456--1977 गत्यात्मक परीक्षण के लिए इलेक्ट्रॉनिक धीरे धिजली की वस्तुओं को खढ़ाने सम्बन्धी मार्गदर्शन	--	--
32.	IS : 8460--1977 लपेटने के टिशु कागज की विशिष्टि	—	—
33.	IS : 8471 (भाग I)—1977 एसीटिलीम जानिलों की प्रपेक्षाएं भाग I अल्पवाह, प्रचल, पानी से कार्बाइड और कार्बाइड से पानी वाले	--	--
34.	IS : 8475 --1977 भारी कार्यों के उपयोग के लिए सीसा के बने वर्षणरोधी बेयरिंग मिश्रधातुओं की विशिष्टि	--	--
35.	IS : 8476--1977 ऊनी वस्त्र सामग्रियों में ऊन की मात्रा ज्ञात करने की पद्धति	--	--
36.	IS : 8477--1977 अस्तर वाले पटमन थोरों में बिटूमेन की मात्रा ज्ञात करने की पद्धति	--	--
37.	IS : 8482—1977 कोलोन की विशिष्टि	--	—
38.	IS : 8488--1977 फोसेलोन, तकनीकी की विशिष्टि	—	--
39.	IS : 8490--1977 लकड़ी के ग्लाकों की विशिष्टि	--	--
40.	IS : 8491--1977 लकड़ी के घुटनों ग्लाकों की विशिष्टि	--	--
41.	IS : 8492--1977 लकड़ी के टखना ग्लाकों की विशिष्टि	--	--
42.	IS : 8494--1977 एमसीपीए, तकनीकी की विशिष्टि	—	--
43.	IS : 8499--1977 मिसिलों के टैगों की विशिष्टि	--	--

(1)	(2)	(3)	(4)
44.	IS: 8501--1977 निर्वात जार की विशिष्टि	--	--
45.	IS: 8504 (भाग 1)--1977 विद्युत रोधक सामग्रियों की ऊष्मा सहनशीलता ज्ञात करने की संश्लिष्ट भाग 1 तापक्रम सूचक और ऊष्मा सहनशीलता वक्र	--	--
46.	IS: 8515--1977 वायुमय कार्यों के लिए एनुमिनियम तार के शीत गड़ रिबटों की विशिष्टि	--	--
47.	IS: 9000 (भाग 1)--1977 इलेक्ट्रॉनिक और बिजली के यन्त्रों की मूल वातावरणीय परीक्षण विधियाँ भाग 1 सामान्य	--	--

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ बिजली के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, और इसके शाखा कार्यालय प्रहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम स्थित कार्यालयों से खरीदी जा सकती हैं।

[सं० सी० एम०डी०/13:2]

New Delhi, the 1980-02-26

S.O. 618.—In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1977-09-30.

SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any.
(1)	(2)	(3)
1. IS: 10 (Pt IV)—1976 Specification for plywood tea-chests part IV metal fittings (fourth revision).	IS: 10—1970 Specification for plywood tea-chests (third revision).	Established on 1976-09-30
2. IS: 20—1977 Specification for cast aluminium alloys for manufacture of utensils (third revision).	IS: 20—1959 Specification for cast aluminium and aluminium alloys for utensils (second revision).	—
3. IS: 738—1977 Specification for Wrought aluminium and aluminium alloy drawn tube for general engineering purposes (second revision).	IS: 738—1966 Specification for wrought aluminium and aluminium alloys, drawn tube (for general-engineering purposes) (revised).	—
4. IS: 739—1977 Specification for wrought aluminium and aluminium alloy wire for general engineering purposes (second revision).	IS: 739—1966 Specification for wrought aluminium and aluminium alloys, wire (for general engineering purposes) (revised).	—
5. IS: 740—1977 Specification for wrought aluminium and aluminium alloy rivet stock for general engineering purposes (second revision).	IS: 740—1966 Specification for wrought aluminium and aluminium alloys, rivet stock for general engineering purposes (revised).	—
6. IS: 1327—1977 Method of determination of mass of tin coating on tinplate (second revision).	IS: 1327—1966 Method of determination of weight of tin coating of tinplate (revised).	—
7. IS: 1462—1977 Specification for talc for cosmetic industry (second revision).	IS: 1462—1967 Specification for talc for cosmetic industry (first revision).	—
8. IS: 1784—1977 Specification for screwed closures for drums (first revision).	IS: 1784—1961 Specification for screwed closures for drums.	Established on 1977-08-31.

(1)	(2)	(3)	(4)
9. IS: 2298—1977 Specification for single barrel stirrup pump for fire fighting purposes (second revision)	IS: 2298—1968 Specification for single barrel stirrup pump for fire fighting purposes (first revision).	—	—
10. IS: 2360—1977 Specification for Jerseys, Y-Neck, Plain-knitted, worsted (second revision)	IS: 2360—1970 Specification for V-neck, jerseys, plain-knitted (first revision).	—	—
11. IS: 3459—1977 Specification for small wire ropes (first revision).	IS: 3459—1966 Specification for small wire ropes.	—	—
12. IS: 3575—1977 Specification for bitumen drums (first revision).	IS: 3575—1965 Specification for bitumen drums.	—	—
13. IS: 4410 (Pt XIV/Sec 1)—1977 Glossary of terms relating to river Valley projects Part XIV soil conservation and reclamation section I soil conservation.	—	—	—
14. IS: 4410 (Pt XIV/Sec 2)—1977 Glossary of terms relating to river valley projects Part XIV soil conservation and reclamation section 2 reclamation.	—	—	—
15. IS: 5545—1977 Specification for fog lights for automobiles (first revision).	IS: 5545—1969 Specification for fog lights for automobiles.	—	—
16. IS: 5612 (Pt I)—1977 Specification for hose-clamps and hose-bandages for fire brigade use Part I hose-clamps (first revision).	IS: 5612—1969 Specification for hose-clamps and hose-bandages for fire brigade use.	—	—
17. IS: 5887 (Pt V)—1976 Methods for detection of bacteria responsible for food poisoning Part V isolation, identification and enumeration of vibrio chlorae and vibrio parahaemolyticus (first revision).	IS: 5887—1970 Methods for detection of bacteria responsible for food poisoning and food borne diseases.	—	—
18. IS: 7524 (Pt II)—1977 Methods of test for eye protectors part II special tests.	—	—	—
19. IS: 8214 (Pt IV)—1976 Glossary of ships' hydrodynamic terms part IV sea keeping.	—	Established on 1977-06-30.	—
20. IS: 8270 (Pt III)—1977 Guide for preparation of diagrams, charts and tables for electrotechnology Part III general requirements for diagrams.	—	—	—
21. IS: 8378—1977 Glossary of terms used in metrology.	—	—	—
22. IS: 8398—1976 Specification for 3-nitro-toluene.	—	—	—
23. IS: 8399—1976 Specification for 1, 3-dinitrobenzene.	—	—	—
24. IS: 8405—1976 Specification for circular thread rolling dies.	—	—	—
25. IS: 8421—1977 Specification for hydraulic props.	—	—	—
26. IS: 8438—1977 Specification for moulds for cast resin based straight through joints for cables for voltages upto and including 1100 Volts.	—	—	—
27. IS: 8441—1977 Methods of measurements on incidental X-radiation from electron tubes.	—	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
28.	IS: 8445—1977 Specification for carbendazim (MBC), technical.	—	—
29.	IS: 8449—1977 Specification for non-returnable metal aerosol dispensers.	—	—
30.	IS: 8453—1977 Code of practice for construction of polythylene embedded earthen bins for bulk storage of foodgrains.	—	—
31.	IS: 8456—1977 Guidance on method of mounting of electronic and electrical items for dynamic tests.	—	—
32.	IS: 8460—1977 Specification for wrapping tissue paper.	—	—
33.	IS: 8471 (Pt I)—1977 Requirements for acetylene generators Part I low pressure, stationary, of water to carbide and carbide to water type.	—	—
34.	IS: 8475—1977 Specification for lead-base antifriction bearing alloy for heavy duty applications	—	—
35.	IS: 8476—1977 Method for determination of wool content in woollen textile materials.	—	—
36.	IS: 8477—1977 Method for determination of bitumen content in laminated jute bags.	—	—
37.	IS: 8482—1977 Specification for cologne.	—	—
38.	IS: 8488—1977 Specification for phosalone, technical.	—	—
39.	IS: 8490—1977 Specification for shin blocks, wooden.	—	—
40.	IS: 8491—1977 Specification for knee blocks, wooden.	—	—
41.	IS: 8492—1977 Specification for ankle blocks, wooden.	—	—
42.	IS: 8494—1977 Specification for MCPA, technical.	—	—
43.	IS: 8499—1977 Specification for tags for files.	—	—
44.	IS: 8501—1977 Specification for anaerobic jar.	—	—
45.	IS: 8504 (Pt I)—1977 Guide for determination of thermal endurance properties of electrical insulating materials Part I temperature indices and thermal endurance profiles.	—	—
46.	IS: 8515—1977 Specification for aluminium wire for cold forged rivets for aircraft purposes (Alloy 19500).	—	—
47.	IS: 9000 (Pt I)—1977 Basic environmental testing procedures for electronic and electrical items Part I general.	—	—

Copies these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

क्रा० प्रा० 619.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (ध्रमाणन चिह्न) नियम और विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम (2) और विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भा० मा० संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे जिन मानकों के व्यौरे दिए गए हैं वे 1977-08-31 को निर्धारित किए गए हैं:—

अनुसूची

क्रम संख्या (1)	निर्धारित भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक (2)	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए गए भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक (3)	विवरण (4)
1.	IS: 211—1977 ऐंटीमनी की विशिष्टि (सीमरा पुनरीक्षण)	IS: 211—1966 ऐंटीमनी की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—
2.	IS: 291—1977 नौसेना सम्बन्धी पीतल की छड़े और सेक्शन (मशीन करने और गढ़ाई के लिए उपयुक्त)	IS: 291—1961 नौसेना सम्बन्धी पीतल की छड़े और सेक्शन (मशीन करने और गढ़ाई के लिए उपयुक्त)	1977-06-30 को निर्धारित
3.	IS: 744—1977 ऊनी रेशों का व्यास ज्ञात करने की पद्धति प्रक्षेप सूक्ष्मदर्शी पद्धति (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 744—1966 ऊनी रेशों का व्यास ज्ञात करने की पद्धति प्रक्षेप सूक्ष्मदर्शी पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	—
4.	IS: 887—1977 पशु चरबी (टैलों) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 887—1968 पशु चरबी (टैलों) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—
5.	IS: 1070—1977 सामान्य प्रयोगशालाओं में उपयोग के लिए जल की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 1070—1960 प्राप्त गुणता वाले जल की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	—
6.	IS: 1422—1977 सूती ढक की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 1422—1970 सूती ढक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के कार्यों के लिए IS: 1422—1970 दिनांक 1977-09-30 से लागू होगा।
7.	IS: 1424—1977 सूती फैनबस की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS: 1424—1970 सूती फैनबस की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—
8.	IS: 2490 (भाग 9)—1977 नदी सरोवरों में गिराये जाने वाले औद्योगिक निस्स्रावों की छूट सीमाएं: भाग 9 ताहट्रोजनी उर्बरक उद्योग (पहला पुनरीक्षण)	IS: 2490—1963 नदी सरोवरों में गिराये जाने वाले औद्योगिक निस्स्रावों की छूट की सीमाएं	—
9.	IS: 3053—1977 सामान्य कार्यों के लिए केन की डलिया की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3053—1965 सामान्य कार्यों के लिए केन की डलिया की विशिष्टि	—
10.	IS: 3687—1977 दबाकर चिपकाने वाले कपड़े के टेप की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS: 3687—1966 दबाकर चिपकाने वाले कपड़े के टेप की विशिष्टि	—
11.	IS: 4218 (भाग 3)—1976 आई० एस० ओ० मीटरी चूड़िया भाग 3 डिजाइन रूप रेखा (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4218 (भाग 3)—1967 आई० एस० ओ० मीटरी चूड़ियां भाग 3 डिजाइन रूप रेखा	1977-03-31 को निर्धारित
12.	IS: 4410 (भाग II/खण्ड 5)—1977 नदी घाटी योजना सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली भाग II जलविज्ञान अनुभाग 5 बाढ़	—	—
13.	IS: 4410 (भाग 17)—1977 नदी घाटी योजना सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली भाग 17 फसलों के लिए जल की प्रयोज्यताएं	—	—
14.	IS: 4569 (भाग 2)—1977 चक्षु कैची की विशिष्टि भाग 2 नेत्रशलेष्मा कुटित और लीक्षण नोक वाली (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4569—1968 चक्षु कैची की विशिष्टि	—

(1)	(2)	(3)	(4)
15. IS : 4569 (भाग 3)—1977 चक्षुकैची भाग 3 टीनोटोमी कैची (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4569 चक्षुकैची की विशिष्टि	---	
16. IS : 4569 (भाग 4)—1977 चक्षुकैची की विशिष्टि भाग 4 समूल निष्कासन कैची (पहला पुनरीक्षण)	"	---	
17. IS : 4569 (भाग 5)—1977 चक्षु कैची की विशिष्टि भाग 5 वक्ता पैटन की स्प्रिंग त्रिया कैची	"	---	
18. IS : 5513—1976 विकाट उपकरण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5513—1969 विकाट उपकरण की विशिष्टि	1976-11-30 को निर्धारित	
19. IS : 5885—1977 मांवा कम्प्यूटेटर छड़ की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5885—1970 कम्प्यूटेटर छड़ों के लिए विशेष मांवा मिश्रों की विशिष्टि	1977-07-31 को निर्धारित	
20. IS : 5887 (भाग 1)—1976 भोजन विषाक्तता का हेतु जीवाणु (बैक्टीरिया) ज्ञान करने की पद्धतियां भाग 1 एशोरिकिया कोलाई का पृथक्करण पहचान और गणना (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5887—1970 आद्य विषकारी और खाद्यवाही बोमारियों वाले बैक्टीरिया ज्ञान करने की पद्धति	---	
21. IS : 5887 (भाग 2)—1976 भोजन विषाक्तता का हेतु जीवाणु (बैक्टीरिया) ज्ञान करने की पद्धति भाग 2 स्टैफिलोकोकस ऑरियस और कोकल स्ट्रैप्टोकोक का पृथक्करण पहचान और गणना (पहला पुनरीक्षण)	"	---	
22. IS : 5887 (भाग 3)—1976 भोजन विषाक्तता का हेतु जीवाणु (बैक्टीरिया) ज्ञान करने की पद्धतियां भाग 3 साल्मोनेल्ला और शिगेल्ला पृथक्करण पहचान (पहला पुनरीक्षण)	"	---	
23. IS : 5887 (भाग 4)—1976 भोजन विषाक्तता का हेतु जीवाणु (बैक्टीरिया) ज्ञान करने की पद्धतियां भाग 4 क्लोस्ट्रीडियम बेल्जी, क्लोस्ट्रीडियम डोडुलीनम और बैसिलस सेरेप्रस का पृथक्करण और पहचान और क्लोस्ट्रीडियम बेल्जी और बैसि- लस सीरियस की गणना (पहला पुनरीक्षण)	"	---	
24. IS : 6029—1977 हरा एम०, खाद्य ग्रेड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6029—1971 जर्मी हरे, बी० एम०, खाद्य ग्रेड की विशिष्टि	भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के लिए IS : 6029—1977 1977-12-31 से लागू होगा ।	
25. IS : 7371—1977 सेफ्टी रेजर ब्लेड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 7371—1976 सेफ्टी रेजर ब्लेड की विशिष्टि	भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के लिए IS : 7371-1977; 1978-01-31 से लागू होगा ।	
26. IS : 7440 (भाग 3 अनुभाग 1)—1976 एना- लॉग समेकित मशिनों की प्रतिवायं रेटिंग और लक्षण भाग 3 प्रचलन प्रथम्यक अनुभाग 1 दो हनपुट और एक आउटपुट वाले	---	1977-02-28 को निर्धारित	
27. IS : 8000 (भाग 1)—1976 इंजीनियरी ड्राइंग रूप और स्थिति सम्बन्धी चूटें भाग I ड्राइंगों में सामान्यताएं प्रतीक और संकेत	---	1977-02-28 को निर्धारित	

(1)	(2)	(3)	(4)
28. IS : 8376—1977 सजावटी कार्यों के लिए प्लास्टिक पर निकेल और ओमियम विद्युत लेपों की विशिष्टि	---	---	
29. IS : 8388—1977 नाइट्रोबेंजीन सम्बन्धी सुरक्षा संहिता	---	---	
30. IS : 8391—1977 गरी बनाने के लिए रबड़ वाली नारियल चाबर की विशिष्टि	---	---	
31. IS : 8393—1977 वेस्लिज सील वाले जोरी रोक ठक्कन की विशिष्टि	---	---	
32. IS : 8397—1975 2—नाइट्रोडोलेयूईन की विशिष्टि	---	---	
33. IS : 8401—1977 ऐलीकिल बेंजीन मल्फोनिक ग्रम्स की विशिष्टि (ग्रम्स घोल)	---	---	
34. IS : 8402—1977 बचाकर चिपकने वाले टेपों की बागरी लेने और परीक्षण की पद्धतियां	---	---	
35. IS : 8403—1977 मल उपचार के लिए, प्रक्षालित अपवायिक निर्माण की रीति संहिता	---	---	
36. IS : 8406—1977 बंद औद्योगिक गियर चालन के लिए गियर स्तेहकों की विशिष्टि	---	---	
37. IS : 8407—1977 गियर हाबिंग मशीन (ऊर्ध्व) की परिशुद्धता सम्बन्धी परीक्षण चाटें	---	---	
38. IS : 8411—1977 सड़क गाड़ियों के टायरों में हवा भरने की विशिष्टि	---	---	
39. IS : 8413 (भाग 1)—1977 जीव वैज्ञानिक उप-चार उपकरण सम्बन्धी अपेक्षाएं भाग 1— टपक छत्रे	---	---	
40. IS : 8418—1977 कैलिज अपकेन्द्रीय स्वतः पन-माने वाला पम्प की विशिष्टि	---	---	
41. IS : 8419 (भाग 1) —1977 छत्ता उपकरण सम्बन्धी अपेक्षाएं भाग 1 छानने के माध्यम मिट्टी और बजरी	---	---	
42. IS : 8420—1977 बाने सुखावक यंत्रों सम्बन्धी पारि-भाषिक शब्दावली	---	---	
43. IS : 8424—1977 लेम नमने के मुंह के रोग की विशिष्टि	---	---	
44. IS : 8425—1977 वायु प्रवेश्यता पद्धति द्वारा कणों की विशिष्टि पृष्ठ क्षेत्र ज्ञात करने की रीति संहिता	---	---	
45. IS : 8426—(भाग 3)—1977 सूक्ष्मतरंग धाक्-तियों पर उपयोग के लिए पूर्ण चुम्बकीय साम-ग्रियों के गुण धर्मा की मापन पद्धतियां भाग 3 चुम्बक शीलता, धाभासी घनत्व और क्यूरी ताप	---	---	
46. IS : 8428—1977 तेल पेरने के लिए करंजा के ग्रेड निर्धारण	---	---	
47. IS : 8432—1977 ट्रैकिंग स्टोमी ट्यूबों (रबड़ या प्लास्टिक) की विशिष्टि	---	---	
48. IS : 8434—1977 जलवायों पर वातानुकूलन सम्बन्धी अपेक्षाएं	---	---	

(1)	(2)	(3)	(4)
49. IS : 8439—1977 सीसा और सीसा मिश्र की बानगी लेने की पद्धतियाँ	—	—	
50. IS : 8440—1977 धान साफ करने के यंत्रों की परीक्षण संहिता	—	—	
51. IS : 8443—1977 तेल पेरने के लिए संज्ञाक के बीज	—	—	
52. IS : 8444—1977 मधुमक्खियों के उपचार के लिए घृण पद्धतियों की विधि	—	—	
53. IS : 8446—1977 कार्बोनेजिम (एम० बी० सी०) जल विसर्जनीय तेज चूर्ण की विधि	—	—	
54. IS : 8454—1977 सूक्ष्मतरंग आयुतियों पर उपयोग के लिए चूर्ण शुष्ककीय सामग्रियों की कार्य-प्रवृत्ति विधियाँ लिखने सम्बन्धी संश्लेषिका	—	—	
55. IS : 8457—1977 स्वचाल वाहनों के टायरों के वाच मापकों (जेबी) की विधि	—	—	
56. IS : 8458—1977 डा० पुरंदरे पैटर्न के नक्षत्रिय हस्तोपचार यंत्र की विधि	—	—	
57. IS : 8459—1977 रजोघर्म नियामक निरिज की विधि	—	—	
58. IS : 8461—1977 बेंत की छुरियाँ की विधि	—	—	
59. IS : 8500—1977 बेल्ड योग्य संरचना इस्पात (मध्यम और उच्च सामर्थ्य गुणता वाले) की विधि	—	—	

इन भारतीय मानकों की प्रतियाँ बिक्री के लिए, भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से और इसके शाखा कार्यालय अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई, कलकत्ता, कोयंबटूर, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना और शिवमोग में उपलब्ध हैं।

[सं. सी० एम० सी० / 13:2]

S.O. 610—In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1977-08-31 :

SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or standards if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)
1. IS : 211-1977 Specification for antimony (Third revision)	IS : 211-1966 Specification for antimony (second revision)	—
2. IS : 291-1977 Specification for Naval Brass Rods and sections (suitable for-machining and forging) (second revision)	IS : 291-1961 Specification for naval brass rods and sections (suitable for-machining for forging) (revised)	Established on 1977-06-30
3. IS : 744-1977 Method for determination of wool fibre diameter-projection microscope method (second revision)	IS : 744-1966 Method for determination of wool fibre diameter-projection microscope method (first revision)	—
4. IS : 887-1977 Specification for animal tallow (second revision)	IS : 887-1968 specification for animal tallow (first revision)	—

(1)	(2)	(3)	(4)
5. IS : 1070-1977 Specification for water for general laboratory use (second revision)	IS : 1070-1960 Specification for water, distilled quality (revised)	—	
6. *IS : 1422-1977 Specification for cotton duck (second revision)	IS : 1422-1970 Specification for cotton duck (first revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme IS : 1422-1977 shall come into force with effect from 1977-09-30	
7. IS : 1424-1977 Specification for cotton canvas (second revision)	IS : 1424-1970 Specification for cotton canvas (first revision)	—	
8. IS : 2490 (Pt. IX)—1977 Tolerance limits for industrial effluents discharged into inland surface waters Part IX nitrogenous fertilizer industry (first revision)	IS : 2490-1963 Tolerance limits for industrial effluents discharged into inland surface waters.	—	
9. IS : 3053-1977 Specification for cane baskets for general purposes (first revision)	IS : 3053-1965 Specification for cane baskets for general purposes	—	
10. IS : 3687-1977 Specification for pressure sensitive adhesive cloth tapes (first revision)	IS : 3687-1966 Specification for pressure sensitive adhesive cloth tapes	—	
11. IS : 4218 (Pt III)—1976 ISO metric screw threads Part III basic dimensions for design profiles (first revision)	IS : 4218 (Pt III)—1967 ISO metric screw threads Part III basic dimensions for design profiles	Established on 1977-03-31	
12. IS : 4410 (Pt XI/Sec 5)—1977 Glossary of terms relating to river valley projects Part XI Hydrology Section 5 floods	—	—	
13. IS : 4410 (Part XVII)—1977 Glossary of terms relating to river valley projects Part XVII. water requirements of crops	—	—	
14. IS : 4569 (Pt II)—1977 Specification for scissors, eye part II conjunctival, blunt and sharp point scissors (first revision)	IS : 4569-1968 Specification for scissors,	—	
15. IS : 4569 (Pt III)—1977 Specification for scissors, eye Part III scissors, tenotomy (first revision)	-do-	—	
16. IS : 4569 (Pt IV.)—1977 Specification for scissors, eye Part IV scissors, enucleation (first revision)	IS : 4569-1968 Specification for scissors, eye.	—	
17. IS : 4569 (Pt V)—1977 Specification for scissors, eye Part V scissors, spring action, Vanna's pattern (first revision)	-do-	—	
18. IS : 5513-1976 Specification for vicat apparatus (first revision)	IS : 5513-1969 Specification for vicat apparatus	Established on 1976-11-30	
19. IS : 5885-1977 Specification for copper commutator bar (first revision)	IS : 5885-1970 Specification for special copper alloys for commutator bars	Established on 1977-07-31	
20. IS : 5887 (Pt I)—1976 Methods for detection of bacteria responsible for food poisoning Part I isolation, identification and enumeration of Escherichia coli (first revision)	IS : 5887-1970 Methods for detection of bacteria responsible for food poisoning and food borne diseases	—	

(1)	(2)	(3)	(4)
21. IS : 5887 (Pt II)—1976 Methods for detection of bacteria responsible for food poisoning Part II isolation, identification and enumeration of <i>Staphylococcus aureus</i> and faecal streptococci (first revision)		IS : 5887-1970 Methods for detection of bacteria responsible for food poisoning and food borne diseases	—
22. IS : 5887 (Pt III)—1976 Methods for detection of bacteria responsible for food poisoning Part III isolation and identification of <i>Salmonella</i> and <i>Shigella</i> (first revision)		-do-	—
23. IS : 5887 (Pt IV)—1976 Methods for detection of bacteria responsible for food poisoning Part IV isolation and identification of <i>Clostridium welchii</i> , <i>Clostridium botulinum</i> and <i>Bacillus cereus</i> and enumeration of <i>Clostridium welchii</i> and <i>Bacillus cereus</i> (first revision)		-do-	—
24. *IS : 6029-1977 Specification for Green S, food grade (first revision)		IS : 6029-1971 Specification for wool green BS, food grade	*For purposes of ISI certification. Marks Scheme; IS : 6029-1977 shall come into force w.e.f. 1977-12-31
25. *IS : 7371-1977 Specification for blades, razor, safety (first revision)		IS : 7371-1975 Specification for blades, razor safety	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS : 7371-1977 shall come into force w.e.f. 1978-01-31
26. IS : 7440 (Pt III/Sec D)—1976 Essential ratings and characteristics of analogue integrated circuits Part III Operational amplifier Section I Having Two Inputs and One Output		—	—
27. IS : 8000 (Part I)—1976 Tolerances of form and of position for engineering drawings Part I generalities, symbols, indications on drawings		—	Established on 1977-02-28
28. IS : 8376-1977 Specification for electroplated coatings of nickel and chromium on plastics for decorative purposes.		—	—
29. IS : 8388-1977 Code of safety for nitrobenzene		—	—
30. IS : 8391-1977 Specification for rubberized coil sheets for cushioning		—	—
31. IS : 8393-1977 Specification for roll seal pilferproof closures		—	—
32. IS : 8397-1976 Specification for 2-nitrotoluene		—	—
33. IS : 8401-1977 Specification for alkyl benzene sulphonic acid (acid slurry)		—	—
34. IS : 8402-1977 Methods of sampling and test for pressure sensitive adhesive tapes		—	—
35. IS : 8403-1977 Code of practice for construction of clarifier-digester for treatment of sewage		—	—
36. IS : 8406-1977 Specification for gear lubricants for enclosed industrial gear drives		—	—
37. IS : 8407-1977 Test chart for gear hobbing machines, standard precision (vertical axis)		—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
38. IS : 8411-1977 Specification for foot tyre inflators for road vehicles		—	—
39. IS : 8413 (Pt I)—1977 Requirements for biological treatment equipment Part I trickling filters		—	—
40. IS : 8418-1977 Specification for horizontal centrifugal self-priming pumps		—	—
41. IS : 8419 (Pt. I)—1977 Requirements for filtration equipment Part I filtration media—sand and gravel		—	—
42. IS : 8420-1977 Glossary of terms relating to grain dryers		—	—
43. IS : 8424-1977 Specification for gag, mouth, Lane's pattern		—	—
44. IS : 8425-1977 Code of practice for determination of specific surface area of powders by air permeability methods		—	—
45. IS : 8426 (Pt III)—1977 Method of measurements for properties of gyromagnetic materials for use at microwave frequencies Part III permittivity, apparent density and curie temperature		—	—
46. IS : 8428-1977 Grading for Karanja seeds for oil milling		—	—
47. IS : 8432-1977 Specification for tubes, tracheostomy (rubber or plastics)		—	Established on 1977-06-30
48. IS : 8434-1977 air-conditioning requirements on board ships		—	—
49. IS : 8439-1977 Methods for sampling of lead and lead alloys		—	—
50. IS : 8440-1977 Test code for paddy cleaners		—	—
51. IS : 8443-1977 Grading for tobacco seeds for oil milling		—	—
52. IS : 8444-1977 Specification for fumigant strips for treatment of honey-bees		—	—
53. IS : 8446-1977 Specification for carbendazim (MBC) water dispersible powder concentrates		—	—
54. IS : 8454-1977 Guide for drafting of performance specifications for gyromagnetic materials for use at microwave frequencies		—	—
55. IS : 8457-1977 Specification for tyre pressure gauges for automobiles (pocket type)		—	—
56. IS : 8458-1977 Specification for manipulators, uterine, Dr. Purandare's Pattern		—	—
57. IS : 8459-1977 Specification for menstrual regulation syringe		—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
58. IS : 8461-1977 Specification for cane knives		—	—
59. IS : 8500-1977 Specification for weldable structural steel (Medium and high strength qualities)		—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

नई दिल्ली, 1980-02-26

क्रा० घ्रा० 620.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) के विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-7750 जिसके ध्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं दिनांक 1979-12-15 से रद्द कर दिया गया है, क्योंकि लाइसेंसधारी ने सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन करना बंद कर दिया था।

अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	सम्बद्ध भारतीय मानक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	सी एम/एल-7750 1979-05-14	मैमर्स कलकत्ता प्लाईवुड मैनुफैक्चरिंग कं०, (मालिक : खुड्ग प्रॉडक्ट्स लि०, डाकघर लीखो, जिला डिब्रुगढ़ (असम) इनका कार्यालय : 9/1 घ्रा० एन० मुखर्जी रोड, सातवीं मंजिल, कलकत्ता-700001	कंक्रीट तख्ताबंदी कार्यों के लिए प्लाईवुड	IS : 4990—1969 कंक्रीट तख्ताबंदी कार्यों के लिए प्लाईवुड की विशिष्टि

[सं० सीएमडी/55 : 7750]

New Delhi, the 1980-02-26

S. O. 620.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-7750 particulars of which are given in the Schedule below has been cancelled with effect from 1979-12-15 due to discontinuance of Manufacturing.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licence Cancelled	Relevant Indian Standards.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	CM/L-7750 1979-05-14	M/s. Calcutta Plywood Mfg. Co. (Prop : Wood Craft Products Ltd.), P. O. Ledo, Distt. Dibrugarh (Assam) having their office at 9/1, R. N. Mukherjee Road, 7th Floor, Calcutta-700001.	Plywood for concrete shuttering work.	IS : 4990-1969 Specification for plywood for concrete shuttering work.

[No. CMD/55 : 7750].

क्र०प्रा० 621-निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ 1 से 4 में जिन अधिसूचनाओं के ब्योरे दिए हैं उनके आंशिक संशोधन स्वरूप भारतीय मानक संस्था की ओर से एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों जो स्तम्भ 5 और 6 में निदिष्ट हैं से सम्बन्धित मुहर लगाने की फॉर्म स्तम्भ 7 और 8 में निदिष्ट के अनुसार पुनरीक्षित किए गए हैं। मुहर लगाने के पुनरीक्षित फॉर्म प्रत्येक के सामने स्तम्भ 9 में दिए गए विधियों से लागू होंगी।

अनुसूची

क्रम सं०	मंत्रालय का नाम	भारत के राजपत्र संख्या का सन्दर्भ	अधिसूचना संख्या का सन्दर्भ	उत्पाद	विशिष्ट का IS:संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फॉर्म	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	उद्योग एवं पूर्ति मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1974-09-12	एस ओ 3239 दिनांक 1964-08-31	चपड़ा	IS: 16 (भाग 1 और 2)— 1973 चपड़े की विशिष्टि भाग 1 हाथ से बना चपड़ा, भाग 2 मशीन से बना चपड़ा (दूसरा पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	रु० 5.00	1979-11-01
2.	उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1966-12-31	एस ओ 4026 दिनांक 1966-12-20	रंग रंगन के लिए सीसे का सारीय कार्बोनेट (सफेद सीसा)	IS: 34—1975 रंग रंगन के सीसे के सारीय कार्बोनेट (सफेद सीसा) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	1. पहली 1000 इकाइयों के लिए रु० 2.00 प्रति इकाई 1001वीं और अगली इकाइयों के लिए रु० 1.00 प्रति इकाई	1979-11-01
3.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1963-04-13	एस ओ 1056 दिनांक 1963-03-27	सामान्य कार्यों के लिए ब्रुश से लगाने वाले फिनिश देने वाले अर्ध चमकीले भारतीय मानक रंगों के अनुरूप तैयार मिश्रित रंग रंगन	IS: 123—1962 सामान्य कार्यों के लिए ब्रुश से लगाने वाले फिनिश देने वाले अर्ध चमकीले भारतीय मानक रंगों के अनुरूप तैयार मिश्रित रंग रंगन की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	1 लीटर/कि०प्रा०	1 पैसा	1979-09-01
4.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1963-04-11	एस ओ 1056 दिनांक 1963-03-27	सामान्य कार्यों के लिए ब्रुश से लगाने वाले बाहरी फिनिश देने वाले अर्ध चमकीले तैयार मिश्रित सफेद रंग रंगन	IS: 127—1962 सामान्य कार्यों के लिए ब्रुश से लगाने वाले बाहरी फिनिश देने वाले अर्ध चमकीले सफेद तैयार मिश्रित रंग रंगन की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	1 लीटर/कि०प्रा०	1 पैसा	1979-09-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
5. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1963-04-13	एस ओ 1056 दिनांक 1963-03-27	बुझ द्वारा भीतरी फिनिश देने का मेट या ईषत् चमकीला मन्द वांछित रंग का भारतीय मानक के अनुरूप तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 137—1965 बुझ द्वारा भीतरी फिनिश देने का मेट या ईषत् चमकीला मन्द वांछित रंग का भारतीय मानक के अनुरूप तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	1 लिटर/कि०घ्रा०	1 पैसा	1979-09-01	
6. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1963-03-23	एस ओ 692 दिनांक 1963-02-28	वांछित रंग का बुझ द्वारा फिनिश देने के स्टोविंग विधि वाले इनेमल के तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 150—1950 बुझ द्वारा वांछित रंग के फिनिश देने के स्टोविंग विधि वाले इनेमल के तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	1 लिटर/कि०घ्रा०	1 पैसा	1979-09-01	
7. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1963-04-13	एस ओ 1056 दिनांक 1963-03-27	सामान्य कार्यों के लिए बुझ द्वारा लगाने का अम्ल और क्षार प्रतिरोधी सीसे रहित भारतीय मानक रंगों के अनुरूप तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 157—1950 सामान्य कार्यों के लिए बुझ द्वारा लगाने का अम्ल और क्षार प्रतिरोधी सीसा रहित भारतीय मानक रंगों के अनुरूप तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	1 लिटर/कि०घ्रा०	1 पैसा	1979-09-01	
8. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1963-04-13	एस ओ 1056 दिनांक 1963-03-27	सामान्य कार्यों के लिए बुझ से लगाने वाला बिट्यूमेनी काला सीसा रहित अम्ल, क्षार, जल, ताप प्रतिरोधी तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 158—1968 सामान्य कार्यों के लिए बुझ से लगाने वाले बिट्यूमेनी, काला सीसा रहित अम्ल, क्षार, जल, ताप प्रतिरोधी तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	1 लिटर/कि०घ्रा०	1 पैसा	1979-09-01	
9. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1963-04-13	एस ओ 1056 दिनांक 1963-03-27	बुझ द्वारा सहक पर चिह्न लगाने के लिए भारतीय मानक रंगों के अनुरूप तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 164—1951 बुझ द्वारा सहक पर चिह्न लगाने के लिए भारतीय मानक रंगों के अनुरूप तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	1 लिटर/कि०घ्रा०	1 पैसा	1979-09-01	
10. वाणिज्य, नागरिक प्रति एवं सहकारिता मंत्रालय (नागरिक प्रति एवं सहकारिता विभाग)	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1978-10-28	एस ओ 3104 दिनांक 1978-10-12	अक्षर लेखन के लिए गाढ़े सफेद तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 167—1950 अक्षर लेखन के लिए गाढ़े सफेद तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	1 लिटर/कि०घ्रा०	1 पैसा	1979-09-01	
11. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1963-04-13	एस ओ 1056 दिनांक 1963-03-27	सामान्य कार्यों के लिए हवा में सूखने वाले अर्ध चमकीले/मेट तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 168—1973 सामान्य कार्यों के लिए हवा में सूखने वाले अर्ध चमकीले/मेट तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	1 लिटर/कि०घ्रा०	1 पैसा	1979-09-01	

12. नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1977-08-20	एस ओ 2610 दिनांक 1977-08-02	संपीड़ित आक्सीजन गैस	IS : 309—1974 संपीड़ित आक्सीजन गैस की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	100 मी० 3	1 50 पैसे प्रति इकाई पहली 5000 इकाइयों के लिए 2 25 पैसे प्रति इकाई 5001वाँ और अधिक इकाइयों के लिए	1979-11-01
13. औद्योगिक विकास मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1972-05-27	एस ओ 1274 दिनांक 1972-03-30	ट्रांसफार्मरों और स्विच गियरों के लिए नया रोधक तेल	IS : 335—1972 ट्रांसफार्मरों और स्विच गियरों के लिए नये रोधक तेल की विशिष्टि	1 कि०लि०	₹ 1.00	1979-11-01
14. औद्योगिक विकास आन्तरिक व्यापार एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1969-08-02	एस ओ 3096 दिनांक 1969-07-21	ब्लैक ज़ापान	IS : 341—1973 ब्लैक ज़ापान टाइप ए, बी सी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
15. औद्योगिक विकास आन्तरिक व्यापार एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1969-09-18	एस ओ 3727 दिनांक 1969-08-14	फ्रैच पालिश	IS : 348—1968 फ्रैच पालिश की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
16. औद्योगिक विकास एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1968-06-22	एस ओ 2182 दिनांक 1968-06-06	खिड़की के चौखटों के लिए पुट्टी	IS : 419—1967 खिड़की के चौखटों के लिए पुट्टी की विशिष्टि	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
17. औद्योगिक विकास एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1969-03-01	एस ओ 778 दिनांक 1969-02-19	वांछित रंग देने का शुष्क डिस्टेंपर	IS : 427—1965 वांछित रंग देने के शुष्क डिस्टेंपर की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
18. औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1969-08-02	एस ओ 3096 दिनांक 1969-07-21	वांछित रंग देने का तेलीय इमलेशन डिस्टेंपर	IS : 428—1969 वांछित रंग देने के तेलीय इमलेशन डिस्टेंपर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
19. वाणिज्य, नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता विभाग)	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1978-10-28	एस ओ 3104 दिनांक 1978-10-12	बाहरी फिनिश देने के लिए संक्षिप्त वार्निश	IS : 524—1968 बाहरी फिनिश देने के लिए संक्षिप्त वार्निश की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
20. वाणिज्य नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता विभाग)	भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1978-10-28	एस ओ 3104 दिनांक 1978-10-12	सामान्य कार्यों के लिए बाहरी फिनिश देने के लिए वार्निश	IS : 525—1968 बाहरी फिनिश देने और सामान्य कार्यों के लिए वार्निश की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
21.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1961-05-06	एस ओ 1009 दिनांक 1961-04-27	ट्राइसोडियम फॉस्फेट	IS : 573—1973 ट्राइसोडियम फॉस्फेट की विशिष्टि (इसरा पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	रु० 2.00	1979-11-01
22.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1960-06-04	एस ओ 1419 दिनांक 1960-05-26	जस्ता क्लोराइड	IS : 701—1966 जस्ता क्लो-राइड की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	रु० 20.00	1979-11-01
23.	औद्योगिक विकास एवं आन्तरिक व्यापार मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1971-05-22	एस ओ 2012 दिनांक 1971-04-27	सोल करने की मोम	IS : 868—1956 सोल करने की मोम की विशिष्टि	1 कि०ग्रा०	5 पैसे	1979-11-01
24.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1963-04-13	एस ओ 1056 दिनांक 1963-03-27	सामान्य कार्यों के लिए बुझ से लगने वाले नेल से चमकीले असली जस्ता आक्साइड का तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 1188—1957 सामान्य कार्यों के लिए बुझ से लगने वाले नेल से चमकीले असली जस्ता आक्साइड तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
25.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खण्ड उप खण्ड (ii) दिनांक 1963-04-13	एस ओ 1056 दिनांक 1963-03-27	रेड आक्साइड, जस्ता क्रोम के पहला अस्तर देने का तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 1188—1957 रेड आक्साइड जस्ता क्रोम के पहला अस्तर देने का तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
26.	वाणिज्य नागरिक, पूति एवं सहकारिता मंत्रालय (नागरिक पूति एवं सहकारिता विभाग)	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1978-10-28	एस ओ 3104 दिनांक 1978-10-12	स्टोविंग विधि वाले रेड आक्साइड जस्ता क्रोम पहला अस्तर देने का तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 2075—1962 स्टोविंग विधि वाले रेड आक्साइड जस्ता क्रोम पहला अस्तर देने के तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
27.	उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1976-11-27	एस ओ 4503 दिनांक 1976-11-05	अजल सोडियम थायोसल्फेट फोटो-ग्राफी ग्रेड	IS : 2211—1972 अजल सोडियम थायोसल्फेट फोटो-ग्राफी ग्रेड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 कि०ग्रा०	2 पैसा	1979-11-01
28.	औद्योगिक विकास विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1974-08-17	एस ओ 2110 दिनांक 1974-08-02	रजत नाइट्रेट, तकनीकी और विश्लेषी अभिकर्मक	IS : 2214—1962 रजत नाइट्रेट, तकनीकी और विश्लेषी अभिकर्मक की विशिष्टि	1 कि०ग्रा०	रु० 2.00	1979-11-01
29.	औद्योगिक विकास विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1974-08-17	एस ओ 2110 दिनांक 1974-08-02	रजत नाइट्रेट फोटोग्राफी ग्रेड	IS : 2318—1974 रजत नाइट्रेट फोटोग्राफी ग्रेड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 कि०ग्रा०	रु० 2.00	1979-11-01

30. औद्योगिक विकास आन्तरिक व्यापार एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1969-05-03	एस ओ 1638 दिनांक 1969-04-14	सामान्य कार्यों के लिए चांदी का पानी चढ़े शीशे	IS : 3438—1977 सामान्य कार्यों के लिए चांदी का पानी चढ़े शीशे की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1000 मी ²	₹ 1.00	1979-11-01
31. नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1976-12-25	एस ओ 4808 दिनांक 1976-12-06	सामान्य कार्यों के लिए भीतरी फिनिश देने का तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 3537—1966 सामान्य कार्यों के लिए भीतरी फिनिश देने के तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
32. औद्योगिक विकास मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1972-07-08	एस ओ 1631 दिनांक 1972-06-01	टाइप राइटरों के सूती रिबन	IS : 4174—1977 टाइप-राइटरों के सूती रिबन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	रिबन के 100 फुट	50 पैसे	1979-11-01
33. नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1976-12-25	एस ओ 4808 दिनांक 1976-12-06	बुझ से लगाने वाले एलुमिनियम रेड आक्साइड का प्राइमर देने का तैयार मिश्रित रंग रोगन	IS : 5660—1970 बुझ से लगाने वाला एलुमिनियम रेड आक्साइड के प्राइमर देने के तैयार मिश्रित रंग रोगन की विशिष्टि	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
34. औद्योगिक विकास मंत्रालय	भाग II, खण्ड-3 उप खण्ड (ii) दिनांक 1972-01-22	एस ओ 330 दिनांक 1971-12-15	जूतों के पंजों के बचाव के लिए इस्पात की टोपियां	IS : 5852—1977 जूतों के पंजों के बचाव के लिए इस्पात की टोपियों की विशिष्टि	1 जोड़ा	1.2 पैसे प्रति इकाई पहली 100000 इकाइयों के लिए 2. 1 पैसा प्रति इकाई 100001वीं और अगली इकाइयों के लिए	1979-11-01

[सं० सी एम डी/13:10]

New Delhi the 1980-02-27

S. O. 621.—In partial modification of the notifications, details of which are given in Col. 1 to 4 of the following Schedule, the Indian Standards Institution, hereby notifies that the marking fees pertaining to various products referred to in Col. 5 & 6 have been revised as mentioned in Col. 7 & 8 thereof. The revised rate of marking fees shall come into force with effect from the dates shown against each in Col. 9 :

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the Ministry	Reference to the Govt. of India Gazette No.	Reference to Notification No.	Product	IS : No. & Title of the Specification	Unit	Marking Fee Per Unit	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	Ministry of Industry & Supply.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1964-09-12	S.O. 3239 dated 1964-08-31	Shellac	IS : 16 (Pts I & II)-1973 Specification for shellac : Part I Hand made shellac Part II Machine made shellac. (Second revision)	One Tonne	Rs. 5.00	1979-11-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
2. Ministry of Industry	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1966-12-31	S.O. 4026 dated 1966-12-20	Basic carbonate of lead (white lead) for paints.	IS : 34-1975 Specification basic carbonate of lead (white lead) for paints (<i>first revision</i>)	One Tonne	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 1000 units; and (ii) Re. 1.00 per unit for the 1001st unit and above.	1979-01-01	
3. Ministry of Commerce and Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1963-04-13	S. O. 1056 dated 1963-03-27	Ready mixed paint, brushing, finishing, semi-gloss, for general purposes, to Indian Standard colours.	IS : 123-1962 Specification for ready mixed paint, brushing, finishing, semi-gloss, for general purposes, to Indian Standard colours (<i>revised</i>).	One Litre/kg.	One Paisa	1979-09-01	
4. -do-	-do-	-do-	Ready mixed paint, brushing, finishing, exterior, semi- gloss for general purposes, white.	IS : 127-1962 Specification for ready mixed paint, brushing, finishing, exterior, semi-gloss for general purposes, white (<i>revised</i>)	One Litre/kg.	One Paisa	1979-09-01	
5. do-	-do-	-do-	Ready mixed paint, brushing, matt or egg-shell flat, finishing, interior, to Indian Standard, colour as required.	IS : 137-1965 Specification for ready mixed paint, brushing, matt or egg-shell flat, finishing, interior, to Indian Standard, colour as required (<i>revised</i>).	One Litre/kg.	One Paisa	1979-09-01	
6. -do-	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1963-03-23	S.O. 692 dated 1963-02-28	Ready mixed paint, brushing, finishing, stoving, enamel, colour as required.	IS : 150-1950 Specification ready mixed paint, brushing, finishing, stoving, enamel, colour as required.	On Litre/kg	One Paisa	1979-09-01	
7. -do-	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1963-04-13	S.O. 1056 dated 1963-03-27	Ready mixed paint, brushing, acid and alkali resisting, lead-free, for general purposes, to Indian Standard colours.	IS : 157-1950 Specification for ready mixed paint, brushing, acid and alkali resisting, lead- free, for general purposes, to Indian Standard colours.	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01	
8. -do-	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1963-04-13	S.O. 1056 dated 1963-03-27	Ready mixed paint, brushing, bituminous, black, lead-free, acid, alkali, water and heat resisting for general purposes.	IS : 158-1968 Specification for ready mixed paint, brushing, bituminous, black, lead-free, acid, alkali, water and heat resisting for general purposes (<i>second revision</i>).	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01	
9. -do-	-do-	-do-	Ready mixed paint, brushing, for road marking, to Indian Standard colour.	IS : 164-1951 Specification for ready mixed paint, brushing, for road marking, to Indian standard colour.	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01	
10. Ministry of Commerce, Civil Supplies & Co-operation (Deptt of Civil Supplies & Co-operation.)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1978-10-28	S.O. 3104 dated 1978-10-12	Ready mixed paint, thick white, white for lettering.	IS : 167-1950 Specification for ready mixed paint, thick white for lettering.	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01	
11. Ministry of Commerce and Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1963-04-13	S.O. 1056 dated 1963-03-27	Ready mixed paint, air-drying, semi-glossy/matt, for general purposes.	IS : 168-1973 Specification for ready mixed paint, air-drying, semi-glossy/matt, for general purposes.	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01	

12. Ministry of Civil Supplies & Co-operation	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1977-08-20	S.O. 2610 dated 1977-08-02	Compressed oxygen gas.	IS : 309-1974 Specification for compressed oxygen gas (<i>second revision</i>).	100 m ³	(i) 50 Paise per unit for the first 5000 units ; and (ii) 25 Paise per unit for the 5001st unit and above.	1979-11-01
13. Ministry of Industrial Development	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1972-05-27	S.O. 1274 dated 1972-03-30	New insulating oils for transformers and switchgear.	IS : 335-1972 Specification for new insulating oils for transformers and switchgear (<i>second revision</i>).	One kilolitre	Re. 1.00	1979-12-01
14. Ministry of Industrial Development, Internal Trade & Company Affairs (Deptt. of Industrial Development).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1969-08-02.	S.O. 3096 dated 1969-07-21	Black japan.	IS : 341-1973 Specification for black japan, Types A, B & C (<i>first revision</i>).	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01
15. -do-	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1969-09-18	S.O. 3727 dated 1969-08-14	French polish.	IS : 348-1968 Specification for french polish (<i>first revision</i>)	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01
16. Ministry of Industrial Development & Company Affairs (Deptt. of Industrial Development).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii), dated 1968-06-22	S.O. 2182 dated 1968-06-06	Puty for use on window frames.	IS : 419-1967 Specification for puty for use on window frames (<i>first revision</i>).	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01
17. -do-	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1969-03-01	S.O. 778 dated 1969-02-19	Distemper, dry, colour as required.	IS : 427-1965 Specification for distemper, dry, colour as required (<i>revised</i>).	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01
18. Ministry of Industrial Development, Internal Trade & Company Affairs (Deptt. of Industrial Development).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii), dated 1969-07-02	S.O. 3096 dated 1969-07-21	Distemper, Oil emulsion, colour as required.	IS : 428-1969 Specification for distemper, oil, emulsion, colour as required (<i>first revision</i>)	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01
19. Ministry of Commerce, Civil Supplies & Co-operation (Deptt. of Civil Supplies & Co-operation).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1978-10-28	S.O. 3104 dated 1978-10-12	Varnish, finishing exterior, synthetic.	IS : 524-1968 Specification for varnish, finishing exterior, synthetic (<i>first revision</i>).	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01
20. -do-	-do-	-do-	Varnish, finishing, exterior and general purposes.	IS : 525-1968 Specification for varnish, finishing, exterior and general purposes (<i>first revision</i>).	One Litre/kg	One Paisa	1979-09-01
21. Ministry of Commerce and Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1961-05-06	S.O. 1009 dated 1961-04-27	Trisodium phosphate.	IS : 573-1973 Specification for trisodium phosphate (<i>second revision</i>);	One Tonne	Rs. 2.00	1979-11-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
22. Ministry of Commerce and Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1960-06-04	S.O. 1419 dated 1960-10-26	Zinc chloride.		IS : 701-1966 Specification for zinc chloride (<i>revised</i>).	One Tonne	Rs. 20.00	1979-11-01
23. Ministry of Industrial Development & Internal Trade (Deptt. of Industrial Development).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1971-05-22.	S.O. 2012 dated 1971-04-27	Sealing wax.		IS : 868-1956 Specification for sealing wax.	One kg	5 Paisa	1979-11-01
24. Ministry of Commerce and Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1963-04-13	S.O. 1056 dated 1963-03-27	Ready mixed paint, brushing, oil gloss, genuine zinc oxide, for general purposes.		IS : 1188-1957 Specification for ready mixed paint, brushing, oil gloss, genuine zinc oxide, for general purposes.	One Litre/Kg	One Paisa	1979-09-01
25. -do-	-do-	-do-	Ready mixed paint, red oxide zinc chrome, priming.		IS : 2074-1962 Specification for ready mixed paint, red oxide, zinc chrome, priming.	One Litre/Kg	One Paisa	1979-09-01
26. Ministry of Commerce, Civil Supplies & Co-operation (Deptt. of Civil Supplies & Co-operation).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1978-10-28	S.O. 3104 dated 1978-10-12	Ready mixed paint, stoving, red oxide-zinc chrome priming.		IS : 2075-1962 Specification for ready mixed paint, stoving, red oxide-zinc chrome, priming.	One Litre/Kg	One Paisa	1979-09-01
27. Ministry of Industry (Deptt. of Industrial Development).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1976-11-27	S.O. 4503 dated 1976-11-05	Anhydrous sodium thiosulphate, photographic grade.		IS : 2211-1972 Specification for anhydrous sodium thiosulphate, photographic grade (<i>first revision</i>).	One Kg	2 Paise	1979-11-01
28. Ministry of Industrial Development, Science & Technology.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1974-08-17	S.O. 2110 dated 1974-08-02	Silver nitrate, technical and analytical reagent.		IS : 2214-1962 Specification for silver nitrate, technical and analytical reagent.	One Kg	Rs. 2.00	1979-11-01
29. -do-	-do-	-do-	Silver nitrate, photographic grade.		IS : 2318-1974 Specification for silver nitrate, photographic grade (<i>first revision</i>).	One kg	Rs. 2.00	1979-11-01
30. Ministry of Industrial Development, Internal Trade & Company Affairs (Deptt. of Industrial Development).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1969-05-03	S.O. 1638 dated 1969-04-14	Silvered glass mirrors for general purposes.		IS : 3438-1977 Specification for silvered glass mirrors for general purposes (<i>first revision</i>).	1000 m ²	Re. 1.00	1979-11-01

31. Ministry of Civil Supplies and Co-operation.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1976-12-25.	S.O. 4808 dated 1976-12-06	Ready mixed paint, finishing, interior, for general purposes.	IS : 3537-1966 Specification for ready mixed paint, finishing, interior, for general purposes.	One Litre/Kg	One Paisa	1979-09-01
32. Ministry of Industrial Development.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1972-07-08	S.O. 1631 dated 1972-06-01	Typewriter ribbons cotton.	IS : 4174-1977 Specification for typewriter ribbons cotton (first revision).	100 Spools of ribbons	50 Paise	11979-11-0
33. Ministry of Civil Supplies and Co-operation.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1976-12-25	S.O. 4808 dated 1976-12-06	Ready mixed paint, brushing, aluminium red oxide primer.	IS : 5660-1970 Specification for ready mixed paint, brushing aluminium red oxide primer.	One Litre/Kg	One Paisa	1979-09-01
34. Ministry of Industrial Development.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1972-01-22	S.O. 330 dated 1971-12-15	Protective steel toe-caps for footwear.	IS : 5852-1977 Specification for protective steel toe-caps for footwear.	One Pair	(i) 2 Paise per unit for the first 100000 units; and (ii) One paise per unit for the 100001st unit and above.	1979-11-01

[No. CMD/13 : 10]

कां० अा० 622.—जिन अधिसूचनाओं के ब्यौरे निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ 1 से 4 में दिए गए हैं, उनका अतिक्रमण करने हुए भारतीय मानक संस्था की ओर से एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि स्तम्भ 5 और 6 में निर्दिष्ट विभिन्न उत्पादों से सम्बन्धित मुहर लगाने की फीस स्तम्भ 7 और 8 में वर्णित के अनुसार पुनरीक्षित किया गया है। मुहर लगाने की पुनरीक्षित फीस स्तम्भ 9 में प्रत्येक के सामने दिखाई गई तथियों से लागू होंगे।

अनुसूची

क्रम संख्या	मंत्रालय का नाम	भारत के राजपत्र के संख्या का संदर्भ	अधिसूचना संख्या का संदर्भ	उत्पाद	विशिष्टि का संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	उद्योग एवं पूर्ति मंत्रालय (उद्योग विभाग)	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1965-01-09	एस ओ संख्या 154 दिनांक 1964-12-30	रंग रोगन के लिए जस्ता आक्साइड	IS : 35—1975 रंग रोगन के लिए जस्ता आक्साइड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	(1) रु० 2.00 प्रति इकाई पहली 1000 इकाइयों के लिए; (2) रु० 1.00 प्रति इकाई 1001वीं और अगली इकाइयों के लिए।	1979-11-01
2.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1963-01-12	एस ओ संख्या 81 दिनांक 1962-12-31	रंग रोगन के लिए अल्ट्रा मैरीन नील	IS : 55—1970 रंग रोगन के लिए अल्ट्रा मैरीन नील की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	(1) पहली 1000 इकाइयों के लिए रु० 5.00 प्रति इकाई; (2) 1001वीं और अगली इकाइयों के लिए रु० 3.00 इकाई।	1979-11-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
3. उद्योग एवं पूर्ति मंत्रालय (उद्योग विभाग)	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1965-01-09	एसओ संख्या 154 दिनांक 1964-12-30	रंगरोगन और जोड़ देने के कार्यों के लिए प्रयुक्त रैड लेड	IS : 57—1965 रंगरोगन और जोड़ देने के कार्यों के लिए प्रयुक्त रैड लेड की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	(1) पहली 1000 इकाइयों के लिए रु० 2.00 प्रति इकाई (2) 1001वीं और अगली इकाइयों के लिए रु० 1.00 प्रति इकाई	1979-11-01	
4. उद्योग मंत्रालय	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1964-05-30	एसओ संख्या 1837 दिनांक 1964-05-18	फैरो गैलो टैनेट फाउंट पेन की स्याही (0.1 प्रतिशत लोहयुक्त)	IS : 220—1972 फैरोगैलो टैनेट फाउंट पेन की स्याही (0.1 प्रतिशत लोहयुक्त) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	1 लिटर	3 पैसे	1976-01-01	
5. —	—	—	—	सोडियम थायो सल्फेट क्रिस्टलीय	IS : 246—1972 सोडियम थायोसल्फेट क्रिस्टलीय की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	रु० 5.00	1979-11-01
6. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1962-10-20	एसओ 3153 दिनांक 1962-10-09	ताम्र सल्फेट	IS : 261—1966 ताम्र सल्फेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	(1) रु० 2.00 प्रति इकाई पहली 1000 इकाइयों के लिए (2) रु० 1.00 प्रति इकाई 1002वीं और अगली इकाइयों के लिए	1979-11-01	
7. "	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1963-5-11	एसओ 1329 दिनांक 1963-04-30	सपाट बुरुज, रंगरोगन और वानिज के लिए	IS : 384—1971 रंगरोगन और वानिज के लिए सपाट बुरुज की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	100 बुरुज	रु० 1.00	1979-11-01	
8. "	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1963-06-29	एसओ 1759 दिनांक 1963-06-18	रंगरोगन के लिए टिटैनियम आक्साइड	IS : 411—1968 रंगरोगन के लिए टिटैनियम आक्साइड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	(1) रु० 2.00 प्रति इकाई पहली 2000 इकाइयों के लिए (2) रु० 1.00 प्रति इकाई 2001वीं और अगली इकाइयों के लिए	1979-11-01	
9. औद्योगिक विकास एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1967-06-24	एसओ 1759 दिनांक 1967-06-08	सामान्य कार्यों के लिए घुटने तक के बूट	IS : 583—1969 सामान्य कार्यों के लिए घुटने तक के बूटों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 जोड़ा	2 पैसे	1979-11-01	
10. उद्योग मंत्रालय	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1964-01-11	एसओ 135 दिनांक 1963-12-31	झाड़ों की जलसह काली स्याही	IS : 789—1971 झाड़ों की जल सह काली स्याही की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 लिटर	10 पैसे	1979-11-01	

11. उद्योग एवं पूर्ति मंत्रालय (उद्योग विभाग)	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1965-01-09	एसओ 152 दिनांक 1964-12-24	कैल्शियम कार्बाइड, तकनीकी	IS : 1040—1978 कैल्शियम कार्बाइड तकनीकी, की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	(1) रु० 2.00 प्रति इकाई पहली 2000 इकाइयों के लिए (2) रु० 1.00 प्रति इकाई 2001वीं और अगली इकाइयों के लिए	1979-11-01
12. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1960-03-26	एसओ 773 दिनांक 1960-03-14	रबर को से बनी फाउंटेन पेन की म्याही	IS : 1221—1971 रबर को से फाउंटेन पेन की म्याही की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ‡	1 लिटर टन	3 पैसे	1976-01-01
13. "	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1963-08-24	एसओ 2376 दिनांक 1963-08-16	बिट्यूमेन परत वाला जलसह पैकिंग कागज	IS : 1398—1968 बिट्यूमेन परत वाले जलसह पैकिंग कागज की विशिष्टि ‡ (पहला पुनरीक्षण) ‡	100 मीटर का एक रोल	(1) 15 पैसे प्रति इकाई पहली 30000 इकाइयों के के लिए ‡ (2) 10 पैसे प्रति इकाई 30001वीं और अगली इकाइयों के लिए	1979-11-01
14. उद्योग एवं पूर्ति मंत्रालय (उद्योग विभाग)	भाग II, खंड-3 उपखंड (ii) दिनांक 1965-05-01	एसओ 1404 दिनांक 1965-04-20	फैरो गैलो टैनेट फाउंटेनपेन की म्याही (0.2 प्रतिशत लौहयुक्त)	IS : 1581—1971 फैरो गैलो टैनेट फाउंटेन पेन की म्याही (0.2 प्रतिशत लौह युक्त की विशिष्टि) (पहला पुनरीक्षण) ‡	1 लिटर	3 पैसे	1976-01-01
15. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1961-10-07	एसओ 2399 दिनांक 1961-09-28	स्टियरिक अम्ल, तकनीकी	IS : 1675—1971 स्टिय- रिक अम्ल तकनीकी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	(1) रु० 3.00 प्रति इकाई पहली 1000 इकाइयों के लिए (2) रु० 2.00 प्रति इकाई 1001वीं और अगली इकाइयों के लिए	1979-11-01
16. "	"	"	ओलीइक अम्ल, तकनीकी	IS : 1676—1960 ओलीइक अम्ल तकनीकी की विशिष्टि	1 मीटरी टन	"	1979-11-01
17. औद्योगिक विकास मंत्रालय	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1971-10-09	एसओ 3735 दिनांक 1971-08-30	स्वचालित बिजली के हार्न रिले	IS : 2077—1962 स्व- चालित बिजली के हार्न रिले की विशिष्टि	1 अदद	(1) 5 पैसे प्रति इकाई पहली 30000 इकाइयों के लिए (2) 3 पैसे प्रति इकाई 30001वीं और अगली इकाइयों के लिए	1979-12-01
18. "	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1972-10-21	एसओ 3311 दिनांक 1972-09-14	मोडियम बाइकार्बोनेट	IS : 2124—1974 सोडियम बाइकार्बोनेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 मीटरी टन	(1) 50 पैसे प्रति इकाई पहली 5000 इकाइयों के लिए (2) 30 पैसे प्रति इकाई 5001वीं और अगली इकाइयों के लिए	1979-11-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
19.	औद्योगिक विकास आंतरिक व्यापार एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)	भाग II, खंड-3 उपखंड (ii) दिनांक 1970-01-24	एसओ 269 दिनांक 1970-01-09	सामान्य कार्यों के लिए एलुमिनियम रंगरोगन	IS : 2339—1963 सामान्य कार्यों के लिए दोहरे डब्बों में भरे एलुमिनियम रंगरोगन विशिष्ट	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
20.	उद्योग मंत्रालय	भाग II, खंड-3 उपखंड (ii) दिनांक 1964-05-23	एसओ 1744 दिनांक 1964-05-08	सुरक्षा कांच	IS : 2553—1971 सुरक्षा कांच की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	1 बर्ष मीटर	(1) 20 पैसे प्रति इकाई, पहली 20000 इकाइयों के लिए (2) 10 पैसे प्रति इकाई 20001वीं से 50000 इकाइयों के लिए (3) 5 पैसे प्रति इकाई 50001वीं और अगली इकाइयों के लिए	1979-11-01
21.	उद्योग एवं पूर्ति मंत्रालय (उद्योग विभाग)	भाग II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 1966-01-22	एसओ 280 दिनांक 1965-12-31	बाहर लगाने का संश्लिष्ट इन्तैमल 1. निचला अस्तर 2. फिनिश देने का	IS : 2932—1974 बाहर लगाने का संश्लिष्ट इन्तैमल की विशिष्ट 1. निचला अस्तर देने 2. फिनिश देने का (पहला पुनरीक्षण)	1 लिटर/कि०ग्रा०	5 पैसे	1979-09-01
22.	"	"	"	बाहर लगाने का इन्तैमल : 1. निचला अस्तर 2. फिनिश देने का	IS : 2923—1975 बाहर लगाने का इन्तैमल की विशिष्ट : 1. निचला अस्तर 2. फिनिश देने का (पहला पुनरीक्षण)	1 लिटर/कि०ग्रा०	5 पैसे	1979-09-01
23.	औद्योगिक विकास आंतरिक व्यापार एवं कम्पनी व्यापार मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)	भाग II, खंड-3 उपखंड (ii) दिनांक 1969-06-07	एसओ 2239 दिनांक 1969-05-23	लकड़ी पर बुरश द्वारा प्राइमर देने का गुलाबी तैयार मिश्रित रंगरोगन	IS : 3536—1966 लकड़ी पर बुरश द्वारा प्राइमर देने के गुलाबी तैयार मिश्रित रंग-रोगन की विशिष्ट	1 लिटर/कि०ग्रा०	1 पैसा	1979-09-01
24.	औद्योगिक विकास मंत्रालय	भाग II, खंड-3 उपखंड (ii)	एसओ 3735 दिनांक 1971-08-30 दिनांक 1971-10-09	स्टेंसिल कागज	IS : 5086—1969 स्टेंसिल कागज की विशिष्ट	100 दस्ते	रु० 4.00	1979-11-01

(सं० सी एम डी/13 : 10)

ए० पी० बनर्जी, अपर महानिदेशक :

S. O. 622.—In supersession of the notifications, details of which are given in Col. 1 to 4 of the following Schedule, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fees pertaining to various products referred to in Col. 5 & 6 have been revised as mentioned in Col. 7 & 8 thereof. The revised rates of marking fees shall come into force with effect from the dates shown against each in Col. 9 :

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the Ministry	Reference to the Govt. of India Gazette No.	Reference to Notification No.	Product	IS : No. & Title of the Specification	Unit	Marking Fee Per Unit	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	Ministry of Industry & Supply (Deptt. of Industry).	Part-II, Section-3, Sub-section(iii) dated 1965-01-09.	S.O. 154 dated 1964-12-30.	Zinc oxide for paints.	IS : 35—1975 Specification for zinc oxide for paints (<i>first revision</i>).	One Tonne.	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 1000 units and (ii) Re. 1.00 per unit for the 1001st unit and above.	1979-11
2.	Ministry of Commerce and Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1963-01-12.	S.O. 81 dated 1962-12-31.	Ultramarine blue for paints.	IS : 55—1970 Specification for ultramarine blue for paints (<i>first revision</i>).	One Tonne.	(i) Rs. 5.00 per unit for the first 1000 units and (ii) Rs. 3.00 per unit for the 1001st unit and above.	1979-11-01
3.	Ministry of Industry & Supply (Deptt. of Industry).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1965-01-09.	S.O. 154 dated 1964-12-30.	Red-lead for paints and jointing purposes.	IS : 57—1965 Specification for red-lead for paints and jointing purposes (<i>revised</i>).	One Tonne.	(i) Rs. 2.00 per unit for first 1000 units and (ii) Re. 1.00 per unit for the 1001st unit and above.	1979-11-01
4.	Ministry of Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1964-05-30.	S.O. 1837 dated 1964-05-18	Ferro-gallo tannate fountain pen ink (0.1 percent iron content).	IS : 220—1972 Specification for ferro-gallo tannate fountain pen ink (0.1 percent iron content) (<i>second revision</i>).	One Litre.	3 Paise.	1976-01-10
5.	—	—	—	Sodium thiosulphate, crystalline.	IS : 246—1972 Specification for sodium thiosulphate, crystalline (<i>third revision</i>).	One Tonne.	Rs. 5.00	1979-11-01
6.	Ministry of Commerce & Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1962-10-20.	S.O. 3153 dated 1962-10-09.	Copper sulphate.	IS : 261—1966 Specification for copper sulphate (<i>first revision</i>).	One Tonne.	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 1000 units and (ii) Re. 1.00 per unit for the 1001st unit and above.	1979-11-01
7.	-do-	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1963-05-11.	S.O. 1329 dated 1963-04-30.	Brushes, paints and varnishes, flat.	IS : 384—1971 Specification for brushes, paints and varnishes, flat (<i>third revision</i>).	100 Brushes.	Re. 1.00.	1979-11-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
8.	Ministry of Commerce and Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1963-06-29	S.O. 1759 dated 1963-06-18.	Titanium dioxide for paints.	IS : 411-1968 Specification for titanium dioxide for paints (<i>first revision</i>).	One Tonne.	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 2000 units and (ii) Re. 1.00 per unit for the 2001st unit and above.	1979-11-01
9.	Ministry of Industrial Development & Company Affairs (Deptt. of Industrial Development).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1967-06-24.	S.O. 2079 dated 1967-06-08.	Ankle boots for general purposes.	IS : 583-1969 Specification for Ankle boots for general purposes (<i>first revision</i>).	One Pair	2 Paise.	1979-11-01
10.	Ministry of Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1964-01-11.	S.O. 135 dated 1963-12-31.	Ink, drawing, waterproof, black.	IS : 789-1971 Specification for ink, drawing, waterproof black (<i>first revision</i>).	One Litre.	10 Paise.	1979-11-01
11.	Ministry of Industry & Supply (Deptt. of Industry).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1965-01-09.	S.O. 152 dated 1964-12-24.	Calcium carbide, technical.	IS : 1040-1978 Specification for calcium carbide, technical (<i>first revision</i>).	One Tonne.	(i) Rs. 2.00 per unit for the first 2000 units and. (ii) Re. 1.00 per unit for the 2001st unit and above.	1979-11-01
12.	Ministry of Commerce and Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1960-03-26.	S.O. 733 dated 1960-03-14.	Dye based fountain pen inks.	IS : 1221-1971 Specification for dye based fountain pen inks (<i>first revision</i>).	One Litre	3 Paise.	1976-01-01
13.	-do-	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1963-08-24.	S.O. 2376 dated 1963-08-16.	Packing paper, waterproof, bitumen-laminated.	IS : 1398-1968 Specification for packing paper, waterproof, bitumen-laminated (<i>first revision</i>).	One Roll of 100 metres.	(i) 15 Paise per unit for the first 30000 units and (ii) 10 Paise per unit for the 30001st unit and above.	1979-11-01
14.	Ministry of Industry & Supply (Deptt. of Industry).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1965-05-01.	S.O. 1404 dated 1965-04-20	Ferro-gallo tannate fountain pen ink (0.2 percent iron content).	IS : 1581-1975 Specification for ferro-gallo tannate fountain pen ink (0.2 percent iron content) (<i>first revision</i>).	One Litre.	3 Paise.	1976-01-01
15.	Ministry of Commerce & Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1961-10-07.	S.O. 2399 dated 1961-09-28.	Stearic acid, technical.	IS : 1675-1971 Specification for stearic acid, technical (<i>first revision</i>).	One Tonne.	(i) Rs. 3.00 per unit for the first 1000 units and (ii) Rs. 2.00 per unit for the 1001st unit and above.	1979-11-01
16.	-do-	-do-	-do-	Oleic acid, technical.	IS : 1676-1960 Specification for oleic acid, technical.	One Tonne.	-do-	1979-11-01

17. Ministry of Industrial Development.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1971-10-09.	S.O. 3755 dated 1971-08-30.	Automobile electric horn relays.	IS : 2077-1962 Specification for automobile electric horn relays.	One Piece.	(i) 5 Paise per unit for the first 30000 units and (ii) 3 Paise per unit for the 30001st unit and above.	1979-12-01
18. -do-	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1972-10-21.	S.O. 3311 dated 1972-09-14.	Sodium bicarbonate.	IS : 2124-1974 Specification for sodium bicarbonate (first revision).	One Tonne.	(i) 50 Paise per unit for the first 5000 units and (ii) 30 Paise per unit for the 5001st unit and above.	1979-11-01
19. Ministry of Industrial Development, Internal Trade & Company Affairs (Deptt. of Industrial Development).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1970-01-24.	S.O. 269 dated 1970-01-09.	Aluminium paint for general purposes.	IS : 2339-1963 Specification for aluminium paint for general purposes, in dual container.	One Litre/Kg.	One Paise.	1979-09-01
20. Ministry of Industry.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1964-05-23.	S.O. 1744 dated 1964-05-08.	Safety glass.	IS : 2553-1971 Specification for safety glass (second revision).	One m ² .	(i) 20 Paise per unit for the first 20000 units; (ii) 10 Paise per unit for the 20001st to 50000 units; and (iii) 5 Paise per unit for the 50001st unit and above.	1979-11-01
21. Ministry of Industry & Supply (Deptt. of Industry).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1966-01-22.	S.O. 230 dated 1965-12-31.	Enamel, synthetic, exterior (a) undercoating, (b) finishing.	IS : 2932-1974 Specification for enamel, synthetic, exterior (a) undercoating, (b) finishing (first revision).	One Litre/kg	5 Paise.	1979-09-01
22. -do-	-do-	-do-	Enamel, exterior (a) undercoating, (b) finishing.	IS : 2933-1975 Specification for enamel, exterior (a) undercoating, (b) finishing (first revision).	One Litre/kg.	5 Paise.	1979-09-01
23. Ministry of Industrial Development Internal Trade and Company Affairs (Deptt. of Industrial Development).	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1969-06-07.	S.O. 2239 dated 1969-05-23.	Ready mixed paint, brushing, wood primer, pink.	IS : 3536-1966 Specification for ready mixed paint, brushing, wood primer, pink.	One Litre/kg.	One Paise.	1979-09-01
24. Ministry of Industrial Development.	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1971-10-09.	S.O. 3735 dated 1971-08-30.	Stencil paper.	IS : 5086-1969 Specification for stencil paper.	100 Quires.	Rs. 4.00.	1979-11-01

[No. CMD/13: 10]

A. P. BANERJI, Addl. Dir. General

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1980

का० आ० 623.—अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1956 (1956 का 25) की धारा 7 की उप धारा (1), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा डा० एम० एम० एस० मिश्र, जिन्होंने इस्तीफा दे दिया, के स्थान पर श्री कृपा नारायण को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली का अध्यक्ष मनोनीत करती है।

[संख्या बी० 16011/2/78-एम० ई० (पी० जी०)]

आशा शर्मा, उप सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 23rd February, 1980

S.O. 623.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the All India Institute of Medical Sciences Act, 1956 (25 of 1956), the Central Government hereby nominates Shri Kripa Narain, to be the President of All India Institute of Medical Sciences, New Delhi Vice Dr. M. M. S. Siddhu resigned.

[No. V-16011/2/78-ME(PG)]

ASHA SHARMA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1980

का० आ० 624.—यतः दन्त चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खण्ड (ड) का अनुसरण करते हुए निम्नलिखित व्यक्तियों को राज्यों ने उनके नामों के सामने दी गई तारीख से भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है:

नाम व पता	राज्य द्वारा मनोनीत	मनोनीत की तारीख
1. डा० एन० रजीवा शेट्टी, कारगर दंत चिकित्सा के प्रोफेसर, गर्वनमेंट डेंटल कॉलेज, बंगलूर	कर्नाटक सरकार	7-4-1979
2. डा० एन० बी० मिश्रा, स्वास्थ्य सेवा निदेशक, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश सरकार	31-3-79

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, तारीख 25 फरवरी, 1978 के भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) पृष्ठ 579 पर तारीख 9 फरवरी, 1978 एम० आ० 533 के रूप में फिर से प्रकाशित और अद्यतन की गई भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की तारीख 12

अप्रैल, 1949 की अधिसूचना संख्या 10-10/48-एम I में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में धारा 3 के खण्ड (ड) के अधीन 'मनोनीत' शीर्ष के अधीन क्रमशः क्रम संख्या 8 तथा 12 और उन्ने सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाय, अर्थात्:—

- "8. डा० एन० बी० मिश्रा, उत्तर प्रदेश 31-3-1979
स्वास्थ्य सेवा निदेशक, सरकार
उत्तर प्रदेश, लखनऊ
12. डा० एन० रजीवा शेट्टी, कर्नाटक 7-4-1979"
कारगर दंत चिकित्सा के सरकार
प्रोफेसर, गर्वनमेंट डेंटल
कॉलेज, बंगलूर

[सं० बी० 12013/1/78-पी० एन० एन०]

New Delhi, the 28th February, 1980

S.O. 624.—Whereas in pursuance of clause (e) of section 3 read with sub-section (4) of section 6 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the following persons have been nominated to be the members of the Dental Council of India by the States and from the date mentioned against each:—

Name and Address	Nominated by State	Date of Nomination
1. Dr. N. Rajeeva Shetty, Professor of Operative Dentistry, Government Dental College, Bangalore	Government of Karnataka	7-4-1979
2. Dr. N.B. Misra, Director of Health Services, Lucknow, (U.P.)	Government of Uttar Pradesh	31-3-1979

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 10-10/48-MI, dated the 12th April, 1949 as re-published and amended up-to-date in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 25th February, 1978, as S.O. 533, dated the 9th February, 1978 on page 579, namely:—

In the said notification under the heading "Nominated under clause (e) of section 3 of the Dentists Act" for serial numbers 8 and 12 and the entries relating thereto, the following shall respectively be substituted, namely:—

- "8. Dr. N.B. Misra, Director of Health Services, U.P., Lucknow. Government of Uttar Pradesh 31-3-1979
12. Dr. N. Rajeeva Shetty, Professor of Operative Dentistry, Government Dental College, Bangalore. Government of Karnataka 7-4-1979"

[No. V. 12013/1/78-PMS]

का० आ० 625.—यतः दन्त चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खंड (ड) का अनुसरण करते हुए, महाराष्ट्र सरकार ने डा० बी० सुब्रह्मण्यम, उप निदेशक चिकित्सा शिक्षा (दन्तचिकित्सा), महाराष्ट्र सरकार को 12 अक्टूबर, 1979 से भारतीय दन्त-चिकित्सा परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार द्वारा तारीख 25 फरवरी, 1978 के भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में पृष्ठ 579 पर तारीख 9 फरवरी, 1978 के एम० ओ० 533 के रूप में फिर से प्रकाशित और अद्यतन की गई भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की तारीख 12 अप्रैल, 1949 की अधिसूचना संख्या 10-10/48 एम० आई० में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में धारा 3 के खंड (क) के अधीन मनोनीत शीर्ष के अधीन क्रम संख्या 5 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए अर्थात् :—

“डा० बी० मुन्नामणियम, महाराष्ट्र सरकार 12-10-1979”
 बी० एम० सी०, बी० डी०
 एस०, एम० डी० एस०
 (स्पृजीलैंड), उप निदेशक;
 चिकित्सा शिक्षा और अनु-
 संधान (दन्तचिकित्सा)
 महाराष्ट्र सरकार, सरकारी
 दन्त कालेज और अस्पताल
 भवन, चौथी मंजिल, आई०
 पी० डी० मेला रोड,
 फोर्ट, बम्बई-400001

[संख्या बी० 12013/1/78-पी० एम० एस०]

एन० ए० मुन्नामणि, अवसरसचिव

S.O. 625.—Whereas in pursuance of clause (e) of section 3, of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), Dr. V. Subramaniam Deputy Director of Medical Education (Dental), Government of Maharashtra, Bombay has been nominated by the Government of Maharashtra to be a member of the Dental Council of India with effect from the 12th October, 1979;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 10-10/48-MI, dated the 12th April, 1949 as re-published and amended upto-date in the Gazette of India part II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 25th February, 1978 as S.O. 533, dated the 9th February, 1978, on page 579, namely :—

In the said notification under the heading “Nominated under clause (e) of section 3 of the Dentists Act” against serial number 5 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“Dr. V. Subramaniam, B.Sc., Government of 12-10-1979”
 B.D.S., M.D.S. (Newzealand), Maharashtra
 Deputy Director, Medical
 Education and Research
 (Dental), Government of
 Maharashtra, Government
 Dental College and Hospital
 Building (4th Floor), I.P.D.
 Mella Road, Fort, Bombay-
 400001.

[No. V. 12013/1/78-PMS]
 N. A. SUBRAMONEY, Under Secy.

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1980

फा०आ० 626—व्यासी बोर्ड, कोयला खान भविष्य निधि तथा प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 3A की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से, कोयला खान भविष्य निधि (कर्मचारिवृन्द और सेवा की शर्तें) विनियम, 1964 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का नाम कोयला खान भविष्य निधि (कर्मचारिवृन्द और सेवा की शर्तें) संशोधन विनियम, 1980 है।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कोयला खान भविष्य निधि (कर्मचारिवृन्द और सेवा की शर्तें) विनियम, 1964 के विनियम 15 के उप-विनियम (1) में (5) तक के स्थान पर निम्नलिखित उप-विनियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

(1) संगठन का प्रत्येक कर्मचारी और उसका कुटुम्ब कोयला खान कल्याण निधि के किसी भी, केन्द्रीय अथवा क्षेत्रीय अस्पताल में, अथवा किसी भी कोयला कम्पनी के किसी भी ऐसे अस्पताल में, निःशुल्क चिकित्सीय उपचार का हकदार होगा जिसके साथ संगठन ने इस प्रकार का उपचार दिए जाने के लिए ठहराव किया है।

(2) जहां उप-विनियम (1), में निर्दिष्ट प्रकार का अस्पताल नहीं है वहां, समय-समय पर यथा-संशोधन, केन्द्रीय सेवा (चिकित्सीय परिचर्या) नियम, 1964 आवश्यक परिवर्तनों सहित, कर्मचारियों और उनके कुटुम्बों को लागू होंगे।

[फा० सं० जैड 17025/14/79-पी एफ आई (सी एम डब्ल्यू)]

ए० एस० देशपाण्डे, उप सचिव

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

(Department of Coal)

New Delhi, the 21st February, 1980

S.O. 626.—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 3C of the Coal Mines Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948 (46 of 1948), the Board of Trustees, with the approval of the Central Government, makes the following regulations further to amend the Coal Mines Provident Fund (Staff and Conditions of Service) Regulations, 1964, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Coal Mines Provident Fund (Staff and Conditions of Service) Amendment Regulations, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

A. S. DESHPANDE, Dy. Secy.

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	तहसील संख्या	परगना	जिला क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1.	करबारी	सिंगरौली	50	सिंगरौली	सीधो	पूर्ण
2.	भूरीडास	"	179	"	"	भाग
3.	हुधोनुआ	"	249	"	"	पूर्ण
4.	मधौली	"	446	"	"	भाग
				कुल क्षेत्र 5900.00 एकड़ (लगभग)		
				या 2887.61 हेक्टर (लगभग)		

ग्राम करबारी में अर्जित किए जाने वाले प्लोटों के संख्यांक :—

1, 2/1, 2/2, 2/3, 2/4, 2/5, 2/6, 2/7, 3, 4/1, 4/3, 4/4, 4/5, 4/6, 4/7, 5, 6/1, 6/2, 6/3, 6/4, 7/1, 7/2, 7/3, 7/4, 8, 9, 15, 16/1, 16/2, 17/1, 17/2, 17/3, 17/4, 18, 19, 19/1, 20, 20/1, 21, 22, 23, 24/1, 24/2, 24/3, 24/4, 24/5, 25/1, 25/2, 25/3, 26/1, 26/2, 27/1, 27/2, 28 से 32 तक।

ग्राम चूरीडाल में अर्जित किए जाने वाले प्लोटों के संख्यांक :—

9(पी), 10(पी), 11(पी), 12(पी), 13 से 16 तक, 17(पी) 18 से 45 तक।

ग्राम दूधीचुआ में अर्जित किए जाने वाले प्लोटों के संख्यांक :—

1 से 6 तक 7/1, 7/2, 7/3, 8/1, 8/2, 8/3, 9/1, 9/2, 9/3, 10/1, 10/2, 11/1, 11/2, 12, 13/1, 13/2, 13/3, 14, 15/1, 15/2, 15/3, 16 से 25 तक 26/1, 26/2, 26/3, 26/4, 26/5, 27, 27/1, 27/2, 27/3, 27/4, 28, 29, 30/1, 30/2, 31, 32/1, 32/2, 32/3, 32/4, 33/1, 33/2, 33/3, 33/4, 33/5, 34 से 37 तक, 38/1, 38/2, 38/3, 38/4, 39/1, 39/2, 40 से 44 तक 45/1, 45/2, 45/3, 45/4, 46/1, 46/2, 46/3, 47/1, 47/2, 47/3, 48/1, 48/2, 48/3, 48/4, 49, 50, 51/1, 51/2, 51/3, 52/1, 52/2, 52/3, 52/4, 52/5, 53, 54, 55/1, 55/2, 56, 56/1, 56/2, 56/3, 56/4, 57, 57/1, 57/2, 57/3, 58 से 96 तक 96/1, 96/2, 96/3, 97 से 146 तक, 147/1, 147/2, 148/1, 148/2, 148/3, 148/4, 149, 150/1, 150/2, 150/3, 151, 152/1, 152/2, 152/3, 153 से 157 तक 158/1, 158/2, 159 से 202 तक।

ग्राम मधोली में अर्जित किए जाने वाले प्लोटों के संख्यांक :—

513(पी), 514(पी), 515, 516, 516/1, 517 से 521 तक 521/1, 521/2, 521/3, 521/4, 522(पी), 525(पी), 525/1, 526(पी), 527, 533(पी), 534, 535, 536, 537(पी), 538(पी), 539(पी), 540(पी), 592 से 594(पी) और 595

सीमा विवरण

- क-ख रेखा ग्राम मधोली के प्लॉट सं० 514, 513, 522, 525 और 526 से होकर जाती है जो खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 17(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की सम्मिलित सीमा बनाती है।
- ख-ग रेखा ग्राम मधोली और दूधीचुआ की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है, जो खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 17(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की सम्मिलित सीमा बनाती है।
- ग-घ रेखा ग्राम मधोली के प्लॉट सं० 533 और 540 से होकर जाती है, जो खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 17(1) के अधीन अर्जित भूमि की सम्मिलित सीमा बनाती है।
- घ-ङ-च/1 रेखा ग्राम मधोली के प्लॉट सं० 540, 539, 538, 537, 592, 595 और 594 से होकर, ग्राम दूधीचुआ और सरसोबराजा टोला की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है, जो कोयला अधिनियम की धारा 17(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र की सम्मिलित सीमा बनाती है।
- ङ/1-च रेखा ग्राम दूधीचुआ और सरसोबराजा टोला की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है।
- च-छ रेखा ग्राम दूधीचुआ की दक्षिणी और भागत: पूर्वी सीमा होकर (भागत: उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्य सीमा के साथ-साथ) जाती है।
- छ-ज रेखा ग्राम चूरीडाल की दक्षिणी और पूर्वी सीमा से होकर (भागत: उत्तर प्रदेश रेखा ग्राम चूरीडाल की दक्षिणी और पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है।)
- ज-झ रेखा ग्राम चूरीडाल के प्लॉट सं० 12, 11, 10, 9 और 17 से होकर जाती है।
- झ-क रेखा ग्राम करबारी और सगुरडा की सम्मिलित सीमा और ग्राम मधोली और चटका की भागत: सम्मिलित सीमा से होकर जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं० 19(39) 79-सी० एल०(i)]

New Delhi, the 26th February, 1980

acquire the said lands measuring 5900.00 acres (approximately) or 2387.61 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto ;

S.O. 627.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2528 dated the 21st July, 1979 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 5900.00 acres (approximately) or 2387.61 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification ;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said lands ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government hereby gives notice of its intention to

Note 1 : The plan of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Sidhi, (M.P.) or the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-1 or in the Office of the Central Coal-fields Ltd., Revenue Section, Darbhanga House, Ranchi.

Note 2 : Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957), which provides as follows :—

1. (1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation : It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

such land or make different reports in respect of different parcels of such land or rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendation on the objections together with the record of the proceedings held by him for the decision of that Government.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector and opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any as he thinks necessary either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over

(3) For the purpose of this section a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.

Note 3.—The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE
Dudhichua Block-I
Singrauli Coalfields
District—Sidhi
Madhya Pradesh.

Drg.No.Rev/78-/79
Dated 26-11-79
(Showing lands to be acquired)

ALL RIGHTS

Sl. No.	Village	Tehsil	Tehsil No.	Pergana	Dist.	Area	Remarks
1.	Karwari	Singrauli	50	Singrauli	Sidhi		Full
2.	Churidah	"	179	"	"		Part
3.	Dudhichuwa	"	249	"	"		Full
4.	Madhauli	"	446	"	"		Part

Total area : 5900 00 acres (approximately) or 2387.61
hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Karwari :

1, 2/1, 2/2, 2/3, 2/4, 2/5, 2/6, 2/7, 3, 4/1, 4/2, 4/3, 4/4, 4/5, 4/6, 4/7, 5, 6/1, 6/2, 6/3, 6/4, 7/1, 7/2, 7/3, 7/4, 8, to 15
16/1, 16/2, 17/1, 17/2, 17/3, 17/4, 18, 19, 19/1, 20, 20/1, 21, 22, 23, 24/1, 24/2, 24/3, 24/4, 24/5, 25/1, 25/2, 25/3, 26/1, 26/2,
27/1, 27/2, 28 to 32.

Plot numbers to be acquired in village Churidah.

9(P), 10(P), 11(P), 12(P), 13 to 16, 17(P), 18 to 45.

Plot numbers to be acquired in village Dudhichuwa :

1 to 6, 7/1, 7/2, 7/3, 8/1, 8/2, 8/3, 9/1, 9/2, 9/3, 10/1, 10/2, 11/1, 11/2, 12, 13/1, 13/2, 13/3, 14, 15/1, 15/2, 15/3, 16 to 25,
26/1, 26/2, 26/3, 26/4, 26/5, 27, 27/1, 27/2, 27/3, 27/4, 28, 29, 30/1, 30/2, 31, 32/1, 32/2, 32/3, 32/4, 33/1, 33/2, 33/3, 33/4,
33/5, 34 to 37, 38/1, 38/2, 38/3, 38/4, 39/1, 39/2, 40 to 44, 47/2, 47/3, 45/1, 45/2, 45/3, 45/4, 46/1, 46/2, 46/3, 47/1, 48/1, 48/2,
48/3, 48/4, 49, 50, 51/1, 51/2, 51/3, 52/1, 52/2, 52/3, 52/4, 52/5, 53, 54, 55/1, 55/2, 56, 56/1, 56/2, 56/3, 56/4, 57, 57/1, 57/2, 57/3,
58 to 96, 96/1, 96/2, 96/3, 97 to 146, 147/1, 147/2, 148/1, 148/2, 148/3, 148/4, 149, 150/1, 150/2, 150/3, 151, 152/1, 152/2,
152/3, 153 to 157, 158/1, 158/2, 159 to 202.

Plot numbers to be acquired in village Madhauli :

513(P), 514(P), 515, 516, 516/1, 517 to 521, 521/1, 521/2, 521/3, 521/4, 522(P), 525(P), 525/1, 526(P), 527, 533(P), 534,
535, 536, 537(P), 538(P), 539(P), 540(P), 592(P), 594(P) and 595(P).

Boundary description :

- A-B** line passes through plot numbers 514, 513, 522, 525 and 526 of village Madhauli which forms common boundary of the area acquired u/s. 17(1) of the Mines & Minerals (Regulation and Development) Act, 1957.
- B-C** line passes along with the part common boundary of villages Madhauli and Dudhichua which forms common boundary of the area acquired u/s. 17(1) of the Mines & Minerals (Regulation and Development) Act, 1957.
- C-D** line passes through plot numbers 533 and 540 of village Madhauli which forms common boundary of the area acquired u/s. 17(1) of Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957.
- D-E** E/I lines pass through plot numbers 540, 539, 538, 537, 592, 595 and 594 of village Madhauli and along part common boundary of villages Dudhichua and Sarsobrajatola which forms common boundary of the area acquired u/s. (1) of the Coal Act for Jayant Block.
- F/I** F line passes along the part common boundary of villages Dudhichua and Sarsobrajatola.
- F-G** line passes along the Southern and part eastern boundary of village Dudhichua (along part common State boundary of Uttar Pradesh and Madhya Pradesh).
- G-H** line passes along with Southern and Eastern boundary of village Churidah (along part common State Boundary of Uttar Pradesh and Madhya Pradesh).
- H-I** line passes through plot numbers 12, 11, 10, 9 & 17 of village Churidah.
- I-A** line passes along the common boundary of villages Karwari and Jhingurda and part common boundary of villages Madhauli and Chatka and meets at starting point 'A'.

का० प्रा० 628—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतत्त्व ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 2529, तारीख 21 जुलाई, 1979 द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्रों की लगभग 5400.00 एकड़ 2185.27 हेक्टर भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अभिप्राप्य

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इसमें संलग्न अनुसूची में वर्णित लगभग 5400.00 एकड़ या 2185.27 हेक्टर भूमि के अर्जित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण 1:—इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण, कलेक्टर, मिर्जापुर, (उ०प्र०) या कोयला नियंत्रक के, 1, कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित कार्यालय में या केन्द्रीय कोयला क्षेत्र के कार्यालय राजस्व अनुभाग, दरभंगा हाउस, राँची में किया जा सकता है।

टिप्पण 2:—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबन्धों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबन्धित हैं:—

8. अर्जन की बाबत आपत्ति—(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीन दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अर्थात्तगत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रिया करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करना चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा भुनवाई का अवसर देगा ऐसी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई है, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बन्ध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बन्ध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि में या उस पर अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते।

टिप्पण 3:—केन्द्रीय सरकार ने इस अधिनियम के अधीन कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को सक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

अनुसूची

दूधीचुआ ब्लॉक—II

सिगरोली कोयला क्षेत्र

जिला मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

रेखांक सं० राजस्व/79/79 तारीख 26-10-1979
(इसमें अर्जित की जाने वाली भूमि दर्शित की गई है)

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	तहसील संख्या	थाना	परगना	जिला क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	परसावर राजा	दूधी	34	मिरमरा खैरवा	मिगरोली	मिर्जापुर	भाग
2.	जोगी चौरा	"	46	"	"	"	"
3.	खिलफादानर	"	49	"	"	"	"
4.	कोटा	"	82	"	"	"	"
5.	खादिया	"	115	"	"	"	"
6.	भैरवा	"	—	"	"	"	"

कुल क्षेत्र 5400.00 एकड़ (लगभग)

या 2187.27 हेक्टर (लगभग)

ग्राम परसावर राजा में अर्जित किए जाने वाले प्लोटों के संख्यांक :—

1, 2, 3(पी), 4, 5, 6 (पी), 7 (पी), 8(पी) और 9(पी)

ग्राम जोगी चौग में अर्जित किए जाने वाले प्लोटों के संख्यांक :—

1(पी)

ग्राम बिलकादानर में अर्जित किए जाने वाले प्लोटों के संख्यांक :—

1 से 278 तक, 279(पी), 280(पी), 281(पी), 282, 283, 284, 285 (पी), 286, 287, 288(पी), 289(पी), 293(पी), 328(पी), 329(पी), 330(पी), 331(पी), 340(पी), 341(पी), 344(पी), 345(पी), 347(पी), 348(पी), 349, 350(पी), 351 से 360 तक, 361(पी), 362(पी), 303 से 402 तक, 403(पी), 404(पी), 405 से 435 तक, 436(पी), 437(पी), 442(पी), 443(पी), 444 से 676 तक, 677(पी), 678, 679(पी), 685(पी), 686 से 689 तक, 690(पी), 691(पी), 707, 708 और 709.

ग्राम कोटा में अर्जित किए गए जाने वाले प्लोटों के संख्यांक :—

1(पी), 2, 3(पी), 4(पी), 14(पी), 16(पी), 17, 18, 19, 20(पी), 21(पी) और 22(पी)

ग्राम खादिया में अर्जित किए जाने वाले प्लोटों के संख्यांक :—

1 से 46, 47(पी), 48, 49, 50, 51(पी), 53(पी), 54(पी), 57(पी), 60(पी), 61(पी), 62(पी), 63 से 83 तक, 84(पी), 85 86(पी), 87 से 115 तक, 116(पी), 117(पी), 126(पी), 127(पी), 128, 129(पी), 157(पी), 276(पी), 277, 278(पी), 279(पी), 284(पी), 285(पी), 286(पी), 287(पी), 289(पी), 292(पी), 293(पी), 294(पी), 295(पी) और 428.

ग्राम भैरवा में अर्जित किए जाने वाले प्लोटों के संख्यांक :—

1 से 20 तक, 21(पी) और 22.

सीमा विवरण:—

- क—ख रेखा ग्राम बिलकादानर की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है, जो भागत: उत्ता प्रदेश और मध्य प्रदेश की सम्मिलित राज्य सीमा बनाती है।
- ख—ग रेखा ग्राम बिलकादानर के प्लोट सं० 285, 289, 288, 293, 281, 280, 279, 348, 347, 350, 345, 344, 341, 340, 361, 362, 331, 330, 329, 328, 403, 404 से होकर, ग्राम कोटा के प्लोट सं० 1, 22, 21, 20 14, 16, 3, 4 से होकर ग्राम बिलकादानर के प्लोट सं० 437, 436, 443, 442, 691, 690, 685, 679, 677, से होकर, ग्राम खादिया के प्लोट सं० 86, 116, 117, 129, 126, 127, 136, 84, 62, 60, 61, 57, 51, 54, 53, 149, 151, 157, 156, 152, 153, 276, 278, 279, 284, 285, 286, 287, 289, 47, 292, 293, 294, 295 से होकर ग्राम परसावर राजा के प्लोट सं० 9, 8 से होकर जाती है।
- ग—घ रेखा ग्राम परसावर राजा के प्लोट सं० 8, 7, 6, 3 से होकर, ग्राम जोगीचौरा के प्लोट सं० 1 से होकर, ग्राम परसावर राजा और जोगी चौरा की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ-साथ, ग्राम भैरवा के प्लोट सं० 21 से होकर जाती है।
- घ—ङ रेखा ग्राम भैरवा के प्लोट संख्या 21 से होकर ग्राम भैरवा और जानसिला की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है।
- ङ—क रेखा ग्राम भैरवा की उत्तरी और भागत: पश्चिमी सीमा से होकर, ग्राम खरदिया की भागत: उत्तरी पश्चिमी सीमा के साथ-साथ ग्राम बिलकादानर की उत्तरी सीमा से होकर जाती है, जो मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्य की भागत: सम्मिलित सीमा बनाती है।

[सं० 19(39)/79-सी एल (li)]

(श्रीमती) कृष्णलेश्मा सूब, उप सचिव

S.O. 628.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2529, dated the 21st July, 1979 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 5400.00 acres (approximately) or 2185.27 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said lands :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the said lands measuring 5400.00 acres (approximately) or 2185.27 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto ;

Note 1 : The plan of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Mirzapur (U.P.) or in the Office of the Coal

Controller, 1, Council House Street, Calcutta-700001 or in the Office of the Central Coalfields Limited, (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi-834001, (Bihar).

Note 2 : Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957), which provides as follows :—

8. (1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation : It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under subsection (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendation on the objection together with

the record of the proceedings held by him for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.

Note 3 : The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-1 has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE
Dudhichua Block II
Singrauli Coalfields
Dist. Mirzapur (Uttar Pradesh)

Drg. No. Rev/79/79
dated 26-10-79
(Showing lands which to be acquired)

ALL RIGHTS

Sl. No.	Village	Tehsil	Tehsil No.	Thana	Pargana	District	Area	Remarks
1.	Parsawar Raja	Dudhi	34	Mirsra (Khairwa)	Singrauli	Mirzapur		Part
2.	Jogichowra	"	46	"	"	"		Part
3.	Chilkadanr	"	49	"	"	"		Part
4.	Kota	"	82	"	"	"		Part
5.	Khadia	"	115	"	"	"		Part
6.	Bhairwa	"	"	"	"	"		Part
							Total area : 5400.00 acres (approx.) or 2185.27 Hectares (approx.)	

Plot numbers to be acquired in village Parswar Rajas

1, 2, 3(P), 4, 5, 6(P), 7(P), 8(P) and 9(P).

Plot numbers to be acquired in village Jogichowra : 1(P).

Plot numbers to be acquired in village Chilkadanr :

1 to 278, 279(P), 280(P), 281(P), 282, 283, 284, 285(P), 286, 287, 288(P), 289(P), 293(P), 328(P), 329(P), 330(P), 331(P), 340(P), 341(P), 344(P), 345(P), 347(P), 348(P), 349, 350(P), 351 to 360, 361(P), 362(P), 363 to 402, 403(P), 404(P), 405 to 435, 436(P), 437(P), 442(P), 443(P), 444 to 676, 677(P), 678, 679(P), 685(P), 686 to 689, 690(P), 691(P), 707, 708 and 709.

Plot numbers to be acquired in village Kota :

1(P), 2, 3(P), 4(P), 14(P), 16(P), 17, 18, 19, 20(P), 21(P) and 22(P).

Plot numbers to be acquired in village Khadia :

1 to 46, 47(P), 48, 49, 50, 51(P), 53(P), 54(P), 57(P), 60(P), 61(P), 62(P), 63 to 83, 84(P), 85, 86(P), 87 to 115, 116(P), 117(P), 126(P), 127(P), 128, 129(P), 130 to 133, 136(P), 148, 149(P), 150, 151(P), 152(P), 153(P), 156(P), 157(P), 276(P), 277, 278(P), 279(P), 284(P), 285(P), 286(P), 287(P), 289(P), 292(P), 293(P), 294(P), 295(P), 428.

Plot numbers to be acquired in village Bhairwa :

1 to 20, 21(P) and 22.

Boundary Description :

A-B	line passes along the western boundary of village Chilkadanr (which form part common State Boundary of U.P. & M.P.)
B-C	line passes through plot numbers 285, 289, 288, 293, 281, 280, 279, 348, 347, 350, 345, 344, 341, 340, 361, 362, 331, 330, 329, 328, 403, 404 of village Chilkadanr, through plot numbers 1, 22, 21, 20, 14, 16, 3, 4, of village Kota, through plot numbers 437, 436, 443, 442, 691, 690, 685, 679, 677 of village Chilkadanr, through plot numbers 86, 116, 117, 129, 126, 127, 136, 84, 62, 60, 61, 57, 51, 54, 53, 149, 151, 157, 156, 152, 153, 276, 278, 279, 284, 285, 286, 287, 289, 47, 292, 293, 294, 295 of village Khadia, through plot numbers, 9 and 8 of village Parsawar Raja.
C-D	line passes through plot numbers 8, 7, 6, 3 of village Parsawar Raja, through plot number 1 of village Jogichowra, then along part common boundary of villages Parsawar Raja and Jogichowra, through plot Number 21 of village Bhairwa.
D-E	line passes through plot number 21 of village Bhairwa, along part common boundar of villages Bhairwa and Jamsila.
E-A	line passes along the northern and part of western boundary of village Bhairwa along part north western boundary of village Khadia, northern boundary of village Chilkadanr (which form part common State Boundary of M.P. & U.P.)

[No. 19(39)/79-CL(ii)]

(Smt.) K. SOOD, Dy. Secy.

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1980

का० आ० 629.—वार्द्धक्य-वय प्राप्त कर लेने पर श्री दिलीप कुमार गुप्त के दिनांक 31-10-1979 के अपराह्न से सहायक संचाय आयाक्त के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

[मिसिल संख्या 8(108)/76-के० आई०]
ते०वा० नायर, उप सचिव

(Department of Steel)

New Delhi, the 3rd March, 1980

S.O. 629.—Consequent on his superannuation, Shri Dillip Kumar Gupta, relinquished the charge of the post of Assistant Commissioner of Payments with effect from 31-10-1979 (AN).

[File No. 8(108)/76-KI]
T. V. NAYAR, Dy. Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 29 फरवरी, 1980

का० आ० 630.—का० आ० संख्या 162 दिनांक 13-1-1979 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र के भाग 2 खंड 3, उपखंड (2) में प्रकाशित हुई भारत सरकार के कृषि और सिंचाई मंत्रालय के कृषि विभाग की दिनांक 30-12-1978 की इसी संख्या की अधिसूचना में:—

“संक्षिप्त नाम और लागू होना:—(1) इन नियमों का नाम पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (पशु परिसर रजिस्ट्रीकरण) नियम 1978 है।”

के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाए

“संक्षिप्त नाम और लागू होना:—

(1) इन नियमों का नाम पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (पशु परिसर रजिस्ट्रीकरण) नियम 1979 है।”

[सं० 14-20/76-एल०डी०-1]

एम० एस० खुराना, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Agriculture & Co-operation)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th February, 1980

S.O. 630.—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture) of even number dated 30-12-1978 published in the Gazette of India Part II Section 3, Sub-Section (ii) vide S. O. No. 162 dated 13-1-1979 for the words,

Short title and application.—(1) These rules may be called the Prevention of Cruelty to Animals (Registration of Cattle Premises) Rules, 1978.”

read, “Short title and application.—(1) These rules may be called the Prevention of Cruelty to Animals Registration of Cattle Premises) Rules, 1979”.

[No. 14-20/76-LD-I]

M. S. KHURANA, Under Secy.

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1980

का० आ० 631.—खादी तथा ग्रामोद्योग कमीशन अधिनियम, 1956 की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा के अधिकारी श्री एम० बाई० रानाडे को 16 जनवरी, 1980 के दोपहर के बाद से अगले आदेश होने तक खादी तथा ग्रामोद्योग कमीशन में वित्तीय सलाहकार के पद पर नियुक्त करती है।

[संख्या० ए 12034 (18)-78-के०वी०आई० (2)]

एस० बी० गोयल, उप सचिव

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

New Delhi, the 23rd February, 1980

S.O. 631.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Khadi and Village Industries Commission Act, 1956, the Central Government hereby appoints Shri M. Y. Ranade, an Officer of the I.A. and A.S. as Financial Adviser to the Khadi and Village Industries Commission with effect from the afternoon of 16th January, 1980, till further orders.

[No. A-12034/18/78-KVI(II)]

S. B. GOEL, Deputy Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1980

का० आ० 632.—मोरमगाओं डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1965 में संशोधन करने के लिए कतिपय प्रारूप स्कीम, जो डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या का० आ० 3481 तारीख 27 सितम्बर, 1979 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 13 अक्टूबर, 1979, पृष्ठ 2853 पर प्रकाशित की गई थी, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है।

और उक्त राजपत्र 20 अक्टूबर, 1979 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप की बाबत प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मोरमगाओ डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1965 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम—मोरमगाओ डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, संशोधन स्कीम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. मोरमगाओ डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1965 के खण्ड 17 के उपखण्ड (2) की मद (ख) और अनुसूची 1 में, "विचमैन" शब्द के स्थान पर 'विच ड्राइवर' शब्द रखे जाएंगे।

[एल० डी० जी०/27/79]

वी० शंकरनिगम्, अव्वर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 1st March, 1980

S.O. 632.—Whereas certain draft scheme to amend the Mormugao Dock Worker (Regulation of Employment) Scheme, 1965, was published as required by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948) at page 2853 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii), dated the 13th October 1979 under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 3481, dated the 27th September, 1979, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected hereby, till the expiry of a period of two months from the date of publication of the said notification in the Official Gazette.

And whereas, the said Gazette was made available to the public on the 20th October, 1979;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby makes the following scheme further to amend the Mormugao Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1965, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) This Scheme may be called the Mormugao Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme Amendment, 1980.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In item (b) of sub-clause (2) of Clause 17 and Schedule I of the Mormugao Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1965, for the word 'Winchman', the words 'Winch Driver' shall be substituted.

[LDG/27/79]

V. SANKARANINGAM, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1980

का. आ. 633 .—यतः कतिपय संशोधन जिन्हें केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा क्षेत्रों के बारे में दिल्ली की बृहत योजना में करने का प्रस्ताव करती है। दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के उपबन्धों के अनुसार दिनांक 31-3-1979 के नोटिस सं. एफ. 20(5)/78 एम. पी. के साथ प्रकाशित की गई थी जिसमें उक्त नोटिस की तारीख के 30 दिन के अन्दर उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (3) द्वारा अपेक्षित आपत्तियाँ/सुझाव मांगे गए थे।

और यतः उक्त संशोधनों के बारे में कोई आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुए है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली की बृहत योजना में भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से निम्नांकित उपान्तरण करती है, नामतः:

संशोधन

“लगभग 0.4887 हेक्टेयर (1.208 एकड़) का क्षेत्र जिसे बृहत योजना/जोन डी-5 की क्षेत्रीय योजना में आवासीय भूमि के लिए निर्विष्ट किया गया था तथा जो उत्तर में 45.72 मीटर (150 फीट) चौड़ी पंचकुईया रोड, पश्चिम में प्रस्तावित 45.72 मीटर (150 मीटर) चौड़े रामकृष्ण आश्रम मार्ग तथा दक्षिण एवं पूर्व में आवासीय भूमि द्वारा घिरा

हुआ है उसे अब “व्यवसायिक” उपयोग में परिवर्तित किया जाता है।”

[सं. के-13011/10/79-यू.डी. 1 ए/2 ए]

एस. बालाकृष्णन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 14th January, 1980

S.O. 633.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi regarding the areas mentioned hereunder, were published with Notice No. F. 20(5)/78-MP dated 31-3-79, in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions, as required by sub-section (3) of section 11A of the said Act, within thirty days from the date of said Notice;

And whereas no objection or suggestion has been received with regard to the aforesaid modifications;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modifications in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this modification in the Gazette of India, namely :—

MODIFICATIONS :

“The land use of an area measuring about 0.4887 hect. (1.208 acres) earmarked for ‘Residential’ land use in the Master Plan/Zonal Plan for D-5 and surrounded by 45.72 Mtrs. (150 ft.) Panchkuin Road on the North 45.72 Mtrs. (150 ft.) proposed Rama Krishna Ashram Marg on the West, residential land use on the South and East, is changed to ‘Commercial’.

[No. K-13011/10/79-UDIA/IIA]

S. BALAKRISHNAN, Desk Officer

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1980

का० प्रा० 634.—वायु निगम अधिनियम, 1953 (1953 का 27) की धारा 8(1) के साथ पठनीय धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री ए० एच० मेहता को तत्काल इंडियन एयरलाइन्स का अध्यक्ष-व-प्रबंध निदेशक नियुक्त करती है।

[सं० ए०वी० 18013/1/78-ए०सी०]

चन्द्रमणि चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st March, 1980

S.O. 634.—In exercise of the powers conferred by Section 4 read with section 8(1) of the Air Corporations Act, 1953 (27 of 1953) the Central Government hereby appoints Shri A. H. Mehta as Chairman-cum-Managing Director of Indian Airlines with immediate effect.

[No. AV 18013/1/78-AC]

C. M. CHATURVEDI, Jt. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1980

का. आ. 635.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने कट्टनगुर व तिप्पारथी टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-4-80 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-6/80-पी. एच. डी.]

MINISTRY OF COMMUNICATION

(P & T Board)

New Delhi, the 5th March, 1980

S.O. 635.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-4-1980 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Kattangur and Tipparthi Telephone Exchanges, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/80-PHB]

का. आ. 636.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने पेंदुदापुरम टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-4-80 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-6/80 पी एच. डी.]

आर. सी. कटारिया, सहायक महानिदेशक

S.O. 636.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-4-1980 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Peddapuram Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/80-PHB]

R. C. KATARIA, Assistant Director General (PHB)

असम मन्त्रालय

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1980

फा० आ० 637:—केन्द्रीय सरकार, खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 27 के अनुसरण में, असम राज्य के डिब्रूगढ़ जिले में बारागोलाय कोयला खान में 22 जनवरी, 1979 को हुई दुर्घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच करने के लिए नियुक्त किए गए जांच न्यायालय द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 24 की उपधारा (4) के अधीन उसे प्रस्तुत की गई निम्नलिखित रिपोर्ट को प्रकाशित करती है।

बारागोलाय कोयला खान में 22 जनवरी, 1979 को हुई दुर्घटना के संबंध में जांच-अदालत की रिपोर्ट

1 प्रस्तावना

1. भारत सरकार ने भारत के राजपत्र दिनांक 14 मार्च, 1979 में प्रकाशित अपनी अधिसूचना दिनांक 1-3-1979 के अधीन मुझे असम के डिब्रूगढ़ जिले में मैसर्स कोल इंडिया लिमिटेड की नार्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स की बारागोलाय कोयलियरी में 22 जनवरी, 1979 को हुई दुर्घटना के कारणों और परिस्थितियों की औपचारिक जांच के लिए नियुक्त किया। निम्नलिखित व्यक्तियों को जांच-कार्य में असेसर के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया:—

1. श्री एस० दास० गुप्ता,
महामंत्री,
इंडियन नेशनल माइन वर्क्स फेडरेशन,
धनबाद
2. श्री एच० बी० घोष,
सेवा निवृत्त अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक,
सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट,
रांची
- 13-जी०/2, सन्तारीपोर रोड,
निलकुथी, कलकत्ता

2. यह दुर्घटना, जो कि वर्तमान जांच का विषय है, असम राज्य के डिब्रूगढ़ जिले की बारागोलाय कोयलियरी में 22 जनवरी, 1979 को हुई इस दुर्घटना में 16 व्यक्तियों की मृत्यु हुई। इनमें चार व्यक्तियों की मृत्यु जल जाने के कारण हुई और बारह व्यक्तियों की मृत्यु मैथेन गैस के ज्वलन के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई जहरीली गैस में सांस लेने के कारण हुई।

3. न्यायालय ने तीन सार्वजनिक बैठकें की। सभी बैठकें बारागोलाय कोयलियरी में लगभग 4 किलोमीटर की दूरी पर लेखो खान बचाव केन्द्र से की गईं। 3 अप्रैल, 1979 को हुई प्रथम प्रारंभिक बैठक में जांच के लिए अपनायी जाने वाली प्रक्रिया, जांच की पाटी और संबद्ध मामलों पर निर्णय लिया गया। 10 से 14 मई को हुई दूसरी बैठक में मौखिक गवाही रिकार्ड की गई। 31 जुलाई और पहली अगस्त, 1979 को हुई तीसरी बैठक में पक्षकारों की ओर से बहस को सुना गया।

4. न्यायालय ने असेसरों, पक्षकारों के प्रतिनिधियों और खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों के साथ 2 अप्रैल, 1979 को दुर्घटना के स्थल का दौरा किया।

5. प्रथम बैठक में न्यायालय द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक नोटिस के प्रत्युत्तर में न्यायालय के मजदूर तीन पक्षकार पेश हुए:—

1. नार्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
2. राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस से संबंधित यशवन्त कोयलियरी मजदूर कांग्रेस
3. इंडियन माइन मैनेजर्स एसोसिएशन, असम ब्रांच।

इन तीनों को पक्षकारों के रूप में माना गया (इस रिपोर्ट में इनको क्रमशः प्रबन्धतंत्र, यूनियन और एसोसिएशन के रूप में निर्दिष्ट किया गया है)। दूसरी बैठक में असम कोल माइन वर्कर्स यूनियन द्वारा न्यायालय को तारीख 10 मई, 1979 का एक पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें जांच-अदालत के समक्ष उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए असम कोयलियरी मजदूर कांग्रेस को प्राधिकृत किया गया। पहली बैठक में यह घोषित किया गया कि खान सुरक्षा महानिदेशालय न्यायालय की सहायता करेगा और वह जांच का पक्षकार नहीं होगा।

6. सभी तीन पक्षकारों द्वारा लिखित बयान दायर किए गये। यूनियन द्वारा दायर किए गए लिखित बयान पर प्रबन्धतंत्र और एसोसिएशन ने भी अनिरीक्त बाद प्रस्तुत किए। खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा भारत सरकार को प्रस्तुत की गई दो रिपोर्ट तारीख 7 और 16 फरवरी, 1979 को तदनन्तर प्रदर्श सी-1 ए और सी-1 बी० के तहत में अंकित किया गया।

7. प्रबन्धतंत्र ने 17 गवाह प्रस्तुत किए। अन्य दो पक्षकारों ने कोई गवाह प्रस्तुत नहीं किया। 16 न्यायालय गवाह थे। जिन गवाहों से पूछनाछ की गई, उनकी सूची अनुबंध-1 में है।

8. खान सुरक्षा महानिदेशालय ने दो मेटिरियल प्रदर्श के अनिरीक्त 12 प्रदर्श दायर किए और प्रबन्धतंत्र ने 30 प्रदर्श दायर किए। दायर किए गए प्रदर्श की सूची अनुबंध-2 में है।

9. प्रबन्धतंत्र और एसोसिएशन ने तीसरी बैठक में लिखित तर्क प्रस्तुत किए। यूनियन ने तदनन्तर अपने लिखित तर्क डाक द्वारा भेजे।

II खान का वर्णन

10. बारागोलाय कोलियरी मार्शेरीटा ग्रुप आफ कोल माइन्स, नार्थ ईस्टर्न कोल फील्ड्स की यूनिटों में से एक है और यह मार्शेरीटा रेलवे स्टेशन से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह मूल रूप से मैसर्स असम रेलवे एंड ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के अधिकार में थी। इस समय इसके मालिक मैसर्स कोल इंडिया लिमिटेड हैं। यह कोलियरी 1909 में प्रारंभ हुई थी। खान में प्रतिदिन औसतन नियोजन 1240 व्यक्ति था और दिसम्बर, 1978 के दौरान औसत उत्पादन प्रतिदिन 740 टन था। वर्तमान कोलियरी की संपूर्ण संपत्ति दो भागों अर्थात् पूर्व में बारागोलाय और पश्चिम में नामडांग में है।

11. बारागोलाय कोलियरी की कोयला परतें तृतीयक उद्गम है और जमा कोयला सिन्क्लाइन किस्म का है। बारागोलाय कोलियरी में बारागोलाय भूमिगत खान और टिक्का तथा नामडांग सेक्शनों में लघु मैन्ग्रल क्वारीज हैं। नार्थन लिम्ब में $30^\circ = 33^\circ$ का पर्विती ग्रेडियन्ट है, जबकि साउथ लिम्ब में लगभग 70° का स्टीपर ग्रेडियन्ट है। कोयला परतें अधिक वलित (फोल्ड्ड) और भुरभूरी हैं। पेचिज में उत्पन्न होने वाली कई पतली परतों सहित पांच कोयला परतें हैं। भूमिगत कार्य स्थल एक युग्म क्रान-मेशजर ड्रिफ्ट्स द्वारा तल से मिने हुए हैं, प्रत्येक की लंबाई लगभग 1.6 किलोमीटर है और इन्हें 1 औ० स्तर पर पहाड़ी के निचले भाग से ड्राइव किया जाता है, ताकि वे सिन्क्लाइन के नार्थ लिम्ब तक जा सकें। इनमें से एक ड्रिफ्ट साउथ लिम्ब और 20 फुट परत में किए गए सरफेस कनेक्शनों तक लगातार जाता है। नार्थन लिम्ब में पांच डिप एन्ट्रीज को 8 लेवल तक ड्राइव किया गया है और लेवलों को दोनों तरफ अर्थात् पूर्व एवं पश्चिम की ओर खुला रखा गया है। इस समय दो डीपलरिंग डिस्ट्रिक्ट कार्य स्थल हैं, एक पूर्व की तरफ है, जहां 1 एल० और 5 एल० के बीच कोयला निकाला जाता है और दूसरा पश्चिम की तरफ जहां 5 एल० और 6 एल० के बीच कोयला निकाला जाता है।

12. डिवेलपमेंट और डी० पिलरिंग को क्लाज सेक्सेशन में किया जाता है। इस समय डी० पिलरिंग 60 फुट सीम के नार्थन लिम्ब के दो पेतलों तक सीमित है। नार्थ लिम्ब में 20 फुट सीम का डिवेलपमेंट भी चल रहा है।

13. निष्कर्षण (एक्सट्रैक्शन) के तरीके को "भसका" तरीका कहा जाता है और यह केवल इन कोलफील्ड्स में अपनाया जाता है। इस तरीके में पिलरों का 10 मीटर × 10 मीटर स्टाकों में सिल्ट किया जाता है। गुम्बद (डोम) पर प्रति बल विनरण के मिडान्त के आधार पर दीवारों और छत को चौड़ा और ऊंचा किया गया है। शोप को गुम्बदाकार में रखा जाता है, जो कि खनिजों के संचित अनुभव और कौशल पर निर्भर होता है।

14. खान बहुत ही गीली है और इस क्षेत्र में वार्षिक वर्षा 250 सेंटीमीटर से 350 सेंटीमीटर होती है। इस खान को प्राकृतिक रूप से एक गीली खान समझा गया है। चूँकि जमा कोयला तृतीयक-समय का है और इसमें ब्रिटेन अधिक मात्रा में है, इसलिए एयर-बोर्न डस्ट का उत्पादन नगण्य है। कोयला ट्रिलिंग और बलास्टिंग द्वारा निकाला जाता है।

15. जीरो लेवल कार्यस्थलों में दो मुख्य प्रवेश मार्ग (एन्ट्रीज) हैं, 60 फुट सीम बाटन कोल "ओ" लेवल रोडवे साउथ लिम्ब में क्रान-कट और 60 फुट सीम टाप कोल और अन्य सीमों में इंटर-कनेक्शन्स दो मुख्य प्रवेश मार्ग (एन्ट्रीज) इन्टेक तथा ट्रेनेज आउटलेट्स के रूप में कार्य करते हैं। इनमें से एक प्रवेश मार्ग (एन्ट्रीज) मेन होलेज रोडवे है। जीरो लेवल 60 फुट सीम बाटन कोल रोडवे मुख्य रोड है, जो नीचे के कार्यस्थलों को इन एन्ट्रीज से जोड़ती है। जीरो लेवल से नीचे जाने वाली पांच डिप गलरियां हैं—तीन का प्रयोग जीरो लेवल तक कोल टबों की होलिंग के लिए किया जाता है, एक का प्रयोग ट्रवलिंग प्रयोजन (ट्रवलिंग चूरी) के लिए किया जाता है और पांचवें का प्रयोग वाटर ड्रिनिंग पाइपों के लिए रोडवे के रूप में किया जाता है। साउथ लिम्ब सुरंग एन्टेक और साउथ लिम्ब से होलेज सड़क के रूप में कार्य करती हैं।

16. भूमिगत कार्यस्थलों का संवातन (वेन्टिलेशन) नामडांग इन्कलाइन्स के नजदीक ड्रिफ्ट में मेन सरफेस मेकेनिकल वेन्टिलेटर द्वारा प्रभावित है। संवातक (वेन्टिलेटर) सिरोंका पंखा है, जिसे 120 एच० पी० मीटर द्वारा चलाया जाता है और जो 85 एम० एम० डब्ल्यू० जी० पर प्रति मिनट लगभग 1700 एम०³ वायु देता है। बारागोलाय में समानान्तर एन्ट्रीज ड्रिफ्ट्स वायु के 1000 एम०³ के लिए इन्टेक एयर-वेज हैं। बीस फुट और साठ फुट सीमों के डिवेलपमेंट कार्य स्थलों को वेन्टिलेट्स करने के पश्चात् साउथ लिम्ब से लगभग 620 एम०³ वायु भी प्राप्त होती है। 1620 एम०³ वायु की कुल मात्रा पांच कनेक्शनों द्वारा औ० एल० से 5 एल० तक जाती है और चार स्पलिटों खंडों में विखंडित होती है। पहला स्पलिट पूर्वी ओर के डी पिलरिंग डिस्ट्रिक्ट को संवातन करता है, और दूसरा पश्चिमी ओर के डी पिलरिंग डिस्ट्रिक्ट को संवातन करता है, तीसरी नार्थ लिम्ब 20 फुट डिवेलपमेंट को संवातन करता है तथा चौथा 8 एल० के नीचे 60 फुट डिप कार्यस्थल को संवातन करता है।

17. तीन बूस्टर पंखे विभिन्न डिस्ट्रिक्ट को संवातन करने में सहायता करते हैं। इसके अतिरिक्त तीन सहायक पंखे हैं, जिनमें से एक को 60 फुट डिवेलपमेंट फेसिज के संवातन के लिए साउथ लिम्ब में लगाया गया है। यह सहायक पंखा प्रतिमिनट 150 से 200 एम०³ वायु देता है और यह 15 एच० पी० मीटर द्वारा चलाया जाता है। क्रान-मेजर ड्रिफ्ट में साउथ लिम्ब से नार्थ की ओर प्राकृतिक संवातन 160

में 180 एम०³ वायु होता है, जब तेल और भूमि के नीचे के सभी पंखों को बंद कर दिया जाता है। संवतन पंखों द्वारा दर्शाए गए लाइन डायग्राम अनुबंध-3 में दिया गया है।

III दुर्घटना के कारण और परिस्थितियाँ

(i) दुर्घटना का समय

18. यह दुर्घटना रविवार के विश्राम दिन के पश्चात् 22 जनवरी, 1979 को सोमवार के दिन घटी। इस खान में 8-8 घंटे की तीन पारियों में कार्य किया जाता है। प्रथम पारी 7.00 बजे प्रातः प्रारम्भ होती है। प्रचालित प्रेक्टिस के अनुसार श्रमिक लगभग 6.30 बजे प्रातः भूमि के नीचे गए। एंड्रिडों में से एक एंड्रिड के लिए व्यवस्थित मेन और टेल हालेज का प्रयोग आमतौर पर श्रमिकों द्वारा ट्रेवल के लिए भी किया जाता है। तथापि, दुर्घटना वाले दिन हालेज पहली पारी के शुरू होने के समय कार्य नहीं कर रहा था। 332 श्रमिकों को सुरक्षा लैम्प जारी किए गए, परन्तु केवल 320 श्रमिक ही अन्दर गए। तल से औ० लेवल मेन साइडिंग तक पैदल जाने में आमतौर पर लगभग 20 से 25 मिनट लगते हैं, क्योंकि पैदल जाने की दूरी लगभग 1.6 किलोमीटर है।

19. पूर्वी क्षेत्र के खान सुरक्षा उप-महानिदेशक ने बताया कि यह दुर्घटना 22 जनवरी, 1979 को लगभग 8.30 बजे घटी। प्रबन्धतंत्र और यूनियन ने अपने बयानों में इस समय को स्वीकार किया। श्री मोती लाल दास (सी० डब्ल्यू०-14), हालेज ड्राइवर ने खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों के समक्ष अपने बयान में कहा कि 7.30 बजे प्रातः के लगभग एक घंटे के बाद, जब वह इंजन-घर में पहुंचा, तो उसने तेज वेग वाली वायु महसूस की तथा शोर सुना। श्री मोती लाल दास ने ही दुर्घटना के बारे में प्रबन्धक को प्रथम सूचना दी। प्रबन्धक ने भी अपने साक्ष्य में कहा कि उनको श्री मोती लाल दास से 8.30 बजे प्रातः दुर्घटना का समाचार प्राप्त हुआ। उपलब्ध साक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इसमें कोई सन्देह नहीं नहीं है कि यह दुर्घटना 22 जनवरी, 1979 को लगभग 8.30 प्रातः हुई।

(ii) दुर्घटना का स्वरूप

20. खान सुरक्षा उप-महानिदेशक, जिन्होंने दुर्घटना की जांच की थी, की प्रारम्भिक रिपोर्ट और जांच अदालत के समक्ष पार्टियों द्वारा दिए गए बयानों तथा रिकार्ड किए गए साक्ष्य से पता चलता है कि 22 जनवरी, 1979 को 8.30 बजे प्रातः बागगोलाय में हुई दुर्घटना को मोटे तौर पर दो भागों में बांटा जा सकता है। एक तो गैस के ज्वलन के कारण, जिससे जलने से चार खनिक श्रमिकों की मृत्यु हुई और दूसरा डिप गैलरियों के साथ-साथ आई कार्बन मोनोआक्साइड वाले कम्पुशन के उत्पादों के कारण जिससे डी-2 बैंक डिप में 12 श्रमिकों के श्वासावरोधन से मृत्यु हुई।

पार्टियों के साक्ष्य तथा बयान में भी यह निष्कर्ष निकलता है कि क्रमिक रूप से पहले ज्वला हुआ और ज्वलन के परिणाम-स्वरूप पैदा हुई कार्बन मोनोआक्साइड की विश्रमानता के कारण बाद में श्वासावरोधन हुआ। यद्यपि, श्वासावरोधन के कारण और परिस्थितियों का मामला विवादास्पद नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप 12 श्रमिकों की मृत्यु हुई और सभी पार्टियों अपने बयान तथा साक्ष्य में इस बात पर एकमत थीं, किन्तु ज्वलन संबंधी दुर्घटना के प्रथम भाग के बारे में गैस के स्रोत और ज्वलन के स्रोत दोनों के संबंध में मतभेद है। इस बात पर भी मतभेद है कि क्रास-मेजर ट्रिप्ट में फाल पहले हुआ और ज्वलनशील गैस में ज्वलन बाद में हुआ या गैस का ज्वलन पहले हुआ, जिससे छत गिर गई। इसमें कोई विवाद नहीं है कि ज्वलनशील रेंज में गैस थी। यद्यपि, न्यायालय एवं खान सुरक्षा उप-महानिदेशक के समक्ष दिए गए साक्ष्य तथा प्रबन्धतंत्र और एसोसिएशन द्वारा दिए गए आवेदन, गैस के स्रोत के रूप में दुर्घटना स्थल पर छत में केविटी प्रस्तुत करते हैं, तथापि यूनियन ने तर्क दिया कि गैस का स्रोत साउथ लिम्ब की 60 फुट नीम थी, यूनियन के कैविटी गैस की संभावना से भी इन्कार किया। इसी प्रकार, खान सुरक्षा महानिदेशालय, प्रबन्धतंत्र और एसोसिएशन के अनुसार ज्वलन का स्रोत छत के गिरने के कारण छिद्रित (पंचर्ड) केबल से उत्पन्न आर्क था, जबकि यूनियन ने हालेज इंजन को ज्वलन का स्रोत माना।

21. उपर्युक्त तीन मामलों, अर्थात् गैस का स्रोत, ज्वलन का स्रोत तथा ज्वलन एवं छत के गिरने से संबंधी घटनाओं के क्रम के संबंध में यूनियन द्वारा लिए गए पूर्णतया विपरीत तर्कों के संबंध में यह उल्लेख किया जाता है (जैसा कि यूनियन ने अपने मौखिक और लिखित तर्कों में भी स्वीकार किया है) कि उनके दावे के समर्थन में कोई वास्तविक साक्ष्य नहीं है। न केवल यूनियन की ओर से कोई गवाह प्रस्तुत किया गया अपितु प्रबन्धतंत्र और न्यायालय के गवाह के जिरह के दौरान भी यूनियन के दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं किया गया।

(iii) दुर्घटना का रंग और परिस्थितियाँ

22. उप-खान सुरक्षा महानिदेशक की रिपोर्ट (प्रदर्श सी-1 ए) के अनुसार, लगभग 8.30 बजे (पूर्वाह्न) क्रास-मेजर ट्रिप्ट में केविटी में लगभग 7 मी० × 3.3 मी० छत गिर गई, जिससे केविटी की ऊंचाई में 7 मी० की वृद्धि हो गई और 1.3 मी० कोल सीम और 0.2 मी० कोल सीम का एक भाग फिर से एकत्रित भी हो गया। केविटी में इस फाल (जो 60 फुट सीम के नार्थ लिम्ब से 80 मीटर की दूरी पर हुआ) से स्टील चेनल सेट हट गये, आयरन शीट कवरिंगेज, रेल और टिम्बर, पीसिज टेढ़े हो गए, जो स्टील और टिम्बर पीसिज नीचे गिरे, उनमें ट्रिप्ट में करंट वाली तार को क्षति पहुंची और जिसके कारण एक आर्क उत्पन्न हुआ। इस आर्क से छत के गिरने के कारण कैविटी

गे बाहर आई गैस ज्वलित हुई और जो ताजी हवा के साथ मिलकर ज्वलनशील रंग के अन्दर आ गई। ज्वलन गैस की ज्वाला तुरन्त फैल गई और वह तेजी से तार्थ की ओर चली गई। सर्वश्री रमेश मजूमदार, सूरिनारायण और मनीराम यादव, जो हालेज इंजन के नजदीक ड्रिफ्ट में थे, ज्वाला (फ्लेम) के सीधे सम्पर्क में आ गए और बुरी तरह जल गए तथा बाद में इनकी मृत्यु हो गई। श्री राम साकल गोवाला (सी० डब्ल्यू० 5) जो श्री० स्तर के जंक्शन पर प्राथमिक सहायता स्टेशन के नजदीक थे, भी जल गए। सर्वश्री नीलरतन चौधरी (एम० डब्ल्यू० 5), अपल स्वामी, (एम० डब्ल्यू० 6), कर्ण वहादुर (सी० डब्ल्यू० 4) और सी० राजू, जो क्रास मेजर ड्रिफ्ट और मेन डिप के बीच श्री० लेवल में थे, भी जल गए। इनमें से श्री सी० राजू की जलने के कारण मृत्यु हो गई।

23. प्रबन्धन के बयान के अनुसार, दुर्घटना साउथ लिम्ब वकिंग की "श्री" लेवल की मुरंग में घटी। ज्वलन के बाद निरीक्षण के दौरान तार्थ लिम्ब 60 फुट सीम से लगभग 80 मीटर की दूरी पर साउथ लिम्ब ड्रिफ्ट में छत का गिरना नोट किया गया था। उनके अनुसार, इस क्षेत्र में छत के गिरने से अचानक गैस निकली, जिसने मैथेन और वायु के विस्फोटक मिश्रण का रूप धारण कर लिया।

24. ऐसोमिगेशन ने अपने बयान में कहा था कि उनके विचार प्रबन्धन के विचारों के समान हैं, अर्थात् छत के गिरने के कारण मैथेन गैस की पर्याप्त मात्रा बाहर निकल आई और ज्वलन क्षेत्र में वायु के साथ ज्वलनशील मिश्रण का तात्कालिक विकास हुआ।

25. यूनियन के बयान के अनुसार, साउथ लिम्ब ड्रिफ्ट में टिम्बर सपोर्ट्स फाल की 24 मीटर रन बाई की लम्बाई से गिरी थी, जिससे तार को क्षति पहुंची। यह फाल विस्फोट द्वारा उत्पन्न प्रहार से हुआ प्रतीत होता है। चार श्रमिक, जो गम्भीर रूप से जल गए थे, उस समय रोडवे में थे, जो साउथ लिम्ब टनल और हालेज रूम में उसके पास मुख्य साइडिंग को जोड़ती है और तीन श्रमिक वाटम कोल रोडवे और साउथ लिम्ब टनल के जंक्शन में थे। यूनियन के अनुसार यह दुर्घटना साउथ लिम्ब क्रास-मेजर ड्रिफ्ट में फायर डैम्प के विस्फोट के कारण हुई। अपने लिखित निवेदन में यूनियन ने यह सन्देह व्यक्त किया कि क्या छत विस्फोट से पहले या उसके पश्चात् गिरी और यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यह दुर्घटना विस्फोट से पहले घटित हुई हो, बाद-विवाद के समय यूनियन ने यह स्पष्ट तर्क दिया कि विस्फोट पहले हुआ और इसके परिणामस्वरूप छत गिर गई।

(क) फल और इग्निशन के क्रम

26. इन घटनाओं के क्रम के सम्बन्ध में अदालत के सामने दो मत प्रकट किए गए। उप महानिदेशक, खान सुरक्षा, प्रबन्धन और ऐसोमिगेशन का यह विचार था कि पहले छत गिरी जिससे मैथेन गैस निकल पड़ी। यूनियन ने

यह मत प्रकट किया कि पहले विस्फोट हुआ जिसमें छत गिर पड़ी।

27. अदालत के सामने पेश किए गए सबूत से यह स्थिति प्रकट हुई कि जोरदार धमाका हुआ, हवा फैल गई और धुआं निकल आया। खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों के सामने श्री के० सनैय्या ने बताया कि नं० 1 लेवल गैजरी और हालेज इंजिन को पीछे की ओर के दरवाजे से अचानक हवा आ गई। सारे क्षेत्र में धूल भर गई। बाद में मैंने भारी शोर सुना। अचानक विस्फोट के जोर के कारण तीन व्यक्ति फर्श पर गिर पड़े (प्रदर्श सी०-1 ए अनुलग्नक)। श्री मोती लाल दास (सी० डब्ल्यू 14), जिन्होंने दुर्घटना के बारे में प्रबन्धक को टेलीफोन किया, ने बताया "हवा जोरो लेवल गलरी (नक्शे के अनुसार नं० 1 लेवल) के द्वारा तेजी से आई और कांथले तथा धूल के छोटे-छोटे टुकड़े दकट्टे हो गए। तदनन्तर मैंने भारी शोर सुना..." प्रदर्श सी०-1 ए (अनुलग्नक)। इन बयानों का अन्य गवाहों, सर्वश्री राम साकल गोपाला (सी० डब्ल्यू-5) मिनेश तामूली (सी० डब्ल्यू० 6), बालकृष्ण जायसी (सी० डब्ल्यू०-7) ने समर्थन किया। इन बयानों में फाल और इग्निशन के क्रम के बारे में किसी निश्चित निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता।

28. इस प्रश्न पर उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा, की रिपोर्ट में विशेष रूप से विचार किया गया। इस मामले पर न ही प्रबन्धन के आवेदनों में और न ही गवाही को रिकार्ड करने के दौरान गम्भीरता से विचार किया गया। तथापि, यूनियन ने बहस के दौरान इस प्रश्न को उठाया और इस तर्क के समर्थन में यूनियन ने कई तर्क प्रस्तुत किए। इस घाराणा को मानते हुए कि गैस का स्रोत साउथ लिम्ब में 60 फीट सीम में था और इग्निशन का स्रोत हालेज इंजन था, यूनियन ने यह दलील दी कि इग्निशन पहले हुआ, जिसके फलस्वरूप बाद में छत गिर गई। इसके समर्थन में यूनियन ने सी० डब्ल्यू० 15, श्री एन० सी० देवनाथ, ओवरमैन की निम्नलिखित गवाही का उल्लेख किया—"यह सुबह 8.10 से 8.20 का समय होगा, जब मैं सातवें लेवल में वापस आया तो मैंने अपने आदमियों को सुरक्षित स्थान पर जाने की हिदायत दी। मैंने बहुत तेज हवा का झोंका अनुभव किया। वहां बहुत अधिक धूल भी थी और कुछ धुआं था। हवा का झोंका और धूल मेन डिप से आई। जब हम सातवें लेवल में डिस्ट्रिक्ट स्टेशन पर खड़े हुए थे तो मेन डिप के नीचे अचानक हवा का झोंका आया जिसके प्रहार से दरवाजा खुल गया। मेरे एक या दो आदमी घायल हो गए..."। यूनियन के अनुसार इस गवाही से पता लगता है कि दो बार हवा का झोंका आया जिसमें से एक झोंका इग्निशन द्वारा हुआ और दूसरा छत के गिरने के कारण हुआ। यूनियन ने खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों द्वारा रिकार्ड किए गए श्री मिनेश तामूली के बयान का भी उल्लेख किया (प्रदर्श सी-1ए पृष्ठ 23)। उसके अनुसार, "प्रातः 8.30 बजे के करीब मैंने सब-स्टेशन के पश्चिम की ओर के प्रवेश-द्वार के मिमकारी ध्वनि सुनी और गर्म हवा के साथ-साथ नीली लपटें देखीं। गर्म हवा पश्चिमी सिरे से सब-स्टेशनों में आ गई और मैं इसके भंवर में फंस

गया। गर्म हवा के आँके के बाद रेत और कंकड़ आगे और ये डी-1 की ओर पूर्वाकिनारे की तरफ चले गए। यह आँका करीब-करीब चुरन्त वापस लौट आया और जैसे ही मैं पूर्व की ओर खड़ा था....."। यूनिटन यह कहेगी कि इससे प्रतीत होता है कि वहाँ दो अलग अलग धमाके हुए। मैंने इन पर माधवाजी से विचार किया है। जहाँ तक भी ० डब्ल्यू० 15 की गवाही का सम्बन्ध है, उसकी गवाही को पूर्णरूप से पढ़ने में यह निष्कूल स्पष्ट है कि वह उसी दृश के आँके की बात कर रहा था, न कि दो अलग अलग धमाकों की। उस समय उसके साथ अन्य गवाहों की गवाही भी केवल हवा के एक तेज आँके का उल्लेख करती है। जहाँ तक मिनेश तामुली की गवाही का सम्बन्ध है, उसकी गवाही स्वयं यह बताती है कि जिसका वह उल्लेख कर रहा है वह दूसरे आँके की अपेक्षा पहला आँका वापस लौटा था। इसके विरुद्ध हमारे पास एस० डब्ल्यू०-1, एस० हॉरे, ओवरमैन की गवाही है, जिन्होंने एसोसिएशन द्वारा अपनी गिरह में बताया कि उत्तरी सिरे से केवल एक धमाका हुआ। अतः इन गवाही से यह निश्चित नहीं होता कि दो अलग अलग धमाके—पहला धमाका इग्निशन द्वारा हुआ और दूसरा छत गिरने से हुआ। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि इतनी लम्बाई चौड़ाई की छत गिरने से इतना स्पष्ट जोरदार धमाका नहीं हो सकता।

29. तथापि, इस प्रश्न की अन्य पहलू से जांच की जा सकती है। इग्निशन का स्त्रोत कहाँ था जिसमें दुर्घटना हुई। रिपोर्ट के बाद के हिस्से में, मैं इन निष्कर्षों पर पहुँचा हूँ कि छत के गिरने से अतिप्रस्त नेवल से आर्क निकलने से इग्निशन हुआ। छत के गिरने से केवल को नुकसान पहुँचा। अतः पहले छत गिरी और बाद में इग्निशन हुआ। इस निष्कर्ष की दुर्घटना के कारण हुए धमाके की सीमा और स्वरूप से भी पुष्टि हो जाती है।

30. उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा, के अनुसार बहुत अधिक नुकसान नहीं हुआ सिवाय इसके कि टाप कोल कनक्शन में दरवाजा झटके से खुल गया और अतिप्रस्त हो गया। टाप कनक्शन के साथ ड्रिफ्ट के जंकशन के नजदीक एक फ्लास-बार टूट गई। हातेज इंजिन में स्विचगियर दीवार के पास खिसक गया। दुर्घटना के उत्तरी किनारे पर, एम्बर खम्भ छत गिरने के लगभग 240 मीटर इनबाई की दूरी तक गिर गए। प्रबन्धतंत्र ने अपने बयान में यह कहा कि खम्भों में कुछ तोड़-फोड़ और हालेज हाउस में किसी एक आयल मटी-कर ब्रेकरस से थोड़ा सा खिसकने के अतिरिक्त, किसी प्रकार का अन्य धमाका नहीं हुआ। यहाँ तक कि पाइपस और केबल को नुकसान नहीं पहुँचा और अधिकांश विद्युत् उपकरण ठीक-ठाक थे। यूनिटन ने अपने बयान में बताया कि बहुत अधिक नुकसान नहीं हुआ था और वे खान सुरक्षा महानिदेशालय तथा प्रबन्धतंत्र के प्रधानों से सामान्यतः सहमत थे।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, मैं यह मानता हूँ कि छत पहले गिरी और बाद में इग्निशन हुआ।

31. वहाँ कुछ अन्य छोटे छोटे फाल हुए। मुख्य फाल में मलबे का अनुमानित वजन लगभग 100 टन था और इसके कुछ अन्य स्थानों पर छोटे-मोटे फाल हुए। इस बात की संभावना है कि कुछ हद तक विस्फोट से भी यह फाल हो गए हों, लेकिन स्वयं इग्निशन इस फाल का मुख्य कारण नहीं होगा।

32. विचार किया जाने वाला अगला प्रश्न इग्निशन का कारण है। इग्निशन विस्फोट के लिए निम्नलिखित दो शर्तें आवश्यक हैं :—

- (1) ज्वलनशील क्षेत्र के अन्दर खान पर्यावरण में ज्वलनशील गैस का होना।
- (2) ज्वलन शील गैस के मिश्रण को इग्नाइट करने का स्रोत।

(ख) गैस का स्त्रोत

33. उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा ने यह महसूस किया कि इग्निशन के स्थल पर ज्वलन शील क्षेत्र में गैस इकट्ठी होने की निम्न तीन सम्भावनाएँ हैं; अर्थात् :—

(क) दक्षिण सिरे में साठ फुट सीम के कार्यस्थल में बहुत ज्यादा मैथेन थी। दुर्घटना से एक दिन पूर्व मुख्य सतह का पंखा बार-बार बन्द हो जाता था। दुर्घटना वाले दिन भी यह सुबह 6.45 बजे और 8.20 बजे बन्द हो गया और दक्षिणी सिरे पर 60 फुट सीम कार्यस्थल ने गैस प्राकृतिक संवातन द्वारा फ्लास-मेजर ड्रिफ्ट में फैल गई और छत के साथ एक मोटी तह बन गई। जब ऊपरी सतह का पंखा फिर शुरू हुआ तो यह तह आगे खिसक गई होगी और इग्निशन स्थल पर इसमें आग लग गई।

(ख) यह स्वीकार करते हुए कि जब ऊपरी सतह पर मुख्य संवातक सुबह 6.45 और 7.30 बजे के बीच बन्द हो गया था तो अतिरिक्त पंखा चल रहा था, इस बात की बहुत संभावना है कि इससे ड्रिफ्ट में बहुत ज्यादा गैस चली गई हो जब प्रमुख संवातक सुबह 7.30 बजे फिर शुरू किया गया, तो मैथेन और हवा का मिश्रण आगे बढ़ गया हो और इग्निशन स्थल पर इसमें आग लग गई।

(ग) मैथेन 1.3 एम सीम और 0.2 सीम से निकली होगी, जो कैबिटी में धीरे धीरे जमा हो गई है। कैबिटी में छत के गिरने से गैस का यह ढेर फ्लासमेजर ड्रिफ्ट में चला गया होगा और इग्निशन स्थल पर इसमें आग लग गयी।

34. उन्होंने पहली दो सम्भावनाओं—उपर्युक्त (क) और (ख) को खारिज कर दिया और तीसरी संभावना, अर्थात् उपर्युक्त (ग) को स्वीकार कर लिया उन्होंने उपर्युक्त (क) को उनके द्वारा किए गए परीक्षण के निष्कर्षों

के आकार पर खारिज किया (पश्चिम गी०-ए०) जिसमें यह व्यक्त किया गया कि क्राम-मेजर डिफ्ट के छत के स्तर पर भी मैथेन मात्रा 0.3 प्रतिशत से कम थी और गैस के ज्वलन के लिए अपर्याप्त थी। उन्होंने उपर्युक्त (ख) की तीन कारणों से खारिज कर दिया था। पहला कारण यह था कि इतनी अधिक गैस मिश्रण के प्रचलन में वास्तव में होने वाले धमाके की अपेक्षा बहुत दूरी पर बहुत अधिक धमाका हुआ होगा। दूसरा कारण यह था कि इस बात का पर्याप्त सबूत था कि अनिश्चित पंखा काम नहीं कर रहा था और तीसरा कारण यह था कि कैविटी के दक्षिणी में लपटों के जाने का कोई चिह्न नहीं था। तीसरी संभावना को स्वीकार करने का कारण यह था कि कैविटी में गैस की मात्रा 0.6 प्रतिशत से नीचे नहीं गई और उसके द्वारा इकट्ठी किए गए बरमा छेद के नमूनों से यह प्रतीत होता था कि दोनों परतों अर्थात् 1.3 एम० और 0.2 एम० में गैस की मात्रा 14 प्रतिशत तक थी।

35. प्रबन्धन ने यह स्वीकार किया कि उन हैडिंग्स में 1 प्रतिशत तक गैस का छेद देखा गया था जहां उचित तरह से हवा नहीं आती जाती थी। उनके अनुसार छत के गिरने से गैस अतानक निकल आई जिसके परिणामस्वरूप विस्फोटक मिश्रण जमा हो गया। उसी स्थान पर एक और फाल हुआ तथा आर्कम तथा नावीदार चादरें निकल गई जिससे सम्पूर्ण वायुमार्ग अवरोध हो गया। 29 जनवरी, 1979 को किए गए तदन्तर परीक्षण से पता लगा कि मुख्य फाल पर कैविटी में मैथेन की प्रतिशतता एक घण्टे में 0.6 प्रतिशत से बढ़कर 1.5 प्रतिशत हो गई जब मुख्य संवातन पंखा चल नहीं रहा था। एसोशिएशन ने प्रबन्धन के इस विचार का समर्थन किया।

36. यूनियन ने मैथेन जैसे इकट्ठा होने के दो संभावित कारणों का सुझाव दिया जिसमें से एक कारण वही था जो उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा और अन्य पक्षकारों द्वारा मान लिया गया था। यूनियन ने एक और संभावित कारण बताया और कैविटी गैस के निराकरण के लिए बाद-विवाद अवस्था में इस प्वाइंट पर पर्याप्त जोर दिया। यूनियन के अनुसार, दुर्घटना के दिन और उससे पहले दिन मुख्य मैकेनिकल संवातक बन्द हो गया था जिससे साउथ लिम्ब कार्य-स्थल में मैथेन गैस इकट्ठी हो गई जो क्राम-मेजर डिफ्ट में ले जाई गई। यूनियन के अनुसार साउथ लिम्ब में साठ फुट सीम कार्य स्थल में बहुत अधिक मैथेन गैस थी। इस बात की पूरी संभावना थी कि इग्निशन के समय सहायक पंखा चल रहा हो क्योंकि:

- (i) भूमिगत पंखों को आगे आप बन्द करने के लिए कोई अनुक्रम नियंत्रण नहीं था;
- (ii) दुर्घटना के पश्चात् भी साउथ की केबल सप्लाय पावर को बिजली प्रदान की गई;
- (iii) 22 जनवरी, 1979 को सुबह 11.00 बजे तक आइसोलेटर कामकाज की स्थिति में था

जब इसे बन्द कर दिया गया और इस बात की संभावना है कि सहायक पंखे के गैस की पर्याप्त मात्रा साउथ लिम्ब क्राम-मेजर डिफ्ट में चली गई हो। अगर ऐसी स्थिति में मुख्य पंखा पुनः चालू कर दिया जाए, तो मैथेन और हवा का मिश्रण आगे शिफ्ट गया हो और इग्निशन स्थल पर इसमें आग लग गई।

37. यूनियन के इस मत की चतुराई से चर्चा की गई थी कि विस्फोट में होने वाली गैस का स्रोत साउथ लिम्ब डिस्ट्रिक्ट में 60 फीट सीम था, न कि छत में कैविटी था और इस मत के समर्थन में अन्य बातों के साथ साथ यह बताया गया कि जांच-पड़ताल के दौरान प्रबन्धन के तर्क में कुछ असंगतियां थी और मैन मैकेनिकल वेनटिलेटर की लाग-बुक में ओवर-राइटिंग थी। मैंने बताई गई असंगतियों के उदाहरणों का सावधानी से अध्ययन किया है लेकिन वे ऐसी प्रतीत नहीं होती। इस बात को स्वीकार करते हुए कि इनमें असंगतियां हैं, तो भी अन्तर्ग्रस्त विवादों में उनका महत्व नहीं है या वे प्रासंगिक नहीं हैं।

38. तथापि यूनियन ने इस मत के समर्थन में बहुत से तर्क दिए कि साउथ लिम्ब गैस से विस्फोट हुआ और प्रबन्धन ने इनका खंडन किया। चूंकि यह एक महत्वपूर्ण मामला है, इसलिए मैं इसका कुछ विस्तार से उल्लेख करना उचित समझता हूं। लिखित व्यानों में प्रबन्धन और एसो-सिएशन द्वारा व्यक्त किया गया मत यह था कि गैस का स्रोत कैविटी था। संक्षेप में बताए गए यूनियन के विचार इस प्रकार हैं—

- (i) साउथ लिम्ब में 60 फीट सीम कार्यस्थल में बहुत ज्यादा मैथेन गैस थी; दुर्घटना के पश्चात् खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान यह मालूम हुआ कि इन कार्यस्थलों की ओर जाने वाले हैडिंग के प्रवेश-द्वार में मैथेन की प्रतिशतता 10 प्रतिशत थी और 11 फरवरी, 1979 को उन्हें दुर्घटना के पश्चात् बताए गए एक सप्पोशन प्रूफ स्टोपिंग के पीछे 40 प्रतिशत मैथेन का पता लगा;
- (ii) दुर्घटना के दिन और उससे एक दिन पहले मुख्य मैकेनिकल वेनटिलेटर के बन्द हो जाने से यह गैस साउथ लिम्ब कार्यस्थल के 60 फीट सीम में जमा हो गई और क्राम-मेजर डिफ्ट में चली गई; और
- (iii) मुख्य सरफेस पंखे के बन्द होने पर भी सहायक पंखा चल रहा होगा, जिसके परिणामस्वरूप मैथेन गैस साउथ लिम्ब क्राम-मेजर डिफ्ट में चली गई हो।

39. इसके उत्तर में प्रबन्धतंत्र ने अपने अतिरिक्त ब्यान में यह बताया कि—

- (i) 22 जनवरी, 1979 को साउथ लिब्र में सहायक पंखा काम नहीं कर रहा था;
- (ii) दुर्घटना से ठीक पहले ओवरमैन द्वारा निरीक्षण के दौरान साउथ लिब्र ट्रिफ्ट में कोई ज्वलनशील गैस नहीं थी; और
- (iii) गैस का प्रति मिनट .08 प्रतिशत एम०³ हो जाने से किसी भी हालत में गैस साउथ लिब्र के प्रवेश-द्वार में इकट्ठी नहीं हो सकती।

40. संक्षेप में, यूनियन के विचार निम्नलिखित हैं :—

- (i) कि दुर्घटना से पूर्व सहायक पंखा पांच पारियों के लिए काम नहीं कर रहा था और गैस का ढेर 45 मी०³ था;
- (ii) कि सहायक पंखा संभवतः 22 जनवरी, 1979 को उस समय काम कर रहा था जब सरफेस वेंटिलेटर बन्द था जिसके परिणामस्वरूप गैस प्रति मिनट 9 मी०³ की दर से निकली (इस पंखे की क्षमता इतनी थी जो लगभग पांच मिनट में 45 एम०³ गैस निकाल सकती थी); और
- (iii) कि साउथ लिब्र 60 फुट सीम में गैस के जमाव की प्रतिशतता 5.54 प्रतिशत थी।

41. यूनियन द्वारा परिकल्पित संभावना पर उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा, ने विचार किया और पहले ही प्रारंभ में बताए गए कारणों की वजह से इसका खंडन किया। इस बात को बताने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि दुर्घटना की तारीख की सुबह जब मैन वेंटिलेटर ने काम बन्द कर दिया तो सहायक पंखा नहीं चल रहा था। प्रबन्धतंत्र के गवाह नं० 1, श्री समरजीत होरे ने बताया, “मैं जानता हूँ कि सहायक पंखा नहीं चल रहा था क्योंकि मैंने सहायक पंखे को चलाने के आदेश नहीं दिए थे”। जिरह के दौरान उन्होंने बताया कि “मेरे डिस्ट्रिक्ट में सहायक पंखा बन्द कर दिया गया जब सरफेस में मुख्य मैकेनिकल वेंटिलेटर बन्द कर दिया जाता है”, प्रबन्धतंत्र के गवाह नं० 3, श्री मोती हरिजन ने बताया कि “हम दो व्यक्ति ही पंखे को चालू करते हैं और अन्य कोई व्यक्ति पंखा चालू नहीं करता”। उन्होंने यह भी बताया कि दुर्घटना के दिन उन्होंने पंखा चालू नहीं किया। उनके द्वारा उल्लेख किया गया अन्य व्यक्ति प्रबन्धतंत्र का गवाह नं० 4, श्री खेतू हरिजन था। अपनी गवाही में उन्होंने बताया “मैंने पंखा चालू नहीं किया। सोमवार को हम स्टेशन में बैठे थे और किसी अन्य व्यक्ति ने पंखा नहीं चलाया क्योंकि पंखा चलाने का अधिकार मुझे है। मैंने सहायक पंखा चलने की आवाज नहीं सुनी। अब मुझे पूरा विश्वास है कि उस दिन पंखा चलाया गया”। जिरह के दौरान उन्होंने यह भी बताया कि खान सरदार ने

पंखा नहीं चलाया। उन्होंने यह भी बताया कि “मैं वहाँ था। मुझे अन्य कोई काम नहीं दिया गया और तब भी मैंने पंखा चालू नहीं किया”। श्री एराना (एम० डब्ल्यू० 7) ने बताया कि “मैंने सहायक पंखे की आवाज नहीं सुनी। यदि सहायक पंखा काम कर रहा होता, तो स्टेशन पर हमें आवाज सुनाई देती”। प्रबन्धतंत्र के गवाह नं० 9, श्री एम० के० राहा की 22 जनवरी, 1979 को सुबह 11.00 बजे आइसोलेटर को “आफ” करने की कार्यवाही केवल पर्याप्त सावधानी का मामला था और जैसा उन्होंने बताया यह “साउथ” लिब्र केवल को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रसाधनी-पूर्वक चार्ज करने की संभावना को खान कराने के लिए किया गया था। हालांकि भूमिगत पंखों का बन्द कराने के लिए कोई स्वचालित निग्रहण नहीं था ताँ भी जैसा प्रबन्धतंत्र के गवाह नं० 8, श्री प्रमन कुमार सेन ने बताया, वहाँ यह पद्धति थी “कि जब मेरे अनुदेश पर भूमिगत विजली काट दी जाए तो वे मुझे इसकी पुष्टि करने के लिए टेलीफोन करें”। इनको ध्यान में रखते हुए, मेरा संभावना हो गया है कि 22 जनवरी, 1979 की सुबह सहायक पंखा काम नहीं कर रहा था।

42. इसके अतिरिक्त उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा ने अपनी मौखिक गवाही में प्रदर्शनी-4 पैग चित्र विमों उसके द्वारा किए गए गणना के आधार पर 6.6) और तीन साउथ लिब्र कार्यक्षेत्र में विरक्तों वाली संभाव्य गैस दिखाई गई थी। उनका निष्कर्ष यह था कि दुर्घटना के तब तक 5.54 प्रतिशत मैथन की मात्रा होगी जैसे कि प्रमाणों से उपर्युक्त पैरा 40 के (iii) पर बताया है, यदि दुर्घटना वाले

$$45 \times 100$$

दिन सहायक पंखा चल रहा हो। यह संकेन्द्रण—

$$5.54$$

= 812.27 एम०³ के मिश्रण में बरल गया होगा। इस मिश्रण के परिणत हो जाये 812.27

$$5$$

= 162.45 एम० थी (ट्रिफ्ट का क्रॉप प्रेशर 5 बर्ग मी० है)। यदि इस मिश्रण को किसी भी स्थान पर गिराई जाए तो लपटों की लम्बाई 162.45--974.7 मी० की अर्थात् छः गुना होगी। इतना प्रेशर गैस के आने के परिणामस्वरूप दुष्प्रभाव का उतने भी बहुत अधिक होता जो वहाँ देखा गया था। इसके अतिरिक्त मेरे इंजीनियरों के प्रभाव को साउथ लिब्र में देखा जा सकता था, परन्तु ऐसा नहीं हुआ। उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा को रिपोर्ट (प्रदर्शनी-1ए) में लपटों की लम्बाई 105 मी० आंकी गई थी। प्रदर्शनी-6 में उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा ने यह गणना की कि इगनिशन में मैथन गैस की मात्रा 8.58 से 9.24 मी०³ होगी। दुर्घटना के शीघ्र पश्चात् निरीक्षण के दौरान मालूम हुई स्थिति में इस दुर्घटना में पाई गई इतनी अधिक गैस की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता।

43. अन्त में यूनियन का एक तर्क प्रस्तुत है कि मैथन गैस की मात्रा 45 मी०³ होगी। वहाँ स्पष्ट मौखिक गवाही है कि दुर्घटना वाले दिन सहायक पंखे ने काम नहीं

किया। इस मौखिक गवाही को अस्वीकार करना और यूनिशन द्वारा दिए गए संभावित मत को स्वीकार करना मुश्किल है।

44. जहां तक कैबिटी में गैस के होने का संबंध है, जैसा पहले बताया गया है, यूनिशन ने इन संभावना से इंकार नहीं किया। इस मत के समर्थन में इस तथ्य पर बल दिया गया कि खान प्रबन्धक को अतीत में इस स्थिति का पता नहीं था जब कैबिटी में गैस थी, कि खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों को 29 जनवरी, 1979 को किए गए परीक्षण के दौरान कैबिटी में गैस का पता नहीं लगा, कि विस्फोट में पाई गई गैस की मात्रा कैबिटी में पाई गई गैस की मात्रा से बहुत ज्यादा थी और श्री हारे (एम० डब्लू-1) ने दुर्घटना की सुबह फ्राम-मेजवर में गैस नहीं देखी। मैंने इन दलीलों पर सावधानी से विचार किया है लेकिन मैं उन्हें स्वीकार करने में असमर्थ हूं। प्रबन्धक के इस कथन का, कि उसे कैबिटी में गैस का पता नहीं था, यह अर्थ नहीं है कि कैबिटी में गैस नहीं थी; तो भी इस बात का सबूत है कि कैबिटी के बारे में भी कोई सन्देह नहीं था, इसमें गैस की ता. बात ही छोड़िए। 29 जनवरी, 1979 को उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा द्वारा किए गए परीक्षण के संबंध में प्रदर्शनी-1ए (पृष्ठ 14-15) से प्रतीत होगा कि कैबिटी में गैस की मात्रा 0.6 प्रतिशत से नीचे नहीं थी और इस बात की पूरी संभावना थी कि कैबिटी द्वारा विभाजित दो सीमों से गैस धीरे-धीरे रिस रही थी और इसमें जमा हो गई। इग्निशन में गैस की मात्रा सीमित थी, जैसा ऊपर बताया गया है।

45. इन परिस्थितियों में, मैं जानता हूं कि मुख्य फलब सेंगोस का स्रोत कैबिटी में था।

(ग) इग्निशन का स्रोत :

46. अगला महत्वपूर्ण प्रश्न, जिस पर विचार किया जाना है, इग्निशन का स्रोत है। ज्वलनशील गैस के मिश्रण में आग लगने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे :—

- (i) भूमिगत आग ;
- (ii) शाटफायरिंग ;
- (iii) कोल कटिंग पिस से घर्षणात्मक चिंगारियां ;
- (iv) नेकडफ्लेम और कन्ट्राबैंड्स ;
- (v) पत्थर पर प्रहार करने वाले पत्थर या अन्य घातिष्क पदार्थ या धातु पर प्रहार करने वाले धातु से घर्षणात्मक चिंगारियां ;
- (vi) दोषपूर्ण अग्नि सुरक्षालैम्प ;
- (vii) दोषपूर्ण इलेक्ट्रिक कैप लैम्प ;
- (viii) विद्युत के उपकरणों से चिंगारियां ।

उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा, इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि इग्निशन का कारण क्षतिग्रस्त केबल था जिसमें बिजली का संचार था। छत के गिरने से केबल क्षतिग्रस्त हो गई

और इस्पात तथा टिम्बर के टुकड़ों से फर्श में केबल दब गई। प्रबन्धनंत्र ने इग्निशन के तीन संभावित कारण बताए, अर्थात्, (i) स्टीलफार्क में पत्थरों के गिरने से घर्षणात्मक चिंगारियां, (ii) छत के गिरने से स्टील फार्कस द्वारा आपस में रगड़ खाने से उत्पन्न घर्षणात्मक चिंगारियां और (iii) दुर्घटना क्षेत्र में पाई गई क्षतिग्रस्त केबल के परिणामस्वरूप उत्पन्न इलेक्ट्रिक चिंगारी। संघ ने उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा के इस विचार का समर्थन किया कि क्षतिग्रस्त केबल के लीड शील्डिंग में पत्थर के कारण इग्निशन हुआ जिससे होकर इलेक्ट्रिक फार्क में चिंगारी छूटी हो।

47. यूनिशन के अनुसार इग्निशन का संभावित कारण हालेज इंजिन रूम था। यूनिशन ने यह बताया कि लगभग सुबह 8.20 बजे मुझ पंखा चर रहा था, तो हालेज, अपरेटर अपने कार्य करने की जगह पर आया और अपनी मशीन की जांच करने के लिए स्विच को चालू कर दिया कि क्या वह मशीन सही हालत में थी। स्विच के गैर एक० एल० पी० लक्षण के कारण, हालेज इंजिन में हल्का सा विस्फोट हुआ जिससे छत गिर गई और हमने हवा का झोंका आया तथा धमाका हुआ। यूनिशन ने यह सुझाव दिया कि हालेज की जांच करते समय गैस के परिपूर्ण वातावरण में ड्राम कन्ट्रोलर से पनैण हुई। यूनिशन ने हालेज ड्राइवर के मुंह और शरीर के ऊपरी हिस्से में आई चाँट, हालेज इंजिन में मुर के जवाब, हालेज इंजिन में एकत्र की गई धूल में पिंड बनना और संकेतक के रूप में इलेक्ट्रिकल कंवंचित केबल को कवर करने वालो बिस्मीन के पिघलने का भी उल्लेख किया कि हालेज इंजिन से इग्निशन हुआ।

48. कोर्ट के सामने दी गई मौखिक गवाही इस आशय की थी कि शरीर के नगे हिस्से को चाँट पहुंची। हालेज के चारों ओर चुर और केक इस कारण ज्यादा थी कि यहाँ लपटें बहुत ज्यादा समय तक रहें क्योंकि लपटों के आगे जाने में बाधा पड़ी। इन दीर्घकालीन लपटों से कंवंचित केबल के चारों ओर बिस्मीन पिघल गया होगा लेकिन यह बहुत कम पिघला। दुर्घटना के किसी भी ओर धमाके की दिशा भिन्न थी और दूसरे फाल में परे थी जो इस बात का सूचक थी कि छत गिरने पर धमाका शुरू हुआ होगा और किसी भी सिरे पर फैल गया हो।

49. प्रबन्धनंत्र ने अपने लिखित ज्ञानों में यह बताया कि दुर्घटना के समय स्टोन ट्रिपट में हालेज काम नहीं कर रहा था क्योंकि मेन साईडिंग में खानी रोप-डी-लिक पाया गया। उन्होंने सर्वश्री नीलरत्न चौधरी, एम० डब्लू०-5 और जी० जी० अलस्वामी, एम० डब्लू०-6 की इस आशय की गवाही का भी उल्लेख किया, जो हालेज से लगभग 15 मीटर की दूरी के अन्दर थे, कि दुर्घटना के समय हालेज काम नहीं कर रहा था। उन्होंने दो हालेज ड्राइवरों (श्री डब्लू०-10 और सी० डब्लू०-11) की गवाही का भी

उल्लेख किया। प्रबन्धतंत्र के अनुसार कार्यस्थल पर पहुंचने के पश्चात् बाद में 1½ घंटे में ज्यादा हाजेज की जांच करने की संभावना नहीं थी। मैं इस बात को मानने के लिए सहमत हूँ कि हाजेज इंजिन ड्राइवर को कार्य स्थल पर पहुंचने पर इंजिन की जांच करनी चाहिए थी न कि बाद में दुर्घटना के समय; अतः यह इतिशान का कारण नहीं है। इसके साथ ही विस्फोट की दिशा यह बताती है कि हाजेज इंजिन रूम के दक्षिणी सिरे पर इग्निशन शुरू हुआ। इस बात की पुष्टि कि विस्फोट दक्षिणी सिरे में उपरी सिरे की ओर गया, निम्नलिखित तथ्यों से होती है:—

- (i) हाजेज इंजिन का दक्षिण सिरा कूड़ा-करकट में भरा हुआ था।
- (ii) स्विच अपनी प्रारम्भिक स्थिति से उत्तर की ओर हो गया था और इसके अगले सिरे पर कूड़ा-करकट डाला गया था।
- (iii) दक्षिणी सिरे की ओर का ऐमीटर का शीशा टूटा हुआ पाया गया।
- (iv) आर्क में गड़बड़ की दिशा फाल के उत्तर की ओर थी।

अतः उपर्युक्त टिप्पणियों से यह निष्कर्ष निकलता है कि दबाव लहर दक्षिण से उत्तर की ओर गई, अतः हाजेज इंजिन रूम के दक्षिण में कहीं दुर्घटना हुई होगी। अगर हाजेज इंजिन रूम से इग्निशन हुआ होता तो दबाव लहर हाजेज इंजिन रूम से दक्षिण की ओर भी गई होती। सभी लक्षण इसके विपरीत हैं और निश्चय ही यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि हाजेज इंजिन की वजह से इग्निशन नहीं हुआ।

50. प्रबन्धतंत्र ने बताया कि दूसरे फाल के समय केवल छत गिरने के प्रत्यक्ष प्रभाव के कारण चपटो हो गई। केवल के इस चपटे हिस्से से जलने की गन्ध आ रही थी। लेड शीश पिघल गई थी और छोटे पिछले हुए कापर र्लो-ब्लूयन दिखाई दिए। अर्थ लीकेंज डिवाइस को चालू करने के लिए लिया गया समय एक सैकन्ड का 1/20 से 1/50 था। यदि ज्वलनशील मिश्रण में चिंगारी एक सैकन्ड के 1/250 हिस्से तक रही हो, तो इग्निशन हो सकता है। इस मामले में यह एक सैकन्ड के 1/50वें हिस्से के न्यूनतम समय तक रही और यह गैस मिश्रण को ज्वलित करने के लिए काफी था। मैंने पंचर हुई केवल की सावधानी से जांच की और मैं सन्तुष्ट हूँ कि केवल की क्षति इतनी अधिक थी कि उससे चिंगारी निकल सकती थी। इन परिस्थितियों में, मैं मानता हूँ कि पंचर हुई केवल से इग्निशन हुआ।

51. उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा, द्वारा भेजा गया नक्शा संलग्न है (अनुबंध-4) जिसमें लाठी और धुएँ की संभावित सीमा और उनका मार्ग दिखाया गया है।

(घ) खानाबरोधन के कारण मृत्यु

52. उप-महानिदेशक, खान सुरक्षा के अनुसार कार्बन मोनोक्साइड से 120 व्यक्ति घिर गए और तत्काल मर गए। उनके अनुसार पूर्ववर्ती पैराग्राफों में बताई गई मैथन गैस के इग्निशन के परिणामस्वरूप कि कमबुशन की चीजें, जिसमें जहरीली कार्बन मोनोक्साइड गैस थी, प्रो-वेबल वेस्ट के साथ आगे बढ़ गई और वे नवी पॉवो डिन गैलरियों के नीचे चली गई। चानीम व्यक्तियों को, जो प्रातः कार्यस्थल पर जाने के लिए नं० 7 लेवल से इस्ट्रेट हुआ थे, विस्फोट के कारण कम दबाव का कम्पन हुआ और उन्हें धुआँ दिखाई दिया। वे सब डर गए और उन्होंने डी 2 हाजेज डिप के रास्ते से ओ-लेवल में जाने का प्रयास किया। जैसे ही वे नं० 4 एल की ऊंचाई तक पहुंचे, तो 12 व्यक्ति कार्बन मोनोक्साइड में घिर गए और तत्काल मर गए। बाकी व्यक्ति कुछ-कुछ बेहोश थे और उनमें से कुछ डिप के नीचे लुढ़के हुए पाए गए। जाच-पड़ताल के दौरान खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों द्वारा किए गए परीक्षण के अनुसार यह मालूम हुआ कि डी 2 ब्रेक डिप गैलरी में मन्द वेंटिलेशन था जब कि अन्य डिपों में वेंटिलेशन तेज था, जब मेन सरफेस का पंखा बन्द हो गया। डी 2 डिप में कमबुशन की चीजों की धीमी गति के कारण 12 व्यक्ति उस डिप में मर गए। प्रबन्धतंत्र ने बताया कि लगभग 250 व्यक्तियों में से, जो दुर्घटना के समय ओ-लेवल के नीचे थे, पचास में साठ व्यक्तियों ने डी 2 हाजेज रोडवे द्वारा ऊपर आने का प्रयास किया और उनमें से 48 व्यक्ति अव्यवस्थित वातावरण में चलने के कारण प्रभावित हुए। अन्य सभी व्यक्ति, जिन्होंने जाने के लिए सामान्य रोडवे रूट लिए, बिल्कुल प्रभावित नहीं हुए। हाजेज रोडवे से भी इनटोक एयरफ्लो था, यह छत के गिरने से माउय लिफ्ट टनल के रोधन के कारण प्रभावित हुआ।

संघ ने दुर्घटना के इस पक्ष में कोई टीका-टिप्पणी नहीं की है।

53. यूनियन ने यह बताया कि डी 2 हाजेज प्लेन में और उसके पास लगभग 20 व्यक्ति खानाबरोध-कार्बन-मोनोक्साइड जहर के कारण बेहोशी और अर्ध-बेहोशी की हालत में गए गए। इन कथन को छोड़कर कि मैनेजर डी 2 ब्रेक डिप में गया, जहाँ उसने व्यक्तियों के कराहने की आवाज सुनी, यूनियन ने आगे और टीका-टिप्पणी नहीं की है।

54. नक्शाने के समक्ष दिए गए पतानों और पांय से यह स्पष्ट है कि ऐसे अभिज्ञ, या डी 2 ब्रेक के पास साथ आए थे, जहरीला गैस द्वारा प्रभावित हुए थे। आ फूल चन्द सादर गो० डब्ल्यू० सं० ३ के प्रौद्योगिकी से मान्य होता है कि आधरमैत और विरदार ने 7वें लेवल पर अभिज्ञों का प्रवेश बना बना ऊपर गया का कर दिया था। वे खनन सिरदार द्वारा ले जाए गए, जिसमें पीछे-पीछे

ओवरमैन था। 6वें लेवल पर ओवरमैन ने मिरदार को कहा कि वे श्रमिकों को बाहर ले जाए और जब वें 5वें लेवल पहुँचे, तो वहाँ पर अधिक धुआँ था और कम दिवाई दे रहा था। कुछ श्रमिक बजाय ट्रेवलिंग चूरी द्वारा ऊपर जाने के डी० 2 ब्रेक द्वारा ऊपर गए। जहरीली गैस में फंसे श्रमिकों द्वारा दिए गए साक्ष्य को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि कुछ श्रमिक अनुदेशानुसार ट्रेवलिंग चूरी के बजाय डी० 2 ब्रेक द्वारा गए। वे ऐसा करने के लिये इस बात से प्रभावित हुए होंगे कि डी० 2 ब्रेक द्वारा जाने की अपेक्षा ट्रेवलिंग चूरी द्वारा जाना दुर्गम होगा, जो कि छाटा रास्ता है। न्यायालय के समक्ष दिए गए साक्ष्य से केवल यह प्रतीत होता है कि श्रमिकों के कतिपय वर्ग ने एक रास्ता चुना और अन्य कतिपय वर्ग ने दूसरा रास्ता चुना। श्रमिकों को यह कार्यवाई उनकी स्वैच्छा से थी और यह दुर्भाग्य था कि ऐसे श्रमिकों को, जो स्टोप डी० 2 ब्रेक (30° से ऊपर) द्वारा गए, जहरीली गैसों में साँस लेना पड़ा था, जिसके परिणामस्वरूप 12 श्रमिकों की मृत्यु हो गई। इन बात के सम्बन्ध में साक्ष्य मौजूद है कि 9.00 बजे प्रातः तक डी० 2 ब्रेक से जहरीली गैस हट चुकी थी, अर्थात् बिस्फोट के आधे घंटे के अन्दर। मारे गए श्रमिक आगे होंगे और उन्हें आने वाली जहरीली गैस के पूर्ण वेग को सहना पड़ा था। जो पीछे आये थे, वे गैस से कम प्रभावित हुए और वे केवल बेहोश हो गए। जहरीली गैसों का पूर्ण प्रभाव अधिक से अधिक 30 मिनट तक रहा होगा।

4. बचाव प्रक्रिया और प्रथम उपचार

55. खान सुरक्षा महानिदेशालय की रिपोर्ट (प्रदर्श सी०-1ए) के अनुसार दुर्घटना के समय भूमि के नीचे विभिन्न स्थानों में कार्य कर रहे लगभग 320 व्यक्ति थे। जैसे ही प्रबन्धक को टेलीफोन पर दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई, वह खान के अन्दर गए। संवात्तन अधिकारी, दो अवर-प्रबन्धक और एक प्रशिक्षण अधिकारी पहले से ही खान के अन्दर थे। प्रबन्धक संवात्तन अधिकारी को मिले, जिन्होंने तब तक श्री रोमेश मजूमदार (मृत) को बचा लिया था डी० 2 ब्रेक की ओर जाने पर, प्रबन्धक ने व्यक्तियों का जोर-जोर से कराहना सुना। उन्होंने मैन साइडिंग से तल पर टेलीफोन किया और बचाव कार्य के लिए सहायता हेतु कहा। अन्य व्यक्तियों की सहायता से उन्होंने दोपहर के एक बजे तक बचाव कार्य पूरा किया। डी० 2 ब्रेक में बचाव कार्य लगभग 9.00 बजे प्रातः शुरू हुआ था, उस समय तक डी० 2 ब्रेक के वातावरण में जहरीली गैस समाप्त हो गई थी। लेडो खान बचाव केन्द्र में मंगाया गया बचाव दल भी थोड़ी देर से पहुँचा था, परन्तु उनकी सहायता की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि बचाव कार्य बिना किसी बचाव उपकरणों के किया जा सकता था।

56. प्रबन्धक के बयान के अनुसार, दो अवर-प्रबन्धक खान के अन्दर थे और वे प्रभावित श्रमिकों को और अधिक डाकटरी सुविधा देने के लिये तत्काल तल पर लाने के

कार्य में लगे हुए थे। संवात्तन अधिकारी दुर्घटना के 10 मिनट बाद और प्रबन्धक दुर्घटना के 20 मिनट बाद पहुँचे और उन्होंने बचाव कार्य आयोजित किया। 10 व्यक्तियों को ओलेवल में चोटें आईं। उनमें से 5 व्यक्ति आगे से थोड़ा या काफी झुलम गए और उन्हें मामूली खरोंचें आईं। तीन व्यक्ति सर्वश्री मिनेश तामुली, राम माकान गोवाला और बाला कृष्ण जॉर्जसी को प्रथमोपचार दिया गया और उन्हें 3 श्रमिकों के साथ बाहर भेज दिया गया जिन्हें चोट नहीं लगी थी। श्री एन० सूरीनारायण और श्री राजूल को स्ट्रेचरों पर बाहर भेजा गया। श्री रोमेश मजूमदार का प्रथमोपचार दिया गया और उन्हें खाली होनेज टब द्वारा बाहर भेजा गया। श्री नीलरतन चौधरी को प्रथमोपचार दिया गया और उन्हें अन्ध घायल श्रमिकों के साथ भेजा गया। सूचना प्राप्त होने पर प्रबन्धक ने श्री अवीदी, प्रशिक्षण अधिकारी से तल का कार्यभार संभालने के लिए कहा और वह खान के अन्दर चले गए। वह मैन साइडिंग में 8.50 बजे प्रातः पहुँचे। वह डी० 2 ब्रेक में 4 एल० में गए। उन्होंने डी० 2 ब्रेक में लगभग 50 से 55 श्रमिकों का देखा। वह 6 एल० की स्थिति का पता लगाने के लिये उसके अन्दर गए। वह 5 एल० में आये और उन्होंने मैनसाइडिंग में टेलीफोन किया कि बचाव कार्य के लिये डी० 2 होनेज प्लेन में व्यक्तियों का भेजा जाय। वह डी० 2 होनेज प्लेन को 5 एल० से पैदल चले और उन्होंने अन्य व्यक्तियों की सहायता से सभी व्यक्तियों को बचा लिया। उप-क्षेत्रीय प्रबन्धक ने, जो तल पर कंट्रोल रूम के प्रभारी थे। केन्द्रीय अस्पताल को टेलीफोन किया कि वे घायलों का उपचार करने के लिए तैयार रहें। कोलियरी डाक्टर पिट माउथ पर थे। और उन्होंने 46 व्यक्तियों का प्रथमोपचार किया। घायल और प्रभावित श्रमिकों को सभी उपलब्ध वाहन जैसे, ट्रक, आदि द्वारा तत्काल बैचों में अस्पताल भेजा गया। सात प्रशिक्षित बचाव श्रमिकों में से पांच 9.30 बजे प्रातः खान के अन्दर थे। 5 व्यक्तियों की ब्रिगेड के साथ बचाव अधीक्षक तत्काल सहायता देने के लिये खान के अन्दर गए। उपकरणों की लगाना आवश्यक नहीं समझा गया।

57. एमोमिएशन ने अपने बयान में कहा है कि प्रबन्धक ने अपने अधिकारियों के साथ तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिया और उन्होंने तुरन्त सभी घायल तथा प्रभावित व्यक्तियों को बचा लिया। हालांकि बचाव कार्य जोखिम का था, फिर भी प्रबन्धक के नेतृत्व और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों एवं श्रमिकों के साथ उनके साहार्दपूर्ण सम्बन्धों के कारण न्यूनतम समय में सभी घायल और प्रभावित श्रमिकों को बचा लिया गया था।

58. यूनिट ने अपने बयान में कहा था कि लगभग 320 व्यक्तियों का विभिन्न स्थानों में लगाया गया था और यह कि लेडो में स्थित बचाव स्टेशन के कर्मचारी दुर्घटना के समय से 4 घंटे बाद पहुँचे। तथापि रिकार्ड किए गए साक्ष्य से सिद्ध होता है कि बचाव दल सूचना के प्राप्त

होने के तत्पश्चात् खान में पहुँच गया था और ने इन लगभग 10.00 बजे प्रातः खान में था।

59. डा० देव नाथ ने कहा कि उन्होंने 13 मामलों में मारफिट दिया और कुल मिलाकर 58 मामलों को देखा। उन्होंने पाया कि कुछ श्रमिकों को प्रथमोपचार दिया गया—मुँह और नाक साफ किए गए थे और पट्टियाँ आदि बांधी गई थीं। वह खान के प्रवेश द्वार पर 9.15 बजे प्रातः पहुँचे। श्री गंकर प्रसाद हरिजन (सी० डब्ल्यू० 9) ने कहा कि जब उसका प्रथमोपचार किया जा रहा था, तो उस समय एक अन्य व्यक्ति को भी प्रथमोपचार दिया जा रहा था। श्री वी० जे० त्रिवेदी, अधीक्षक, खान बचाव केन्द्र ने कहा कि उन्होंने देखा कि प्रथमोपचार घायल व्यक्तियों को दिया जा रहा था। श्री राम प्रिय यादव (सी० डब्ल्यू० 10), ने कहा कि उन्होंने दो श्रमिकों को प्रथमोपचार किया, जो 6 लेबल पर घायल हुए थे।

60. मुझे संतोष है कि कोलियरी के अधिकारियों और व्यक्तियों द्वारा बचाव कार्य तत्परता, जिम्मेवारी तथा मृदु-बुद्धि से किया गया और जहाँ कहीं आवश्यकता थी, वहाँ तत्काल प्रथमोपचार दिया गया।

5. कोयला खान विनियम, 1961 के उपबंधों का उल्लंघन तथा अन्य उल्लंघन, यदि कोई हो।

स्थायी आदेश

61. उप महानिदेशक, खान सुरक्षा ने अपनी रिपोर्ट (प्रदर्श सी० 1 ए) में यह कहा है कि मेन मेकेनिकल बेन्टिलेटर के बंद होने की सूरत में की जाने वाली कार्यवाही संबंधी स्थायी आदेशों में यह निर्धारित है कि जब मेन मेकेनिकल बेन्टिलेटर बंद हो जाता है, तब भूमि के नीचे बिजली की सप्लाई को तत्काल बंद कर दिया जाना चाहिए। यह कार्य नहीं किया गया, जब संवातन ने 22 जनवरी, 1979 को 6.45 बजे प्रातः और 8.20 बजे प्रातः कार्य करना बंद कर दिया।

62. प्रबन्धन ने अपने बयान में कहा था कि स्थायी आदेश में यह अपेक्षित है कि बिजली को केवल उन उपकरणों से काट दिया जाना चाहिए, जो कि मेन इन्टेक एयरवे में नहीं है और यह भी तब जब वे फेम से 270 मीटर के अंदर स्थित हों। परन्तु भरपूर सतर्कता के उपाय के रूप में जीरो-लेबल के बिजली मिस्त्री को जीरो-लेबल उप स्टेशन से बिजली को काटने के अनुरोध दिए गए जिससे स्वतः तार से बिजली का आना बन्द हो गया। बिजली काटने के लिए प्रयुक्त अनुक्रम इस प्रकार हैं:—

- (i) 5 लेबल उप स्टेशन, जो पूर्वी साइड के उपकरण की पूर्ति करता है,
- (ii) 6 लेबल उप स्टेशन, जो पश्चिमी साइड के उपकरण की पूर्ति करता है,
- (iii) "ओ०" लेबल उप स्टेशन, जो दक्षिणी लिम्ब उपकरण की पूर्ति करता है।

प्रत्येक पारी में एक पावर हाउस अटेंडेंट तैनात किया जाता है। यह उम्माह इपूटी है कि वह विभिन्न लेबलों पर तैनात विजली-मिस्त्रियों को बिजली काटने के संबंध में सूचित करे।

63. एंसाइगन ने बताया कि मेन् मेकेनिकल बेन्टिलेटर के बंद होने की सूरत में स्थायी आदेश के अन्तर्गत खान अधिकारियों को आर से को जाने वाली कार्यवाही में कोई कमी नहीं थी। यूनियन ने अपने बयान में इस उल्लंघन के बारे में किसी प्रकार का कोई उल्लेख नहीं किया।

64. श्री एन० के० सेन (सी० डब्ल्यू० 2) ने अपने मौखिक माध्य के दौरान यह कहा कि कोयला खान विनियम के विनियम 134 के अर्धीन, डिग्री 2 और 3 गैस वाली खानों के प्रबन्धन के पास मेन् मेकेनिकल बेन्टिलेटर के बंद हो जाने की सूरत में अपनाए जाने वाली प्रक्रिया संबंधी स्थायी आदेश होने चाहिए। माडल स्थायी आदेश में यह उल्लेख किया गया है कि तत्काल सतर्कता के रूप में सभी ऐसे उपकरणों से बिजली को काट दिया जाना चाहिए, जो इन्टेक एयरवे में नहीं है और जो कार्य स्थल फेम के 270 मी० के अंदर पड़ते हैं। श्री पी० के० सेन (एम० डब्ल्यू० 8) ने कहा कि इस कोलियरी की यह पद्धति थी कि जब उसके अनुदेशों पर भूमिगत बिजली को काट दिया जाता है, तब बिजली मिस्त्री के लिए यह जगह है कि वह उसकी पुष्टि हेतु उसे टेलीफोन करे। श्री एस० के० राहा (एम० डब्ल्यू० 9) ने कहा कि भूमि के नीचे बिजली की सप्लाई को 22 जनवरी, 1979 को 8.40 बजे प्रातः तल से काट दिया गया था। श्री टी० एन० सरकार (एम० डब्ल्यू० संख्या 10) ने कहा कि उसने बिजली बंद होने के बारे में लैम्प केबिन के टाइप-कीपर को सूचित कर दिया था और उसने स्थानीय एक्सचेंज द्वारा 5 वें लेबल के बिजली मिस्त्री से पावर सप्लाई को बंद करने के लिए सम्पर्क स्थापित किया। प्रबन्धन (एम० डब्ल्यू० संख्या 16) ने कहा कि स्थायी आदेशों की प्रतियाँ बिजली घर के परिचालकों को दी गईं और उन्हें इन संबंध में बताया गया था।

65. इससे यह स्थिति उत्पन्न होती है कि अल्पावधि में बारंबार बिजली बंद हो जाती थी, इसलिए बिजली के शीघ्र पुनः चालू हो जाने की आशा में, बिजली को काटने का कार्य शली-भाति नहीं किया जाता था। प्रबन्धन ने यह स्वीकार किया कि 22-1-1979 को ओ०-लेबल में बिजली के काटने से पूर्व ही दुर्घटना 8.30 बजे प्रातः हुई, जब पंखे ने 8.20 बजे प्रातः कार्य करना बंद कर दिया था। अतः इन परिस्थितियों में स्थायी आदेश का उल्लंघन दर्शावपूर्ण था। स्थायी आदेश का सख्ती से अनुपालन किया जाना चाहिए। मैं यह भी सिफारिश करना चाहता हूँ कि स्थायी आदेशों का, जो अग्रजों में है, श्रमकों की समझ में आने वाली भाषा में अनुवाद भी किया जाना चाहिए।

सुरक्षा अधिकारी

66. खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों के समक्ष अपने दूसरे बतान (प्रदर्श सी० 1-बी०) के दौरान श्री ए० कुमार, सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि वह सहायक प्रबन्धक के रूप में कार्य कर रहे थे और पूर्णकालिक सुरक्षा अधिकारी की तैनाती के संबंध में खान विभाग ने पत्र-व्यवहार चल रहा था। प्रबन्धनत्र या एमोनिणन ने विभिन्न बतानों में इस बात का उल्लेख नहीं किया था। तथापि, जिरह के दौरान यूनियन ने बताया कि विनियम 41ए का उल्लंघन हुआ है और पूर्णकालिक सुरक्षा अधिकारी की नियुक्ति का सुझाव दिया। उक्त प्रस्तुत में, प्रबन्धनत्र ने कहा कि श्री कुमार सुरक्षा अधिकारी थे। विनियम 41 ए (1) की धारा (क) (ii) और (ड) में निर्दिष्ट इयूटियां प्रशिक्षण अधिकारी और विनियमन 41 ए (ख) (i) और (ii) में निर्दिष्ट इयूटियां एजेंट को सीपी गई थी।

67. उनके माध्य के दौरान श्री कुमार ने बताया कि उन्होंने सुरक्षा अधिकारी के लिए कोयला खान में में निर्दिष्ट सभी इयूटियां की किन्तु इनमें दुर्घटनाओं की जांच और विश्लेषण से संबंधी इयूटी, प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायता देने और तब भर्ती किए गए कर्मचारियों तथा श्रमिकों का कार्यभार संभालने की इयूटी नहीं थी। वह महत्वपूर्ण सुरक्षा कार्यों जैसे सपोर्ट्स की सेटिंग, कोयला-धूलि की अभिक्रिया (ट्रीटमेंट) संयंत्र, पम्पिंग आदि में लगे हुए थे। उन्होंने कहा कि यद्यपि वह व्यापक कार्य स्थलों और कठिन खनन दशाओं के कारण सुरक्षा अधिकारी को सभी इयूटियां नहीं कर रहे थे, तथापि उन्हें सुरक्षा कार्यों के अनिवार्य किसी और प्रकार का कार्य नहीं सौंपा गया था। जहां तक नाम डंग क्वारी घर्ष का संबंध है, उन्होंने बताया कि वह केवल कार्य के सुरक्षा संबंधी पहलू को देख रहे थे और उत्पादन कार्य अन्य व्यक्तियों द्वारा देखा जा रहा था।

68. विनियमन 31ए में उल्लिखित है कि प्रत्येक खान में जब औसत मासिक उत्पादन 5000 टन से बड़ा होता है तब वहां प्रबन्धक को खान में सुरक्षा प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के कार्य में सुरक्षा अधिकारी द्वारा सहायता प्राप्त होनी चाहिए। इस विनियमन के दूसरे उपबंध में उल्लिखित है कि जहां कहीं मुख्य निरीक्षक को राय में खान के बड़ा आकार या खान की अन्य दशाओं के कारण, सुरक्षा अधिकारी के लिए स्वयं अपनी इयूटियां निभाया संभव नहीं है, तो वह लिखित में आदेश करके और कार्यों को अपने रिपोर्ट करके सुरक्षा अधिकारी को सौंपा जाता है। इसलिए वे भी खान में रहने वाले अधिकारी हैं।

69. यह स्पष्ट है कि प्रबन्धनत्र ने खान के अधिकारियों के विनियमन 41 ए का केवल तकनीकी उल्लंघन हुआ है। यह खान में बड़ा खान है और विनियमन द्वारा निर्धारित

सभी कार्य की सम्भाल करना आवश्यक अधिकारों के लिए संभव नहीं है। यह सिद्ध हो गया कि सुरक्षा अधिकारियों को उत्पादन से संबंधित किसी प्रकार का कार्य नहीं सौंपा गया था। मैं सिफारिश करता हूं कि खान सुरक्षा महानिदेशक इस मामले की तत्काल जांच करें और कार्यों खान विनियम के विनियमन 31ए के द्वितीय उपबंध के अंतर्गत ऐसे आदेश जारी करें, जैसा कि वह उचित समझ।

केबिटियों के बारे में परिपत्र संख्या 8

70. उप महानिदेशक खान सुरक्षा ने अपनी रिपोर्ट (प्रदर्श सी 1 ए) में बताया है कि केबिटियों संबंधी 1974 के परिपत्र संख्या 8 में यह अपेक्षित है कि यदि केबिटियां निरोध नहीं है, तो उन्हें प्रभावी रूप से भरा जाना चाहिये या पार्श्व रूप से संयोजित रखा जाना चाहिये और यह कि कामोजवार में केबिटियों के संबंध में ऐसा नहीं किया गया था। प्रबन्धनत्र ने बताया कि सामान्यतः केबिटियों को मोटी ईट के आकों द्वारा सहारा दिया जाता है और इन्हें दोनों दिशाओं पर पूरी तरह पैक और सील किया जाता है। दुर्घटना से संबंध केबिटियों को तालीदार इस्पात की चादरो, जिन्हें सही तरीके से लेगड और पैकड किया गया था, के साथ इस्पात के आकों द्वारा सहारा दिया गया था। खान के किसी अधिकारी या खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों के ध्यान में आघाती केबिटियों नहीं आयी थी। केबिटियों की विश्वमानता का केवल तभी पता चला, जबकि फाल के परिणामस्वरूप हुए खाली स्थान के आयतन की तुलना में मलबे का कुछ मात्रा कम पायी गई। इन परिस्थितियों में, मेरा बड़ा मत है कि खान सुरक्षा महानिदेशालय के 1974 के परिपत्र संख्या 8 का उल्लंघन नहीं हुआ है।

विनियम 123

71. यूनियन ने बताया कि स्टोव डस्ट बैरियर के संबंध में विनियम 123 का उल्लंघन हुआ है। प्रबन्धनत्र ने बताया कि खान में नमी की प्रतिमानता अधिक थी और स्टोव डस्टिंग अप्रभावी था, क्योंकि स्टोव डस्ट केक का रूप धारण कर लेता है। प्रबन्धनत्र ने प्रदर्श एम-6 प्रस्तुत किया, जिसमें अनुसंधान शुरू करने और उपचारा उपाय सुझाने के संबंध में केन्द्रीय खनन अनुसंधान केन्द्र और उनके बीच दूर पत्र व्यवहार को दिखाया गया है। अतः यह स्पष्ट है कि प्राकृतिक कोयला खान विनियमों का तकनीकी उल्लंघन हुआ है, किन्तु, प्रबन्धनत्र ने विशेषज्ञों से सलाह प्राप्त करके समुचित उपाय बूझने के लिये कमेंट डंग से कांशिश की है। मैं सिफारिश करता हूं कि प्रबन्धनत्र केन्द्रीय खान अनुसंधान केन्द्र के साथ इस मामले पर जोरदार ढंग से कार्यवाही करें। इस बीच, वे खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों के साथ इस मामले पर विचार विमर्श करें और या तो छूट प्राप्त करें या ऐसी अन्य कार्यवाही करें, जिसकी वे सिफारिश करें।

कोयला खान विनियम का विनियम 130

72. यूनियन ने बताया कि कोयला खान विनियम के विनियम संख्या 130(2) का उल्लंघन हुआ है। कोयला खान विनियम के विनियम 130 (2) (1) के अन्तर्गत प्रबन्धतन्त्र अन्य बातों के साथ-साथ यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक संवातन डिस्ट्रिक्ट में वृहत पारी के समय डिस्ट्रिक्ट में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति के लिये प्रति मिनट 6 एम³ वायु या उत्पादन के प्रति टन के लिये प्रति मिनट 2.5 एम³ वायु में, जो भी अधिक हो, होनी चाहिये। उपमहानिदेशक, खान सुरक्षा ने साक्ष्य दिया कि सांविधिक अपेक्षा का अनुपालन किया गया था यद्यपि संवातन अधिकारी ने यह माना था कि संपूर्ण खान की जनशक्ति के अनुसार यह पर्याप्त नहीं थी। तथापि, प्रत्येक डिस्ट्रिक्ट के संबंध में जनशक्ति के मुताबिक संवातन पर्याप्त था। मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि यदि संपूर्ण खान पर ध्यान दिया जाये तो प्रबन्धतन्त्र ने कोयला खान विनियम का केवल तकनीकी उल्लंघन किया है। हालांकि इस विषय पर, मैं खान में संवातन पद्धति में सुधार करने के लिये प्रो० जी०बी० मिश्रा द्वारा की गई सिफारिशों की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा, मैं सिफारिश करता हूं कि प्रबन्धतन्त्र उनकी सिफारिशों के कार्यान्वयन की प्रक्रिया को यथाशीघ्र पूरी करेंगे, जिस पर पहले ही कार्यवाही आरम्भ कर दी गई है।

कोयला खान विनियम का विनियम 135

73. यूनियन ने आरोप लगाया है कि विनियम 135(1) का उल्लंघन हुआ था। प्रबन्धतन्त्र ने बताया कि अलग-अलग संवातन डिस्ट्रिक्टों के लिये अलग-अलग स्पलिटों की व्यवस्था की गई थी और उल्लंघन नहीं हुआ। इस प्रश्न पर उस प्रश्न के साथ ही विचार किया जायेगा कि क्या कार्यस्थल फेसिंग का संवातन करके वापिस आ रही वायु इन्टेक वायु के साथ मिल गई थी। उपमहानिदेशक खान सुरक्षा ने अपनी रिपोर्ट (सी-1 ए) में बताया कि 20 फुट और 60 फुट सीमाओं के विकास कार्यस्थलों का संवातन करने के पश्चात् साउथ लिम्ब क्रॉस-मेजयर ड्रिफ्ट से लगभग 620 एम³ अतिरिक्त वायु उपलब्ध थी। मौखिक साक्ष्य के दौरान भी उपमहानिदेशक खान सुरक्षा ने बताया कि इस वायु से संवातन में सहायता मिलती थी और इस से कोई नुकसान नहीं था और ये सांविधिक अपेक्षाओं की पूर्ति करती थीं। मेरा यह मत है कि विनियम का उल्लंघन नहीं हुआ है। तथापि मैं सिफारिश करूंगा कि यह सुनिश्चित करने के लिये शाघ्र कार्यवाहिया का जाय एक एयरबज म. जहा गर एक०एल० पी० उपकरण का प्रयोग होता है, वापस आने वाली वायु को इन्टेक वायु से मिलने नहीं दिया जाना चाहिये, तथापि जहां कहीं ऐसा मिश्रण अपारहाय है, वहां गर एक० एल०पी० उपकरण के प्रयोग को निषिद्ध किया जाना चाहिये।

1243 GI/79-13

गैर एक० एल० पी० उपकरणों का इन्स्टालेशन संबंधी परिपत्र संख्या 60

74. यूनियन ने गैर एक०एल०पी० उपकरण इन्स्टालेशन के संबंध में खान सुरक्षा महानिदेशालय के परिपत्र संख्या 1967 का 60 का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था प्रबन्धतन्त्र ने बताया कि कोलियरी में गैर एक० एल० पी० उपकरण का इन्स्टालेशन विभिन्न सांविधिक उपबन्धों अर्थात् कोयला खान विनियम तथा भारतीय विद्युत् नियम के अनुसार किया गया है। उपमहानिदेशक खान सुरक्षा ने किसी प्रकार के उल्लंघन का उल्लेख नहीं किया। प्रबन्धतन्त्र ने भी बताया कि खान सुरक्षा महानिदेशालय के संबंधित प्राधिकारियों को उचित नोटिस देने के पश्चात् उपकरणों को इन्स्टाल किया गया था। मेरा मत है कि परिपत्र संख्या 1967 का 60 का उल्लंघन नहीं हुआ है।

सूचना में विलम्ब

75. यह उल्लेख भी किया गया कि दुर्घटना की रिपोर्ट देने के संबंध में विलम्ब हुआ। प्रबन्धतन्त्र के बयान से संलग्न अनुबन्ध-1 से यह स्पष्ट है कि संबंधित प्राधिकारियों को दुर्घटना की सूचना देने में कोई विलम्ब नहीं हुआ था।

क्या उल्लंघनों के कारण दुर्घटना हुई थी

76. प्रश्न उठता है कि क्या कोयला खान विनियमों या खान सुरक्षा महानिदेशालय के आदेशों के किसी प्रकार के उल्लंघनों से दुर्घटना हुई? यूनियन ने यह बताया कि कोयला खान विनियम के विनियम 130(2) (1), 135 (1) और गैर एक०एल०पी० उपकरण के इन्स्टालेशन के संबंध में अभिकथित उल्लंघन के कारण दुर्घटना हुई, 41ए और 123 संबंधी अन्य उल्लंघनों का दुर्घटना से कोई संबंध नहीं था। मेरे निष्कर्षों को देखते हुए कि सामान्यतया कोयला खान विनियमों का केवल तकनीकी उल्लंघन हुआ, अतः इसका प्रश्न ही नहीं उठता कि उल्लंघनों के कारण दुर्घटना हुई है।

77. कोयला खान विनियमों के उपबन्धों के अनुसरण में खान में रखे गये विभिन्न रजिस्ट्रों की जांच के दौरान यह देखा गया कि यद्यपि पर्यवेक्षक अधिकारियों ने उन रजिस्ट्रों को देखे जाने के प्रमाणस्वरूप उन पर हस्ताक्षर तो किये, तथापि उन्होंने तारीखें नहीं डाली हैं, जैसा कि विनियमों के अधीन अपेक्षित है। यह अनिवार्य है कि तारीखें उनके हस्ताक्षर के नीचे दी जानी चाहियें। ऐसी त्रुटियों की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिये।

78. मैं रिपोर्ट के इस भाग को इन टिप्पणियों के साथ समाप्त करना चाहूंगा, कि न तो प्रबन्धतन्त्र आर न हा काई व्यक्ति इस दुर्घटना के लिये उत्तरदायी है।

VI—समाप्त

79. यूनियन ने अपने लिखित बयान में खान में सुरक्षित कार्य दशाओं के लिये कई सुझाव दिए। बहुत से

दौरान कुछ और सुझाव दिये गये। मैंने इनमें से अनेक सुझावों पर भाग—5 में विचार किया है। शेष सुझावों पर रिपोर्ट के इस भाग में विचार किया गया है।

80. एक सुझाव यह दिया गया था कि खान का तत्काल गैस सर्वेक्षण किया जाना चाहिये। और इसमें गैस की मात्रा घोषित की जानी चाहिये। प्रबन्धतन्त्र ने बताया था कि गैस के नमूने नियमित रूप से इकट्ठे किये जाते हैं और कोयला खान विनियमों के उपबन्धों के अनुसार उनका विश्लेषण किया जाता है और खान सुरक्षा महानिदेशालय ने इस खान को डिग्री 2 गैसी खान घोषित किया है। विनियम 116(4) में पहले ही खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों को अधिकार दिये गये हैं कि वे किसी भी समय सीमा का पुनः वर्गीकरण कर सकते हैं। न्यायालय द्वारा इस संबंध में किसी विशेष सिफारिश की आवश्यकता नहीं है।

स्व-बचाव उपकरण

81. एक सुझाव यह दिया गया था कि सभी श्रमिकों को स्व-बचाव उपकरण दिये जायें और उन उपकरणों का प्रयोग करने के लिये श्रमिकों को पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाये। प्रबन्धतन्त्र ने बताया था कि ये बचाव उपकरण आयात किये जाने वाले मद हैं और इन्हें बदलना मुश्किल है। फिर भी प्रबन्धतन्त्र के पास 510 बचाव उपकरण हैं। ये बचाव उपकरण स्व-सेवा आधार पर प्रयुक्त किये जाते हैं और इन्हें जारी करने के कोई पृथक रिकार्ड नहीं रखे जाते। बचाव उपकरणों का प्रयोग कानूनी नहीं है और कुछ श्रमिकों को उन्हें ले जाने में असुविधा होती है। मैं यूनियन के इस सुझाव को स्वीकार करता हूँ और सिफारिश करता हूँ कि सभी भविष्यतः श्रमिकों को स्व-बचाव उपकरण दिये जाने चाहियें। मैं यह भी सिफारिश करता हूँ कि इन उपकरणों को अपने देश में बनाने के लिये कदम उठाये जाने चाहियें, ताकि उद्योग की आवश्यकता को यथासंभव कम से कम समय के अन्दर पूरा किया जा सके। कोयला उद्योग के राष्ट्रीयकरण के साथ ही कोल इंडिया लिमिटेड को इन उपकरणों को अपने देश में बनाने के लिये प्रोत्साहित करने के लिये पहल करनी चाहिये। हालांकि यह बताया गया कि बचाव उपकरणों का प्रयोग करने में श्रमिकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, तो भी मैं सिफारिश करता हूँ कि उनके प्रयोग में सभी श्रमिकों को प्रशिक्षण दिया जायें और जिन व्यक्तियों को बचाव उपकरण दिये गये हैं उन्हें उनका प्रयोग करने के लिये प्रेरित किया जाना चाहिये।

पावर का वैकल्पिक स्रोत

82. यूनियन ने यह सुझाव दिया था कि नामडांग सिरे पर एक डीजल जनरेटर लगाया जाये ताकि मेन

मैकेनिकल वेन्टिलेटर को वैकल्पिक पावर की सप्लाई की जा सके। एम० डब्ल्यू० न० 11 ने बताया कि प्रबन्धतन्त्र वैकल्पिक सप्लाई लाइन लगाने का विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि यह अतिरिक्त जनरेटर भी समान रूप से उपयोगी होगा। मैं सिफारिश करता हूँ कि प्रबन्धतन्त्र को अतिरिक्त जनरेटर या पृथक ट्रान्समिशन लाइन का यथाशोध व्यवस्था करने के लिये कार्यवाही करनी चाहिये, ताकि मेन वेन्टिलेटर को वैकल्पिक पावर शीघ्र मिल सके।

ऐम्बुलेंस

83. एक सुझाव यह दिया गया था कि मारघेरीटा ग्रिया में कम से कम दो ऐम्बुलेंस गाड़ियों की व्यवस्था की जाये, ताकि घायल व्यक्तियों के परिवहन के कार्य में शीघ्रता की जा सके। यद्यपि अधिक ऐम्बुलेंस गाड़ियाँ उपयोगी हो सकती हैं, तो भी मैं यह बात प्रबन्धतन्त्र पर छोड़ता हूँ कि वे ट्रेड यूनियनों और खान सुरक्षा महानिदेशालय के साथ परामर्श करके इस पर निर्णय लें।

कोयला खान विनियमों में संशोधन

84. यूनियन ने निम्नलिखित मामलों के संबंध में कोयला खान विनियमों में संशोधन करने के लिये बहुत से सुझाव दिये थे :—

- (क) यह सुनिश्चित करना कि किसी भी सहायक पंखे को तब तक बिना किसी व्यक्ति की देख-रेख में न चलाया जाये जब तक कि इसके अनुक्रम नियंत्रण की व्यवस्था न हो।
- (ख) सहायक पंखा लगाने के लिये खान सुरक्षा महानिदेशालय की अनुमति प्राप्त करना (विनियम 137)।
- (ग) सहायक पंख के संबंध में स्थायी आदेश बनाना, जिनमें यह व्यवस्था हो कि जब तक मेन पंखा चल रहा हो तब तक अतिरिक्त पंखा चलते रहना चाहिये [नियम 134(1)]।
- (घ) यह व्यवस्था करना कि उस स्थान को छोड़कर, जहां वे विस्कोट प्रूफ स्टोपिंग्स द्वारा बन्द कर दिये गये हों, भूमि के नीचे कोई भी गैस इकट्ठी नहीं होनी चाहिये ;
- (ङ) जब इग्निशन का विस्कोट हो, तो गैसी II खान को स्वतः गैसी III खान घोषित करना।
- (च) भारतीय विद्युत् नियमों में इस प्रकार संशोधन करना ताकि डिग्री I गैसी खानों को छोड़कर कोयला खान में जमीन के नीचे कोई भी एफ० एल०पी० उपकरण/यंत्र न लगाया जाये।

मैंने इन सुझावों पर सम्पूर्ण रूप से विचार किया है। निस्संदेह वे सुरक्षित कार्य दशाओं के हित में हैं, परन्तु यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिये कि बहुत से विनियम अन्य

कोयला खानों पर लागू होने हैं और इन विनियमों का कार्यान्वयन कठिन होगा। बहुत से आवश्यक उपकरण शायद देश में उपलब्ध न हों और उनका आयात बहुत महंगा हो सकता है। यदि सुझाव (ख) को अमल में लाया जाता है तो खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों के पास इसके आयात की अनुमति के लिये बहुत से अनुरोध आयेंगे। अतः मैं इन सुझावों पर कोई सिफारिश नहीं करता। खानों की सुरक्षा की सामान्य समस्याओं पर विचार करने के लिये अन्य मंच है और यूनियन इन विवादों को वहां और अधिक उपयुक्त रूप से उठा सकती है।

खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा जांच पड़ताल के पक्षकार

85. यूनियन ने यह सुझाव दिया था कि खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों द्वारा दुर्घटनाओं की जांच में श्रमिकों के एक प्रतिनिधि को शामिल किया जाये। मैं इस सुझाव से सहमत हूँ लेकिन यह कहना चाहूंगा कि ऐसी जांच-पड़ताल में प्रबन्धतन्त्र के एक प्रतिनिधि को भी शामिल किया जाये। जहां तक श्रमिकों के प्रतिनिधि के चुनाव का संबंध है, खानों में यूनियन की स्थिति के संदर्भ में कठिनाई को मैं स्वीकार करता हूँ और यह सुझाव दूंगा कि श्रमिकों में से एक श्रमिक निरीक्षक को, जहां कहीं, वह उपलब्ध हो, जांच-पड़ताल में शामिल किया जाये।

86. जैसा कि पैरा 60 से मालूम होगा, अर्थ लीकेज डिवाइस के आपरेशन के लिये समय एक सैकंड का 1/50वां हिस्सा था, लेकिन अगर ज्वलनशील मिश्रण की चिंगारी एक सैकंड के 1/250वें हिस्से तक रहती है तो इग्निशन हो सकता है। इनमेनडिव स्पार्किंग कम करने के लिये यह वांछनीय प्रतीत होता है कि अर्थ लीकेज डिवाइस के आपरेशन के लिये समय कम करने के लिये अध्ययन और अन्वेषण किये जायें। यह प्रतीत होगा कि इस समय को एक सैकंड के दस लाखवां भाग तक कम किया जा सकता है। मैं सिफारिश करता हूँ कि उपयुक्त प्राधिकरणों और एजेंसियों को जांच-पड़ताल के लिये यह मामला उठाना चाहिये।

VII आभार

87. मैं उन असेसरों के प्रति आभार प्रकट करता हूँ जिनके साथ हम जांच में मुझे काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जांच के सभी चरणों में मैंने उनकी बहुमूल्य पट महायता और परामर्श का पूरा लाभ उठाया।

मैं उन सभी पक्षों का आभारी हूँ जो न्यायालय में उपस्थित हुए और जिन्होंने जांच करने में पूरा सहयोग दिया जो निर्विघ्न, तत्काल और संतोषप्रद थी।

मैं खान सुरक्षा महानिदेशालय को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने जांच के दौरान वे विभिन्न सेवायें प्रदान कीं जिनका उल्लेख नहीं किया जा सकता।

मैं खान बचाव केन्द्र, लीडो के अधीक्षक को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने कोर्ट की बैठकों को आयोजित करने के लिये अपने परिसर में सभी प्रबन्ध किये।

अन्त में मैं, सर्वश्री एस०एस० सहस्रानामन और सोहन लाल द्वारा किये गये अच्छे कार्य की प्रशंसा करूंगा, जिन्होंने कोर्ट के सचिवालय के रूप में कार्य किया।

ह०/-

टी०एस० शंकरन,
जांच न्यायालय

हम उपर्युक्त रिपोर्ट से सहमत हैं।

ह०-

एस० दास गुप्ता, असेसर

ह० -

एच०बी० घोष, असेसर

ह० -

एस०एस० सहस्रानामन,
18-9-79

अनुबन्ध-1

गवाहों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
एम डब्लू-1	श्री समाजीत हावरे	ओवरमैन
एम डब्लू-2	श्री टिलेश्वर गोगोई	खनन सरदार
एम डब्लू-3	श्री मोती हरिजन	कोल कटर
एम डब्लू-4	श्री खेतु हरिजन	पखा परिचालक
एम डब्लू-5	श्री नील रतन चौधरी	ट्रैमर
एम डब्लू-6	श्री जी० अण्णलस्वामी	ट्रैमर
एम डब्लू-7	श्री के० हराना	कोल कटर
एम डब्लू-8	श्री प्रोद्युत कुमार सेन	बिजली घर परिचालक
एम डब्लू-9	श्री एस० के० राहा	विद्युत् पर्यवेक्षक
एम डब्लू-10	श्री तारक नाथ सरकार	बिजली घर परिचालक
एम डब्लू-11	श्री यू० पी० शास्त्री	कोलियरी इंजिनियर
एम डब्लू-12	डा० डी० सी० देवनाथ	कोलियरी डाक्टर
एम डब्लू-13	श्री ए० कुमार	सुरक्षा अधिकारी
एम डब्लू-14	श्री वी० वाय० अनगामी	सहायक मैनेजर
एम डब्लू-15	श्री आर० एन० दिवान	संवातन अधिकारी
एम डब्लू-16	श्री वी० प्रसाद	कोलियरी मैनेजर
एम डब्लू-17	श्री आर० भाषकरन	महा प्रबन्धक का स्टाफ अधिकारी (खनन)
सी डब्लू-1	श्री एस० संकरन	खान सुरक्षा उप महा-निदेशक
सी डब्लू-2	श्री एन० के० सेन	खान सुरक्षा निदेशक (बिजली)
सी डब्लू-3	श्री ए० के० राय	खान सुरक्षा संयुक्त निदेशक
सी डब्लू-4	श्री करन बहाधुर	ट्रैमर

क्रमांक	नाम	पदनाम	सी-10	अधीक्षक खान बचाव केन्द्र, लेडो की रिपोर्ट तारीख 29-1-1979
सी डब्लू-5	श्री राम सबल गोवाला	ट्रेमर	एम-1	बिजली घर लाग पुस्तिका
सी डब्लू-6	श्री मिनेश तामुली	बिजली मिस्त्री	एम-2	साउथ लिम्ब 20" और 60" सीम स्केल आई० सी० एम०—7.92 मीटर का पार्ट प्लान
सी डब्लू-7	श्री बाला कृष्णा जोइसी	ट्रेमर	एम-3	60" सीम-साउथ लिम्ब के हैडिंग्स में मैथेन का संचयन
सी डब्लू-8	श्री फूलचंद यादव	टिम्बरमैन सहायक	एम-4	साउथ लिम्ब के सहायक पंखे की प्रक्रिया के सैद्धांतिक मामले में प्रचलित दशाएं
सी डब्लू-9	श्री शंकर प्रसाद हरि-जन	जनरल मजदूर	एम-5	औद्योगिक दुर्घटना जांच रिपोर्टें
सी डब्लू-10	श्री संगी लामा	हौलेज ड्राइवर	एम-6	नार्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स मार्शरिता पत्र संख्या एन० ई० सी० 41/643/जी० एन० तारीख 2 सितम्बर, 1977—मेकूम कोलफील्ड्स में कोल डस्ट का अध्ययन
सी डब्लू-11	श्री भजन लाल	हौलेज ड्राइवर	एम-7	इसमें सनिहित व्यक्तियों के साथ भाग/विस्फोट प्रबन्धक, बारगोलाय नोट ।
सी डब्लू-12	श्री धरनी हरिजन	उत्पादन सरकार	एम-8	बारगोलाय कोलियरी में 22-1-1979 को घटित दुर्घटना संबंधी नोट । -
सी डब्लू-13	श्री यू० जे० त्रिवेदी	बचाव अधीक्षक-लेडो	एम-9	वायु नमूना विश्लेषण (पुस्तिका-1) ।
सी डब्लू-14	श्री मोतीलाल वास	हौलेज ड्राइवर	एम-10	डस्ट सैम्पलिंग रिकार्ड ।
सी डब्लू-15	श्री एन० सी० देवनाथ	ओवरमैन	एम-11	सापेक्ष आद्रता और बी० ई० क्यू० कारिकाई ।
सी डब्लू-16	श्री रामचित्र यादव	खनन सरदार	एम-12	वायु मापन पुस्तिका (पुस्तिका-2)

अनुबन्ध-2

प्रदेशों की सूची

सी-1	ए एंड बी खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों द्वारा की गई जांच संबंधी रिपोर्ट	एम-13	खतरनाक स्थानों से व्यक्तियों की निकासी और खतरों को दूर करने संबंधी रिपोर्ट ।
सी-2	केन्द्रीय ईंधन अनुसंधान संस्थान, धनबाद का पत्र तारीख 17 अप्रैल, 1979—खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा भेजे गए सैम्पलों के पेट्रोफैफिक विश्लेषणों का परिणाम	एम-14	नामडंग मुख्य पंखे का रिकार्ड ।
सी-3	केन्द्रीय खान अनुसंधान केन्द्र का पत्र संख्या W/77 तारीख 3-2-1979—खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा भेजे गए खान वायु सैम्पलों का विश्लेषण	एम-15	हानिकारक ज्वलनशील गैसों की विद्यमानता के ब्यौरे-विनियम 142 ।
सी-4	परीक्षण के अनुसार 60" सीम वर्किंग्स से मैथेन का संभाव्य उत्सर्जन	एम-16	विनियम 143 के अधीन प्रयोग में न आने वाले कार्यस्थलों (साउथ लिम्ब के लिए) के साप्ताहिक निरीक्षण संबंधी रिपोर्ट ।
सी-5	एक्स-मेजयर ड्रिफ्ट में फायर डैम्प के द्रव्य (मास) की मूवमेंट	एम-17	श्री एस० हीरे की ओवरमैन संबंधी रिपोर्ट पुस्तिका-विनियम 43(9) ।
सी-5 ए	घाट	एम-18	विनियम 36 के अधीन खान प्राधिकरण पुस्तिका ।
सी-6	ज्वलन में सनिहित मैथेन की संभाव्य मात्रा, जैसाकि फलेम की लंबाई से निर्धारित की गई	एम-19	भारतीय बिजली नियमों के नियम 131 के अधीन लाग पुस्तिका ।
सी-7	मुख्य यांत्रिक संवातक के बंद होने की सूरत में माडल स्थायी आदेश	एम-20	टेलीफोन आपरेटर की डायरी ।
सी-8	ए० आर० एंड टी० कंपनी की बारगोलाय तथा लेडो कोलियरीज की सीमों का पुनः वर्गीकरण—ए० आर० टी० सी० की कोयला खानों में दोरे संबंधी तारीख 14, 15 और 18 मई, 1970 के नोट	एम-21	श्री ए० कुमार की डायरी ।
सी-9	कोयला सर्वेक्षण प्रयोगशाला, जोरहाट संख्या 1(डी) 6-ए(79) 456, तारीख 9-4-79—खान वायु नमूने का विश्लेषण	एम-22	संवातन प्लान ।
		एम-23	ऐसे श्रमिकों के नाम तथा आयु संबंधी सूची, जो प्रथम पारी में नियोजित थे ।

- एम-24 आपातकालीन निकासी निरीक्षणों की प्रति ।
- एम-25 सेल्फ-रेस्क्यूअर की जांच संबंधी अनुदेशों की प्रति ।
- एम-26 औद्योगिक दुर्घटना जांच रिपोर्ट का नमूना
- एम-27 सितम्बर, 1978 की कर्मकार निरीक्षण रिपोर्ट संबंधी प्रबन्धतंत्र को लिखे गए संयुक्त निदेशक, खान सुरक्षा के पत्र तारीख 11-5-1978 की प्रति ।
- एम-28 असम कोलियरी मजदूर कांग्रेस के पत्र तारीख 10-11-1977 की प्रति, जिसमें कर्मकार निरीक्षकों के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए कर्मकारों के नाम सुझाए गए हैं ।
- एम-29 दुर्घटना से पहले और बाद में वायु मात्रा संबंधी सर्वेक्षण का व्यूरा ।
- एम-30 16 कर्मकारों की शव-परीक्षा रिपोर्टों की प्रतियां, जो दुर्घटना में मारे गए थे ।
- एम० ओ० 1 सी सन्टर में होल सहित तार जल गई तार
- एम० ओ० 2 सी

[सं० एन०-11015/1/80-एम० 1]

जे० के० जैन, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 1st March, 1980

S.O. 637.—In pursuance of section 27 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby publishes the following report submitted to it under sub-section (4) of section 24 of the said Act by the Court of Inquiry appointed to hold an inquiry into the causes of and circumstances attending the accident which occurred on the 22nd January, 1979, in the Baragolai Colliery in Dibrugarh District, State of Assam.

**REPORT OF THE COURT OF INQUIRY ON THE
ACCIDENT WHICH OCCURRED ON THE
22ND JANUARY 1979 AT
BARAGOLAI COLLIERY**

I. INTRODUCTION

1. Government of India in their notification dated the 1st March, 1979, published in the Gazette of India on the 14th March, 1979 appointed me to hold a formal inquiry into the causes and circumstances attending the accident which occurred at Baragolai Colliery of the North Eastern Coalfields of Messrs Coal India Limited in Dibrugarh District of Assam on the 22nd January, 1979. The following persons were appointed to act as assessors in the Inquiry :—

- (1) Shri S. Das Gupta,
General Secretary,
Indian National Mine Workers' Federation,
Dhanbad.
- (2) Shri H. B. Ghose,
Retired Chairman & Managing Director,
Central Mine Planning and Design Institute,
Ranchi,
13G/2, Sankharinore Road, Nilkuthi,
Calcutta.

2. The accident which is the subject matter of the present inquiry took place on the 22nd January, 1979 in the Baragolai Colliery in District Dibrugarh in the State of Assam. The accident resulted in the death of 16 persons, four due to burn injuries and twelve due to inhalation of poisonous gas produced as a result of ignition of methane gas.

3. The Court held three public sittings. All the sittings were held at Ledo Mines Rescue Station, about 4 k.m. from the Baragolai Colliery. At the first preliminary sitting held on the 3rd April, 1979 the procedure to be followed for the Inquiry, the parties to the Inquiry and allied matters were decided upon. At the second sitting held from 10th to 14th May oral evidence was recorded. At the third sitting held on the 31st July and 1st August, 1979, the arguments were heard on behalf of the parties.

4. The Court visited the site of the accident on the 2nd April, 1979, with the assessors, the representatives of the parties and the officers of the Directorate General of Mines Safety.

5. At the first sitting, the following three parties appeared before the Court in response to the public notice issued by it :—

- (1) The North Eastern Coalfields Limited.
- (2) Assam Colliery Mazdoor Congress affiliated to the Indian National Trade Union Congress.
- (3) The Indian Mine Managers' Association, Assam, Branch.

These three were admitted as parties. (They are being referred to further in this report as Management, Union and Association respectively). At the second sitting, a letter dated the 10th May, 1979 was submitted to the Court by the Assam Coal Mine Workers' Union authorising the Assam Colliery Mazdoor Congress to represent them before the Court of Inquiry. It was announced at the first sitting that the Directorate General of Mines Safety would assist the Courts and would not be a party to the inquiry.

6. Written statements were filed by all the three parties, The Management and the Association also filed additional submissions on the written statement filed by the Union. Two reports submitted by the Directorate General of Mines Safety to the Government of India dated the 7th and 16th February, 1979 were subsequently marked as Exhibits C-1A and C-1B.

7. The Management produced 17 witnesses. The other two parties did not produce any witnesses. There were 16 Court Witnesses. A list of witnesses examined is at Annexure I.

8. The Directorate General of Mines Safety filed 12 Exhibits in addition to two material objects and the Management filed 30 exhibits. A list of the Exhibits filed is at Annexure II.

9. The Management and the Association submitted written arguments at the third sitting. The Union sent its written arguments subsequently by post.

II. DESCRIPTION OF THE MINE

10. Baragolai Colliery is one of the units of Margherita Group of Coal Mines, North Eastern Coalfields, and is situated about 5 k.m. from Margherita Railway Station. It was originally owned by Messrs Assam Railways & Trading Company Limited. It is presently owned by Messrs Coal India Limited. The Colliery was started in 1909. The daily average employment in the mine was 1240 persons and the average output 740 tonnes per day during December, 1978. The entire property of the present colliery is in two parts, Baragolai on the east and Namdang on the West.

11. The Coal seams of Baragolai Colliery are of tertiary origin and the coal deposit is in the form of a syncline. Baragolai Colliery consists of the Baragolai underground mine and small manual quarries at Tikka and Namdang Sections. Northern Limb has a varying gradient of 30°-33° whereas south limb has steeper gradient of about 70°. Coal seams are highly folded and friable. There are five coal seams with a number of thin seams occurring in patches. The underground workings are approached from surface by

a pair of crossmeasure drifts, each about 1.6 km. in length and driven from the foot of the hill at '0' level to touch the North limb of the syncline. One of the drifts has been continued to touch the South Limb and surface connections made in the 20-foot seam. In the northern limb, five dip entries have been driven upto 8 level and levels are opened on either side, East and West. At present, there are 2 depillaring districts working, one on the eastern side where coal is extracted between 1L and 5L and another on the Western side where coal is extracted between 5L and 6L.

12. The development and depillaring are done in close succession. At present depillaring is confined to two panels of northern limb of 60-foot seam. Development of 20-foot seam in North limb is also in hand.

13. The method of extraction is known as 'Bhaska' method and is practiced only in this coalfield. The method consists of splitting pillars into stocks 10m X 10m. The sides and roof are widened and heightened, based on the principle of stress distribution on a dome. The shape is maintained in the form of a dome, which depends on the accumulated experience and the skill of the miners.

14. The mine is highly watery and the area receives annual rainfall of 250 cm to 350 cm. The mine is considered naturally wet. As the coal deposit belongs to the tertiary age and contains high proportion of vitrain, the production of air-borne dust is negligible. Coal is won by drilling and blasting.

15. The Zero Level Workings consist of the two main adits, the 60-foot seam bottom coal '0' Level roadway, the cross-cut to the South limb and inter-connections in 60-foot seam top coal and other seams. The two main adits act as intakes as well as drainage outlets, one of these adits being the main haulage roadway is the main road connecting these entries to workings below. There are five dip galleries going down below Zero level three are used for hauling coal tubs upto Zero level, one is used for travelling purpose (Travelling churi) and the fifth as a roadway for water draining pipes. The South Limb tunnel acts as an intake as well as haulage road from South Limb.

16. Ventilation of underground working is effected by a main surface mechanical ventilator in a drift near Namdang Inclines. This ventilator is a Sirrocco fan run by 120 H.P. motor and delivering a quantity of approximately 1700 m³ of air per minute at 85 mm. w.g. The parallel adit drifts from the Baragolai are the intake airways for 1000 m³ of air. About 620 m³ of air from the South limb is also received after it ventilates the development working of twenty-foot and sixty-foot seams. The total quantity of air 1620 m³ goes down from 0L to 5L by five connections and split into four splits. The first split ventilates the east side depillaring district, second ventilates the west side depillaring district, third ventilates the north limb 20-foot development and fourth ventilates 60-foot dip working below 8L.

17. Three booster fans help to ventilate the different districts. In addition, there are three auxiliary fans, one of which is fitted in the South limb for ventilating 60-foot development faces. This auxiliary fan produces 150 to 200 m³ of air per minute and is run by a 15 H.P. motor. The natural ventilation from South Limb towards North in the Cross-measure drift was 160 to 180 m³ of air when all the fans on the surface and underground are stopped. A line diagram showing the ventilation system is at Annexure III.

III. CAUSES AND CIRCUMSTANCES ATTENDING

THE ACCIDENT

(i) Time of the accident

18. The accident occurred on Monday, the 22nd January, 1979, after a rest day on Sunday. The mine is working in three shifts of 8 hours each, the first shift commencing at 7 A.M. According to customary practice, the workers went underground at about 6.30 A.M. The main and tail haulage provided for one of the adits is normally used also by workers for travel. However, on the day of the accident the haulage was not working at the beginning of the first shift. 332 workers were issued their safety lamps but only 320

workers went inside. The normal time taken to travel on foot from the surface to the 0-level main siding would be about 20 to 25 minutes as the distance to be covered is about 1.6 K.M.

19. The Deputy Director General of Mines Safety, Eastern Zone, had stated that the accident took place at about 8.30 A.M. on the 22nd January, 1979. The management and the Union in their submissions had accepted this time. Shri Motilal Das, (C.W. 1) haulage driver, in his statement before the DGMS Officers had stated that about an hour after 7.30 A.M. when he reached the Engine House, he felt the rush of air and heard loud noise. It was Shri Motilal Das who gave the first information to the Manager about the accident. The Manager in his evidence had also stated that he had received the news of the accident at 8.30 A.M. from Shri Motilal Das. In the light of the available evidence, there is no doubt that the accident occurred at about 8.30 A.M. on the 22nd January, 1979.

(ii) Nature of the accident

20. The preliminary report by the Deputy Director General of Mines Safety who investigated the accident, and the submissions made by the parties before the Court of Inquiry together with the evidence recorded indicate that the accident which took place in Baragolai on the 22nd January at 8.30 A.M. can be broadly divided into two parts, one arising out of ignition of gas resulting in burn injuries to mine workmen of whom four died and the other leading to the death due to asphyxiation of 12 workmen in the D 2 Break Dip caused by the products of combustion containing carbon monoxide having travelled along the dip galleries. The evidence as well as the submissions of the parties also lead to the conclusion that sequentially, the ignition took place first and asphyxiation later caused by the presence of carbon monoxide produced as a result of the ignition. While the causes and circumstances leading to asphyxiation resulting in the death of 12 workmen are not in dispute, all the parties in their submission as well as the evidence being unanimous on this, the first part of the accident relating to ignition has become the point of disagreement both in the matter of source of gas and source of ignition. There is also another area of disagreement as to whether the fall in the cross-measure drift took place first and ignition of inflammable gas later or ignition of gas took place first leading to the fall of roof. That there was gas in the inflammable range was of course not in dispute. Whereas the evidence before the Court as also before the Deputy Director General of Mines Safety as well as submission made by the Management and the Association places a Cavity in the roof at the site of the fall as the source of gas, the Union argued that the source of gas was the 60-foot seam of the south limb; the Union also ruled out the possibility of cavity gas. Likewise, while the source of ignition was according to the DGMS, the Management and the Association, the arc from the cable punctured as a result of the roof fall, the Union attributes the source of ignition to the haulage engine.

21. In respect of the diametrically opposite stands taken by the Union on the above three matters, viz., source of gas, source of ignition and sequence of events relating to the ignition and the roof fall, it must be pointed out, as admitted also by the Union in its oral and written agreements that there was no positive evidence in support of its contention. Not only was no witness examined on behalf of the Union but even during the cross-examination of the management's and Court's witnesses, there was no attempt to elicit evidence in support of the Union's contention.

(iii) Causes and Circumstances attending the accident

22. According to the report of the Deputy DGMS (Exhibit C-1A), at about 8.30 A.M. there was a fall of roof measuring about 7m X 3.3 in a cavity in the cross-measure drift, resulting in the increase in the height of the cavity to 7m and also exposing freshly a portion of 1.3 m. coal seam and 0.2m. coal seam. This fall (which took place at a distance of 80 metres from the north limb of the 60-foot seam) in the cavity dislodged steel channel sets, corrugated iron sheet coverings, rail and timber pieces. The steel and timber pieces which fell down damaged the live cable in the drift and caused it to emit an arc. The arc ignited the gas pushed down from the cavity by the fall of roof and which came within the inflammable range by mixing with

the fresh air. The flame of the gas ignition rapidly developed and swiftly moved towards the north. Sarvashri Ramesh Majumdar, Surinarayan and Maniram Yadav who were in the drift near the haulage engine and came in direct contact with the flame sustained very severe burn injuries which later proved to be fatal. Shri Ram Sakal Gowala (C.W.5) who was near the first aid station at the junction of 0-level also sustained burn injuries. Sarvashri Nilratan Choudhury (M.W.5), Applaswami (M.W.6), Karan Bahadur (C.W.4) and C. Rajlool were in 0-level between the cross-measure drift and main dip and sustained burn injuries. Of these, Shri C. Rajlool succumbed to the injuries.

23. According to the Management's submission, the accident occurred in '0' level tunnel leading to the South limb workings. A roof fall in the South limb drift at a distance of about 80 metres from the North limb 60-foot seam had been noted during the inspection after ignition. According to them, a roof fall took place at this area causing a sudden release of gas leading to formation of an explosive mixture of methane and air.

24. The Association had in its submission stated that its view was identical with that of the management, namely, that due to the roof fall, sufficient quantity of methane gas got liberated and there was instantaneous development of inflammable mixture with the air in the zone of ignition.

25. According to the submission of the Union, in the South limb cross measure drift, the timber supports had fallen over a length of 24 metres inbye of the fall which damaged the cable. This fall appeared to be due to the violence caused by the explosion. Four of the workers who received severe burn injuries were in the roadway connecting south limb tunnel and the main siding in or near about the haulage room and three were at the junction of bottom coal roadway and the south limb tunnel. According to the Union, the accident occurred due to explosion of fire dump in the South limb cross-measure drift. While in its written submission, it expressed a doubt as to whether the roof fall took place before or after the explosion and a presumption could be made that one fall might have occurred before the explosion, a definite stand was taken by the Union at the time of arguments, that the explosion took place first and the consequential result was the fall of the roof.

(a) Sequence of fall and ignition

26. Two views were thus advanced before the Court as to the sequence of the incidents. The view held by Dy. DGMS the management and the Association was that the roof fall took place first releasing the methane gas. The Union had expressed the view that the explosion took place first causing fall of roof.

27. The position that emerged from the evidence led before the Court was that there was a loud report, a gush of air and emission of smoke. Shri K. Satayya stated before the DG&S Officers that "Suddenly air gashed through No. 1 level gallery and the door at the back side of the haulage engine. The whole area was filled with dust. Subsequently I heard a large sound. Three persons fall on the floor due to the force of sudden blast" (Exhibit C-1A Annexure). Shri Motilal Das (C.W.14) who telephoned to the Manager about the accident, stated "air gushed through the zero level (No. 1 level as per plan) gallery with force raising small particles of coal and dust. Subsequently, I heard a large sound....." (Exhibit C-1A Annexure). These statements are supported by other witnesses like Sarvashri Ram Sakal Gowal (C.W. 5), Minesh Tamuli (C.W. 6) Balakrishna Joici (C.W. 7). These statements in themselves could not lead to any positive conclusion as to the sequence of the fall and ignition.

28. This question was not dealt with specifically in the report of the Dy. D.G.M.S. neither in the submissions of the management nor during the recording of evidence was this matter seriously examined. This question was, however, taken up by the Union during the argument stage and it advanced several arguments in support of this stand. Starting with the assumption that the source of gas was the 60-foot Seam in the South limb and the source of the ignition was the haulage engine, the Union argued that the ignition took place first, as a result of which the fall took place subsequently. In support of this, the Union referred to the fol-

lowing evidence of C.W.15, Shri N. C. Debnath. Overman. ".....It may be between 8.10 to 8.20 a.m. When I came back to the 7th level I instructed my men to go to the safe place. I experienced a very severe air-blast. There was also a lot of dust and a little quantity of smoke. The gust of air as well as dust came from the main dip. While we were standing at the district station in 7th level, there was a sudden blast of air down the main dip which blew the door open. One or two of my men were injured...." According to the Union this evidence shows that there were two blasts of air one of which was caused by the ignition and the second one by subsequent roof fall. The Union also referred to the statement (Page 23 of Exhibit C1-A) recorded by the DGMS Officers from Shri Minesh Tamuli. According to him, "....At about 8.30 a.m. I heard a hissing sound from the West side entrance of the sub-station and I saw a reddish blue flame followed by hot air. The hot air entered the sub-station from West side and I was engulfed by it. The blast of hot air was followed by sand and pebbles and it went part of east side towards D1. The blast returned back almost immediately and as I was facing east...." The Union would contend that this also shows that there were two separate blasts. I have carefully considered these. As far as the evidence of C.W. 15 is concerned, it is quite clear from the reading of his evidence in full that he was talking of the same blast of air and not of two separate blasts. The evidence of other witnesses who were with him at the time also talks of only one blast of air. As far as evidence of Minesh Tamuli is concerned, his evidence itself indicates that it was a return of the earlier blast rather than a second blast that he was referring to. As against this, we have the evidence of MW 1, S. Hoare. Overman, who in his cross-examination by the Association stated that he got only one blast from the northern side. The evidence thus does not establish that there were two separate blasts, one caused by the ignition and another by the fall. Also it must be noted that a roof fall of this magnitude could not have created a noticeable violent blast.

29. However, the question could be looked at from a different angle. Where was the source of ignition that led to the accident. In the later portion of the report I have come to the conclusion that the source of ignition was the emission of arc from the cable damaged by the fall of roof. The damage to the cable was caused by the roof fall and, therefore, roof fall took place first and ignition later. This conclusion is also strengthened by the extent and nature of violence caused by the accident.

30. According to the Dy. D.G.M.S., there was not much damage except that the door in the top coal connection was forced open and damaged. One of the cross bars close to the junction of the drift with the top connection was broken. The switchgear at the haulage engine was pushed back against the wall. On the north side of the occurrence, the timber supports had fallen for a length of about 240 meters inbye of the fall. The management, in its submission, had stated that apart from some disruption of supports and a little shifting of one of the Oil Circuit Breakers in the haulage house, there was no other sign of violence. Even the pipes, cable had not been disturbed and mostly the installation were in tact. The Union in its submission had stated that there was not much damage and had generally agreed with the statements of the D.G.M.S. and the Management.

In the light of above, I hold that the roof fall took place first and was followed by the ignition.

31. There were a few other minor falls. The estimated weight of the debris in the main fall was about 100 tonnes and this could cause minor falls in a few other places. It is likely that explosion might have also contributed to some extent to these fall but the ignition in itself would not be primary cause of the fall.

32. The next question to be considered is the cause of ignition. The following two conditions are essential for an ignition/explosion :—

- (1) Presence of inflammable gas in the mine atmosphere within the inflammable range.
- (2) Source to ignite the mixture of inflammable gas.

(b) Source of gas

33. The Deputy Director General of Mines Safety had observed that there were three possibilities of gas accumulation in inflammable range at the point of ignition, namely :—

- (a) There was heavy concentration of methane in the workings of the sixty-foot seam in the South side. On the day previous to the day of occurrence, there were frequent stoppages of main surface fan. On the day of occurrence also it stopped at 6.45 a.m. and at 8.20 a.m. and the gas in the sixty-foot seam workings on the South side might diffuse by natural ventilation into the cross-measure drift and form a thin layer along the roof. When the surface fan was restarted, this layer might have been pushed forward and exposed at the point of ignition.
- (b) Assuming that the auxiliary fan had been running was stopped between 6.45 a.m. and 7.30 a.m., it was very likely that it might have pushed a large volume of gas into the drift. When the main fan was restarted at 7.30 a.m. the accumulation of the mixture of methane and air might be pushed forward and exposed at the point of ignition.
- (c) The methane could have been released by the 1.3 m seam and 0.2 seam leading to gradual accumulation in the cavity. The roof fall in the cavity could have suddenly dislodged this accumulation of gas into the cross-measure drift and exposed at the point of ignition.

34. He had dismissed the first two possibilities (a) and (b) above, and had accepted the third one, i.e. (c) above. He had dismissed (a) above on the findings of an experiment conducted by him (Exhibit C-1A) revealing that the methane content even at the roof level of the cross-measure drift was as low as 0.3 per cent and was inadequate to cause ignition of gas. He had dismissed (b) above on three grounds, first, that the ignition of such a large volume of gas mixture would have caused far greater violence over a larger distance than what had actually occurred, secondly, that there was adequate evidence that the auxiliary fan had not worked and thirdly, that there was no sign of passage of flame on the South of the cavity. The supporting reason for accepting the third possibility was that the gas content in the cavity did not fall below .6 per cent and the bore-hole samples collected by him indicated that the two seams i.e. 1.3 m and .2 m contained gas as high as 14 per cent.

35. The management had submitted that gas accumulation upto 1 per cent had been noticed in headings which were not ventilated properly. According to them, roof fall took place causing a sudden release of gas resulting in the formation of an explosive mixture. There had been a further fall at the same place and dislodgement of arches and corrugated sheets, choking the entire airway. Subsequent experiment conducted on the 29th January, 1979 had revealed that the percentage of methane in the cavity at the main fall had increased from 0.6 per cent to 1.5 per cent in one hour when the main ventilating fan was not running. The Association had supported the view of the Management.

36. The Union had suggested two probable causes of accumulation of methane gas, one of which was the same as accepted by the Deputy Director General of Mines Safety and the other parties. The Union had suggested another argument cause and had strenuously stressed this point at the argument stage to the exclusion of the cavity gas. According to the Union, the main mechanical ventilator had stopped on the previous day as also on the date of the accident, causing the accumulation of methane in South limb working which was carried to the cross-measure drift. According to the Union there was heavy make of methane in the working of the sixty-foot seam in the South Limb. There was every chance that the auxiliary fan might have been working at the time of ignition as

- (i) there was no sequence control for ensuring the stoppage of the underground fan automatically;
- (ii) the cable supply power to the South was energized even after the accident;

- (iii) the isolator was in 'on' position till 11 a.m. on 22-1-1979 when it was cut off and it was very likely that the auxiliary fan might have pushed sufficient quantity of gas in the South Limb cross-measure drift. If, in this condition, the main fan was restarted the accumulation of the mixture of methane and air might be pushed forward and exposed at the point of ignition.

37. The Union's theory that the source of gas which took part in explosion was from 60-foot seam in the South Limb district and not from the cavity in the roof was ably argued and in support of the theory, it was stated *inter-alia* that there were some inconsistencies in the stand of the management during the course of the inquiry and that there was overwritings in the log-book of the Main Mechanical Ventilator. I have carefully studied the instances of the inconsistencies cited, but they do not appear to be so. Even assuming that there are inconsistencies, they have no importance or relevance to the issues involved.

38. However, the Union had advanced several arguments in support of the view that the South Limb gas was the cause of explosion and these have been disputed by the Management. Since it is a vital issue, I consider it proper to refer to it in some detail. The view expressed by the Management and the Association in the written statements was that the source of gas was the cavity. The Union's views briefly stated are as follows :—

- (i) there was heavy make of methane in the working of the 60-foot seam in the South Limb; the D.G.M.S. Officers found during their inspection after the accident that at the entrance of the heading leading to these workings the percentage of the methane gas 1 per cent and on the 11th February, 1979 they had detected 40 per cent of methane behind the Explosion Proof stopping built after the accident;
- (ii) due to the stoppage of main mechanical ventilator the previous day and on the day of the accident, this gas got accumulated in the South Limb workings of 60-foot seam and carried to the cross-measure drift; and
- (iii) the auxiliary fan might have been working even when the main surface fan was not working, resulting in the methane gas being pushed in the South Limb cross-measure drift.

39. In reply to this, the Management in its additional submissions have observed—

- (i) that the auxiliary fan on the South Limb was not working on the 22nd January, 1979;
- (ii) that there was no inflammable gas in the South Limb drift during the inspection by the overman just before the accident; and
- (iii) that the make of gas being .08 per cent m^3 per minute could in no circumstances cause accumulation of gas in the entrance to South Limb.

40. To sum up, the views of the Union are—

- (i) that the auxiliary fan was not working for 5 shifts before the accident and gas accumulation would be 45 m^3 ;
- (ii) that the auxiliary fan had probably worked on 22-1-1979 when the surface ventilator was off, resulting in the emission at the rate of 9 m^3 of gas per minute; (The capacity of this fan was such as would enable it to clear the 45 m^3 of gas in about 5 minutes) and
- (iii) that the percentage of gas concentration was 5.54 per cent in South limb 60-foot seam.

41. The possibility envisaged by the Union was considered by the Deputy Director General of Mines Safety and he had dismissed the possibility for the reasons already indicated earlier. There is overwhelming evidence to show that the auxiliary fan was not working when the main ventilator stopped in the morning of the date of the accident. Management Witness No. 1, Shri Samarjit Hoare, has stated, "I know

the auxiliary fan has not run because I had not instructed for running the auxiliary fan". During the cross-examination, he stated "The Auxiliary fan in my district was stopped when the main mechanical ventilator at the surface is stopped." Management Witness No. 3, Shri Moti Harijan, had stated that "out of the two persons one of us operate the fan but no other person operates the fan". He also stated that he did not run the fan on the day of the accident. The other person referred to by him was Shri Khetan Harijan, Management Witness No. 4. In his evidence he stated "I did not start the fan. On Monday we were sitting in the station and no body else has started the fan as I am authorised to run the fan. I did not hear the auxiliary fan running and hence I am quite sure that the fan was not started on that day." In the course of cross-examination he also stated that the mining sirdar has not started the fan. He added "I was there. I was not allotted any other work and even then the fan was not started by me". Shri Erranna (M.W. 7) had stated "I did not hear the sound of the auxiliary fan. If the auxiliary fan had been working, we would be able to hear the sound at the station." The action of the Management Witness No. 9, Shri S. K. Raha, putting the isolator switches in the 'off' at 11.00 a.m. on the 22nd January, 1979 was only a matter of abundant caution and as stated by him "to eliminate the possibility of any person inadvertently charging the south limb cable." Although there was no automatic control for stopping of underground fans, there was a system as stated by the Management Witness No. 8 Shri Prodyut Kumar Sen, "that when the electricity underground is cut off on my instruction, they telephoned back to me confirming the same". In the light of these, I am satisfied that the auxiliary fan did not work on the morning of 22-1-1979.

42. Further, the Dy. D.G.M.S. in his oral evidence filed an exhibit C-4 showing the likely methane emission from 60-foot seam south limb working on the basis of an experiment conducted by him. The conclusion arrived at by him was that at the time of occurrence, there would have been 5.54 per cent methane content as stated by the Union at (iii) in para 40 above, if the auxiliary fan had worked on the day of the accident. This concentration would have formed a mixture

of $\frac{45 \times 100}{5.54} = 812.27 \text{ m}^3$. The length of the volume

of this mixture was $\frac{812.27}{5} = 162.45 \text{ m}$ (5 Sq.m.) is the

cross section of the drift). If this mixture were to be ignited at any point, the length of the flame would be 6 times of $162.45 = 974.7 \text{ m}$. The violence caused as a result of ignition of such a large volume of gas would have been far far greater than what was seen here; also, such an ignition should have resulted in its efforts being seen well into the south limb, but this was not the case. In the Dy. D.G.M.S. report (Exhibit C. 1A) the length of the flame was calculated at 105 m. In Exhibit C-6, the Dy. D.G.M.S. worked out that the volume of methane gas involved in the ignition would be 8.58 to 9.24 m^3 . The state of affairs as seen during inspection soon after the accident rules out the possibility of a large volume of gas being involved in this accident.

43. In the result, the Union's contention that the volume of methane gas involved would be 45 m^3 fails. There is positive oral evidence that the auxiliary fan did not work on the day of the accident. It is difficult to reject this oral evidence and accept the probability theory advanced by the Union.

44. As regards the source of gas in the cavity, the Union, as earlier stated, rules out this possibility. In support of this view, stress was laid on the fact that the Mines Manager did not know of the incidence in the past when there was gas make in the cavity, that the DGMS Officers did not find any gas in the cavity during the experiment conducted on the 29th of January, 1979, that the quantity of gas which took part in the explosion was many times that of the quantity from the cavity and that Shri Hoare (M.W. 1) did not detect gas in the cross measure drift in the morning of the accident. I have carefully considered these arguments but I am unable to accept them. The statement of the Manager that he did not know of the gas in the cavity could not be taken to mean that there was no gas in the cavity; after all, there is evidence to show that there was no suspicion regarding even the existence of the cavity, let alone of gas in it. With reference to the experiment conducted by the Dy D.G.M.S. on the 29th of January, 1979, it would be seen from Exhibit C.1A (pp 14-15) that the Dy D.G.M.S. had

observed that the gas content in the cavity did not fall below 0.6 per cent and that there was every probability that the gas was gradually seeping out from the two seams crossed by the v cavity and accumulated in it. The quantity of gas which took part in the ignition was limited as indicated above.

45. In the circumstances, I hold that the source of gas was that contained in the cavity at the main fall.

(c) Source of Ignition:

46. The next vital question for determination is the source of ignition. There could be many sources for igniting the mixture of inflammable gas, such as:—

- (i) Underground fire;
- (ii) Shotfiring;
- (iii) Frictional sparks from coal cutting picks;
- (iv) Naked flame and contrabands;
- (v) Frictional sparks from stone striking stone or other metallic objects or metal striking metal.
- (vi) Defective flame safety lamps;
- (vii) Defective Electric cap lamps;
- (viii) Sparks from Electrical apparatus.

The Deputy Director General of Mines Safety, had come to the conclusion that the source was the damaged cable which was in an energised state. The damage to the cable was caused by the fall of the roof, pressing the cable against the floor by the steel and timber pieces. The management had indicated three probable sources of ignition, namely, (1) friction of sparks by falling stones in the steelarches (ii) frictional sparks produced by the steel arches rubbing against each other due to fall and (iii) electric sparking as a result of the cable damaged found in the vicinity of the fall. The Association supported the view of the Deputy Director General of Mines Safety that the source was the puncture in the lead sheathing of the damaged cable through which an electric arc was likely to have sparked.

47. According to the Union, the probable source was the haulage engine room. It had stated that at about 8.20 a.m. when the main fan went off, the haulage operator came to his place of work and put on the switch just to check his machine as to whether it was in working order. Because of the non-F.L.P. characteristic of the switch, there was a mild explosion at the haulage engine causing the roof fall which resulted in an air blast which was the cause of violence. It had suggested that at the time of testing of haulage, there was flash from the drum controller in an atmosphere laden with gas. The Union had further referred to the injuries in the face and upper portion of the body of the haulage driver, deposition of soot in the haulage engine, the cake formation in the dust collected from haulage engine and the melting of bitumen covering the electrical armoured cable as indicators that the haulage engine was the source of ignition.

48. The oral evidence before the Court was to the effect that injuries were in those portions of the body which were bare. The heavy formation of soot and cake all round the haulage could be due to the fact that the flame lingered here for a longer time because of obstruction to the passage of flame. This lingering flame might have caused the bitumen covering of the armoured cable to melt but this melting was slight. The direction of violence on either side of the fall was different and away from the second fall denoting that the violence should have started at the fall and extended on either side.

49. In the written arguments, the management had stated that the haulage in the Stone Drift was not working at the time of occurrence as the empty rope-D-Link was found at the main siding. They have also referred to the evidence of Sarvashri Nitratan Choudhury, MW 5 and G. Appalswamy, MW 6, who were within the distance of about 15 metres from the haulage, to the effect that the haulage was not working at the time of accident. They had also referred to the evidence of two haulage drivers (CW-10 and CW-11). According to the management, there was no possibility of checking the haulage more than an hour and half later after reaching the work site. I am inclined to accept the view that the haulage engine driver would have tested the engine on reaching the work-place and not later at the time of accident; it would not, therefore, be the source of ignition. Also, the direction of the blast indicates the ignition has started at a point south of the haulage engine room—that the blast

has moved from the south towards the north is established by the following facts:—

- (i) The South side of the haulage engine was sprayed with muck.
- (ii) The switch was pushed northwards from its original position and it was also sprayed with muck on its front side.
- (iii) The glass of the ammeter facing South was found broken.
- (iv) The direction of disturbance of the arches was towards North of the fall.

Therefore, from the above observations it could be concluded that pressure wave has travelled from south towards north, and hence the place of occurrence should be somewhere south of the haulage engine room. Had the haulage engine room been the source of ignition, then the pressure wave would have travelled from haulage engine room towards south also. All the indications are contrary to this, and it can be safely concluded that the haulage engine was not the source of ignition.

50. The management had stated that the cable at the second fall was flattened due to the direct effect of the fall. There was burning smell coming from the flattened portion of the cable. The lead sheath had melted and small melted copper globules were visible. The time taken for operation of earth leakage device was $1/20$ to $1/50$ of a second. The ignition could take place if sparking in inflammable mixture lasted for $1/250$ of a second. In the present case it had lasted for a minimum time of $1/50$ th of a second and it was adequate for igniting the gas mixture. I have examined carefully the punctured cable and I am satisfied that the damage was such as it could have emitted a spark. In the circumstances, I hold that the source of ignition was at punctured cable.

51. A Plan showing the probable extent and passage of flame and smoke, furnished by the Dy. D.G.M.S. is annexed (Annexure IV).

(d) Death due to asphyxiation.

52. According to the Deputy Director General, Mines Safety, 12 persons were overcome by Carbon Monoxide and died on the spot. According to him, as a result of the ignition of Methane gas referred to in the preceding paragraphs, the products of combustion containing poisonous carbon monoxide gas travelled along 0-level West and went down all the five dip galleries. Forty workers who collected at No. 7 level to go to their working place got the pulsation of the mild pressure due to explosion and saw the appearance of smoke. They all got panicky and attempted to go out through D. 2 haulage dip to 0-level. As they came up to the rise of No. 41, 12 of them were overcome by Carbon monoxide and perhaps died on the spot. The rest were partly unconscious and quite a number of them were found to have rolled down the dip. According to the experiment conducted by D.G.M.S. officers, during investigation it was revealed that there was sluggish Ventilation in D2 brake dip gallery whereas in other dips the ventilation was brisk when the main surface fan was stopped. It was the slow movement of products of combustion in D2 dip that accounted for the fatal accident of 12 persons in that dip. The management had stated that out of about 250 persons who were below 0-level at the time of accident, 50 to 60 persons tried to come up by D2 haulage road way and 48 of them were affected, due to their walking into an irrespirable atmosphere. All the other persons who took the usual travelling roadway route were not affected at all. Through the haulage roadway was also the intake airflow, it was affected due to choking of the South Limb tunnel because of the roof falls.

The Association had not made any observations on this part of the accident.

53. The Union had stated that about 20 workers were found in and near the D2 haulage plane in unconscious and semi-conscious state due to asphyxia-Carbon Monoxide poisoning. It had not made any further observation excepting to say that the manager proceeded to the D2 brake dip where he heard groaning noise of persons.

54. It is clear from the submissions and evidence led before the Court that the workers who came along the D2 brake were affected by the poisonous gases. It is seen from the oral evidence of Shri Phul Chand Yadav, C.W. No. 8, that the overman and the Sirdar had asked the workers at the 7th level to go up by the travelling churi. They were led by the mining sirdar followed by the overman at the rear. At the 6th level the overman asked the Sirdar to lead the workers out and when they reached the 5th level there was heavy smoke and poor visibility. Some of the workers instead of going up by the travelling churi, turned to go by the D2 brake. In the light of the evidence given by the workers involved in gas poisoning it is clear that some of the workers went by D2 brake instead of travelling churi as instructed. They might have been influenced to do so by the fact that they felt it would be arduous to go along the travelling churi than through the D2 brake which was the shorter route. The evidence before the Court would only indicate that certain groups of workers chose one way and certain others, another. The action of the workers must have been spontaneous and it was unfortunate that the workers who went by the steep (over 30 degree) D2 brake had to inhale the poisonous gases resulting in fatality to the 12 workers. There was evidence to show that the D2 brake had been cleared of poisonous gases by 9 A.M. i.e. within half an hour of the explosion. The workers who died must have been in the front and had borne the full brunt of the advancing poisonous gases. Those who came in the rear should have been affected less and had only become unconscious. The whole effect of the poisonous gases must have lasted for a maximum period of 30 minutes.

IV. RESCUE OPERATION AND FIRST-AID

55. According to the D.G.M.S.'s report (Exhibit C1-A) at the time of occurrence there were about 320 persons underground distributed in different locations. The Manager went to the mine as soon as he got information of the accident on telephone. The Ventilation Officer, two Under-Managers and one Training Officer were already inside the mine. The Manager met the Ventilation Officer who had by then rescued Shri Romesh Majumdar (deceased). Proceeding to D2 brake, the Manager heard groaning noise of persons. He telephoned from main siding to the surface asking for assistance for rescue work. With the help of others, he completed the rescue operation by 1 P.M. by which time the atmosphere in D2 brake was clear of poisonous gases. The rescue team called for from Lodo Mines Rescue Station had also arrived a little later but their help was not required as the rescue operations could be done without any rescue apparatus.

56. According to the Management's submission, two under-Managers were inside the mine and were engaged in quick evacuation of affected workers to surface for further medical attention. The Ventilation Officer reached 10 minutes and the Manager 20 minutes after the accident and organised the rescue and recovery operations. 10 persons received injuries in 0-level. Nine of them had burn injuries of varying degrees and received minor abrasion. Three persons Sarvasbri Minch Tamuli, Ram Sakal Govala and Bala Krishna Joici were given first-aid and were sent out with uninjured workers. Shri N. Surinarayan and Shri Rajloo were sent out on stretchers. Shri Ramesh Mazumdar was given first-aid and sent out by an empty haulage tub. Shri Nilratan Choudhury was given first-aid and sent out with other injured workers. The Manager on receipt of the information, asked Shri Abidi, Training Officer, to take charge at the surface and went into the mine. He reached the main siding at 8.50 A.M. He went down the D2 brake to 4D. He saw about 50 to 55 men in the D2 brake. He went down to 6 L to ascertain the position there. He came to 5L and telephoned to the main siding to send men to D2 haulage place for rescue operations. He walked up from 5L through D2 haulage plane and rescued all persons with the help of others. The Sub-Area Manager who was in charge of the control room at the surface telephoned to the Central Hospital to be ready for receiving casualties. The Colliery doctor was at pit mouth and rendered first-aid to 46 persons. The injured and affected workmen were sent to hospital quickly in batches by all the transport available like trucks, etc. Five out of the seven rescue trained workers were inside the mine at 9.30 A.M. The Rescue Superintendent with the brigade of 5 persons went inside the mine ready to render help. It was found not necessary to put on the apparatus.

57. The Association in its submission has stated that the Manager with his officers started immediately rescue operations and rescued all the injured and affected persons promptly. Though the rescue operation was risky, all the injured and affected workmen were recovered in minimum time on account of the leadership of the Manager and his cordial relations with his subordinates and workmen.

58. The union in its submission had observed that about 320 persons were distributed in different locations and that the Rescue Station staff at Ledo reached 4 hours from the time of the accident. The evidence recorded, however, proves that the Rescue Team had arrived at the mine soon after they received the intimation and were inside the mine at about 10.00 A.M.

59. Dr. Debnath had stated that he gave morphine to 13 cases and attended in all to 58 cases. He found that some of the workers had been given first-aid-mouths and noses cleaned, some dressing etc. He reached the mine entrance at 9.15 A.M. Shri Sankar Prasad Harijan (C.W. No. 9) stated that while he was being given first-aid, there was another person being given first-aid. Shri V. J. Trivedi, Superintendent, Mines Rescues Station, had stated that he saw first-aid being given to the injured persons. Shri Ram Brich Yadav (C.W. 10) had stated that he gave first aid to two workmen who were injured at 6th level.

60. I am satisfied that rescue operations were conducted with a commendable sense of urgency and responsibility by the officers and the men of the colliery and first-aid was rendered where necessary promptly.

V. VIOLATION OF THE PROVISIONS OF THE COAL MINES REGULATIONS 1961 INCLUDING OTHER VIOLATIONS, IF ANY

Standing Orders :

61. The Deputy D.G.M.S. in his report (Exhibit C1-A) had observed that the Standing Orders for action in the event of stoppage of main mechanical ventilator prescribe that when the main mechanical ventilator was stopped, supply of electrical energy underground should be disconnected immediately. This was not done when the ventilator stopped at 6.45 a.m. and 8.20 a.m. on the 22nd January, 1979.

62. The Management, in its submission, had stated that the Standing Order required that electricity should be cut off from only those equipment which are not in the main intake airway and that to only if they are situated within 270m from the face. But as a measure of abundant caution electrician at the zero-level has been instructed to cut off electricity from zero-level sub-station which automatically disconnected the power from the cable. The sequence used for electric disconnection is as follows :—

- (i) 5 level substation which feeds all east side equipment.
- (ii) 6 level substation which feeds west side equipment.
- (iii) '0' level substation which feeds South limb equipment.

One power house attendant is posted to each shift. It is his duty to inform the electricians posted at different levels to cut off electricity.

63. The Association had stated that there was no lapse on the part of the mine officials in taking action under the Standing Order to be followed in the event of stoppage of main mechanical ventilator. The Union had not made any reference to this violation in its submission.

64. Shri N. K. Sen (C.W. 2) during his oral evidence had stated that under Regulation 134 of the Coal Mines Regulations, the Management of each Degree II and III gassy mines should have a Standing Order of the procedure to be followed in case of stoppage of main mechanical ventilator. In the model Standing Order, it has been mentioned that as an immediate precaution, power should be cut off from all apparatus which are not in the intake airway and fall within 270m of working face. Shri P. K. Sen (M.W. 8) had stated that there was a system in this colliery that when

the electricity underground was cut off, on his instructions, the electricians were required to telephone back to him confirming the same. Shri S. K. Raha (M.W. 9) had stated that the supply of power to underground was cut off at 8.40 A.M. on the 22nd January, 1979 from surface. Shri T. N. Sarkar (M.W. No. 10) had stated that he had informed the timekeeper in the lamp cabin about the stoppage and through the local exchange had contacted the 5th level electrician to switch off the power supply. The Manager (M.W. No. 16) had stated that copies of the Standing Orders had been given to power house attendants and had been explained to them.

65. The position which emerges is that there were frequent breakdowns of short duration and therefore in the hope of early restoration of power the cutting of electricity was not rigorously enforced. It had been admitted by the management that before power could be cut off in 'O' level on 22-1-1979, the accident took place at 8.30 A.M. when the fan had stopped at 8.20 A.M. The violation of the Standing Order, in the circumstance therefore, was unfortunate. Strict compliance with the Standing Orders must be enforced. I would also like to recommend that the Standing Orders which are in English should also be translated in the language commonly understood by the workers.

Safety Officer :

66. During his second statement before the D.G.M.S. Officers (Exhibit C1-B), Shri A. Kumar, Safety Officer had stated that he was working as Assistant Manager and the matter was under correspondence with the Mines Department regarding the posting of a full-time Safety Officer. No reference was made to this in various submissions by management or the Association. However, during the argument, the Union pointed out that there was violation of Regulation 41A and suggested the appointment of a full-fledged Safety Officer. In its rejoinder, the management stated that Shri Kumar was the Safety Officer. Duties specified under clause (a)(ii) and (c) of Regulation 41A(1) had been entrusted to the Training Officer and the duties under Regulation 41A(b)(i) and (ii) to Agent.

67. During his evidence, Shri Kumar stated that he performed all the duties specified in the Coal Mines Regulations for the Safety Officer excepting those concerning enquiries and analysis of accidents, assisting in training programmes and taking charge of newly recruited staff and workmen. He was engaged in vital safety works like setting of supports, treatment of coal dust, ventilation, pumping, etc. He had stated that though he was not performing all the duties of a Safety Officer because of the extensive workings and difficult mining conditions, he was not entrusted with anything other than safety-functions. As regards Nandang quarry works, he stated that he was looking after only the safety aspect of the work and that production work was looked after by others.

68. Regulation 31A states that in every mine the average monthly output of which exceeded 5000 tones the manager shall be assisted in the work of promoting safe practice in the mine by a safety officer. Second proviso to this Regulation states that where the Chief Inspector is of the opinion that, due to the large size of a mine, or due to the other conditions existing at a mine, it is not possible for the Safety Officer to attend to his duties by himself, he may by order in writing and for reasons to be recorded there in require the appointment of such number of persons holding such qualifications as he may specify in the order to assist the Safety Officer.

69. I am satisfied that there has been only a technical violation of Regulation 41A of the Coal Mines Safety Regulations. The mine is a large one and it may not perhaps be possible for one officer to look after all the work prescribed by the Regulations. It has been established that the Safety Officer has not been entrusted with any work connected with production. I recommend that the Director General, Mines Safety should examine very urgently this matter and pass such orders as he may think fit under the second proviso of Regulation 31A of the Coal Mines Regulations.

Circular No. 8 regarding cavities

70. The Deputy D.G.M.S. in his report, (Exhibit C1-A) has stated that Circular No. 8 of 1974 regarding cavities require that cavities if not preventable should be either filled up effectively or kept ventilated adequately and that this was not done in respect of the cavities in the cross-measure. The management had stated that cavities were generally supported by thick brick arches and fully packed and sealed on both ends. The cavity relevant to the accident was supported by steel arches with steel corrugated sheets properly lagged and packed. The offending cavity had not come to the notice of any officer of the mine or the officers of the D.G.M.S. Even the existence of the cavity has been established only by noting that the total volume of debris was lesser than the volume of the vacant space left behind as a result of the fall. In the circumstances, I am of the opinion that there has been no violation of the D.G.M.S. Circular No. 8 of 1974.

Regulation 123

71. The Union had stated that there was violation of Regulation 123 relating to Stone Dust Barrier. The Management had submitted that the mine contained high percentage of moisture and stone dusting was ineffective as the stone dust caked early. The management had produced Exhibit M-6 showing the correspondence between it and Central Mining Research Station to undertake research and suggest remedies. It is clear, therefore, that while there has been a technical violation of the Coal Mines Regulations the management has been assiduously trying to find a suitable remedy by seeking expert advice. I recommend that the management may pursue the matter vigorously with the C.M.R.S. In the meantime it may discuss the matter with the officers of the D.G.M.S. and either get exemption or take such other steps as may be recommended by them.

Regulation 130 of C.M.R.

72. The Union had stated that there was violation of Regulation No. 130(2) of the Coal Mines Regulation. Under Regulation 130(2)(1) of the Coal Mines Regulations, the management shall ensure inter-alia in every ventilating district not less than 6 m³ per minute of air per person employed in the district on the largest shift or not less than 25 m³ p.m. of air per tonne of output whichever is larger. The Deputy Director General, Mines Safety, had given evidence that the statutory requirement had been complied with, although the ventilation officer had observed that in terms of manpower for the mine as a whole, it was not adequate. However, in regard to each district, the ventilation was adequate in terms of manpower also. I conclude that there has been only a technical violation of the Coal Mines Regulations by the management if the whole mine is taken into account. While on the subject, I would like to refer to the recommendations made by Prof. G. B. Misra, for improving the ventilation system in the mine; I recommend that the management complete as early as possible the process of implementation of his recommendations on which action is already in hand.

Regulation 135 of C.M.R.

73. The Union had alleged that there was violation of Regulation 135(1). The management had stated that separate splits were provided for separate ventilation districts and there was no violation. The question would have to be considered along with the question whether the air returning after ventilating the working faces got mixed up with the intake air. The Dy. D.G.M.S. had stated in his report (C-1A) that about 620 m³ of additional air from South Limb cross-measure drift after ventilating the development workings of 20-foot and 60-foot seams were available. During the oral evidence also, the Dy. D.G.M.S. stated that this air helped in ventilation and there was no harm, and met the statutory requirements. I am of the opinion that there has been no violation of Regulations. I would, however, recommend that early steps be taken to ensure that in airways where non-FLP equipment is used, return air is not allowed to mix with intake where, however, such mixture is unavoidable, use of non-FLP equipment should be prohibited.

Circular No. 60 regarding installation of non-FLP Equipments

74. The Union had alleged violation of DGMS Circular No. 60 of 1967 in respect of installation of non-FLP equip-

ment. The management had stated that installation of non-FLP-equipment in the colliery are in accordance with various statutory provisions, namely, the Coal Mines Regulations and Indian Electricity Rules. The Dy. D.G.M.S. had not pointed out any violations. The Management had also pointed out that the installation had been made after giving proper notice to the concerned authorities of the D.G.M.S. I am of the opinion that there has been no violation of Circular No. 60 of 1967.

Delay in Communication.

75. There was a reference to the communication gap regarding the reporting of the accident. From Annexure I appended to Management's submission, it is clear that there was no delay in reporting the accident to the concerned authorities.

Whether Violations contributed to the accident.

76. The question arises whether the violations, if any, of the Coal Mines Regulations or orders of DGMS have contributed to the accident. The Union had observed that while the alleged violation of Regulations 130(2)(1), 135(1) of the Coal Mines Regulations and D.G.M.S. Circular No. 60 of 1967 in respect of installation of the Non-FLP equipments had led to the accident, the other violations regarding 41A and 123 had no bearing on the accident. In the light of my conclusions that there had been almost nothing more than technical violation of the Coal Mines Regulations generally, there is no question of the violations contributing to the accident.

77. During the perusal of the various registers maintained in the mine in compliance with the provisions of the Coal Mines Regulations, it was observed that while Supervisory Officials had signed them in token of their having seen them, they have not given the dates as required under the Regulations. It is essential that the dates should also be given below their signatures. Such lapses should not be allowed to recur.

78. I would like to conclude this part of the report with the remarks that neither the management nor any individual person could be held responsible for the accident.

VI. SUGGESTIONS

79. A number of suggestions for safer working conditions in the mine was made by the Union in its written submission. During the arguments, some more suggestions were made. I have dealt with a number of these suggestions in Part V itself. The remaining suggestions are dealt within in this part of the Report.

80. A suggestion had been made that immediate gas survey of the mine be made and its degree of gassiness declared. The management had stated that regular gas samples had been collected and analysed in accordance with the provisions of the Coal Mines Regulations and that the D.G.M.S. has declared the mine as Degree II gassy one. Regulation 116(4) already empowers the D.G.M.S. officers to reclassify the seam at any time. There is no need for any specific recommendation in this behalf by the Court.

Self Rescuers

81. A suggestion had been made that self-rescuers to all workers should be provided and the workers should be given sufficient training to use them. The management had stated that these rescues were imported items and replacements were difficult. However, there were 510 rescuers with the management. These rescuers were in use on a self-servicing basis and no separate records for issue were maintained. The use of the rescuers is not statutory and some of the workers feel uncomfortable in carrying them. I accept the suggestion of the Union and recommend that self-rescuers should be issued to all underground workers. Also recommend that steps should be taken for manufacture of this equipment indigenously, so that the needs of the industry are met within as short a period of time as possible with the nationalisation of the coal industry. Coal India Limited should take the initiative for encouraging indigenous manufacture of the equipment. Although it was stated that training was being given to the workers in the use of the rescuers, I recommend that training should be given to all work-

ers in their use and those who have been issued the rescuers must be persuaded to use them.

Alternate Source of power

82. A suggestion had been made by the Union that a diesel generator should be installed at Namdang side to provide alternate power supply to the main mechanical ventilator. M.W. No. 11 stated that the management was contemplating to have an alternate supply line installed. He stated that it would equally be useful to have a standby generator. I recommend that the management should take action to provide a standby generator or a separate transmission Line as soon as possible, so that the alternate source of power to the main ventilator is available immediately.

Ambulances :

83. A suggestion had been made that atleast two more ambulances should be provided to Margherita Area for quickening the work of transport of injured persons. While more ambulances might be useful, I would leave this for decision by the management in consultation with the trade Unions and the DGMS.

Amendments to C.M.Rs.

84. The Union had made a number of suggestions for amendment of the Coal Mines Regulations in respect of the following matters :—

- (a) to ensure that no auxiliary fan is run unattended unless there is a provision for its sequence control.
- (b) to seek permission of the D.G.M.S. for installation of auxiliary fan (Regulation 137).
- (c) to frame standing orders in respect of auxiliary fan stipulating that it should be kept running so long as the main fan was running (Regulation 134 (i)).
- (d) to provide that no gas build up should be allowed in underground except where they are sealed off by explosion proof stoppings (Regulation 146).
- (e) to declare a gassy II mine as gassy III automatically when an explosion of ignition occurs.
- (f) that Indian Electricity Rules should be amended that no non-FLP equipment/apparatus should be installed below ground in a coal mine except Degree I gassy mines..

I have carefully considered these suggestions. They are, no doubt, in the interest of safer working conditions but it should also be borne in mind that many of the Regulations are applicable to other Coal Mines and implementation of these Regulations would be difficult. May of the equipments required may not be available in the country and imports may be very costly. The D.G.M.S. Officers would be flooded with requests for permission if suggestion (b) is implemented. I do not, therefore, make any recommendation on these suggestions. There are other forums dealing with general problems of mines safety and the Union may more appropriately raise these issues there. Parties to D.G.M.S. inquiries :

85. The Union had suggested that a workers' representative should be included in the Inquiry into accidents conducted by the officer of the D.G.M.S. I agree with the suggestion but would add that a representative of the management should also be included in such an Inquiry. As regards the choice of the workers representative, I recognise the difficulty in the context of the union situation in mines and would suggest that one of the workmen inspectors wherever available may be associated with the inquiry.

86. As may be seen from paragraph 50, the time for operation of earth leakage device was 1/50 of a second whereas ignition could take place if sparking of inflammable mixture lasted. 1/250 of a second. To reduce incendive sparking it seems desirable that studies and investigations are undertaken to minimise the time for operation of earth leakage devices. It would appear that this time could be reduced to as low as one millionth of a second. I recommend that the appropriate authorities and agencies take up this matter for investigation

VII. ACKNOWLEDGEMENT

87. I wish to express my thanks to the Assessors with whom I was privileged to be associated in this Inquiry. I

have fully availed myself of their valuable expert assistance and advice at all stages of the Inquiry.

I am grateful to all the parties who appeared before the Court and rendered full cooperation in the conduct of the Inquiry which was smooth, quick and satisfying.

My grateful thanks are due to the Directorate General of Mines Safety which rendered various services, too numerous to be listed, during the Inquiry.

I would like to thank the Superintendent of the Mines Rescue Station, Ledo, for making all arrangements for the holding of the sittings in his premises.

Finally, I would like to record my appreciation of the good work done by Sarvaswari S. S. Sahasranaman and Sohan Lal, who functioned as the Secretariat of the Court.

Sd/

T. S. SANKARAN, Court of Inquiry

We agree with the above Report.

Sd/-

S. Das Gupta, Assessor

Sd/-

H. B. Ghose, Assessor

Sd/-

S. S. Sahasranaman, 18-9-79

Annexure—I

LIST OF WITNESSES

No	Name	Designation
MW-1	Shri Samarjit Hoare	Overman
MW-2	Shri Tishwar Gogoi	Mining Sirdar
MW-3	Shri Moti Harijan	Coal Cutter
MW-4	Shri Khetau Harijan	Fan Attendant
MW-5	Shri Nil Ratan Chaudhary	Trammer
MW-6	Shri G. Appalswami	Trammer
MW-7	Shri K. Errana	Coal Cutter
MW-8	Shri Prodyut Kumar Sen	Power House Attendant
MW-9	Shri S.K. Raha	Electrical Supervisor
MW-10	Shri Tarak Nath Sarkar	Power House Attendant
MW-11	Shri U.P. Sastri	Colliery Engineer
MW-12	Dr. D.C. Debnath	Colliery Doctor
MW-13	Shri A. Kumar	Safety Officer
MW-14	Shri V.Y. Angami	Asst Manager
MW-15	Shri R.N. Dewan	Ventilation Officer
MW-16	Shri B. Prasad	Colliery Manager
MW-17	Shri R. Bhaskaran	Staff Officer (Mining) to General Manager.
CW-1	Shri S. Sankaran	Deputy Director General of Mines Safety.
CW-2	Shri N.K. Sen	Director of Mines Safety (Elec.)
CW-3	Shri A.K. Roy	Jt. Director of Mines Safety.
CW-4	Shri Karan Bahadur	Trammer
CW-5	Shri Ram Sakal Gowala	Trammer
CW-6	Shri Minesh Tamuli	Electrician
CW-7	Shri Bala Krishna Joice	Trammer
CW-8	Shri Phulchand Yadav	Timberman Assistant
CW-9	Shri Sankar Prasad Harijan	General Mazdoor
CW-10	Shri Sanga Lama	Haulage Driver
CW-11	Shri Bhajan Lal	Haulage Driver
CW-12	Shri Dharm Harijan	Production Slider
CW-13	Shri U.J. Trivedi	Rescue Superintendent-Ledo
CW-14	Shri Morilal Das	Haulage Driver
CW-15	Shri N.C. Debnath	Overman
CW-16	Shri Rumbhish Yadav	Mining Sirdar

Annexure—II

LIST OF EXHIBITS

C—1A & B.	Report of Inquiry conducted by DGMS officials.
C—2	Central Fuel Research Institute, Dhanbad letter dated the 17th April, 1979—Results of petrographic analyses of the samples sent by DGMS.
C—3	CMRS letter No. V/77 dated 3-2-1979—Mine air samples analyses sent by DGMS.
C—4	Likely methane emission from 60' seam workings as per experiment.
C—5	Movement of mass of firedamp in X-measure Drift.
C—5A	Chart
C—6	Likely quantity of methane involved in the ignition as assessed from flame length.
C—7	Model Standing Order in case of stoppage of the main mechanical ventilator.
C—8	Recategorisation of seams in Baragolai and Ledo Collieries of A.R. & T Co.—Note on visit to the Coal Mines of ARTC on the 14th, 15th and 18th Mar, 1970.
C—9	Coal Survey Laboratory, Jorhat No. I(D)/VI-A (79)/456, dated 9-4-1979—Analysis of mine air samples.
C—10	Report dated 29-1-1979 of the Superintendent, Mines Rescue Station, Ledo.
M—1	Power House Log Book.
M—2	Part Plan of South Limb 20' and 60' seam, Scale ICM—7 92 m.
M—3	Accumulation of methane in headings of 60' seam—South Limb.
M—4	Conditions which may obtain in the theoretical case of operation of auxiliary fan of South Limbs.
M—5	Industrial Accident Investigation Reports.
M—6	N.E. Coalfields, Margherita Letter No. NEC/41/643/GM dated 2nd September, 1977—Study of coal dust in Makum Coalfield.
M—7	Fire/Explosion with persons involved in it.—Manager, Baragolai's note.
M—8	Note on the accident occurred on 22-1-1979 in Baragolai Colliery.
M—9	Air Samples Analysis (Book 1)
M—10	Dust Sampling Record.
M—11	Record of Relative Humidity and V.E.Q.
M—12	Air Measurement Book (Book 2).
M—13	Report of Withdrawal of persons from dangerous places and removal of dangers.
M—14	Namdang Main Fan Record.
M—15	Particulars of occurrence of noxious/Inflammable Gases—Reg. 142.
M—16	Reports of Weekly Inspection of unused workings (For south limb) under Reg. 143.
M—17	Overman's Daily Report Book of Shri S.Hore—Reg. 43(9).
M—18	Minor authorisation book under Reg. 36.
M—19	Log Book under rule 131 of Indian Electricity Rules.

M—20	Diary of telephone operator.
M—21	Diary of Shri A. Kumar.
M—22	Ventilation Plan.
M—23	List containing names of workmen with age who were employed in the first shift.
M—24	Copy of emergency withdrawal inspections.
M—25	Copy of instructions relating to checking of self-rescuers.
M—26	Specimen copy of industrial accident investigation report.
M—27	Copy of letter dated 11-5-1978 from J.D.M.S. to the management regarding workmen inspection report for September, 1978.
M—28	Copy of a letter from Assam Colliery Mazdoor Congress dated 10-11-1977 suggesting names of workers for appointment as workmen inspectors.
M—29	Particulars of air quantity survey before and after the accident.
M—30	Copies of post mortem reports of the 16 workmen died as a result of the accident.
MO—1/C	Cable with a hole in the centre.
MO—2/C	Burnt out cable.

[No.N.11015/1/80-M.I]

J. K. JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1980

का०अ० 638.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना अश्विजित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2, खंड (ड) के उपखंड (6) के उपखंडों के अनुसरण में, भारत सरकार के अम संज्ञावधि की अधिपूचना संख्या का०अ० 3369, दिनांक 12 सितम्बर, 1979 द्वारा जिक्र खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 17 सितम्बर, 1979 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2, खंड (ड) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 17 मार्च, 1980 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एम-11017/2/79-डी-1-ए० (i)]

New Delhi, the 31d March, 1980

S.O. 638.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3369 dated the 12th Sep. 1979, the Zinc-mining industry to be a public utility service

for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 17th Sep. 1979;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 17th March, 1980.

[No. S-11017/2/79/D.IA(i)]

का०आ० 639.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2, खंड (द) के उपखंड (4) के उपबन्धों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 3368, तारीख 12 सितम्बर, 1979 द्वारा सीसा खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 25 सितम्बर, 1979 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2, खंड (द) के उपखंड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 25 मार्च, 1980 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं०एस-11017/2/79-डी०-1 ए (ii)]

S.O. 639.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3368 dated the 12th September, 1979, the lead mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 25th September, 1979.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 25th March, 1980.

[No. S-11017/2/79/D.IA(ii)]

आदेश

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1980

का०आ० 640.—भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का०आ० 1971 दिनांक 28 मई, 1968

द्वारा गठित औद्योगिक अधिकरण नं० 2, बम्बई के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक रिक्ति हुई है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार श्री जितेन्द्र नारायण सिंह को 22 फरवरी, 1980 से उक्त औद्योगिक अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एस-11021/1/80-डी०-1 ए० (i)]

ORDERS

New Delhi, the 4th March, 1980

S.O. 640.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal Bombay No. 2 constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1971 dated the 28th May, 1968;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Jitendra Narayan Singh, as the Presiding Officer of the said Industrial Tribunal with effect from the 22nd February, 1980.

[File No. S-11021/1/80-D.IA(ii)]

का०आ० 641.—भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का०आ० 1970, दिनांक 28 मई, 1968 द्वारा गठित श्रम न्यायालय नं० 2, बम्बई के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक रिक्ति हुई है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार श्री जितेन्द्र नारायण सिंह को 22 फरवरी, 1980 से उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एस-11021/1/80-डी०-1 ए (ii)]

एल० के० नारायणन, अव्वर सचिव

S.O. 641.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Labour Court No. 2, Bombay, constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1970 dated the 28th May, 1968;

Now therefore in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Jitendra Narayan Singh as the Presiding Officer of the said Labour Court with effect from the 22nd February, 1980.

[File No. S-11021/1/80-D.IA(ii)]

L. K. NARAYANAN, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1980

का०आ० 642.—एयर इंडिया बम्बई, से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व इंडियन एयरक्राफ्ट टेक्नीशियन्स एसोसिएशन करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थम् करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गयी है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम् करार को, जो उसे 13 दिसम्बर, 1979 को मिला था, प्रकाशित करती है।

करार

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन)

पक्षकारों के नाम :

एयर इंडिया नारीमन प्वाइंट, बम्बई

और

इंडियन एयरक्राफ्ट टेक्नीशियन्स एसोसिएशन,

पी-9, दरगा रोड, फ्लैट नं० 6, कलकत्ता

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले :

श्री बी० एन० हेरकर,

इंजीनियरी निदेशक,

शान्ता क्रुज, बम्बई

श्री के०ए० सपत,

औद्योगिक संबंध प्रबन्धक,

बम्बई

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले :

श्री के० बी० राव,

अध्यक्ष, इंडियन एयरक्राफ्ट टेक्नीशियन्स

एसोसिएशन, बम्बई

श्री आई०पी० गुहा, महामंत्री,

इंडियन एयरक्राफ्ट टेक्नीशियन्स एसोसिएशन,

कलकत्ता

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री पी० एन० राजदान, संयुक्त मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय), श्रम मंत्रालय, भारत सरकार, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली को माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है।

1. विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त विषय :

“क्या आई०ए०टी०ए० की, जिन्होंने निम्नलिखित वर्गों के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व किया है, पहली जनवरी, 1974 से तकनीकी वेतन में 50 प्रतिशत वृद्धि की अदायगी की मांग न्यायोचित है या नहीं :—

कर्मचारियों का वर्ग

पहली जुलाई, 1974 को वर्तमान तकनीकी वेतन

- | | |
|---|----------------------|
| (1) 245—640 रु० के वर्तमान ग्रेड में तकनीशियन | } 30 रुपये प्रति माह |
| (2) 385—770 रु० के वर्तमान ग्रेड में वरिष्ठ तकनीशियन | |
| (3) 410—920 रु० के वर्तमान ग्रेड में चार्जहेड | 40 रुपये प्रति माह |
| (5) 640—1170 रु० के वर्तमान ग्रेड में फोरमैन इन्सपेक्टर | 50 रुपये प्रति माह |

2. विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अंतर्बलित स्थापन या उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है।
एयर इंडिया, 218, बैकबै रीक्लेमेशन नारीमन प्वाइंट बम्बई-400021.

1. श्री बी०एन० हेरकर,

इंजीनियरी निदेशक,

शान्ता क्रुज

2. श्री के०ए० सपत,

औद्योगिक संबंध प्रबन्धक,

बम्बई

इंडियन एयरक्राफ्ट टेक्नीशियन एसोसिएशन :

1. श्री आई०पी० गुहा,

महामंत्री,

इंडियन एयरक्राफ्ट टेक्नीशियन एसोसिएशन,

पी-9, दरगा रोड, फ्लैट नं० 6

कलकत्ता

2. श्री के०बी० राव,

अध्यक्ष,

इंडियन एयरक्राफ्ट टेक्नीशियन्स एसोसिएशन,

विमान भवन, शान्ता क्रुज (ई)

बम्बई-400029.

3. यदि कर्मकार स्वयं विवाद में अन्वेषित है तो उसका नाम या यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो तो उसका नाम :

इंडियन एयरक्राफ्टर टेक्नीशियन्स एसोसिएशन :

1. श्री आई०पी० गुहा,

महामंत्री,

इंडियन एयरक्राफ्ट टेक्नीशियन्स एसोसिएशन,

पी-9, दरगा रोड, फ्लैट नं० 6,

कलकत्ता

2. श्री के० बी० राव,

अध्यक्ष,

इंडियन एयरक्राफ्ट टेक्नीशियन्स एसोसिएशन,

विमान भवन, शान्ता क्रुज (ई)

बम्बई-400029

4. प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या :

1,500 (लगभग)

5. विवाद द्वारा प्रभावित या संभाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या :

1,500 (लगभग)

माध्यस्थ अपना पंचाट 90 दिन की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाए, देगा। यदि पूर्ववर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो माध्यस्थम् के लिए निदेश स्वतः रद्द हो जाएगा और हम नए माध्यस्थम् के लिए बातचीत करने को स्वतंत्र होंगे।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले

ह०

ह०

के० बी० राव,

बी० एन० हेरकर,

अध्यक्ष, इंडियन एयरक्राफ्ट टैक्नी- इंजीनियरी निदेशक, एयर शियन्स एसोसिएशन

शियन्स एसोसिएशन

इंडिया

ह०

ह०—

आई० पी० गुहा,

के० ए० सपत

महामंत्री, इंडियन एयरक्राफ्ट औद्योगिक संबंध प्रबन्धक, टैक्नीशियन्स एसोसिएशन एयर इंडिया साक्षी

1. ह०—बी० एल० गोसामिथा

2. ह०—बी० बी० बालाकृष्णन

तारीख : 29-11-1979

[संख्या एल-11025/3/80-डी-II (बी)]

एस० एस० भल्ला, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 3rd March, 1980

S. O. 642.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the Air India, Bombay and their workmen represented by the Indian Aircraft Technicians' Association;

And whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government a copy of the said arbitration agreement;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement which was received by it on the 13th December, 1979.

1243 GI/79—15

AGREEMENT

(Under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947)

BETWEEN

NAMES OF PARTIES :

AIR-INDIA, Nariman Point, Bombay.

&

Indian Aircraft Technicians' Association,
P-9, Darga Road, Flat No.6, Calcutta.

REPRESENTING EMPLOYERS :

Mr. V.N. Herekar,
Director of Engineering,
Santa Cruz, Bombay.
Mr. K.A. Sapat,
Industrial Relations Manager,
Bombay.

REPRESENTING WORKMEN :

Mr. K.B. Rao,
President,
Indian Aircraft Technicians' Association,
Bombay.
Mr. I.P. Guha,
General Secretary,
Indian Aircraft Technicians' Association,
Calcutta.

It is hereby agreed between the parties to refer the following dispute to the arbitration of Mr. P.N. Razdan, Joint Chief Labour Commissioner, (Central), Ministry of Labour, Government of India, Shram Shakti Bhavan, Rafi Marg, New Delhi.

(I) Specific matters in disputes :

Whether the demand of the IATA for payment of 50% increased in technical pay with effect from January 1, 1974 is justified or not for the following categories of employees represented by them : —

Categories of Staff	Existing Technical pay as on 1-1-1974
(i) Technicians in the existing grade of Rs. 245—640.	Rs. 30/-per month
(ii) Sr. Technicians in the existing grade of Rs.385—770	
(iii) Chargehands in the existing grade of Rs.410—920	Rs. 40/-per month.
(iv) Foreman/Inspectors in the existing grade of Rs.640—1170	Rs.50/-per month

(II) Details of the Parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved :

AIR INDIA, 218, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400021.

- (1) Mr. V.N. Herekar,
Director of Engineering,
Santa Cruz.
- (2) Mr. K.A. Sapat,
Industrial Relations Manager,
Bombay.

Indian Aircraft Technicians' Association :

- (1) Mr. I.P. Guha,
General Secretary,
Indian Aircraft Technicians' Association,
P-9, Darga Road, Flat No.6,
Calcutta-7.

- (2) **M. K.B. Rao**, President,
Indian Aircraft Technicians' Association,
Viman Bhawan, Bombay Airport,
Santa Cruz(E), Bombay-400 029.
- (III) Name of the workman in case he himself is involved in the dispute or the name of the Union, if any representing the workman or workmen in question :
Indian Aircraft Technicians' Association :
- (i) **Mr. I.P. Gaha**, General Secretary,
Indian Aircraft Technicians' Association,
P-9, Darga Road, Flat No.6,
Calcutta-17.
- (ii) **Mr. K.B. Rao**, President,
Indian Aircraft Technicians' Association,
Viman Bhawan, Bombay Airport,
Santa Cruz (E),
Bombay-400 029.
- (IV) Total number of workmen employed in the undertaking affected :
- 1500 (Approx.)
- (V) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute :
1500 (Approx.)

The arbitrator shall make his award within a period of 90 days or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Representing workman	Representing employer
Sd/-	Sd/-
(K.B. RAO)	(V.N. HEREKAR)
President, Indian Aircraft Technicians' Association	Director of Engineering Air India.
Sd/-	Sd/-
(I. P. GUHA)	(K.A. SAPAT)
General Secretary Indian Aircraft Technicians' Association.	Industrial Relations Manager, Air India.

WITNESSES :—

1. V.L. Gosalia
 2. V.V. Balakrishnan
 3. Mozumdar
- 29-11-79

[No. L-11025 (3)/80-D. II (B)]
S. S.BHALLA, Desk Officer

New Delhi, the 4th March, 1980

S.O. 643.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bharat Coking Coal Limited (Area No. V), Post Office Sijua, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd February, 1980.

[No. L-20012/113/78-D.III(A)]
S. H. S. IYER, Desk Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 DHANBAD.

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Reference No. 45 of 1978)

(Ministry's Order No. L-20012/113/78-D.III(A) Dt 20-11-78)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bharat Coking Coal Limited (Area No. V), Post Office Sijua, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

APPEARANCES :

For the Employers—**Shri G. Prasad**, Advocate.
For the Workmen—**Shri S. Das Gupta**, Joint General Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.
STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated, the 19th February, 1980.

AWARD

The Central Government have made a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, hereinafter called the Act, for adjudication to this Tribunal in the following terms :—

"Whether the action of the management of Area No. V of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad in dismissing **Shri Bhaskar Chatterjee**, Clerk (Grade II) from service with effect from 29th October, 1977, is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. After receipt of the reference parties have filed their respective written statements and rejoinders. A plea has been taken by the management in its written statement challenging the jurisdiction of the Tribunal to adjudicate the dispute referred to it on the ground that the Central Government in relation to the Area Office in question is not the Appropriate Government and therefore the reference made by the Central Government is not competent. A further plea has been taken by the management that the domestic enquiry preceding the impugned order of dismissal of the workman concerned being fair in all respects and the workmen concerned having been given a fair chance to defend himself in the enquiry, the merit of the finding regarding the guilt of the workman is not open to question while disposing of the reference. On 9-1-1980 two petitions were filed by the management. In the first petition it was prayed that the question of validity of the reference should be decided prior to disposing of the reference on merit. In the second petition it was prayed that in case the Tribunal decided in favour of validity of the reference the question regarding fairness of the domestic enquiry should be disposed of as a preliminary point. By order of that date this Tribunal allowed both the petitions and fixed the hearing on the question of validity of the reference to 15-2-80. On the date so fixed parties were heard. The point thus raised is disposed of in the following paragraphs.

3. Mr. G. Prasad learned counsel for the management in course of his argument regarding validity of the reference relies upon the definition of "Appropriate Government" as given in Section 2(a)(i) of the Act and submits that the industrial dispute for which the Central Government is the Appropriate Government is not a dispute relating to mining industry or an industry of mine. Industrial dispute referred to in sub-clause (i) of clause (a) Section 2 of the Act relates to a mine as defined in Section 1(h) of the Act or in Section 2(j) of the Mines Act, 1952. A mining industry and a mine as defined in the Act do not mean one and the same thing. The Area Office in which the workman concerned was working before the impugned order of dismissal even though may be called as an office of a mining industry cannot be covered under the word 'mine' appearing in Section 2(a)(i) of the Act. The definition of mine as defined in Section 2(j) of the Mines Act and adopted in the Act reads as follows :

"mine" means any excavation where any operation for the purpose of searching for the obtaining minerals have been or is being carried on, and includes.

(i) all borings, bore holes and oil wells;

(ii) all shafts, in or adjacent to and belonging to a mine, whether in the course of being sunk or not;

(iii) all levels and inclined planes in the course of being driven ;

(iv) all open cast workings ;

(v) all conveyors or aerial ropeways provided for the bringing into or removal from a mine of minerals or other articles or for the removal of refuse therefrom ;

(vi) all adits, levels, planes, machinery, works, railways, tramways and sidings in or adjacent to and belonging to a mine ;

(vii) all workshops situated within the precincts of a mine and under the same management and used solely for purposes connected with, that mine or a number of mines under the same management ;

(viii) all power stations for supplying electricity solely for the purpose of working the mine or a number of mines under the same management ;

(ix) any premises for the time being used for depositing refuse from a mine, or in which any operation in connection with such refuse is being carried on, being premises exclusively occupied by the owner of the mine ;

(x) unless exempted by the Central Government by notification in the official Gazette, any premises or part thereof in or adjacent to and belonging to a mine, on which any process ancillary to the getting, dressing or preparation for sale of minerals or of coke is being carried on." The definition does not take in its sweep a mining industry as a whole but is only confined to the operating part of the mine. The definition of "office of the mine" given in Sec. 2(1)(k) of the Mines Act clarifies the position that the word "mine" defined in the Mines Act does not include the whole of a mining industry. The workman concerned on his own showing cannot be said to be a workman in relation to a mine as per the above definition. Therefore the reference of the dispute raised by him regarding the order of dismissal cannot be made by the Central Government which is not the Appropriate Government for such a dispute. Reliance in this connection is placed by Mr. Prasad on a decision reported in (1952) 3 Supp. S.C.R. 934 (Messrs. Serajuddin and Company V. Their Workmen). In that case dispute relating to the head office of a mining company was referred by the Government of West Bengal to the industrial tribunal and a question arose whether the Government of West Bengal was the Appropriate Government within the meaning of Section 2(a)(i) of the Act. It was held in that case that the West Bengal Government was the Appropriate Government. The decision in that case turned on the interpretation of Section 2(a)(i) of the Act. It was said in that decision that the word "mine" as used in Section 2(a)(i) of the Act referred to a mine as defined in the Mines Act and that a dispute with reference to the head office of a mine was not a dispute concerning a mine which must mean a mine as defined in the Mines Act. The decision in that case fully supports the case of Mr. Prasad. On the averments made in the pleadings of both the parties in the present case and on the evidence led by the workman concerned by no stretch of imagination it can be said that the workman concerned was a workman in relation to a mine as defined in the Mines Act and that the dispute raised by him over the order of dismissal is an industrial dispute concerning mine. On the authority of the case reported in (1952) 3 Supp. S.C.R. 934 Supra the contention of Mr. Prasad must be held to be well founded and it must be held that the Central Government in the present case are not the Appropriate Government. Accordingly the reference made by the Central Government cannot but be said to be incompetent and invalid. Therefore this Tribunal will have no jurisdiction to adjudicate the dispute referred to it in the present case.

Secondly it is argued by Mr. Prasad that the Area Office in which the workman was working is far away from the collieries over which the Area Office was exercising control. No part of mining operation is being carried in the Area Office although the responsibility for the general supervision of the working in the mine is vested in the Area Office. At best according to Mr. Prasad the office in which the workman was working at the relevant time could be called an office of the mine and not mine itself. The workman admittedly being a worker in the office of a mine before he was dismissed from service cannot be said to be a workman in relation

to a mine. Therefore a dispute over such an order of dismissal would not fall within Section 2(a)(i) of the Act as under the Mines Act "office of the mine" has a separate connotation and is distinct from a mine. Reliance is placed by Mr. Prasad in this connection on a decision reported in 1978 F. J. R. 321 (S.K. Srinivasan V. Assistant Labour Commissioner (A.P.)). It was held in that decision that the definition of a "mine" under Section 2(1b) of the Act confines it only to the definition of a "mine" within Section 2(1)(j) of the Mines Act and as there is a separate definition for the "office of the mine" at the surface of the mine in Section 2(1)(k) of the Mines Act, it follows that the definition of mine in Section 2(1)(j) of the Mines Act does not take in an office of the mine. Accordingly it was held that under Sec. 2(a)(i) of the Act Appropriate Government would be the Central Government only in the case of a mine and not in the case of an office of the mine. This decision also applies in full force to the case of the management.

4. Faced with the above contentions raised by Mr. Prasad Mr. S. Das Gupta for the workman invites my attention to the words "or concerning any such controlled industry as may be specified in this behalf by the Central Government" appearing in sub-clause (i) of clause (a) of Section 2 of the Act and contends on the basis of a Notification produced before the Tribunal that the coal mining industry in the present case being a controlled industry as per the said Notification and the workman being admittedly an worker in that industry for the dispute raised by him over the order of dismissal the Central Government is the Appropriate Government as provided in Section 2(a)(i) of the Act. This contention of Mr. Das Gupta requires careful scrutiny. It is worthwhile to quote here the relevant portion of Section 2(a)(i) of the Act on which reliance is placed by Mr. Das Gupta in order to understand the true import of his contention. The relevant portion of Section 2(a)(i) of the Act reads thus :

"2. In this Act, unless there is anything repugnant in the subject or context,—

(a) "Appropriate Government" means —

(i) in relation to any industrial dispute... ..concerning any such controlled industry as may be specified in this behalf by the Central Government.....the Central Government." According to Mr. Das Gupta coal mining industry in the present case is a controlled industry and having been so specified by the Central Government for the purpose of Section 2(a)(i) of the Act in the notification, the Central Government is the Appropriate Government and not the State Government. The Notification issued by the Central Government for the purpose of Section 2(a)(i) of the Act and relied by Mr. Das Gupta reads thus :

"In pursuance of sub-clause (1) of clause (a) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby specifies, for the purposes of that sub-clause, the controlled industry engaged in the manufacture or production of coke, including coke and other derivatives, which has been declared as a controlled industry under Section 2 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951)."

According to Mr. Das Gupta the words "engaged in the manufacture or production of coal, including coke and other derivatives" appearing in the Notification have no special significance at all. It is contended that coal industry as such will come within the purview of the Notification. The words "engaged in the manufacture or production of coal including coke and other derivatives" only indicate what industry intended to be covered by the Notification and do not mean that part of industrial activity relating to the manufacture or production of coal in a coal mining industry. In other words it is urged that coal mining industry as a whole is covered by the Notification. After giving careful consideration to the point raised by Mr. Das Gupta I must say that I cannot persuade myself to agree with him. Section 2(j) of the Act defines "industry" which "means any business, trade, undertaking, manufacture or calling of employers and includes any calling service, employment, handicraft, or industrial occupation or avocation of workmen." The words used in the definition are of wide import. The question which has engaged the attention of Courts is as to whether the definition should be permitted to have full sway bringing in its sweep every activity which falls within its terms. It is now well settled

that for deciding the question as to whether an establishment is an industry the nature of activities is the determining factor and not who undertakes the activities. Similarly profit motive and capital investment have been said to be irrelevant for determining whether activities in a particular case do constitute an industry. See 1978 Lab. I.C. 467 (Bangalore Water Supply V. A. Rajappa). This being the settled position of law there can be no dispute that the head office or Area office in the present case is a part of integrated activity of B.C.C.L. which carries on business of producing coal and its sale and supply to its various customers. In such a case the industrial activities of the company would include not only manufacture or production of coal but also activities relating to sale and supply of coal to the customers. In such an event if the Notification relied upon by Mr. Das Gupta was intended to mean coal industry in its wider amplitude care should not have been taken to mention the words "engaged in the manufacture or production of coal including coke and other derivatives." In the Notification itself, it would have served the purpose by mentioning the words "coal mining industry". The words "engaged in the manufacture or production of coal, including coke and other derivatives" following the words "controlled industry" as appears in the Notification would only mean that part of the industrial activity engaged in the manufacture or production of coal, including coke and other derivatives and not the other industrial activities relating either to sale or supply of coal to the customers or to management of the industry as a whole. Where the words "industry of mine" were used in a Govt. Notification the Supreme Court while interpreting the words held in 5 S.C.L.J. 3314 (Ballarpur Collieries Co. V. State Industrial Court) that the words included not only the place of manufacture but also the head office and other subordinate offices established for the industry. But where a Govt. Notification while referring to Sugar Industry qualified the word "industry" used in the Notification by saying "engaged in the manufacture of sugar and its by product", it was held by the Supreme Court in the decision reported in 1 S.C.L.J. 201 (M/S. Godavari Sugar Mills Ltd. V. D. K. Worlikar) that only that part of the industry actually engaged in manufacture of sugar its by-products was covered by the Notification and not sugar industry as a whole. In the present case the Notification in question does not mention only word "industry" but says that "industry engaged in the manufacture or production of coal, including coke and other derivatives." Such being the position on the authority of the two decisions referred to above I am inclined to hold that the Notification only covers that part of the coal mining industry which is actually engaged in the manufacture or production of coal, including coke and other derivatives. I have already said above that the nature of the work which the concerned workman was doing before his dismissal as per his own evidence and as per the pleadings of the parties can in no way be said to be connected with manufacture or production of coal, including coke and other derivatives even incidentally. The job which the workman was doing in the Area Office was to look after the phones in that office and in another office, to receive demand notes from Postal & Telegraph Department and to make payments. His work in no way was concerned with manufacture or production of coal or its derivatives. The nature of work was also not incidental to the manufacturing process. In these circumstances the Notification relied upon by Mr. Das Gupta can be of no avail to him.

5. Several other decisions were cited by Mr. Prasad in support of his contention including some awards of some Industrial Tribunals. Those decisions have not been considered as they do not appear to be relevant at all for decision on the point raised. It is because of this they have not been dealt at all here.

6. In the result, therefore, I hold that the Central Government is not the Appropriate Government to make the reference in the present case, and as such this Tribunal has no jurisdiction to answer the same.

B. K. RAY, Presiding Officer
[No. L-20012/113/78-D.III(A)]

S.O. 644.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of

Kedla Colliery of Messrs. Coal Mines Authority Limited (now Coal India Limited), Post Office and District Hazaribagh and their workman, which was received by the Central Government on the 22nd February, 1980.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) DHANBAD

Reference No. 51 of 1979

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kedla Colliery of M/s. Coal Mines Authority Limited (now Coal India Ltd.) P.O. and Dist. Hazaribagh.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, 15th February, 1980

AWARD

The reference has been made by the Central Government under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 to this court for adjudication with the following schedule :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kedla Colliery of Messrs. Coal Mines Authority Limited, Post Office and District Hazaribagh in refusing employment to Shri Chandra Narain Jha, Despatch Officer of Shri Madan Shukla a contractor in Kedla Colliery is justified? If not, to what relief the workman is entitled and from what date."

This reference was first made to the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court (No. 3) Dhanbad. But subsequently it has been transferred to this Tribunal by the Central Government for adjudication.

This dispute is raised under S. 2A of the I.D. Act, 1947 by Shri Chandra Narain Jha, the concerned workman in his individual capacity. According to the workman he was appointed as despatch officer through an appointment letter dated 25-8-72 in Kedla colliery (Block No. 16) by Shri Madan Sukla, managing contractor of that colliery. He joined the service and was working when this colliery was nationalised M/s. National Coal Development Corporation Ltd. was entrusted with the management of the mine. Since a large number of persons started pouring into the office for employment, one screening committee was formed and on the basis of which genuine workers were taken in and the rest refused employment. The concerned workman Shri C. N. Jha was refused employment and therefore he had to raise this industrial dispute.

The management's case is that with the take over of management of the non-coking coal mines with effect from 31-1-73 the Central Government established an organisation known as 'Coal Mines Authority' headed by the Custodian General. This authority was later modified into a Government company under the title of 'Coal Mines Authority Ltd.' and made the Custodian of all the non-coking coal mines. With the nationalisation of all the non-coking coal mines w.e.f. 1-5-73 the Coal Mines Authority Limited became the owner of all such mines. But prior to the incorporation of C.M.A. Ltd. the Government company viz. NCDC Ltd. had been incorporated w.e.f. 10-10-1956 for taking over all State collieries in Bihar, Madhya Pradesh and Orissa. With the take over of the non-coking coal mines, NCDC was entrusted with the management of the taken over mines on behalf of the Coal Mines Authority Ltd. in the district of Hazaribagh,

Giridih, Banchi and Palamau in Bihar. The Kedla Colliery worked by M/s. Bokaro Ramgarh Ltd. was originally classified as a non-coking coal mine. In December, 1972 however, the Kedla Colliery was classified as a coking coal mine along with another mine known as Jharkhand Colliery declaring that the management of the said coking coal mines for the purpose of the said Act had vested in the Central Government on and from the date of declaration, and the Central Government appointed NCDC as Custodian of the said coal mines. M/s. NCDC were however restrained at the instance of some of the contractors from taking over the mines inasmuch as the Patna High Court held that since the Kedla Colliery was under the Receiver appointed by the Subordinate Judge, Hazaribagh its possession could not be taken over without obtaining an order in this regard from that court. It so happened that the Receiver had been appointed in a suit instituted by the State of Bihar against the recorded owners on the ground that the said owners had no title to the property, and it was functioning through a senior officer of the State Government having his office at Hazaribagh. The system of working of Kedla mine was that separate blocks of limited areas had been allotted to different parties, appointing them as managing-cum-selling contractors. Such persons had complete freedom in the matter of working the allotted blocks subject to payment of certain royalty per tonnes of coal despatched, to the Receiver. The Receiver was maintaining his establishment at Hazaribagh and the Superintendent of the mines was responsible for collection of the royalty of coal being despatched by trucks. One such block viz. Block No. 16 was being worked by Shri Madan Sukla. M/s. NCDC could not take possession of the mines as Custodian in view of the litigations then pending in the Supreme Court. By order dated 20-9-1973 the Supreme Court directed the Receiver and/or Managing-cum-Selling Contractor to make over possession of the colliery to M/s. NCDC Limited. Direction was also issued by the Supreme Court to make available all the records of such collieries to enable the NCDC Ltd. to resume coal mining operation. It may be stated that the Supreme Court had earlier stopped all mining operations which was vacated by the above order dated 20-9-1973. In pursuance of this direction of the Supreme Court M/s. NCDC took over possession of the Kedla mines. M/s. NCDC felt considerable difficulties in taking over the mine, due to non-cooperation of the parties who were to hand over the charges to NCDC Ltd. and it became very difficult to re-start the mines. It so happened that hundreds and thousands of persons started pouring into the office of the management claiming that they were employees of the Receiver and/or the managing-cum-selling contractors. Such persons were being backed by various trade unions and, such union started jockeying for supremacy by demanding employment of persons by thousands. In all about 30,000 persons claimed employment in this mine which gave rise to a serious law and order problem and the district administration had to deploy armed forces and magistrates to keep peace. M/s. NCDC Ltd. had to devise a system of screening and after cautiously considering the cases of the claimants, approximately 6500 persons were taken in employment between September and December, 1973 and in order to avoid any injustice to anyone a procedure for preferring appeal was also laid down. Such appeals were heard by a committee of higher officers and subsequently some more workers were taken in employment on casual basis during dry season.

The management's case is that so far as the concerned workman Shri C. N. Jha is concerned the managing-cum-selling contractor of Block No. 16 did not deposit any records with the management at the time of take over and accordingly, persons were taken in on the basis of inspection report of Labour Enforcement Officer, Assistant Labour Commissioner (C) the officers of the Director General of Mines Safety and live membership of Coal Mines Provident Fund Scheme keeping in view of the guidelines adopted by the management. The Managing-cum-selling contractor of Block No. 16 did not deposit any records with the Receiver either. It was only after finalising the appeal cases that some records purported to have been kept by the managing contractor was made available which apparently had been fabricated during the interval. The name of Shri C. N. Jha, the concerned workman, did not appear even in that record. The management's case is that Shri C. N. Jha in the dispute raised before the company relied on fabricated documents. Moreover, certain issues relating to the provision of employment in this

particular group of collieries were referred to the arbitration under the Code of Discipline to Shri Bindeshwari Dubey, Hon'ble Health Minister, Government of Bihar and Shri J. G. Kumarmangalam, the then Chairman of Coal Mines Authority Limited. They gave the award on 17-7-75 and it has been specifically laid down therein that the award deemed to have settled all claims relating to employment of persons in Kedla Jharkhand Group of collieries. The award is still subsisting as it has not been terminated in accordance with the provision of the I.D. Act. On this ground this reference, at the instance of Shri C. N. Jha is said to be incompetent.

On behalf of the concerned workman, 3 witnesses were examined. WW-1, Shri C. N. Jha, is the concerned workman. He has placed his case. He is a Graduate and was appointed by the managing contractor of Kedla Colliery (Block No. 16) as despatch officer under the appointment letter, Ext. W. 4. Shri A. K. Prasad, Group Personnel Officer granted him a certificate on 20-2-75, which is Ext. W. 5. Another certificate of Labour Enforcement Officer, Hazaribagh dated 19/2-1-1974 has been proved by this witness and marked Ext. W. 6. The evidence of WW. 1 is that the Labour Enforcement Officer is dead. Then there is another certificate, Ext. W. 7 dated 20-9-74 issued by Smt. Ramanika Gupta, Organising Secretary. The witness has proved Ext. W. 8 which is a letter of Regional Commissioner, Provident Fund allotting account No. There is another letter dated 6-5-75 (Ext. W. 9) signed by Shri Shiv Shankar Prasad, Ex-manager. The evidence of WW. 1 is that Shri Shiv Shankar Prasad was the manager of the colliery and worked under him and even after the take over and nationalisation of the coal mines. Shri Shiv Shankar Prasad Sinha is now employed under the Bharat Coking Coal Ltd. With regard to his duties the evidence of this witness is that he used to get the coal loaded on trucks, to realise cash and to maintain accounts of the same. After loading trucks he used to go to Receiver's office at Parej where they used to verify and then issued the road permits. Shri A. K. Prasad who had issued Ext. W. 5 was the Group Personnel Officer under the Receiver and he knew him in the capacity of Despatch Officer. The witness has said that Shri Madan Sukla did not make over his registers to M/s. NCDC Ltd. when the colliery was taken over. Later on Shri Madan Sukla produced two form B registers. Exts. M 3 and M 3/1 which were fabricated at the instance of Shri Madan Sukla. According to him out of the genuine persons working in the colliery only Md. Kalim Ansari who is in Sl. No. 3 of Ext. M 3 was genuine and was given employment by M/s. NCDC. His evidence is that Shri Madan Sukla got the fabrication done to eliminate the genuine employees and to induct his own men. Shri Jha has said that he had filed an application before the screening committee and also filed an application for review. When no justice was done he and five others had gone on hunger strike in protest against the fabrication done by Shri Madan Sukla. They were arrested by the police. While in jail he was treated by the jail doctor who issued slip (Ext. W. 10). He was released on bail on 30-5-1974. He has said that when he was not given employment he complained to the Labour Enforcement Officer through his letter dated 3-9-74 (Ext. W. 11). The Labour Enforcement Officer in his turn wrote to the Area General Manager by his letter dated 10-9-74 (Ext. W. 12). The witness has proved two letters, Exts. W. 13 and W. 13/1 which he received from home and other places while he was working under Shri Madan Sukla. His case is that he was refused employment by the NCDC because he took part in the agitation and also gone on hunger strike. With regard to arbitration his case is that since he had taken the industrial dispute earlier before the company, he did not file any application before the Arbitrators.

WW. 2 Shri S. S. P. Sinha is a Senior Mining engineer in South Tisra colliery, Dhanbad. From the year 1972 to 1973 he was working as manager in Block No. 16 in Kedla Colliery. During that period Shri Madan Sukla was the managing-cum-selling contractor under whom he was working. He knew Shri Chandra Nafsin Jha, the concerned workman who was attending to loading work and clerical work under him from 4-9-72 to till July, 1973. He issued certificate, Ext. W. 9 dated 6-5-75. The witness left service of the contractor in July, 1973.

WW. 3 Smt. Ramanika Gupta is a labour leader associated with Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Hazaribagh. She was organising secretary and for the last two years she was

the Vice-President. At the time of her evidence she was a sitting member of the Legislative Council. She knew the workman when he was working in Block No. 16 of Kedla Colliery under Shri Madan Sukla, the contractor. Her evidence is that the workman was working in Block No. 16 before the take over of the mine by NCDC. He happened to be a member of her union. She has said that by joining the union the workman incurred the wrath of the contractor. The contractor thereafter changed the register excluding his name. The NCDC accepted her version that Form B register produced by the contractor was forged and therefore NCDC Ltd. did not give employment to a single person out of the register. She has further said that Ext. W. 7 is a certificate granted by her. She took up the cause of the concerned workman before the Asstt. Labour Commissioner and also wrote a letter to the Asstt. Labour Commissioner in that connection. She has said that the signature appearing in Ext. W. 7 is hers. She has further said that Ext. W. 1 and Ext. W. 1/1 are receipts issued by the management in token of their having received the claim application of the concerned workman. Her evidence is that it is absolutely unjustified on the part of the management to refuse employment to the concerned workman as he is a genuine workman.

On behalf of the management MW. 1 Shri Ramakant Roy, mines manager was examined. In 1973 he along with others went to the Kedla Colliery to take over from the erstwhile management. The colliery was then not running. His evidence is that Shri Madan Sukla was the contractor for Block No. 16 and he did not produce any document to show the number of workers. His evidence is that the concerned workman or anybody on his behalf never approached him to say that he was working as despatch officer under Shri Madan Sukla, contractor. He was there till the 1st week of January, 1974 and during this period the concerned workman never came to him. In his cross-examination he has said that except the Kedla South he would not be able to tell much about other blocks. Block No. 16 is in the North Kedla. He did not maintain any diary and he used to meet a large number of workers. Therefore he does not appeal to be very competent to say that the concerned workman was not a workman under the contractor, Shri Madan Sukla.

MW. 2 is Shri Parmanand Lal, Personnel Officer. He was associated with the screening committee of Kedla North. For the purpose of appeals he was authorised to receive the appeals. The appeals were disposed of by the committee in May, 1974 and according to its decision 2300 persons were taken as casual and piece rated workmen. He has categorically said no monthly or time rated workmen were taken in the job. He has proved Exts. M 3 and M 3/1 which are two registers produced by Shri Madan Sukla after the appeals were over. The name of the concerned workman was not in the register nor it was mentioned in the annexure filed along with the written statement. He has said Shri B. K. Sinha, Regional Commissioner has forwarded a letter dated 27-5-75 to the General Manager. This letter is Ext. M 4. His evidence is that the concerned workman ever appeared at the time of screening but had appeared once or twice at the time of hearing of appeal but he did not file any appeal petition. He has said about the arbitration award that only 23 persons were kept in semi-clerical or time-rated jobs.

The other witness MW. 3 is Shri R. S. Murthy. During 1973 he was the Chief Personnel Officer of M/s. NCDC Ltd. he has given the history of the take over, screening committees and subsequent arbitration. He has said nothing about the concerned workman.

Among the documents filed on behalf of the management, we have Ext. M 1 which is the written statement of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh with annexure. Ext. M 2 is the interim award dated 9-6-75 and Ext. M 2/1 file award dated 17-7-75. Exts. M 3 and M 3/1 are two registers. Ext. M 4 is the copy of the letter dated 22-5-75 of the Regional Commissioner to the ALC, Hazaribagh. Ext. M 5 is the specimen proforma to be filled in by the employees seeking employment. Ext. M 6 is the form of letter of appointment to monthly rated employees, Ext. M 7 is annexure A being guide line and criteria for screening persons claiming employment in Kedla Jharkhand Colliery.

I have mentioned the documentary evidence filed on behalf of the workman and proved in this case.

From the nature of evidence adduced, it will appear that the object of the workman is to establish that he was a workman under Kedla Colliery much before the take over when managed by the contractor Shri Madan Sukla. After the take over and nationalisation of that coal mine he was refused employment on the ground that he was not a workman.

I need not say that Section 17 of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972 protects the interest of the workmen and he could not be thrown out if he was a genuine worker. We have, therefore, to ascertain if he was a workman before take over of the colliery by the Government.

The management's case is based on the fact that one screening committee was formed to screen the genuine workers. It was also provided that the workmen who are dissatisfied with the finding of the screening committee were entitled to prefer appeal before the appellate committee. The management has admitted that Shri Madan Sukla, the contractor did not submit any papers before the appeals were conducted. The two registers, Exts. M 3 and Ext. M 3/1 have been alleged to be forged documents and the workman also says that it was manufactured by Shri Madan Sukla in order to employ his own men. So neither party rely on these two documents. It is clear that these two documents are unworthy of consideration for the purpose of the workman or for the management. The management has not filed any paper to show whether the case of the concerned workman Shri Chandra Narain Jha was at all considered in any manner by the screening committee or the appellate committee who selected genuine workmen. So far as the appellate committee is concerned it considered only casual and seasonal labourers. Now we have on the record of this case some significant documents through which the workman has tried to establish that he had filed application for consideration of his case before the screening committee. Ext. W. 1 is a receipt of application of Shri Chandra Narain Jha with bio-data. This is dated 19-12-73. Then there is a receipt of appeal dated 3-1-74 filed by Shri Jha which is Ext. W. 1/1. A copy of the bio-data is Ext. W. 2. These documents would go to show that he had filed application before the screening committee as well as before the appellate committee. The management's witness, as stated above has admitted that Shri Chandra Narain Jha had appeared before the appellate committee. It appears to me that the case of the concerned workman was summarily rejected because Shri Madan Sukla the contractor did not file his papers till the appeal results were over. Thereafter he filed papers which were found to be forged documents. It also appears that although the concerned workman made representations and also resorted to agitation and hunger strike his case was never considered by the management. According to workman's case he was in the bad book of the management on account of agitational approach. It will be apparent that the management's stand is based on the fact that name of Shri C. N. Jha does not appear in the list prepared by the screening committee or in the list prepared by the appellate committee. It is not the positive case of the management that the concerned workman was given an hearing at the time when these two committees held sittings and his case was rejected after giving him full opportunity to present his case. None of the witnesses on behalf of the management are in a position to say that the case of the workman was heard. The two receipts filed by the workman would go to show that his application with bio-data was before the two committees. It appears that these applications were summarily rejected probably in absence of the papers filed by the contractor, Shri Madan Sukla. But he is unable to say on what ground his case was rejected by the screening committees. The workman has produced Ext. W. 4 which is his appointment letter dated 25-8-72. This shows that he was appointed as a despatch officer on a basic salary of Rs. 405-20-505-EB-25-730. This letter shows that before the take over of the mine by the Government Shri C. N. Jha had been appointed as despatch officer. Ext. W. 5 is a certificate granted by Shri A. K. Prasad, Group Personnel Officer, Kedla Jharkhand. He was working in the Receiver's office and the evidence of the concerned workman is that he had to deal with him in the matter of despatch of coal. Smt. Ramnika Gupta issued certificate Ext. W. 6 dated 19-1-74 to Shri C. N. Jha, the concerned workman. She supported in her evidence the granting of the certificate and has also said that Shri C. N. Jha was working under the contractor, Shri Madan Sukla. She

granted another certificate, Ext. W. 7 in the same connection. Now, the witness examined on behalf of the workman have categorically stated that during the time of the contractor, Shri Madan Sukla the concerned workman was an employee of Block No. 16 of Kedla Colliery.

Another important document filed on behalf of the concerned workman is Ext. W. 8. This is a letter sent by Shri B. K. Sinha, Regional Commissioner, Coal Mines Provident Fund, Dhanbad. It is dated 5-8-75. This letter shows that the name of Shri C. N. Jha appeared in Return in Form H for the quarter ending December 1972 submitted by the colliery manager, Kedla, Block No. 16. This letter also shows that since some technical flaw were detected in the said return, the duplicate copy thereof was not sent to the colliery concerned. It means that during the quarter ending December 1972 a return had been submitted in which Shri C. N. Jha's name was mentioned as workman. There is nothing to disbelieve this document, Ext. W. 8.

Then again we have got Ext. W. 9 which is the certificate granted by Shri Shiv Sankar Prasad, manager, Block No. 16, Kedla Colliery. He has certified that Shri C. N. Jha, despatch officer of Block No. 16 of Kedla Colliery had been working since 4-9-72 upto his presence, i.e., July 1973. He has further certified that some staff's name were forwarded by him to the Coal Mines Provident Fund Commissioner, Dhanbad for allotment of Provident Fund Number with the consent and direction of the managing contractor of Kedla Block No. 16. This Shri Shiv Sankar Prasad has been examined as a witness for the workman and has supported his case that he used to work before take over in the Kedla Block No. 16 under him.

We have two letters bearing postal stamps and they are Exts. W. 13 and W. 13/1 addressed to Shri Chandra Narain Jha C/o Shri Madan Sukla, Hazaribagh.

Now it will appear that so far the workman Shri Chandra Narain Jha is concerned he has led ample evidence to show that he was working in Kedla Block No. 16 under Shri Madan Sukla, contractor prior to the take over of the management by the Government. Oral evidence of competent persons have been led by the workman in order to support his case. On the other hand, the management has only given negative evidence; for instance the name of Shri Chandra Narain Jha did not appear in the list prepared by the screening committee, the appellate committee or in the arbitration award. It may be mentioned here that so far as the arbitration award is concerned the management has admitted that it is not binding on the concerned workman as it was merely under the code of discipline. The workman's case is that by then an industrial dispute was already raised and he was not interested in the award. So such an award cannot be used against the concerned workman. So considering the case on facts it has to be held that Shri Chandra Narain Jha was an employee of Kedla Block No. 16 before the take over of the management by the Government.

The learned Advocate Shri T. P. Choudhury appearing on behalf of the management has argued before me that on his own showing Shri Chandra Narain Jha was a despatch officer and his emolument calculated on the basic pay would be far above Rs. 500 and therefore he could not be a workman within the definition of the I.D. Act, 1947. Now this is an established position of law that a designation is not very material for the purpose of ascertaining whether a particular employee is a workman or an officer. The nature of the job has to be ascertained. It will appear that Kedla Jharband was under the administrative control of a manager and that under no other officer. Shri Chandra Narain Jha was a Graduate and according to his evidence he used to perform clerical job including maintenance of accounts and despatch of coal. It appears that he was a mere clerk doing some odd jobs for the contractor and therefore Shri Madan Sukla, the contractor in his appointment letter gave him an elevated designation of despatch officer. It is apparent that his job suggested that he was no better than a clerk. The concerned workman, therefore, cannot be said to be an officer so as to exclude him out of the definition of workman under the Industrial Disputes Act.

Shri T. P. Choudhury has argued before me that this reference is incompetent because the workman has raised an industrial dispute under S. 2A which he is not entitled to do.

What he means to say is that the concerned workman was seeking employment which was not given to him and therefore S. 2A was not applicable. Now this is a case where the workman has been refused to be put in the rolls of the Government company (M/s. National Coal Development Corporation Ltd.) which he was entitled to under S. 17 of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972. It will be therefore a case of termination of services of an individual workman which can be taken up by him for conciliation as an industrial dispute. This plea of the management, therefore, cannot be sustained and it has to be held that the reference is competent.

Thus having considered all aspects of the case it is held that the action of the management of Kedla Colliery of Messrs. Coal Mines Authority Limited, Post Office and District Hazaribagh in refusing employment to Shri Chandra Narain Jha, Despatch Officer of Shri Madan Sukla, a contractor in Kedla Colliery, is not justified. As a result Shri Chandra Narain Jha, Despatch clerk is entitled to employment under the management of Kedla Colliery of Messrs. Coal Mines Authority Limited, Post Office and District Hazaribagh, from the date of take over of the colliery, with all back wages and other emoluments which could be due to him.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-20012/160/75-D.III(A)]

घावेष

का० आ० 645.—केन्द्रीय वर्कशाप, केन्द्रीय कोलफील्ड्स लिमिटेड, बरकाकाना, डाकघर बरकाकाना न्यू टाउनशिप, जिला हजारीबाग (बिहार) के प्रबन्धतंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और उक्त नियोजकों और कर्मचारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के अधीन एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को माध्यस्थ के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थ करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गयी है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थ करार को, जो उसे 19 फरवरी, 1980 को मिला था, एतद्वारा प्रकाशित करती है।

(करार)

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन)

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले :

महाप्रधीक्षक, केन्द्रीय वर्कशाप केन्द्रीय कोलफील्ड्स लिमिटेड, बरकाकाना, डाकखाना बरकाकाना, न्यू टाउनशिप, जिला हजारीबाग (बिहार)

कार्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले :

सचिव, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ (इंटक), ब्रांच, केन्द्रीय वर्कशाप, सी०सी० लिमिटेड, बरकाकाना, जिला हजारीबाग (बिहार)

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री आर० एस० मूर्ति, निदेशक (कार्मिक), केन्द्रीय कोलफील्ड्स लिमिटेड, दरभंगा, हाउस, रांची (बिहार) के माध्यस्थता के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है।

(1) विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त विषय:

“क्या यूनियन की यह मांग, कि भारत सरकार द्वारा स्वीकार की गई कोयला मजदूर बोर्ड की सिफारिशों को मद्देनजर रखने हुए, केन्द्रीय कोलफील्ड्स लिमिटेड की केन्द्रीय वर्कशाप, बरकाकाना के प्लेन आपरेटर ग्रेड-2, श्री गैडा राम भोई को ग्रेड “सी” में रखा जाए, न्यायोचित है? यदि हाँ, तो संबंधित कर्मकार किस अनुवोप का हकदार है?”

(2) विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अंतर्बलित स्थापन या उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है।

(क) केन्द्रीय वर्कशाप, बरकाकाना, डाकघर बरकाकाना, एन० टी०एस०, जिला हजारीबाग का स्वामी कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी केन्द्रीय कोलफील्ड्स लिमिटेड है और उनके द्वारा इसे चलाया जा रहा है। यह वर्कशाप मुख्य रूप से कंपनी की यांत्रिक कोयला खानों में प्रयोग आने वाली उत्खनन मशीनरी एवं संयंत्र के मरम्मत कार्य में लगी है। कारखाना अधिनियम और प्रमाणित म्थायी आदेशों के अंतर्गत महाअधीक्षक, केन्द्रीय वर्कशाप, बरकाकाना के प्रबंधक हैं।

(ख) मंत्री, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ, ब्रांच, सी० डब्ल्यू० एस० बरकाकाना विवाद के संबंध में यूनियन के प्राधिकृत प्रतिनिधि हैं। तथापि, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ केन्द्रीय वर्कशाप, बरकाकाना में मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन नहीं है।

(3) यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो तो उसका नाम:

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ, ब्रांच, केन्द्रीय वर्कशाप, बरकाकाना।

(4) प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या।

1000 (लगभग एक हजार)

(5) विवाद द्वारा प्रभावित या सम्भाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या

केवल 1 (एक)

हम यह करार भी करते हैं कि मध्यस्थ का विनिश्चय हम पर बाध्यकारी होगा।

मध्यस्थ अपना पंचाट तीन मास की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाए, देगा। यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो माध्यस्थ के लिए निदेश स्वतः रद्द हो जाएगा और हम नए माध्यस्थ के लिए बातचीत करने को स्वतंत्र होंगे।

मध्यस्थ ने 28 अक्टूबर, 1979 को महाअधीक्षक, केन्द्रीय वर्कशाप, बरकाकाना को अपनी लिखित सहमति दे दी है।

साक्षी

पक्षकारों के हस्ताक्षर

(1) अपाठ्य

फोरमैन इंजीनियरी
शाप,
सी० डब्ल्यू०एस०
बरकाकाना

(1) ह०

महाअधीक्षक,
केन्द्रीय वर्कशाप, केन्द्रीय
कोलफील्ड्स लिमिटेड,
बरकाकाना,

डाकघर : बरकाकाना,
एन० टी०एस०

जिला हजारीबाग (बिहार)

(2) अपाठ्य,
उच्च श्रेणी लिपिक,
सी० डब्ल्यू०एस०,
बरकाकाना

(नियोजक का प्रतिनिधित्व करने वाले)

(2) ह० -

मंत्री, राष्ट्रीय कोलियरी
मजदूर संघ (इंटर) ब्रांच
केन्द्रीय वर्कशाप, बरकाकाना,
डाकघर बरकाकाना न्यू
टाउनशिप जिला हजारीबाग
(बिहार) (कर्मकारों का
प्रतिनिधित्व करने वाले)

[संख्या एस-20013(2)/80-डी० 3 (ए)]

एस० एच० एस० अथर, डेस्क अधिकारी।

ORDER

S. O. 645.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Central Workshops, Central Coalfields Limited, Barkakana, Post Office Barkakana New Township, District Hazaribagh (Bihar) and their workmen represented by Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh;

And whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government a copy of the said arbitration agreement;

Now therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes said agreement which was received by it on the 19th February 1980.

AGREEMENT

(Under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947)

BETWEEN

Representing Employers : The General Superintendent, Central Workshops, Central Coalfields Limited, Barkakana, P.O. Barkakana New Township, Distt. Hazaribagh (Bihar).

Representing Workmen : The Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh (INTUC), Branch : Central Workshops, C.C. Limited, Barkakana New Township, Distt. Hazaribagh (Bihar).

It is hereby agreed between the parties to refer the following Industrial Disputes to the arbitration of Shri R. S. Murthy, Director (Personnel), Central Coalfields Limited, Durbhanga House, Ranchi (Bihar).

(i) Specific matters in dispute :

"Whether the demand of the Union that Shri Ganda Ram Bhoi, Crane Operator Grade II, Central Workshops, Barkakana of Central Coalfields Limited be placed in Grade 'C' keeping in view the recommendations of the Coal Wage Board accepted by the Government of India is justified? If so, to what relief the Workmen is entitled to?"

(ii) Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved :

(a) The Central Workshops, Barkakana, P.O. Barkakana N.T.S., Distt. Hazaribagh is owned and run by the Central Coalfields Limited, which is a subsidiary Company of Coal India Limited. This Workshop is engaged mainly in the repair work of Excavation Machinery and Plant used in the Mechanised Coal Mines of the Company. The General Superintendent is the Manager of the Central Workshops, Barkakana, under the Factories Act and the Certified Standing Orders.

(b) The Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Branch CWS, Barkakana is the authorised representative of the Union conducting the Dispute. The Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, however is not a recognised Trade Union in the Central Workshops, Barkakana.

(iii) Name of the Union, if any, representing the Workmen in question.

The Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Branch : Central Workshops, Barkakana.

(vi) Total number of workmen employed in the undertaking effected.

1000 (one thousand approx.)

(v) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute.

1 (one) only.

We agree that the award of the Arbitrator shall be binding on us.

The Arbitrator shall make his award within a period of 3 (three) months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period above mentioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate for fresh arbitration.

1243 GI/79—16

The Arbitrator has conveyed his written consent to the General Superintendent, Central Workshops, Barkakana, on 28th December, 1979.

Witnesses.

Signature of the Parties.

(1) Sd/-

Sd/-

Foreman Engineer Shop
C.W.S., Barkakana

(1) General Superintendent,
Central Workshops, Central
Coalfields Limited, Barka-
kana, P. O. Barkakana
NTS, Distt. Hazaribagh
(Bihar)
(Representing Employer)

(2) Sd/-

Sd/-

U.D.C.,
C.W.S., Barkakana

(2) Secretary, Rashtriya
Colliery Mazdoor Sangh
(INTUC), Branch : Central
Workshops, Barkakana,
P.O. Barkakana New Town-
ship, Distt. Hazaribagh
(Bihar)
(Representing Workmen)

[No. 1-20013(2)/80-D.II(A)]
S.H.S. IYER, Desk Officer.

New Delhi, the 6th March, 1980

S.O. 646.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Laxmijote Mica Mine of M/s. Murari Trading Company, P.O. Tisri, District Giridih and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th February, 1980.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
(No. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri J. P. Singh, Presiding Officer

Reference No. 52 of 1979

PARTIES :

Employers in relation to the management of Laxmijote Mica Mine of Messrs Murari Trading Company, Post Office Tisri, District Giridih

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—None

On behalf of the workmen—None

INDUSTRY : Mica Mine

STATE : Bihar.

Dated, Dhanbad, the 13th February, 1980

AWARD

Central Government, being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Laxmijote Mica Mine of M/s. Murari Trading Company, P.O. Tisri, District Giridih and their workmen, referred the matter for adjudication to this Tribunal by the Government of India, Ministry of Labour by their Order No. L-28011(1)/75-D.IV(B), dated, the 30th January, 1976 with the following schedule of reference :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Laxmijote Mica Mine of Messrs Murari Trading Company in laying off 33 workmen specified in Annexure I on 15-3-1975 and subsequently retrenching 22 workmen specified in Annexure II on 15-4-1975 and finally closing down the Mine on 15-5-1975 is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

ANNEXURE I

List of laid off workers

1. Sri D. S. Lal
2. Sri G. B. Rana
3. Sri Shanker Lal Sharma
4. Sri N. K. Kariwala
5. Sri Madhab Chandra De.
6. Sri Bijoy Narain Singh
7. Sri Kapildeo Singh
8. Sri Sambhu Nath Sarkar
9. Sri Shiv Nandan Pandey
10. Sri Jadu Pd.
11. Sri Nageshwar Singh
12. Sri Gokul Ram
13. Sri Mathra Lohar.
14. Sri Dahu Lohar
15. Sri Nandu Pd. Singh
16. Sri Rajkishore Singh
17. Sri Bishwanath Choubey
18. Sri Jagannath Divedi
19. Sri Mahabir Rana
20. Sri Bhagal Rai
21. Sri Sona Kumar
22. Sri Sukhu Hembram
23. Sri Somra Murmu
24. Sri Bhagi Rai No. 2
25. Sri Bharat Gope
26. Sri Thakuri Rai
27. Sri Bholi Kamar
28. Sri Bhatu Rai
29. Sri Basudeo Lohar
30. Sri Chatan Rai
31. Sri Sunder Lohar
32. Sri Kamal Rai
33. Sri Sahadeo Rana.

ANNEXURE II

List of workers whose services were terminated from 15-4-75.

1. Sri B. P. Sarkar, Mate
2. Sri Rampujan Bharati, Darwan
3. Sri Shivajit Singh, Durwan (ii)
4. Sri Manger Rai, Durwan (ii)
5. Sri Sukar Gope, Blaster
6. Sri Jitan Gope, Blaster
7. Sri Pargen Hasde, Unskilled
8. Sri Jagdish Saw, Unskilled
9. Sri Chander Hemrom
10. Sri Janki Rai, Hand Driller
11. Sri Kaleshwar Rai, Explosive Carrier
12. Sri Chotka Hasde, Unskilled
13. Sri Dagan Rai, Unskilled
14. Sri Bishnu Soren, Unskilled
15. Sri Takan Gope, Unskilled
16. Sri Ganesh Rana, Unskilled
17. Sri Bishna Murmu II, Unskilled
18. Sri Somra Soren, Unskilled

19. Sri Bhado Hasde, Unskilled
20. Sri Naika Hasde, Unskilled
21. Sri Chark Hembrom, Unskilled
22. Sri Somra Hasde, Unskilled.

2. The Government of India, Ministry of Labour referred the case to this Tribunal and the case was registered as Ref. No. 3/76. Subsequently it was transferred to Central Government Industrial Tribunal (No. 3), Dhanbad from this Tribunal where the Reference was registered as Ref. No. 1 of 1977. Again the Government of India, Ministry of Labour by its order No. S-11025(2)/79-D.IV(B), dated 22nd June, 1979 transferred the case from Central Government Industrial Tribunal (No. 3), Dhanbad to this Tribunal and the reference is re-numbered on the file of this Tribunal as Ref. No. 52 of 1979.

3. Workman filed the written statement. Their case is that the concerned workmen numbering 33 were first laid off for 45 days and their services were terminated. The reason for this action was that the management was unable to pay electricity bills to the Bihar State Electricity Board. The management closed down the undertaking without paying legal dues. The Vice-President, Metalliferous Mine Workers' Association, P.O. Kodarma, Distt. Hazaribagh of which the concerned workmen are members initiated an industrial dispute and on failure of the conciliation this reference was made.

4. The management took the plea in the written statement that the financial condition to the undertaking was precarious because of accumulation of heavy stock which was then unmarketable. The undertaking was even unable to clear the electricity bills. The management, therefore, had to lay off and resort to retrenchment. According to management no notice was required because the concerned workmen held temporary jobs. The management, however, took the plea that on account of the improved market condition the financial position of the undertaking improved and therefore all the concerned workmen were re-employed and are in the employment of the management.

5. After the written statement was filed by the union representing the workmen, union has consistently failed to prosecute this case. Notices were served before the case was taken up ex-parte. Management examined two witnesses MW1 and MW2 who are in the list of concerned workmen. According to their evidence they are in service and they were paid all dues. The management proposed to examine as many concerned workmen as possible in order to show that no dispute existed between the concerned workmen and the management. But on subsequent dates even the management showed no further interest in this case.

6. In view of the evidence of the witnesses examined on behalf of the management and in manner in which the parties losing interest in prosecution of this case it appears that both the parties think that the dispute has been mutually resolved. It has, therefore, to be treated as a case of no dispute in which the workmen claimed no relief whatsoever. I have no option but to give 'no dispute award'. This reference is accordingly disposed of.

J. P. SINGH, Presiding Officer.
[No. L-28011/1/75-D.IV B/D.III B]
A. K. ROY, Under Secy.